हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

11 जुलाई, 1991

खण्ड–1, अंक 3

अधिकृत विवरण

विषय सूची

वीरवार, 11 जुलाई, 1991

पृष्ठ संख्या

ध्यानाकर्षण प्रस्ताव–	
राज्य में बिजली की कमी सम्बन्धी	(3)1
वाक–आउट	(3)1
ध्यानाकर्षण प्रस्ताव (पुनरारम्भ)	(3)3

वक्तव्य–	
सिंचाई तथा बिजली मंत्री द्वारा उपरोक्त ध्यानाकर्षण प्रस्ताव सम्बन्धी	(3)5
सदन की मेज पर पुनः रखे गये/रखे गये कागज–पत्र	(3)14
वर्ष 1985–86 के लिए अनुदानों तथा विनियोजनों से अधिक मांगें प्रस्तुत करना	(3)15
नियम 121 के अधीन प्रस्ताव–	
सरकारी कार्य को करने के लिए गैर सरकारी दिन को बदलने सम्बन्धी	(3)16
बैठक का समय बढ़ाना	(3)23
कार्य की मदों में परिवर्तन	(3)23
वर्ष 1985– 86 के लिए अनुदानों तथा विनियोजनों से अधिक मांगों पर चर्चा तथा मतदान	(3)24
राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा	(3)25
बैठक का समय बढ़ाना	(3)139
राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(3)140

हरियाणा विधान सभा

वीरवार, 11 जुलाई, 1991

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर– 1, चण्डीगढ़ में प्रातः 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (श्री ईश्वर सिंह)ने अध्यक्षता की।

ध्यानाकर्षण प्रस्ताव–

राज्य में बिजली की कमी सम्बन्धी

Mr. Speaker : Hon'ble Members, I have received calling attention motion Nos. 1 & 4 (bracketed with No. 1) from Shri Lehri Singh and Shrimati Chandravati, M.L.As., respectively, regarding shortage of electricity in the State. I admit it. Shri Lehri Singh may read his notice and the concerned Minister may make the statement thereafter.

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, हमने भी बिजली और पानी के बारे में एक कालिंग अटैशन मोशन दिया था। स्पीकर साहब, आप खुद जमींदार हैं। आज सारे हरियाणा में क्या हालत है, यह छिपी हुई नही है। सब जगह बुरी हालत है। न प्रदेश में पानी है और न ही बिजली बै। सारी स्टेट में बुरी हालत है। (व्यवधान व शोर)

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (श्री शमशेर सिंह सुरजेवाला): आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। इन्होंने कहा है कि

मैंने कालिंग अटैंशन मोशन दिया था, दिया होगा। हमें तो पता नहीं, यह तो आपको पता होगा। लेकिन इस तरह से इसके०पर ये बोल नहीं सकते। कम से कम इनको इस तरह से बोलने का अधिकार नहीं है।

Mr. Speaker : I have received this calling attention motion at 9.10 a.m. and it is being examined.

वाक आउट

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, हमारी एक और कालिंग अटैंशन मोशन थी। सारे हरियाणा प्रदेश में कानून और व्यवस्था बिगड़ चुकी है। (व्यवधान व शोर)मैम्बर ओफ पार्लियामैंट श्रीमती विद्या बैनीवाल के०पर हमला हुआ है। 307 का मुकद्दमा दर्ज है। इसी तरह से हमारे एक आनरेबल मैम्बर श्री ओम प्रकाश जिन्दल को इतना डर है कि वह हिसार में स्थित अपनी फैक्टरी तक नहीं जा रहा है। इनको बुरी तरह से डराया–धमकाया जा रहा है। (व्यवधान व शोर)

Mr. Speaker : Mr. Sampat Singh Ji, you will be getting time during the discussion on Governor's Address when you can refer to these matters. Moreover your calling attention motion in this regard has been received at only 9.10 a.m. today and it is being examined. You please take your seat.

Shri Lehri Singh, M.L.A. may please read out his notice.

श्री सम्पत सिंहः सर, वह मामला बहुत जरूरी है। (व्यवधान व शोर).

Mr. Speaker : No please. Nothing is to be recorded. Plea se be seated.

Shri Sampat Singh : .....

Mr. Speaker : Sampat Singh Ji, please be seated. This is not being recorded.

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, चूंकि हमारी कालिंग अटैशन मोशन्ज ऐडमिट नही की गई हैं और हमारी बात नहीं सुनी जा रही है इसलिए हम वाकआउट करते हैं।

(इस समय श्री सम्पत सिंह सहित बनता समाखवादी पार्टी के सभी उपस्थित सदस्य सदन से वाक आउट कर गए)।

Shri Jagdish Nehra : Mr. Speaker, it is not proper on the p art of any member to speak irrelevant and just for nothing. (विघ्न) स्पीकर साहब, ये फिर वापस आ गये हैं। इसलिये मैं आपसे रिक्वैस्ट करूंगा कि अब इनको बोलने न दिया जाये। अगर इन्होंने आना ही था तो जाने की जरूरत क्या थी? (शोर)

मुख्य मन्त्री (श्री भजन लाल): स्पीकर साहब, आपकी इजाजत के बगैर कोई भी माननीय सदस्य अगर बोले तो वह रिकार्ड नहीं होना चाहिए।

Mr. Speaker : Yes, that will not be recorded.

श्री धीरपाल सिंहः स्पीकर साहब, विद्यार्थियों के ऐडमीशन के मामले में मैंने एक कालिंग अटैन्शन मोशन दिया था, उसका क्या हुआ?

Mr. Speaker : Dhir Pal Singh Ji, your calling attention motion was received at 9.10 a.m. and it is being examined. You please take your seat. अब श्री लहरी सिंह अपना मोशन पढ़ दें।

ध्यानाकर्षण प्रस्ताव (पुनरारम्भ)

श्री लहरी सिंहः स्पीकर साहब, मैं इस महान सदन का ध्यान एक अत्यावश्यक लोक महत्व के विषय की ओर दिलाना चाहता हूं कि जिस दिन से वर्तमान सरकार का गठन हुआ है ठीक उसी दिन से कुरुक्षेत्र तथा यमुनानगर के काश्तकार को पर्याप्त माता में बिजली उपलब्ध नहीं है। भले ही इसके जो भी कारण हों परन्तु आम आदमी की यह धारणा है कि विशेष तौर पर किसानों को बिजली बोर्ड द्वारा तंग किया जा रहा है। पिछले पांच सालों में बिजली की एक भी ट्रिप (कट)नहीं हुई। अब जैसे ही किसान ट्यूबवैल चलाने के लिये खेत में जाता है तुरन्त बिजली चली जाती है तथा किसान आने जाने में ही रह जाता है।

मैं बिजली व सिंचाई मंत्री जी से इस विषय में मिला था तथा उन्होंने कहा था कि बिजली पर्याप्त माता में उपलब्ध है लेकिन बिजली कहां है यह पता नहीं। बड़े खेद की बात है कि जो किसान हमारे देश की अर्थव्यवस्था का मूल आधार हैं उन्हीं

को यदि बिजली से वंचित कर दिया जाएगा तो इसका देश की अर्थव्यवस्था पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ेगा।

नम्र निवेदन है कि मेरा हल्का रादौर जोकि जीरी व गन्ना का इलाका है और दोनों ही फसलें पानी के बिना तबाह हो जाएंगी और अगर यही हालत रही तो शायद जीरी की फसल को नष्ट करना पड़ेगा। जैसाकि आज के हालात हैं अवकी बार बरसात नही हुई और अगले दस दिन तक भी बरसात की कोई उमीद नहीं है। इसको ध्यान में रखते हुए कि जो हरियाणा राज्य सारे देश को अन्न खिलाता है जिसमें कुरुक्षेत्र/यमुनानगर जिलों का भारी योगदान है। उसके लिये सरकार को केवल एक महीने के लिये इस फसल को बचाने के लिये सिंचाई के पर्याप्त साधन उपलब्ध करवाए जाने चाहिएं ताकि देश के करोडों लोग अन्न से वंचित न हो।

अतः मैं सरकार से निवेदन करता हूं कि बड़ी–बड़ी इंडस्ट्रीज पर बिजली का कट लगाकर किसानों को पूरी माता में बिजली उपलब्ध करवाई जाए तथा सरकार इस विषय में सदन में एक वक्तव्य दे।

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, अपने हल्के में बिजली की कमी के बारे में मैंने भी एक कालिंग अटैन्शन मोशन दी थी। वह में भी पढ़ देती हूं।

Mr. Speaker : Madam, your calling attention motion

is on the same subject. It has been clubbed with this calling attention motion. You will get time to put a question.

Snit. Chandravati : Speaker sir, my calling attention motion is different. Let me read it.

Mr. Speaker : Madam, it has been circulated to the members. There is no need to read it. It is on the same subject.

श्रीमती चन्द्रावतीः मेरी कालिंग अटैशन मोशन तो अलग. से है। यह मेरे इलाके के बारे में है।

श्री बंसी लालः स्पीकर साहब, इनकी कालिंग अटैन्शन मोशन का वाइड स्कोप है। इनको पढ्ने में दो मिनट लगेंगे। इसमें कोई हर्ज नहीं है। इनको पढ़ लेने दें।

Mr. Speaker : Normally, the member whose notice in clubbed is given an opportunity to ask a question. Since you are pressing for it, Shrimati Chandravati may please read out her notice.

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, मैं इस महान सदन का ध्यान एक अत्यावश्यक लोक महत्व के विषय की ओर दिलाना चाहती हूं कि सारे हरियाणा में विशेषकर लोहारू हल्के में बिजली की कमी है। वोल्टेज कम है जिसके कारण कुंओं की मोटरें नहीं चलती। बिजली कभी–कभी आती है वह भी फलकच्यूएट होती है।

अतः मैं सरकार से निवेदन करती हूं कि वह इस संबंध में सदन में अपनी स्थिति स्पष्ट करे।

स्पीकर साहब, ...

Mr. Speaker : Madam no speech now. It will not be recorded.

Shri Ram Bilas Sharma : Sir, on a point of order.

Mr, Speaker : Sharma Ji, you will also get time to ask a question.

श्री राम विलास शर्माः स्पीकर साहब, सारे प्रदेश में बिजली के बारे में इतनी हाहाकार मची हुई है कि लोग बहुत ज्यादा परेशान हैं। सरकार का हाल यह है कि सुबह को कुछ व्यान दिया जाता है और शाम को दूसरा ब्यान दिया जाता है।

Mr. Speaker : Sharma Ji, you are speaking on the same subject. Your calling attention motion has been attached with this motion. Now, no speech please and take your seat.

श्री राम बिलास शर्माः स्पीकर साहब, मैं स्पीच नही कर रहा हू। मैं तो यह कहना चाहता हूं कि बिजली की कमी के बारे में मैरो एक कालिंग अटैन्शन मोशन थी। उसका क्या हुआ?

Mr. Speaker : Sharma Ji, I have told you that the same has been attached with this motion . You can ask a question after the Minister has made the statement. The point which you have raised is already covered in the calling attention motion, which has been admitted and read out.

श्री राम विलास शर्मा: स्पीकर साहब, बिजली के बारे में मैंने एक काल अटैन्शन मोशन कल दी थी और उसमें मैंने पर्टिकुलर एरियाज लिखे हैं कि चौबीस घंटे में कितने घंटे बिजली लोगों को मिलती है और कितने घंटे नहीं मिलती। सरकार इस बारे में गल्त ब्यानी कर रही है।

Mr. Speaker : Sharma Ji, as I stated earlier, your calling attention motion has been attached with this motion. Now the Minister concerned may make the statement.

वक्तव्य–

सिंचाई तथा बिजली मंत्री द्वारा उपरोक्त ध्यानाकर्षण प्रस्ताव सम्बन्धी

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (श्री शमशेर सिंह सुरजेवाला): स्पीकर साहब, यह सही है कि गत पखवाड़े में बीच–बीच में कटौतियां लगीं और बिजली के अविराम सप्लाई में बाधा उत्पन्न हुई। ये कटौतियां इस कारण लगी कि उत्तर क्षेत्रीय ग्रिड, जिसके हम एक सदस्य हैं, उसमें कुछ ऐसे हालात पैदा हुए जिनके कारण वोल्टेज में अत्याधिक गिरावट आती रही। जिस समय ग्रिड के वोल्टेज, में इस किस्म की गिरावट आती है, तो ग्रिड में लगी बहुमूल्य मशीनरी, यहां तक कि बिजली जनरेटिंग स्टेशन को भी, भारी नुकसान होने का अन्देशा रहता है। इस प्रकार के भारी नुकसान से बचने के उद्देश्य से ग्रिड के प्रचलन प्रणाली के अनुसार कटौती लगानी अनिवार्य हो जाती है। पीछे इस

प्रकार की कटौती उत्तर क्षेत्र के कई राज्यों मे उत्तर क्षेत्रीय बिजली बोर्ड के निर्देश अनुसार लगानी पडी अन्यथा ग्रिड के बन्द हो जानै की आशंका थी, जैसे कि पूर्व क्षेत्रीय ग्रिड में हाल ही में 2 जुलाई, 1991 को हुआ था। हमारे उत्तरी ग्रिड में भी इस किस्म की अवस्था दिसम्बर, 1989 में उत्पन्न हुई थी। जिसके नतीजे के तौर पर कई घण्टों तक बिजली पूरे क्षेत्र में नहीं रही और इसके बाद भी कह दिनों तक सप्लाई अपर्याप्त रही।

2. इन कारणों से, गर्मी के मौसम में, बिजली की कटौतियां कोई अनोखी चीज नही है। यह कहना कि पिछले वर्षों में इस प्रकार की कटौतियां नहीं लगी हैं निराधार है। सही बात तो यी है कि गत वर्ष जून के महीने में भाखड़ा ब्यास प्रबन्धक बोर्ड के नियन्त्रणाधीन दस, 400 तथा 220 के० वी० उपकेन्द्रों पर औसतन 15 दिन कटौती लगी जबकि इस वर्ष इन केन्द्रों (स्टेशनों)पर औसतन 11 दिन कटौतिया लगी।

3. फिर भीं स्थिति को सुधारने के उद्देश्य से मुख्य मन्त्री महोदय ने केन्द्रीय०र्जा मन्त्री से 3 जुलाई को विचार–विमर्श किया एवं उन्हें पन द्वारा भी सम्बोधित किया। उत्तरी ग्रिड में सुधार लाने के उद्देश्य से केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण (सी० ई० ए०)में भी 8 जुलाई, 1991 को एक बैठक हुई। मौजूदा हालात को देखते हुए जब कि एक ओर तो जोरी की बिजाई अन्य वर्षो के मुकाबले में जल्दी आरम्भ हो गई है और दूसरी ओर बरसात के आने में विलम्ब हो रहा है, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण (सी० ई०

ए०)ने उत्तर प्रदेश राज्य से अनुरोध किया है कि वे अपने क्षेत्र में०र्जा सप्लाई को नियन्त्रित करें ताकि पंजाब और हरियाणा जैसे जीरी पैदा करने वाले प्रान्तों को अविराम बिजली मिलती रहे। इसके अतिरिक्त विभिन्न किस्म की लौड शैडिंग अर्थात् नियन्त्रण प्रणाली पड़ौसी राज्यों में लागू हो गई है। दिल्ली में भी कटौतियां लगाई गई। पंजाब के औद्योगिक खपत के लिए आवश्यक०र्जा की सप्लाई में कटौतियां की गई हैं। हमने भी 9 जुलाई, 1991 के सायंकाल से स्टील फर्नेसिंस (इस्पात भट्टियां)पर ग्रिड से बिजली सप्लाई को थोडे दिनों के लिए पूर्ण रूप से बन्द कर दिया है। इन सभी उपायों से पिछले 2– 3 दिनों में बिजली संचालन प्रणाली में विशिष्ट सुधार हुआ है और आशा है कि शीघ्र ही इसमें और भी सुधार हो जायेगा। इसके साथ इस्पात मिलों पर लगाये गये नियत्रणों को वापिस लेना भी संभव हो पायेगा।

4. दूसरी ओर यह तथ्य भी उल्लेखनीय है किं पिछले पखवाड़े में, अर्थात् मौजूदा सरकार द्वारा कार्यभार संभालने के पश्चात् विजली उत्पादन एवं वितरण में अभूतपूर्व उपलब्धियां प्राप्त हुई हैं। 7 जूलाई, 1981 को हम 522 लाख यूनिट सप्लाई कर पाये थे और 9 जुलाई, 1991 को 324 लाख यूनिट सप्लाई कर चूके हैं, जितनी कि इससे पहले कभी नहीं हुई।

5. इन दिनों, अर्थात् 23 जून, 1991 से 8 जूलाई, 1991 तक की अवधि में बिजली सप्लाई की दैनिक औसत 292 लाख यूनिट रही है जबकि गत वर्ष के इन्हीं दिनों में यह औसत 248

लाख यूनिट थी औरे इससे पूर्व वर्ष में 219 लाख यूनिट मात्र ही सप्लाई करना संभव हुआ था।

6. इस औसतन दैनिक सप्लाई से इस वर्ष के पिछले पखबाड़े में हम औसतन 170 लाख यूनिट प्रतिदिन की सप्लाई ग्रामीण क्षेत्र में कृषि उपभोग के लिए कर रहे हैं। इस मात्रा का मुकाबला गत वर्ष के 133 लाख यूनिट की दैनिक सप्लाई, जो कृषि क्षेत्र को हो रही थी, तथा 1989 की केवल मात 121 लाख यूनिट प्रतिदिन के साथ किया जा सकता है।

7. इन आकडों से यह स्पष्ट हो जायेगा कि वर्तमान सरकार के गठन के उपरान्त बिजली की सप्लाई, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्र को बिजली की सप्लाई में लगभग एक तिहाई वृद्धि हुई है।

8. उत्पादन एवं सप्लाई के अतिरिक्त सरकार ने वितरण प्रणाली में सुधार करने के लिये भी बिजली बोर्ड को ठोस कदम उठाने के निर्देश दिये। दुर्भाग्यवश ट्रान्सफार्मर बैक जो बिजली बोर्ड के पास होने चाहिये थे वह किन्हीं कारणों से उपलब्ध नहीं हैं। फलस्वरूप जलने बाले ट्रान्सफार्मर को शीघ्रतापूर्वक बदलना अक्सर सम्भव नहीं होता है। चले हुए ट्रान्सफार्मरों को तुरन्त बदलने के उद्देश्य से बिजली बोर्ड ने अपनी मरम्मत करने की क्षमता को हाल ही में बढ़ाया है एवं गत वर्ष के 700 की अपेक्षा अब 975 प्रति माह मरम्मत किए जा रहे हैं। सरकार के निर्देश अनुसार बिजली बोर्ड नये ट्रान्सफार्मरों की खरीद भी तेजी से कर

रहा है एव जुलाई के महीने के प्रारम्भिक दस दिनों में 700 के लगभग नये ट्रान्सफार्मर उपलब्ध हो गये है। इनको प्रयोग में लाने से जून के अन्त तक जले हुए लगभग 630 ट्रान्सफार्मर सरलता पूर्वक बदले का सकेंगे।

9. आवश्यकता अनुसार नये सब स्टेशन के निर्माण एवं मौजूदा सब स्टेशन की क्षमता में वृद्धि का कार्यक्रम भी बिजली बोर्ड द्वारा सरकार के निर्देश अनुसार शीघ्रता पूर्वक किया जा रहा है। उदाहरण के तौर पर पानीपत ताप बिजली घर में एक 100 एम० वी० ए०,220/ 132 के० वी० का बड़ा ट्रान्सफार्मर लगाया जा चुका है। इससे पानीपत और सफीदों के इलाकों में वोल्टेज में सुधार हुआ है। इसी प्रकार 66 के० वी० पिपली और 33 के० वी० पपराला में सब स्टेशन चालू किए गए हैं। एक और 132 के० वी० का महत्वपूर्ण सब स्टेशन जिसका उल्लेख किया जा सकता है वह सीवन का है। इस पर काम पूरा हो चुका है एवं कुछ ही दिनों में चालू हो जायेगा जिससे इस इलाके में अविराम बिजली सुनिश्चित करना संभव होगा।

10. अन्त में सदन के सम्मुख मैं इस बात को दोहराना चाहूंगा कि बिजली की इन कटौतियों के होते हुए भी इन तथ्यों को नजर अन्दाज नहीं किया जा सकता है कि पूर्व वर्ष के मुकाबले में हम हर रोज कहीं अधिक बिजली समस्त राज्य को सप्लाई करते रहे हैं, जिसका अधिकांस भाग ग्रामीण क्षेत्र को कृषि पैदाकर में बढावा लाने के उद्देश्य से हम देते रहे है।

श्री लहरी सिंहः स्पीकर साहब, अभी माननीय सिंचाई तथा बिजली मैली चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला जी ने सदन में स्टेटमैंट पढी। क्या मंत्री जी अपने दिल पर हाथ रख करके यह कह सकते हैं कि वे बिजली की सप्लाई से संतुष्ट हैं? सदन में हरियाणा की जनता सदन की कार्यवाही देखने के लिए आई हुई है, वे उनसे पूछे कि वे रात और दिन किस तरह से बिजली के लिए तंग हो रहे हैं। इस तरह से स्टेटमैंट दे करके हाउस को गुमराह किया जा रहा है। मंत्री जी खुद इस बात से सन्तुष्ट नहीं हैं कि हरियाणा प्रान्त में बिजली की सप्लाई ठीक तरह से हो रही है। इसके साथ साथ मैं एक क्वैश्चन पूछना चाहूंगा। अभी मंत्री जी ने स्टेटमैंट में बताया है कि जुलाई के महीने के प्रारम्भिक दस दिनों में 700 के लगभग नए ट्रान्सफार्मर उपलब्ध हो गए हैं। इनको प्रयोग में लाने से जून के अन्त तक जले हुए लगभग 630 ट्रांसफार्मर बदले जा सकेंगे। स्पीकर साहब मैं आपके द्वारा मती जी से यह जानना चाहता हूं कि 200 ट्रांसफार्मर हरियाणा प्रान्त से यू० पी० में क्यों भेंजे गए जबकि हमारे प्रान्त में फसल अली पडी है। जब हमारे धर में फसल जली पड़ी है तो यू० पी० में ट्रांसफार्मर भेजने का क्या तुक था?

श्री शमशेर सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, मैरे साथी लहरी सिंह ने जो कालिंग अटैशन मोशन का नोटिस दिया था उसका मैंने जवाव दिया है। माननीय सदस्य ने अपने कालिंग अटैंशन मोशन के नोटिस में स्वयं यह बात कही है कि सूखा पड़ा

हुआ है, बरसात नहीं हुई है जिसके कारण बड़ी गम्भीर समस्या बनी हुई है। अध्यक्ष महोदय, यदि किसी के पास कोई बात कहने के लिए न हो तो उसका राजनीतिक लाभ उठाने के लिए चाहे कितना ही शोर मचाए, उसका कोई फायदा नही है। तथ्य यह है कि कुदरत के खिलाफ कोई भी पूर्ण रूप से लड़ाई नहीं लड़ सकता। जब 1987 में चौधरी देवी लाल जी मुख्य मती थे उस समय किसानों ने अपनी जीरी और धान की फसल को ट्रैक्टर और हल चला कर उजाड़ दिया था। अध्यक्ष महोदय, आप ऐसे इलाके से संबंध रखते हैं जहां पर जीरी और धान की पैदावार होती है और भी बहुत से माननीय सदस्य ऐसे हैं जो ऐसे इलाकों से संबंध रखते है जहां पर जीरी और धान की पैदावार होती है। मैं मेरे सामने बैठे साथियों को याद दिलाना चाहता हूं कि 1987 में किसानों ने अपनी जीरी और धान की फसल ट्रैक्टर और हल चला कर उजाड़ दी थी क्योंकि उस समय की सरकार किसानों को नियमित रूप से बिजली की सप्लाई नही कर सकी थी। यह रिकार्ड की बात है। (शोर)यह बात आप उन लोगों से पूछों जिन्होंने अपनी जीरी की फसल को ट्रैक्टर और हल चला कर उजाड़ा था क्योंकि आप उस समय बिजली की सप्लाई नहीं कर सके। मैं एक बात बड़े जोर से कहना चाहूंगा कि जीरी और धान की फसल न अकेली बारिश से हो सकती है और न अकेली बिजली की सप्लाई से हो सकती है। दोनों की आल्डरनेट उपलब्धता से ही जीरी और धान की पैदावार हो सकती है। अध्यक्ष महोदय, जीरी और धान की फसल मौनसून शुरु होने से जून के अन्तिम सप्ताह वॉ जलाई

के पहले सप्ताह में लगती है। फिर मौनसून की स्पोर्ट से और बिजली की स्पोर्ट से जीरी और धान की फसल पकती है। इस साल एक अनुचित बात यह हुई कि जून के पहले सप्ताह में बरसात हो गई यानी परि–मौनसून की बड़ी भारी बारिश जून के पहले सप्ताह में हो गई। उसका लाभ समझ करके जीरी के इलाके के किसानों ने जून के पहले सप्ताह में जीरी लगा दी। उस बरसात के बाद पूरे जून के महीने में बरसात नहीं हुई और जुलाई का महीना आधे के करीब वति चुका है, एक बूंद बरसात नहीं हुई। इसलिए जीरी को बरसात की कोई स्पोर्ट नही मिली। यमुना रिवर में जो पानी आता है वह भी बरसात का आता है क्योंकि वह बरसाती दरिया है। बरसात न होने के कारण यमुना रिवर में भी पानी की बहुत कमी है जिसके कारण यमुना के इलाके में भी जीरी की फसल के लिए पानी की कमी है,। यह बात भी बिल्कुल सच है कि इस साल खेतीबाड़ी के लिए दो करोड़ यूनिट बिजली रोजाना दे पाए हैं। एक या' सवा करोड यूनिट बिजली बाकी जो दूसरे उपभोक्ता है उनको दे पाए हैं। यह अपने आप में एक रिकार्ड है। इसके बावजूद मैंने यह बात मानी है और मुझे मानने में कोई संकोच भी नही है कि ग्रिड में प्रोब्लम णै। बिजली की समस्या केवल हरियाणा प्रान्त में ही नहीं है, यू० पी०, दिल्ली और पंजाब में भी बिजली की समस्या है क्योंकि इनका ग्रिड एक ही है। हरियाणा में आज भी बिजली की कमी नही है। हम साढ़े तीन करोड यूनिट बिजली डेली देने की क्षमता रखते हैं अगर हम ग्रिड की फिक्वैसी उठा सकते हों। लेकिन सच बात यह है कि यू० पी०,

दिल्ली और पंजाब का एक ही ग्रिड है और कौमन ग्रिड होने के कारण वह फिक्वैसी वोल्टेज नहीं उठा सकता। इसलिए हमें अपनी मशीनरी बचाने के लिए एक एक या दो दो घंटे बिजली बंद करनी पडती है। कल करनाल शहर के आधे हिस्से में बिजली की सप्लाई अच्छी तरह नहीं हो रही थी क्योंकि वहां का ओ० सी० बी० खराब था बाकी पूरे हरियाणा में एक मिनट का भी कट नहीं था। परसों ज्यादा से ज्यादा 50 मिनट का कट था। इससे पहले कई बार 3 घंटे, 4 घंटे और कई जगह जैसे भिवानी शहर में लाईन गिरने से 7 घंटे बिजली बंद रही थी। आज से 6 दिन पहले 12 घंटे बिजली बंद रही। उस समय तूफान की वजह से लाईनों पर दरखत गिर गए थे। इस तरह से लोकल कारणों को छोड्कर पिछले दो दिनों से और उससे पिछले 4–5 दिनों से बिजली में निरंतर सुधार हो रहा है।. यी एक क्राइसिज का वक्त है। जो इसका राजनीतिक लाभ उठाना चाहते हैं लोग उनको देख रहे हैं। असल बात यह है कि इसके लिए दोषी कौन है। पहले जब कांग्रेस सरकार थी तो हमारा ट्रांसफार्मर बैंक होता था। जो हमारे कन्ज्यूमर्ज ट्यूबवैल्ज वाले थे या घरों की लाईनों वाले थे, उनके लिए हर एस० ई० के सर्कल में 100 ट्रांसफार्मर हम रखते थे। यह इसलिए रखते थे कि यदि ट्रांसफार्मर डैमेज हो जाये तो उसको 24 घंटे या 48 घंटे मे वदला जा सके। इसलिए इन लोगों को सिवाए भद्दी राजनीति करने के कोई दूसरा काम नही था। जब यह सरकार आई तो उस समय इनकी सरकार 1000 ट्रांसफार्मर जले हुए छोड़ कर गई थी। कई बिजली घरों के ट्रांसफार्मर भी ये जले हुए छोड़ कर गए थे। जब

पहले कांग्रेस की सरकार थी तो उस वक्त 700 ट्रांसफार्मर एक महीने में रिपेयर होते थे। जिस दिन कांग्रेस ने सरकार को छोड़ा उस दिन और फिर जिस दिन कांग्रेस ने दुबारा सत्ता सम्भाली तो इस अवधि में भी सिर्फ 700 ही ट्रांसफार्मर रिपेयर होते थे। इन्होंने एक ट्रांसफार्मर भी नया रिपेयर के लिए ऐड नही कियां और पिछले 15 दिन में भजन' लाल की सरकार ने 700 से लेकर 950, ट्रांसफार्मर की क्षमता रिपेयर करने के लिए बढ़ाई है। मैं इनकी जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि हम 1500 ट्रांसफार्मरों की मरम्मत हर महीने करने की क्षमता बहुत जल्दी बनाने वाले हैं। अध्यक्ष महोदय, इन्होंने जीरी के इलाके में अपने 4 साल के शासन में ट्रांसमिशन की लाईन की एक कील भी नहीं गाड़ी और न किसी सब स्टेशन को अपग्रेड किया गया। इन्होंने जो ट्रासफार्मर थे उनको ठीक करना तो दूर, कही पर किसी लाईन को पूरा करने के लिए तार और खम्बे तक नहीं लगाये बल्कि और उखाड़े गए। इतना ही नहीं इन्होंने सारे खजाने को लुटा दिया और जैसा –मेरे दोस्त ने बताया कि यू० पी० में ट्रांसफार्मर भेज दिए, बिहार में भेज दिए। बड़े दानी बने हुए थे। जबकि हरियाणा के अन्दर बड़ी भारी कमी बनी हुई थी। अध्यक्ष महोदय, समय आएगा जब हाउस में इस बारे में बहस होगी। उस समय हम इनके काले कारनामों को नंगा करेंगे। अध्यक्ष महोदय, ये कांग्रेस पार्टी के बारे में कोई बात कह सकते हैं लेकिन अपनी बातों की तरफ ध्यान नहीं देते। अध्यक्ष महोदय, मैं आकड़े देना चाहूंगा कि कहां पर कितने कितने ट्रांसफार्मर डैमेज है और बिजली की सप्लाई की

क्या पोजीशन है। फरीदाबाद में केवल 20 ट्रांसफार्मर डैमेजड हैं। इनको हम एक हफते मे बदल देंगे।

श्री राम विलास शर्माः आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर।

Mr. Speaker : No point of order, please. Sharma Ji, let him complete. You will also get time.

श्री शमशेर सिंह सुरजेवालाः नारनौल–रिवाड़ी में 52 ट्रांसफार्मर डैमेजड है, हिसार में कोई ट्रांसफार्मर इस वक्त डैमेजड नहीं है। सोनीपत में सारे बदले जा चुके हैं।

श्री राम बिलास शर्माः आन ए प्वांयट आफ आर्डर, सर।

Mr. Speaker : Sharma Ji, as I said earlier , you will also get time for asking a question. Let him complete first. (Interruptions) Sharma Ji, it is not a question hour. You cannot interrupt like this. Please take your seat.

श्री शमशेर सिंह सुरजेवालाः करनाल में 4, अम्बाला में 36, भिवानी में 2, कुरुक्षेत्र में 102, गुडगांव में 50 ट्रांसफार्मर बदले जाने हैं जबकि जीन्द में कोई ट्रांसफार्मर नहीं बदला जाना। मैं हाउस को विश्वास दिलाता हूं कि एक सप्ताह या 10 दिन के अन्दर अन्दर एक भी ट्रांसफार्मर हरियाणा में ऐसा नहीं होगा जो सरकार बदल न देगी ओर आगे के लिए हम पूरी बैंक बनाएंगे। अध्यक्ष महोदय, सरकार के खिलाफ विपक्ष जो झूठा प्रचार करता है कि हमने बिजली दिल्ली को दे दी, गलत बात है। ये तो यह भी कह रहे हैं कि सरकार ज्यादा बिजली इण्डस्ट्रीज को दे रही है।

श्री सम्पत सिंहः आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। अब एक यूनिट बिजली भी समय पर नहीं मिल रही।

Mr. Speaker : No point of order. He is simply giving reply. Please take your seat and let him have his say.

10.00 बजे

श्री शमशेर सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, यह बात बिल्कुल सही है कि हरियाणा से एक भी यूनिट बिजली बाहर नहीं जा रही है। हमारे हिस्से की बिजली का एक भी यूनिट दिल्ली, यू० पी०, पंजाब या और कहीं नहीं जा रहा है। यह सारा झूठा और राजनैतिक प्रचार है। यह भी गलत बात है कि हम दस्तकारी को या कारखानों को प्राथमिकता दे रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से इस हाऊस को बताना चाहूंगा कि ' यह सरकार किसानो,. मजदूरों और गरीबों की सरकार है। इस सरकार की प्राथमिकता किसानों को तथा घरों में बिजली देना है दस्तकारी को बिजली बाद में दी जाएगी। दस्तकारी पर हमने आलरेडी कट लगा रख है। वोल्टेज को बचाने के लिए हमें हरियाणा के कारखानों में चाहे कितना भी कट लगाना पडे, उससे गुरेज नहीं करेंगे। कारखाने चाहे कितनी देर बन्द करने पड़े, वह हम करेंगे। सब से पहले खेतीबाड़ी के लिए बिजली देंगे ताकि किसान की पैदावार बढ़े और प्रदेश में फसल अधिक हो। इन लोगों की तरह ट्रैक्टर और हल को उजड़ने नही देंगे बल्कि उसको बचाएंगे।

श्री राम बिलास शर्माः अध्यक्ष महोदय, आपने मेरी कालिंग अटैशन मोशन इसके साथ जोड़ते हुए मुझे बोलने का अवसर दया है, इसके लिए मैं आपक धन्यवाद करता हूं। अध्यक्ष महोदय, हमारे सदन के वरिष्ठ मंत्री महोदय पर नीचे से०पर तक अनुभव की सफेदी है (विघ्न) । आज ऐसा लगता है कि पहले जब कभी ये आई० पी० एम० हु आ करते थे उस समय की स्टेटमैंट उठा कर इन्होंने पढ़ दी हो। Speaker Sir, I want to quote from his own statement which he has given in this august House.

अध्यक्ष महोदय, आदरणीय सुरजे वाला जी ने स्वीकार किया है कि हमने कटौतियां लगाई हैं, स्टील फर्नेसिज पर कटौतियां लगाई हैं। अपनी बात की पुष्टि में इन्होंने दिल्ली और पंजाब में कटौती का जिक्र किया तथा कई बातें और भी कहीं।

श्री शमशेर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट औफ आर्डर है।

श्री राम विलास शर्माः स्पीकर साहब, ये बहुत पुराने पार्लियामैटेरियन हैं। इन्हें यह पता होना चाहिए कि क्या क्वैश्चन में भी प्वायंट औफ आर्डर होता है?

श्री शमशेर सिंह सुरजेवालाः ऐसी बात नहीं है। क्वैश्चन्ज में भी प्वायंट औक आर्डर हो सकता है।

Mr. Speaker : Surjewala Ji, let him say.

श्री शमशेर सिंह सुरजेवाला: स्पीकर साहब, मैं तो यह कहना चाहता था कि ये सिर्फ सवाल पूछ सकते हैं लैक्चर नहीं दे सकते। इनसे कहिये कि ये सिर्फ रैलेवैन्ट क्वैश्चन ही पूछें।

श्री राम बिलास शर्मा: स्पीकर साहब, यह तो आपने देखना है कि कौन क्या कह सकता हे, इन्होंने तो सर्फ जवाब देना है। आपने कृपा करके मेरी कालिंग अटैंशन मोशन स्वीकार की और मैं आपकी इजाजत से वो लने के लिए खडा हुआ हूं।

Mr. Speaker : Ram Bilas Ji, you please ask a specific question only.

श्री राम बिलास शर्मा: स्पैसिफिक मैटर पर आपके गुड औफिस ने हमारी कालिंग अटैंशन मोशन ऐडमिट की है हरियाणा की यह बहुत ही जाति प्रौब्लम है और उसके बारे में माननीय मंत्री महोदय ने इतना बड़ा भाषण दिया जो स्टेटमैंट के अलावा था। मैं आपकी इजाजत से सवाल पूछने के लिए खड़ा हुआ हूं। इन्होंने कहा कि स्टील फर्नेसिज पर बिजली की पाबन्दी लगा दी। अपनी बात की – पुष्टि में इन्होंने उदाहरण दिया और दूसरी तरफ फरमाते हैं कि बड़ी भारी उपलब्धियां हुई। स्पीकर साहब, मैं आपसे गुजारिश करूंगा कि आप इस हाऊस की एक कमेटी बना दें जो बिजली के उत्पादन और सप्लाई की जांच करे। स्पीकर साहब, मैं कहना चाहता हूं कि माननीय मंत्री जी का बयान गलत है। देहात में बिजली के लिए हाहाकार मचा हुआ है, बिजली के

बिना ट्यूबवैल्ज नहीं चल रहे हैं, लोगों को पीने का पानी नहीं मिल रहा है। (विध्न)

Mr. Speaker : What is your question please ?

श्री शमशेर सिंह सुरजेवालाः इन्हें लैक्चर नहीं देना चाहिए सिर्फ स्पैसिफिक सवाल ही पूछना चाहिए।

श्री राम बिलास शर्माः अध्यक्ष महोदय, कालिंग अटैंशन मोशन सै ज्यादा और स्पैसिफिक क्या हो सकता है? मैं इस महान सदन में आपकी अनुमति से करन्ट प्रोब्लम पर ध्यानाकर्षण प्रस्ताव लाया हूं। अगर मन्त्री महोदय जवाब देने की स्थिति में नहीं हैं, तो ये समय मांग लें। मैं आगसे गुजारिश करना चाहूंगा कि जो बयान इन्होंने दिया है, उससे इन्होंने सदन को गुमराह किया है। हरियाणा में किसानों को और व्यापारियों को उतनी बिजली नहीं मिल रही है जितनी इन्होंने यहां पर बयान की है। (विघ्न)

श्री शमशेर सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने सवाल पूछने की बजाए भाषण देने की कोशिश की है। मुझे यह कहना है कि अगर मैंने गल ले स्टेटमैंट दी है तो ये मेरे खिलाफ आज्य या कल प्रिविलेज मोशन दे सकते हैं। मे पुराने सदस्य हैं और इन्हें इस बात के बारे में पता होगा।

Mr. Speaker : The statement of the Minister is to be believed.

श्री शमशेर सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, ये मेरे खिलाफ प्रिविलेज मोशन लाएं। मैं फिर कहता हूं कि वोल्टेज को ठीक रखने के लिए हमने इण्डस्ट्रीज में कटौती लगाई है। एक करोड़ 75 लाख यूनिट के करीब रोजाना कृषि क्षेत्र को बिजली दी जा रही है जो कि पिछले साल दी गई बिजली से ज्यादा है। स्पीकर साहब, कुदरत से कोई नहीं लड़ सकता लेकिन हमने लड़ने का प्रयत्न जरूर किया है। हमने लोगों को रिलीफ देने की कोशिश की है। इन हालात में हम यह भी सोच रहे है कि हम इंडस्ट्रीज पर कटौती लगायें। यह भी सच है कि हम ज्यादा से ज्यादा विजली सप्लाई करने की कोशिश कर रहे हैं। ये दोनों बातें ही सच हैं।

श्रीमती चन्द्रावतीः मंत्री जी ने यह कहा है कि कुदरत के साथ कोई नही लड़ सकता। इस बार बरसात भी कम हुई है। लेकिन सरकार का जो मैट्रोलोजकिल विभाग है, उसने किसानों से यह कहा कि मौनसून लेट आयेगी इसलिये जो भी पानी अवेलेबल है, उससे आप सोईन्ग कर लो। इसलिये भी यह जरूरी हो जाता है कि आप उनको बिजली समय पर दें। नहीं तो सरकार को इस बात का डिसक्रैडिट जायेगा। आप यहां पर जो कुछ भी बता दें, उससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा। हम तो गांवों में काम करके पता लगाते हैं। वे जो कहते हैं, हम तो वह आपको बताते हैं। आपने यह नहीं कहा कि हम बिजली देंगें। आपने यह कहा है कि आशा है कि स्थिति सुधरेगी। कम से कम जो जवाब आये, वह तो

डैफीनिट होना चाहिये। एक बात आप देखें कि मिनिस्टर साहब हाउस में बोल रहे हैं और उसमें इफस एंड बट्स की बात नहीं होनी चाहिये। वे यह कहें कि हम बिजली देंगे। स्पीकर साहब, एक शब्द इन्होंने ''झूठ'' कहा था। वह अन–पार्लियामैंट्री शब्द है। चाहे किसी के लिये भी इस्तेमाल किया गया हो, वह शब्द प्रोसीडिंग्ज में नही आना चाहिये, वह रिकार्ड का अंश नहीं होना चाहिये। यह मेरो गुजारिश है।

श्री अध्यक्षः वह किसी के लिए नही बल्कि प्रचार के लिए इस्तेमाल किया गया है।

श्रीमती चन्द्रावतीः बिजली की पोजीशन में इम्पूवमैंट के लिये ये जो कुछ भी कर सकते हैं, वह करें ताकि बिजली ये सब को दे सकें। जले हुए ट्रांसफार्मर बदलें। आपने अपने जवाब में यह नहीं कहा कि ट्रांसफार्मर बदल रहे हैं। इसके लिये 6 महीने या एक सात्र लगें, लेकिन उनको जल्दी बदलें। यह नही होना चाहिये कि उनको न बदलें। आप उनको अवश्य बदल दें, ऐसा होना चाहिये।

श्री शमशेर सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, माननीय चन्द्रावती जी' ने सिर्फ बातें करने की कोशिश की है। कोई सवाल तो नहीं किया है। इनका कहना यह है कि हम यह बतायें कि हम बिजली पूरी देंगे या नहीं देंगे या कितनी देंगे। मैंने कोई भी ऐसा शब्द इस्तेमाल नहीं किय–। जिसके बारे में कोई गलतफहमी हो।

हमने यह कहा है कि इतनी बिजली हम दे रहे थैं। प्रौब्लम वोल्टेज की है। यह बात हमारे अन्दर की नही है, यह बाहर की बात है। हम जो बात अन्दर और बाहर डिस्कस कर सकते हैं, उसके लिये हम पूरा–पूरा प्रयत्न करने में लगे हैं। एक बात मैं फिर यहां पर कहना चाहता हूं कि सरकार इस बारे में पूरी तरह से जागरूक है और किसान को खेतीबाड़ी के लिये ज्यादा से ज्यादा बिजली देने की कोशिश कर रही है। इन्होंने एक बात यह कही कि मौसम विभाग ने यह कहा कि किसान जल्दी फसल बो ले, बरसात समय पर नहीं होगी। लेट मौनसून आयेगी।

श्रीमती चन्द्रावतीः उन्होंने यह कहा था कि लेट मौनसून आयेगी।

श्री शमशेर सिंह सुरजेवालाः हां, ऐसी कुछ फोरकास्ट थी कि मौनसून कुछ लेट आयेगी। पहले एक हफता की थी लेकिन अब 15 दिन की है। जैसे मैंने कहा कि ऐसा कभी नहीं हुआ है कि जून के पहले हफते में पैडी ट्रासप्लांटेशन हो गयी हो। पहले तो काफी देर बाद हुआ करती थी। आप पिछले 20–3० साल का रिकार्ड निकाल कर देख लें। इससे पहले जून के पहले हफते में कभी भी ट्रांसप्लांटेशन नही हुई है। यह एक बहुत ही गैर मामूली, बहुत ही ऐक्सट्राआर्डीनरी और अनयूजूअल बात थी, जो हुई है। दूसरे बरसात समय पर नहीं हुई, कभी इतनी लेट नहीं हुई। इस वजह से यह सारे की सारो दिक्कत है। यह दिक्कत मैन–मेड नहीं णै। इसके लिये हम जो भी कुछ कर सकते थे, हमने किया है

और करने जा रहे हैं। मेरी एक दफा सदन से फिर दरख्वास्त है कि. आप लोग अगर किसान के सच्चे हमदर्द हैं तो आप स्थिति को सुधारने में सरकार की मदद करें। हम तो कोशिश कर ही रहे हैं। ठीक बात करें और कहें। आप कुछ दिन पहले जब अपने इलाके में होंगे, तब की बात कर रहे है। आपने दो–चार दिन पहले अपने इलाके में जाकर नहीं देखा होगा। आप तो 5– 7 दिनों से यहां पर हैं। इसलिये आप पुरानी बात न करें। आप अपने इलाके में जाकर ठीक बात करें। आप उनसे पूछें कि अब क्या हालत है। आपको खुद–ब–खुद पता चल जायेगा कि हमने इस बारे में काफी प्रयत्न किये हैं। मैं एक बात फिर कहता हूं कि राजनीतिक लाभ उठाने की बजाये आप हाउस में कन्क्रीट बात करें। कोई कंक्रीट सुझाव दें कि इस बारे में क्या किया जा सकता धै। कोई भी विपक्ष का सदस्य अगर कोई कंक्रीट सुझाव देगा तो सरकार उस पर जरूर विचार करेगी। आप बतायें कि सरकार कौन से उपाय करे जिससे बिजली की स्थिति में सुधार हो सकता है। इसलिये मैं यह चाहूंगा कि हाउस के बाहर या हाउस के अन्दर आप लोग कोई कंक्रीट सुझाव दें। आपकी बात का पूरा आदर करेंगें और आपको पूरा सम्मान देंगे। मैं आपसे यह कहना चाहता हूं कि अगर आप ऐसा करेंगे तो इस तरह से आप किसान को सेवा हरियाणा में करेंगे।

सदन की मेज पर पुन रखे गए/रखे गए कागज–पत्र

Mr. Speaker : Now a Minister will re-lay/lay papers

on the Table of the House.

Irrigation anti Power Minister (Shri Shamsher Singh Surjewala) : Sir I beg to relay on the Table-

1. The Excise and Taxation Department Notification No. G.S.R. 3/H.A.20/ 73/S. 64/91, dated the 24th January, 1991 regarding the Haryana Transit Slip Writers Liensing (Rescinding) Rules, 1991 as required under Section 64(3) of the Haryana General Sales Tax Act, 1973.

2. The Excise and Taxation Department Notification No. G.S.R. 4/H.A.20/73/ S. 13B, 25A and 64/91, dated the 14th January, 1991 regarding the Haryana General Sales Tax 'First Amendment) Rules, 1991 as required under Section64(3) of the Haryana General Sales Tax Act, 1973.

3. The Excise and Taxation Department Notification No. G.S.R. 5/H.A.20/ 73/S. 64/91, dated the 24th January, .1991 regarding the Haryana General Sales Tax (Second Amendment) Rules, 1991 a s.required under Section 64(3) of the Haryana General Sales Tax Act, 1973.

Sir, I beg to lay on the Table.

4. The Excise and Taxation Department Notification No. G.S.R. 1 7/H.A.20/ 73/S.13-B, 25-A and 64/91, dated the 26th March, 1991 regarding the Haryana General Sales Tax (Third Amendment) Rules, 1991 as required under Section 64(3) of the Haryana General Sales Tax Act, 1973.

5. The Excise and Taxation Department Notification No. G.S.R. 37/H.A.20/ 73/S. 64/91, dated the

20th Jure, 1991 regarding the Haryana General Sales Tax (Fourth Amendment) Rules , 1991 as required under Section 64(3) of the Haryana General Sales Tax Act, 1973.

6. The General Administration Department (General Services) Notification No. G.S.R. 12/Const./Art. 320/Amd /(1st) /91. dated the 5th March, 1991 regarding the Haryana Public Service Commission (Limitation of Functions) First Amendment Regulations, 1991 as required under. Article 320(5) of the Constitution of India.

7. The General Administration Department (General Services) Notification No. G.S.R. 27/Const./Art.320/Amd./(2nd)/91, dated the 2nd May, 1991 regarding the Haryana Public Service Commission (Limitation of Functions) Second Amendment Regulations, 1991 as required under Article 320(5) of the Constitution of India.

8. The General Administration Department (General. Services) Notification No. G.S.R. 28/Const./Art.320/Amd./(3rd)/91, dated the 10th May, 1991 regarding the Haryana Public Service Commission (Limitation of Functions) Third Amendment Regulations,1991 as required under Article 320(5) of the Constitution of India.

9. The 23rd Annual Report and Accounts of Haryana Agro-Industries Corporation Limited for the year 1989-90 *as required under Section 619(A)/(3) of the Companies Act, 1950.

10. The Annual Financial Statement of the Haryana State Electricity Board for the- year 1991-92 and revised Estimates. for the year 1990-91 a s required under

Section 61(3) of the Electricity (Supply) Act, 1948.

11. The Report of the Comptroller and Auditor General of India for the year 1989-90 No. 2 (Revenue Receipts) of the Government of Haryana in pursuance of the provisions of Clause (2) of Article 151 of the Constitution of Ind ia.

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मैंने जो कालिंग अटैन्शान मोशन दी थी, क्या वह भी क्लब कर दी है?

Mr. Speaker : Your calling attention motion is being examined. Besides, that item is alredy over.

वर्ष 1985 – 86 के लिए अनुदानो तथा विनियोजनों से अधिक मांगे प्रस्तुत करना

Mr. Speaker : Now the Finance Minister will present the Excess Demands over Grants and Appropriations for the year 1985-86.

वित्त मंत्री (श्री मांगे राम गुप्ता): अध्यक्ष महोदय, मैं वर्ष 1985– 86 के लिए अनुदानों तथा विनियोजनों से अधिक मांगे प्रस्तुत करता हूं।

नियम 121 के अधीन प्रस्ताव–

सरकारी कार्य को करमे के लिए गैर सरकारी दिन को चहलने सम्बन्धी

Mr. Speaker : Now the Parliamentary Affairs Minister will move the motion under **Rule** 121 to suspend Rule

Irrigation and Power Minister (Shri Shamsher Singh Surjewala) : Sir,

I beg to move—

That Rule 30 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Haryana Legislative Assembly be suspended in its application to the motion regarding the transaction of Government business on Thursday, the 11th July, 1991.

Sir, I also beg to move-

That Rule 30 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly be suspended and Government Business be transport acted on Thursday, the 11th July, 1991.

Mr. Speaker : Motion moved—

That Rule 30 of the Rules of procedure and conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly be suspended in its application to the motion regarding the transaction of Government business on Thursday. the 11th July, 1991.

That Rule 30 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly be suspended and Government Business be transacted on Thursday, the 11th July, 1991.

श्री बंसी लाल (तोशाम): स्पीकर साहब, मेरी प्रार्थना यह है कि सदन में हफते में एक ही दिन तो प्राइवेट विजनैस के लिये होता है और कल परसों ही इस सदन में सरकार के एक मन्त्री ने कहा था कि अधिवेशन लम्बा होना चाहिये। हम यह नही कहते दिन आप अधिवेशन लम्बा करो या छोटा करो, हमे कोई एतराज नहीं है। लेकिन नौन ऑफिशियल डे को तो नौन औफिशियल बिजनैस ही होना चाहिये। इसके बावजूद भी अगर सरकार यह चाहती है कि औफिशियल बिजनैस ही ट्रांजैक्ट किया जाए तो मैंने और चौधरी अमर सिंह ने एक नौन–औफिशियल रैजोल्यूशन दिया है कि यह असैम्बली भारत सरकार से यह प्रार्थना करे कि इन्कम टैक्स की जो ऐग्जैम्पशन की लिमिट है, वह 22 हजार से बढ़ाकर 60 हजार रुपये की जाए। अगर सरकार चाहे तो बगैर बहस के ही यह रैजोल्यूशन पास हो सकता है और उसके याद गवर्नमैंट बिजनैस ट्रांजैक्ट किया जा सकता है, इस पर हमें कोई एतराज नही है।

मुख्य मन्त्री (श्री भजन लाल): स्पीकर साहब मेरी आप से गुजारिश है कि बगैर वहस किये हुए हम इसको कैसे मान लें? क्या भारत सरकार को इस तरह का रैजोल्यूशन पास करके भेजना मुनासिब रहेगा कि लिमिट बढ़ानी चाहिये, इस पर भी हमने विचार करना है। चौधरी बंसी लाल जी आप जानते हैं, आप भी मुख्यमन्त्री रहे हैं कि प्राईवेट मैम्बर्ज का जो दिन होता है उसको हमने किरानी बार औफिशियल कार्य करने के लिए कन्वर्ट किया

है? चूंकि केवल चार दिनों का हो सैशन है और हमारे पास कोई खास काम भी नहीं है इसी बात. को लेकर हम नौन औफिशियल डे को औफिशियल–डे में कन्वर्ट करने जा रहे हैं। आपुका प्रस्ताव यदि सोकर साहब लाना चाहें तो ला सकते है उस पर भी बहस हो सकती है।

श्री बंसी लालः मैं इन से डिफर नहीं करता लेकिन इस किस्म को रिकमैंडेशन यदि असैम्बली की तरफ से ये भारत सरकार को भेजना चाहें, तो उसमें कोई नत बात नहीं है। यह तो खाली हमारी रिकमैंडेशन है कि भारत सरकार इसके०पर विचार कर ले। एक कौमन मैन या जो एक गरीब मुलाजिम है, उनको भो इस मंहगाई का शिकार बनना पड़ता है। 22 हजार रुपये की लिमिट आज है, आजु से चालीस साल पहले तीन हजार रुपये ऐग्जैम्पशन थी। चालीस साल में प्राईस इडैक्स कहां चला गया, इसके हिसाब से देखें तो यह ऐग्जैम्पशन 60 हजार से भी जादा बनती है। तो मेरी आपसे और सदन के नेता से यह प्रार्थना है कि इस रैजोल्यूशन को पास कर दें क्योंकि भारत सरकार का बजट आने वाला है। उसने पहले पद हम यह रिकमैंडेशन करके भारत सरकार को भेज देंगे तो हो सकता है, भारत सरकार उस पर विचार करे।

श्री भजन लालः भारत सरकार का बजट इसी महीने की 24 तारीख को पेश होने वाला है। इसकी लिमिट बढ़ाने की भारत सरकार से कोशिश तो की जा सकती है, उनसे कुछ कहा भी जा सकता है। चौधरी बंसी लान जो मैम्बर पार्लियामेंट रहे हैं और

बहुत लम्बे अर्से तक का इन्हें तजुर्बा भी है। ये लोक सभा और राज्यसभा दोनों में रहे हैं। यह प्वांयट वहां उठाया जा सकता है। कपके सुपुत्र चौधरी सुरेन्द्र सिंह जी वहां पर हैं, वे उठा सकते हैं। इस प्वायंट को वहां पर उठाना चाहिए जिसने इसको करना है। हम जबानी उनको कह सकते हैं, जो हमारो भावना है। मेरी खुद की भी भावना यही है जो ये कहते हैं। लेकिन भारत सरकार को यहां से प्रस्ताव पास करके हम कहें, यह बात मुनासिब है या नही है, इस पर विचार करने की जरूरत है।

श्री सम्पत सिंह (भट्टू कलां): स्पीकर साहब, जैसे चौधरी बंटी लाल जो ने कहा कि आज प्राइवेट मैंबर डे था लेकिन उसकी जगह हम गवर्नमैंट वर्क– कर रहे हैं। ठीक हैं उन्होंने एक प्राइवेट मेंबर रैजोल्यूशन दिया था और मुख्य मन्त्री जो ने जवाब देते वक्त कहा कि क्या हम इसको पास कर सकते हैं या नहीं, इस पर विचार करने की जरूरत है। यह तो स्पीकर साहब, ट्रेडीशन रही है, पहले ऐसा होता रहा है। जो हमारे परव्यू में नहीं है या असैंबली के स्कोप में नहीं है उसके बारे में गवर्नमैंट औफ इंडिया को तथा पार्लियामैंट को हम रिकमैंडेशन भेजते रहे हैं। जब मुख्य मन्त्री जी और अपोजीशन पार्टीज के लीडर सहमत हैं तो इसमें कोई एतराज नही होना चाहिए। ऐसा रैजोल्यूशन बगैर, डिस्कशन के जा सकता है। दूसरी, बात यह है कि वहा इस दिन को आप सरकारी काम के लिए यूटिलाइज कर रहे है उसके लिए हमें कोई एतराज नही है लेकिन यह कह देना कि बिजनैस नही है इसलिए

कर रहे हैं, मैं इस बात से सहमत नही हूं, बिजनैस तो बहुत है। अभी सुबह आपने देखा कि मन्त्री महोदय जवाब दे रहे थे लेकिन लोगों की उस बात से संतुष्टि नही हो रहो थी। इस हाउस में 40–45 मैंबर पहली बार बन कर आए हैं, उन लोगों ने भी बोलना है। गवर्नर ऐड्रैस पर हमेशा तीन दिन की बहस हुई है। अब आज की आधा दिन रह गया है और कल का दिन रह गया है। कल को आधे से ज्यादा टाईम मुख्य मन्त्री जी अपने जवाब के लिए लेंगे। इसलिए गुजारिश है कि आज और कल दोनों दिन के लिए तीन तीन घंटे के लिए सिटिंग्ज बढ़ा दो जाएं। स्पीकर साहब, हम लोगों ने आपसे अपेक्षा की थी कि आप नए मैंबर्ज के प्रति विशेष ध्यान रखेंगे। आप तो बड़े अच्छे पार्लियामैंटेरियन रहे हैं और आपका अच्छा ऐक्सपीरिएंस रहा है इसलिए आप गवर्नमैंट पर अपना प्रभाव इस्तेमाल करके टाईम बढ़वाएं। अगर दोनों दिन तीन तीन घंटे का टाईम बढ़ा दें तो सब मैंबर्ज को बोलने का मौका मिल सकेगा।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, इनकी एक बात से मैं सहमत हू कि आज दो सिटिंग कर लें। लंच के बाद दूसरो कर सकते हैं और सदस्य साढ़े छरू बजे तक बैठ सकते हैं। कल तो मैंने जवाब देना है इसलिए कल के लिए तो मुश्किल शै। आज आप 4–5 घंटे का समय बढ़ा सकते हैं इसमें कोई दिक्कत नही है।

श्री शमशेर सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, आप जो निर्णय लेगे, कांग्रेस पार्टी उसका पूरो तरह से पालन करेगी। मैं सदन की इतलाह के लिए केवल इतनी बात कहना चाहता हूं कि जब से हरियाणा बना है तब से आज तक क्या होता रहा है, गवर्नर ऐड्रैस पर कितने दिन बहस हुई और आम चुनाव के बाद पहला सैशन कितने दिन का था।

(इस समय बहुत से सदस्य बीच में बोलने लग गए।)

Mr. Speaker : This is not the way. He is also speaking from the Government side. Please take your seats and let him have his say.

श्री शमशेर सिंह सुरजेवालाः तो स्पीकर साहब, आम चुनाव के बाद हरियाणा में जो सैशन हुए, उनके बारे में आपको बताना चाहूंगा। 1972 में चार दिन का, 1977 में चार दिन का, 1982 में तीन दिन का और 1987 में तीन दिन का। गवर्नर ऐड्रैस पर जो बहस हुई वह 1968 में दो दिन, 1972 में दो दिन, 1977 में दो दिन, 1982 में एक दिन और 1987 में एक दिन। तो ये ऐसे ही बात कर रहे हैं।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मेरा एक सुझाव है कि अब इस सैशन को एक–डेढ बजे तक चला लें और फिर एक घंटे का लंच ब्रेक कर दें। उसके बाद अगर आप ठीक समझते हूँ तो अढ़ाई बजे से सादे छ–रू बजे तक सैशन बैठ सकता है, हमें इसमें कोई एतराज नहीं है।

श्री बसी लालः अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी का सुझाव हमें मंजूर हे लेकिन इसमें आप एक अमैंडमैंट कर लो। कल भी दो सीटिंग हो जाएं और मुख्य मंत्री जी कल जवाब दे देंगे। बहुत से नए मैम्बर चुन कर आए हैं उनको बोलने का मौका मिल जाएगा। इसमें कोई अजीब बात नहो है। हम यह नहीं कहते कि सैशन बढ़ा लो।

श्री अध्यक्षः कल की सीटिंग तो वैसे ही नौन–स्टौप होगी।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, आपने बिल्कुल ठीक कहा कि कल तो सैशन की सीटिंग नौन–स्टौप होगी। उसमें गवर्नर ऐड्रैस पर बोलने के लिए माननीय सदस्यों को आप घंटे दो घंटे का समय और ज्यादा दे सकते है। उसमें कोई दिक्कत नही है।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, ऐसा है कि कल दोपहर आज की तरह एक घंटा लंच ब्रेक के लिए रख लें और कल भी सैशन साढ़े छः बजे तक चले। मुख्य मंत्री जी कल शाम को जवाब दे देंगे।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, इसकी जरूरत नहीं क्योंकि कल तो नौन स्टौप सीइग्टग है।

श्री अमर सिंह धानक (बवानी खेड़ा, अनुसूचित जाति): स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से सदन में यह बात कहना

चाहूंगा कि चौधरी बंसी, लाल जी ने हाउस में एक बहुत अहम मसले के बारे मैं जिक्र किया था लेकिन वह हाउस की सीटिंग बढ़ाने के चक्कर में बीच में ही खत्म हो गया। अध्यक्ष महोदय, आपके द्वारा मेरा निवेदन है कि वह चार लाईन का प्रस्ताव है जो मैंने और चौधरी बंसी लाल जी ने लिखा था। वह इस प्रकार से है:

"We, the following members of Haryana V idhan Sabha feel that the minimum amount of exemption for Income Tax may be raised from Rs. 22,000/- to Rs. 60,000/- per year keeping in view the rise in prices of essential commodities. 11-e low income and middle group of employees are ba dly affected. So this House recommends to the Government of India to adopt the minimum exemption for income tax of Rs. 60,000/- per year instead of Rs. 22,000/-."

Requirement of Rule 171 may kindly be waived cff as this is a very important matter. स्पीकर साहब, इसमे कोई दिक्कत की बात नही है। जो लो इन्कम ग्रुप एम्पलाइज है, वे बहुत ही बैखली इफैक्टिड हैं। स्पीकर साहब, आज से 30 साल पहले तीन हजार रुपए की लिमिट थी लेकिन आज 100 गुणा महंगाई बढ़ गई है। इसलिए आपके माध्यम से सदन के नेता से मेरा निवेदन है कि इस बात में वे बिल्कुल भूल नहीं करेंगे। हर एम्पलाई की एक साल में 22 हजार से ज्यादा तनख्वाह बन जाती है। जो एल० डी० सी० है उनकी भी 22 हजार से ज्यादा तनख्वाह बन जाती है। सारे गवर्नमैंट एम्पलाईज चूंकि बैडली इफैक्टिड हैं

इसलिए इस हाउस को यह प्रस्ताव सर्वसम्मति से पास करके गवर्नमैंट औफ इंडिया को भेज देना चाहिए।

श्री बंसी सालः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके जरिए मुख्य मंत्री महोदय से कहना चाहूंगा कि इस प्रस्ताव को कल के लिए पोस्टपोन कर लें और मुख्य मंत्री जी इस प्रस्ताव के बारे में एल० आर० से या किसी और औफिसर से लीगल ऐडवाईस यदि लेना चाहें वह ले लें।

श्री भजन लालः इस प्रस्ताव को अगले सैशन में देख लेगे।

श्री बंसी लालः इसका तो आज ही फायदा है वरना सैट्रंल गवर्नमैंट का बजट सैशन निकल जाएगा फिर इसका क्या फायदा। इसके बारे में आप जो भी लीगल ऐडवाईज लेना चाहे, वह ले लें। एल० आर० भी यही होंगा और ऐडवोकेट जनरल भी यही होगा। यह कोई बड़ी बात नहीं है।

श्री राम बिलास शर्मा (महेन्द्रगढ़): स्पीकर साहब, चौधरी बंसी. लाल जी का एक बहुत ही अहम प्रस्ताव है और सदन के नेता ने बड़ा अच्छा किया कि उन्होंने चौधरी बसी लाल जी की बात मान ली। हम यह उम्मीद करते हैं कि मुख्य मंत्री जी नेक सलाह को यूं ही मानते रहेंगे। स्पीकर साहब, बात परम्परा की है। आपने आज के सैशन की सीटिंग के समय में बढ़ौतरी कर दी यह बहुत अच्छा किया। परन्तु आज का दिन प्राइवेट मैम्बर डे है और

प्रस्ताव भी सदन के सामने मौजूद है। माननीय मुख्य मंत्री जी ने खुद फरमाया भी है कि यह बात केन्द्रीय सरकार के जेरे गौर है। (विघ्न) कुछ बातें तो ऐसी हैं जिनके बारे में चौधरी भजन लाल जो को जानकारी रहनी चाहिए। क्योंकि चौधरी भजन लाल जी केन्द्रीय सरकार में रहे हैं इसलिए इनको वहां की गति–विधि की जानकारी रहनी चाहिए। माननीय मुख्य. मंत्री जी कहते हैं कि यह बात केन्द्रीय सरकार के जेरे गौर है। केन्द्रीय सरकार का यह बजट सैशन है इसलिए हम भी इस प्रस्ताव को पास करके केन्द्रीय सरकार को भेज दें। इसमें बहुत गरीब कर्मचारियो के कल्याण होने की बात है। माननीय मुख्य मंत्री जी स्वयं इस बात को स्वीकार करते भी है कि उनको इसमें कोई दिक्कत नहीं है। (विघ्न) हमने बात आप पर छोड़ी है कि यह मुमकिन है या नहीं। लेकिन यह मुमकिन है। This august House is very much competent to make its recommendation to the Central Government. तो मैं आपसे गुजारिश करता हूं कि चाहे आप इस पर एक घंटा बहस करा लें क्योंकि यह प्रस्ताव बहुत महत्वपूर्ण है और फिर प्राईवेट मैम्बर्ज डे का भी कुछ महत्व है, वह भी रह जायेगा। एक अच्छा परम्परा कायम रहेगी। इसमें कोई प्रैस्टीज इशू बनाने की बात नहीं है। इस प्रस्ताव पर घंटा भर चर्चा खे जाये। मेरे कल से इस सदन के सभी. साथी चाहते हैं कि गरीबों का कल्याण हो और सभी के भले की बात हो। इन समय कर्मचारियों के०पर जो खामख्याह की तलवार लटकी हुई है, उसको हटवा ले और एक घंटा इस पर चर्चा हो जाये, यही मेरा आपसे निवेदन है।

श्रीमती चन्द्रावती (लोहारु): अध्यक्ष महोदय, जो प्रस्ताव चौधरी बंसी लाल जी ने और अमर सिंह जी ने हाउस में रखा है मैं भी उसके पक्ष में हूं। इस बात को हम मानते हैं कि प्राईवेट मैम्बर्ज डे पीछे भी गवर्नमैंट बिजनैस में कन्वर्ट होता आया है लेकिन उसके बावजूद प्राईवेट मैम्बर्ज डे की अपनी एक महत्ता है। उसका उपयोग अगर हम आज ज्यादा नहीं कर सकते तो जैसा कि सारे सदन के विरोधी दल का विचार है, इस पर एक घंटा डिस्कशन करके यह मामला भारत सरकार को रिकमैंड कर दें तो यह एक अच्छी परम्परा होगी। यही मेरा आपके माध्यम से सरकार को सुझाव है।

श्री भजन लालः माननीय अध्यक्ष महोदय, श्री अमर सिंह जी चौधरी बंसी लाल, श्री राम बिलास शर्मा और श्रीमती चन्द्रावती जी ने इस बारे में अपनी–अपनी बात कही है। आप जानते हैं कि कोई भो बात यदि असैम्बली के पास करके भेजी जाए, वह तभी अधिक महत्व की हो सकती है जब देश की मैजोरिटी औफ असैम्बलीज उस बात को पास करके भेजें। अगर एक असैम्बली किसी प्रस्ताव को पास करके भेजे तो उसका कोई महत्व नहीं है। यह सारे देश का मामला है, यह अकेले हरियाणा का मामला नही है। इसलिए मेरे कहने का मतलब यह है कि माननीय सदस्यों की जो भावना है उससे' ये भारत सरकार को, भारत सरकार के फाईनैस मिनिस्टर को और प्रधान मंत्री को अवगत करा सकते हुँ।

मेरे ख्याल से इस बात को वहां कहना ठीक रहेगा क्योंकि यह हरियाणा का हो नही, सारे देश का सवाल है।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, सारे भारत को रास्ता तो यह कुरुक्षेत्र की भूमि वाला हरियाणा हो दिखाता है। सब को गाईड लाईन तो हरियाणा ही देता है। इसलिए हम अगर ऐसा करेंगे तो बाकी असैम्बलीज भी इसे पास करेंगी। मैं यह भी कहता हूं कि मुख्य मंत्री जी इस पर लीगल राय ले लें और कल तक इसे पोस्टपोन कर दें और फिर इसको बगैर डिस्कशन के पास कर दें। इसमें सिर्फ दो मिनट ही लगेंगे।

वित्त मंत्री (श्री मांगे राम गुप्ता): अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी ने और अमर सिंह जी ने जो सुझाव रखे हैं उन सुझावों से सारे लोग सहमते हे। इसमें कोई दो राय नहीं हैं। हमदर्दी सब लोगों की है। लेकिन इसमें दिक्कत यह है कि पिछली' सरकार ने फाईनैस के अन्दर कुछ छोडा ही नहीं। इस डिपार्टमैंट के अन्दर वे बहुत अधिक घाटा छोड़ कर गए हैं। (विघ्न) स्पीकर साहब, इनकम टैक्स सेन्ट्रल सब्जैक्ट है इसमें कोई दो राय नहीं लेकिन इसका शेयर हरियाणा गवर्नमैंट को भी मिलता है। इस हालत में जब खजाने की पहले ही इतनी भारी समस्या है सरकार को इस बारे में सोचना पड़ेगा। इसीलिए मुख्य मंत्री जी ने समय मांगा है और हम विचार करके इस बारे में कोई फैसला लेगे

श्री अमर सिंह धानकः स्पीकर साहब, मेरे विचारानुसार इस रैजोल्यूशन को पास करवाने में इन्हें कोई हिचक नही होनी चाहिए। हम सब सहमत हैं और मुख्य मंत्री जी भो सहमत हैं कि लिमिट बढाई जानी चाहिए। मैं तो यह कहता हूं कि हरियाणा के सदन को क्रैडिट मिलेगा, अगर सरकार इस प्रस्ताव को 'इत्तफाक राय से रिकोमैंड कर देती है क्योंकि वहां लिमिट रेंज जरूर होनी है। चूंकि 22 हजार रुपये इन्कम टैक्स की लिमिट बहुत थोड़ी है, इसलिए बजट में यह बात आयेगी। अगर सरकार इस प्रस्ताव को पास कर देती है तो हरियाणा को यह क्रैडिट मिलेगा। इसलिए मु ख्य मंत्री जी इस बात से न चूके। हरियाणा के सदन को यदि क्रैडिट मिलेगा तो इसका सारा श्रेय सदन के नेता को जाएगा।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी और श्री अमर सिंह जी बहुत पुराने मैम्बर हैं। आप जानते हैं कि किसी भी रैजोल्यूशन को लाने के लिए 15 दिन का क्लीयर नोटिस होना चाहिए। आप उस पर विचार करते हैं कि उस रैजोल्यूशन पर सदन में बहस होनी चाहिए या नहीं। आज ही रैजोल्यूशन आए और आज ही उस को टेक–अप और पास कर दिया जाए तो यह लीगली भी ठीक नही है। इसे लाने के लिए 15 दिन का क्लीयर नोटिस होना चाहिए, जैसा मैंने पहले अर्ज किया।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, मुख्य मन्त्री जी ने सदन को बुलाने के लिए भी 15 दिन का नोटिस नही दिया है फिर हम 15 दिन का नोटिस कैसे और कहां से देते? अध्यक्ष महोदय,

आपको इसे ऐग्जैम्पट करने का भी अधिकार है। जब मुख्य मस्सों जी मान गए हैं कि कल तक लीगल राय ले लेगे (विघ्न) और उसके बाद फैसला कर लेंगे तो फिर इस में ऐतराज क्या है। हमें कोई ऐतराज नहीं है ये कल तक इस पर लीगल राय ले लें और फिर फैसला कर लें। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा आज तक कण्टरी में ट्रैण्ड सैटर रहा है। अगर यह ट्रैण्ड हम सैट कर दें तो बाकी की सारी असैम्बलिया भी इसे पास करेगी।

श्री भजन लालः स्पीकर साहब, हम राय ले लेंगे। (विघ्न) इसको जल्दबाजी में टेक अप करना ठीक नही होगा।

Mr. Speaker : Now the matter is closed. I put the motion to vote.

Question is—

That rule 30 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly be suspended in its application to the motion regarding the transaction of Government business on Thursday, the 11th July, 1991.

That rule 30 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly be suspended and :Government Business be transacted on Thursday, the 11th July, 1991.

The motion was carried.

बैठक का समय बढ़ाना

Mr. Speaker : Hon'ble members, if the House

agrees, the House will adjourn at 1.00 p.m. and again meet from 2.30 p.m. to 6.30 p.m. today, the 11th July, 1991, so that more members may be given time to participate in the discussion on the Governor's Address.

Voices : Yes, yes.

Mr. Speaker : The House will adjourn at 1.00 p.m. and again meet from 2.30 p.m. to 6.30 p.m.

कार्य की मदों में परिवर्तन

Mr. Speaker : Hon'ble members, if the House agrees, we may now take up item No. VI regarding discussion and voting on the excess demands over grants and appropriations for the year 1985-86 before taking up item No. IV i.e. the discussion on Governor's Address. because in my view there is not much to be discussed regarding the excess demands over Grants and appropriations for the year 1985-86 since these have been thoroughly examined by the Public Accounts Committee which has recommended for their regularisation. It will also facilitate the discussion on Governor's Address without interruption. In case, the House takes up item No. VI before item No. IV then item No. V regarding motion under Rule 22(2) will not be required to be taken up.

Voices : Yes, yes.

Mr. Speaker : Accordingly, there will be variation in the items of Business. The House will now take up item No. VI before item No. IV and item No. V will not be required to be taken up.

वर्ष 1985–86 के लिए अनुदानो तथा विनियोजनों से अधिक मांगों पर चर्चा तथा मतदान

Mr. Speaker : Hon'ble members, according to the previous practice and to save the time of the House, all the Demands on the Order Paper will be deemed to have been read and moved together. The members are requested to indicate the demand no. on which they wish to raise discussion before speaking.

That a grant of a sum not exceeding Rs. 30,96,300 be made to regularise the charges already incurred in excess of the grant voted by the Legisirtive Assembly for the year 1985-86 in respect of Home.

That a grant of a sum not exceeding Rs. 1,00,50,741 be made to regularise the charges already incurred in excess of the grant voted by the Lc Legislative Assembly for the year 1985-86 in respect of Revenue.

That a grant of a sum not exceeding Rs. 82,30,418 be made to regularise the charges already incurred in excess of the grant voted by the Legislative Assembly for the year 1985-86 in respect of Buildidgs and Roads.

That a grant of a sum not exceeding Rs. 52,65,825 be made to regularise charges already incurred in excess of the grant voted by the Legislative Assembly for the year 1985-86 in respect of Education.

That a grant of a sum not exceeding Rs. 1,12,34,779 be made to regularise the charges already incurred in excess

of the grant voted by the LegislativeAssembly for the year 1985-86 in respect of Medical % Public Health.

That a grant of a sum not exceeding Rs. 29,466 be made to regularise the charges already incurred in excess of the grant voted by the Legislative Assembly for the year 1 985-86 in respect of Urban Development.

That a grant of a sum not exceeding Rs. 20,29,54,237 be made to regularise the charges already incurred in excess of the grant voted by the Legislative Assembly for the year 1985-86 in respect of Irrigation.

That a grant of a sum not exceeding Rs. 7,88;38,130 be 11344.e to regularise the charges already incurred in excess of the grant voted by The Legisilative Assembly for the year 1985-86 in respect of Transport.

(No member rose to speak.)

Mr. Speaker : Now, I put the various demands to the vote of the House.

Mr. Speaker : Question is :-

That a grant of a sum not exceeding Rs. 30,96,300 be made to regularise the charges already incurred in excess of the grant voted by the Legislative Assembly for the year 1985-86 in respect of Horne.

That a grant of a sum not exceeding Rs. 10;50,741 be made to regularise the charges already incurred in excess

of the grant voted by the Legislative Assembly for the year 1985-86 in respect of Revenue.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Question is—

That a grant of a sum not exceeding Rs. 82,10,418 be made to regularise the charges already incurred in excess of the grant voted by the Legislative

Assembly for the year 1985-86 in respect of Buildings and Roads.

That a grant of a sum not exceeding Rs. 52,65,825 be made to regularise the charges already incurred in excess of the grant voted by the Legislative Assembly for the year 1985-86 in respect of Education.

That a grant of a sum not exceeding R. 1,12,34,779 be made to regularise the charges already incurred in excess of the grant voted by the Legis- islative Assembly for the year 1985-86 in respect of Medical & Public Health.

That a grant of a sum not exceeding Rs. 29,466 be made to regularise the charges already incurred in excess of the grant voted by the Legislative Assembly for the year 1985-86 in respect of Urban Development.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Question is-

That a grant of a sum not excedding Rs. 20,29,54,237 be made to regularise the charges already

incurred in excess of the grant voted by the Legislative Assembly for the year 1985-86 in respect of Irrigation.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Question is—

That a grant of a sum not excedding Rs. 7,88,38,180 be made to regularise the charges already incurred in excess of the grant voted by the Legislative Assembly for the year 1985-86 in respect of Transport.

The motion was carried.

राज्यपाल कें अभिभाषण पर चर्चा

Shri Jagdish Nehra (Rori) : Sir, I beg to move—

`That an Address be presented to the Governor in the folk wing terms :-

"That the Members of the Haryana Vidhan Sabha assmbled in this Session are deeply grateful to the Governor for the Address which has been pleased to deliver to the House on the 10th July, 1991."

अध्यक्ष महोदय, गवर्नर साहब ने 10 जुलाई को इस हाउस को ऐडैरस किया जिस में हरियाणा सरकार की जो पोलीसीज हैं, सरकार की आगे की जो कार्यवाही है और जो सरकार ने करना है, उसके बारे में बड़ी तफसील से बातें कहो हैं। विपक्ष ने जो रोल अदा किया, वह एक निन्दनीय तरीका था। गवर्नर महोदय खड़े हों, अपनी स्पीच दे रहे हों और विपक्ष के

सदस्य इस तरह से चिल्ला रहे हों, यह शोभा नहीं देता। वैसे तो गांवों में पंचायतों में भी लोग नहीं चिल्लाते। यहां पर जो रोल इन्होंने अदा किया, वह एक बहुत हो गलत तरीके का था।

श्री अमर सिंहः धानक अध्यक्ष महोदय, ये किसके बारे मे बोलरू रहे हैं

श्री जगदीश नेहराः आप तो चिल्लाये हो नही। आप क्यों परेशान होते हो? जो चिल्लाये है, वे तो बैठे हुए है। अध्यक्ष महोदय, जो बातें विस्तार से यहा गर कही गयी हैं, उनमें से सबसे ज्यादा चर्चा बुढ़ापा पैशन को एज के बारे में हुई। आने वाले समय में हरियाणा सरकार ने यह निर्णय लिया शै कि बुढ़ापा पैंशन के लिये आयु सीमा 65 से घटाकर 60 कर दो जायगी, यह बात गवर्नर साहब ने कही है जो एक बहुत अच्छा कदम है। मुख्य मन्त्री जो ने भी एलान कर दिया है कि यह एज कम कर दी गयी है। यह एक बहुत ही अच्छा कदम लिया गया है। इससे हरियाणा के बहुत से भाई जो 60 साल और 65 साल के वोच में थे और जिनको पैशन नहीं मिलती थी, वे अब इससे लाभान्वित होंगे। पिछली सरकार ने इससे पहले जो कार्य किये, वे भी आप देखें। यही नहीं पिछली सरकार ने बहुत से ऐसे लोगों को भी पैशन दो जिनकी आयु 65 साल से कम की थो। हरेक गांव में, गरीब हरिजन जिनकी आयु 65 साल से०पर थो, क्योंकि उनका काग्रेस से संबंध था, उनको पैशन नहीं दो गयो। यह सारो बातें रिकार्ड पर हैं। यही नहीं, 40— 45 साल की आयु वाले समाजवादी जनता

पार्टी या स्वर्गवासी जनता पार्टी के लोगों को पैंशन दे दी गयी। यह एक गलत परम्परा थो। मैं तो सरकार से यह आग्रह करूंगा कि 65 साल से कम आयु के जिन लोगों ने सरकार से पैशन लो है, उनके खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जाये और उनसे वह पैसा विद इन्ट्रैस्ट वसूल किया जाये ताकि यह पता चल सके कि इन लोगों ने अपने समर्थकों को किस ढंग से फायदा पहुंचा कर हरियाणा के ऐक्सचौकर पर बोझा डाला है। अकेली इन स्कीम के अन्दर हरियाणा में छ लाख लोग पैंशन लेते रहे शै। पिछली सरकार के दौरान इनके नेता माननीय चौधरी देवी लाल ने यह खुद एडमिट किया कि उन्हेंने पैन्शन पाने वालों से यह कहा है कि 10 रुपया महीना दो। क्यों दो, कहां दो, कैसे दो, यह सब को पता है कि वह पैसा किस की जेब में गया। मेरे कहने का मतलब यह है कि 80 लाख रुपया महीना चौधरी देवी लाल ने रिश्वत ली है और 80 लाख रुपये महीना के हिसाब से एक साल का आप खुद अन्दाजा लगा लो। एक साल में 12 महीने होते हैं। मुझे ज्यादा गुना भाग तो आता नही है लेकिन मेरे हिसाब से 9 करोड़ 60 लाख रुपया एक साल का हो गया। कहने का मतलब यह है कि एक साल में चौधरी देवी लाल ने इतनी रिश्वत खाई है और 4 साल तक उसका राज रहा। चार साल में 38 करोड़ 40 लाख रुपया चौधरी देवी लाल ने बुढ़ापा पैंशन में से अपनी जेब में डाला और रिश्वत खाई। वह पैसा कहां गायब किया, यह इनको पता है यह तो एक छोटी सी उदाहरण है। यह केवल मात एक ट्रेलर है। बाकी इनकी बाते आगे आयेंगी। वे बातें तो जब आयेंगी, तब

आयेगी लेकिन जो आदमी बूढ़ा हो, करोड़ों रुपए का आदमी हो और सौ रुपए में से दम रुपए खा जाए आप अन्दाजा लगा सकते हैं कि वे किस किस्म के आदमी हैं। बूढ़ा बूढ़ों के पैसे खा रहा है और अमीर गरीबों के पैसे खा रहा है। स्पीकर साहब,हरियाणा सरकार ने जो यह फैसला किया कि साठ साल के बूढ़े को पैन्शन मिलेगी मैं इसके लिए हरियाणा सरकार का धन्यवाद करता हूं और गवर्नर साहब ने भी अपने ऐड्रैस में यह बात कही है, मैं उनका भी धन्यवाद करत हूं। स्पीकर साहब, इस ऐड्रैस में आगे कानून और व्यवस्था का जिक्र किया गया है। गवर्नर महोदय ने पैरा नम्बर सात में कानून और व्यवस्था के बारे में जिक्र किया है। कानून ओर व्यवस्था के बारे में जो कुछ भी इसमें कहा गया है उसके बारे में सारे हरियाणावासी जानते हैं। स्पीकर साहब, कानून और व्यवस्था को स्थिति कितनी खराब थो इसका अन्दाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इस सरकार को आए हुए अभी पन्द्रह बीस दिन हुए हैं और चौधरी भजन लाल जी ने कहा कि हम कानून और व्यवस्था को ठीक करेंगे और हम गुण्डों को ठीक करेंगे। अब हालत यह है कि पन्द्रह दिन के अन्दर ही सारे गुण्डे चुप हो गए। (शोर एवं व्यवधान)। स्पीकर साहब, ये सारे गुण्डे पन्द्रह दिन के अन्दर ही चुप हो गए।

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, ये कह रहे है कि ये गुण्डे चुप हो गए। ये हमको गुण्डा कह रहे हैं ?

श्री जगदीश नेहराः स्पीकर साहब, मैंने गुण्डों के बारे में जिक्र किया है इनके बारे में कुछ नही कहा है। स्पीकर साहब, अगर मे चौधरी सम्पत सिंह के बारे में कहूंगा तो स्पैशली इनके बारे में कहूंगा। (शोर एवं व्यवधान)।

Mr. Speaker : Prof. Sahib, he has not used these words for you.

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, आपके सामने और हाउस के सामने बात हुई है। ये आवाज दबाने की कोशिश कर रहे हैं। इन्होंने खुद गुण्डों का शब्द इस्तेमाल करके और फिर बाद में बडे नाटकीय ढंग से कहा कि' मैं इन गुण्डों की बात नहीं कर रहा हूं।

Mr. Speaker : No, no. He has not used these words for you.

श्री जगदीश नेहराः स्पीकर साहब, ... है

Mr. Speaker : No, no, Nehra Sahib, this is not proper. This is not to be recorded. (Noise & interruptions).

श्री जगदीश नेहराः स्पीकर साहब, अगर इनको महसूस होता है तो मैं ऐसी बात नही कहूंगा। मैं स्पैशली इनके बारे में कहूंगा। ये अपने आपको गुण्डों की केटेगरी में क्यो लेते हैं। सीकर साहब, मैं कानून और व्यवस्था के बारे में बात कर रहा था। मैं जानना चाहता हू कि चार साल तक कानून और व्यवस्था क्यों बिगडती रहो और अब पन्द्रह दिन के अन्दर ये क्यों चुप हो गए।

कानून और व्यवस्था की बिगड़ी हुई स्थिति के लिए पिछली सरकार की जिम्मेदारी है। उस वक्त गरीब हरिजनों और बैकवर्ड क्लासिज, के लोगों को बहुत तंग किया गया। गरीबों की जमीनों पर कब्जा किया गया और उनके मकानों पर कब्जा किया गया। इन लोगों ने उनके प्लाटों पर कब्जा किया और इन लोगों ने पंचायत की जमीन पर नाजायज कब्जा किया। स्पीकर साहब, इन्होंने शहरों में दुकानों पर कब्जा किया। अगर किसी दुकान पर दस पन्द्रह दिन तक ताला लगा रहता और इन महानुभावों को पता लग जाता कि फलां दुकान पर पिछले पन्द्रह दिन से ताला लगा हुआ है तो ये महानुभाव उस दुकान का ताला तोड़ कर उस पर कब्जा कर लेते थे। स्पीकर साहब, अगर कोई घर बन्द होता था तो ये उस घर को आबाद कर देते थे। इन्होंने बहुत से मकानों को अपने कन्ट्रोल में ले लिया। चौधरी सम्पत सिंह अपने बयान में बताएंगे कि इन्होंने कहां–कहां कब्जे किए।

स्पीकर साहब, जो चुनावी हिंसा हुई उसके लिए ये लोग दोषी शै। स्पीकर साहब, मैं कहता हूं कि उस चुनावी हिंसा के लिए सम्पत सिंह, ओम प्रकाश और जय प्रकाश तथा उसकी ग्रीन ब्रिगेड जिम्मेदार है। कहां–कहां हत्याएं हुई? मेहम में हुई, हिसार में हुई, भिवानी में हुई, सिरसा में हुई, फरीदाबाद में हुई। इसके अलावा 1989 के लोकसभा चुनाव में भी हत्याएं हुई और जैसा कि चौधरी बंसीलाल जी ने कहा है इन्होंने चुनावी हत्याएं की हैं। जो मेहम में हत्याएं हुई, वे तो चुनावी हिंसा की पराकाष्ठा

थीं। इन लोगों ने खुद वहां जाकर गोलियां चलाई और 302 का पर्चा हमारे जो अपोजीशन के लीडर प्रोफेसर सम्पत सिंह जो है, उन के नाम दर्ज है और अब भी ये उसमें मुजरिम हैं। (शोर)

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर सर, हमारे०पर कोई 302 का पर्चा दर्ज नहीं है। ये गश्त इन्फर्मेशन दे रहे हैं। मुख्य मंत्री महोदय स्वयं इस पर व्यान दें। अगर मेरे०पर कोई मुकदमा होगा तो मैं स्वयं भुगतूंगा। ये तो गल्त ध्यानी कर रहे हैं। (शोर)

मुख्य मन्त्री (श्री भजन लाल)अध्यक्ष महोदय, मैंने इस बारे में कागजात नहीं देखे हैं। कागजात देखकर ही बता सकता हूं कि कौन 302 के मुकदमें में है और कौन 307 में है। मैं यहां इतनी ही बात कह सकता हूं कि हमारे वक्त के कोई केस दर्ज नहीं किये हुए है। सब केस इनके जमाने के ही दर्ज किये हुए हैं। कल जब मैं जवाब दूंगा तो सारो बातें तफसील के साथ बता दूंगा कि क औन कौन मुजरिम है। किस किस का कितना कितना कसूर है।

(इस समय श्री उपाध्यक्ष पदाशीन हुए)

श्री सम्पत सिंह चौधरी साहब, आप इन्हे कहें कि ये जरा वैरीफाई करके ही बोलें।

श्री जगदीश नेहराः डिप्टी स्पीकर साहब, मैं यदि भूल नही रहा हूं तो मैंने एफ०आई०आर० को नकल देखी है। श्री ओमप्रकाश चौटाला, प्रोफेसर सम्पत सिंह व श्री तोमर डी० आई०

जी० जोकि अब सस्पैड हैं, इन सबके नाम 302 मे नामबद्ध हैं। इनके खिलाफ पर्चे दर्ज हैं।

श्री सम्पत सिंहः आप स्पैसिफिकली क्हो कि मेरा नाम 302 में है या नहीं।

श्री जगदीश नेहराः आपका नाम 302 में है। कौन सी दफा में नहीं है, सारी दफाओं में है। 302 की तो बात ही नहीं है। आई० पी० सी० की जितनी भी दफा है, वे सारी आप पर लागू होती हैं। ये सभी आपके अपने ही पर्चे दर्ज किये हुए हैं।

Shri Sampat Singh : This is totally wrong.

श्री जगदीश नेहराः जैसा कि मुख्य मन्त्री महोदय ने कहा कि हमें कार्यवाही करनी पड़ रही है, गिरफ्तारी करनी पड़ रही है, इसका हमें अफसोस है। यह मैं आपको बता देता है कि ये सारे पर्चे आपके वक्त के ही दर्ज किये हुए हैं, हमारे वक्त के नहीं। यदि आपके खिलाफ 302 का पर्चा है और हम आपको गिरफ्तार करेंगे तो फिर आप कहेंगे कि... (शोर एवं व्यवधान)

श्री सम्पत सिंहः बहुत खुशी से करो।

श्री जगदीश नेहराः यह तो आपकी अपनी की हुई कार्यवाही है। हम तो फालोअप ऐक्शन ले रहे हैं। Deputy Speaker Sahib, we will take follow up action on their wrong doings. जो गल्त काम इन्होंने किये हैं उन गल्त कामों का खमियाजा तो हमें इसलिये भुगतना पड़ रहा है क्योंकि हमें ही वह

कार्यवाही करनी पड़ेगी। अब सम्पत सिंह जी कहेंगे कि क्यों उनको गिरफ्तार किया जाए ? 3०2 का पर्चा इनके नाम दर्ज हुआ जबकि ये होम मिनिस्टर थे लेकिन पुलिस के एस० पी० व डी० आई० जी० चूंकि इनके साथ शामिल थे इसलिए कोई कार्यवाही उस वक्त नही हो सकी थी। (विध्न)ये तो सब मुकदमें इनके समय के हैं जिसकी जानकारी इनको है। कल जब मुख्य मन्त्री महोदय जवाब देंगे तो एफ०आई०आर० की नकल इनको पढ़कर सुना देंगे। डिप्टी स्पीकर साहब, चुनावी हिंसा बड़े पैमाने पर की गई जिसका वर्णन करना मुश्किल है। इस बार भी इन्होंने यही करना था। यदि ओम प्रकाश चौटाला जी रह जाते तो इनका यही मकसद था कि चुनावी हिन्सा करके हम चुनाव जीत लें। यहां तक कि पंचायती चुनाव में भी हिंसा की कार्यवाही इन्होंने नहीं बख्शी। पंचायती चुनाव में भी इन्होंने हिंसा इस तरह से की कि धक्के से सरपंच को अपने आप ही इलैक्टिड डिक्लेयर करवा दिया। पिछले चार सालों में जितने भी चुनाव हुए हैं, चाहे कोआप्रेटिव सोसायटीज के चुनाव हों, चाहे गांव लैवल के पंचायत के चुनाव हों, कोई बीच मे चुनाव हुए हो चाहे कोई जनरल चुनाव हों, इन के वक्त में निष्पक्ष नहीं हुए और इस में ये सभी शामिल थे, दोषी थे। इन्होंने खुद गुण्डागर्दी की, खुद राइफलें लेकर फिरे और खुद बडके चलाते फिरे। जहां इनको कानून व्यवस्था को लागू करना चाहिए था वहां इन्होंने उसको तोड़ा। खुद सम्पत सिंह ने तोड़ा है और की तो बात क्या करैं। ओम प्रकाश जी तो यहां पर नही हैं उन बेचारों के बारे में बात करने से हमे थोड़ा अफसोस होता है कि वे अब

स्वर्गवासी हो गए हैं। यहां नहीं हैं वरना उनका चिट्ठा भो हम पूरी तरह से खोलते। कानून व्यवस्था के बारे में एक बड़ी दिलचस्प बात है कि झूठे मुकदमें बनाए गए। मैं सारे जिलों का तो कह नही सकता लेकिन सिरसा जिले में चौधरी सम्पत सिंह के कहने से, ओम प्रकाश के कहने से और चौधरी देवी लाल को तो पता नही हीगा क्योंकि ये ही करिन्दे थे, हर एक के०पर झूठे मुकदमे बनाए गए। मैं एक उदाहरण देता हूं कि एक आदमी पर 1971 का झूठा मुकदमा बनाया गया। वह ऐक्स चेयरमैन था और गांव का सरपंच था। उस पर मुकदमा बनाया गया कि 1971 में तैने 324 रुपए का गबन किया था, इसलिए तेरे पर यह पर्चा है। उसको दस दिन जेल में रखा गया। एक आदमी का मैं और उदाहरण देता हूं। जब चौधरी देवी लाल मुख्य मन्त्री थे तो उस आदमी पर 1979 के वक्त का पर्चा दर्ज किया गया कि आपने उस समय पिस्तौल लेकर गोली चलाई इसलिए आप उग्रवादी हैं। उस पर टैरोरिस्ट ऐक्ट लगा कर उसको 21 दिन तक हिसार जेल में रखा गया'। यह 1979 का केस है, आप अन्दाजा लगाएं। ये तो छोटे छोटे केस हैं। सिरसा जिले में कोई भी ऐसा गांव नहीं जहां इन्होंने झूठे मुकदमें बना कर विरोधियों को तंग न किया हो, परेशान न किया हो, जलील न किया हो और लोगों का काम न छुड़ाया हो। चौटाले का भी मैं उदाहरण के तौर पर कहूं, सम्पत सिंह जो तो उसके बारे में क्या कहेंगे क्योंकि ये तो बन्धुआ मजदूर थे, इनको तो पता ही नहीं था कि चौटाले में क्या हो रहा है।

श्री सम्पत सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, बन्धुआ मजदूर ये लोग होंगे, हम कोई बन्धुआ मजदूर नहीं हैं।

श्री जगदीश नेहराः हम तो खुले बोलते हैं। क्या आपकी हिम्मत है कि आप देवी लाल के खिलाफ बोल लें? आपका तो बिल्कुल बेड़ा ह्वीं गर्क हो गया है। (विध्न)

श्री उपाध्यक्षः मैं आपको याद दिलाना चाहता हूं कि आप पांच मिनट मे खत्म कर लें।

श्री जगदीश नेहराः पांच मिनट मे नहीं डिप्टी स्पीकर साहब, यह किस्सा तो दो घंटे का है।

श्री भजन लालः डिप्टी स्पीकर साइड़, ये तो मूवर हैं और इन्होंने तो कम से कम एक घंटा बोलना है। एक घंटा बोले बगैर इनके कारनामें कैसे रखेंगे। इनके कारनामें प्रदेश की जनता के सामने आने चाहिएं और वह मूवर ही बताएंगे।

श्री जगदीश नेहराः डिप्टी स्पीकर साहब, मै चौटाला गाव की बात कर रहा था। चौटाला गांव में कम से कम दो सौ घरों को इन्होंने उजाड़ दिया और लोगों को थाने में बुला बुला कर पीटा जाता रहा। उनको कहा गया कि फलां जमीन और जो आस पास में जमीन है उसको हमारे नाम लिखा दो, अपना फलां किल्ला हमें इस भाव में दे दो वरना थाने में रहोगे और पिटाई होती रहेगी। तो इस तरह से जमीनें भी ली गई हैं और लोगों को जलील भी किया गया है। रिकार्ड पर ये केस हैं। मेरे विपक्ष के

साथी मेरे को माफ करेंगे कि उनके बारे में बहुत– हो हल्ला हुआ। सुप्रिया कांड कैसे हुआ, क्यों हुआ वह तो इनका पारिवारिक मामला है। हम चौधरी देवी लाल के पारिवारिक मामले मे नहीं जाते लेकिन उसका हुआ क्या? क्यों नही उसका पोस्ट मार्टम करवाया गया, क्यों नहीं लोगों को बताया गया? हो सकता है वह दुखद घटना ही हौ। हमने तो उस के बारे में वहां धरने भी दिए। चौधरी भजन लाल जी ने बहुत कहा और लोक सभा में भी काफी बातें हुई क्योंकि वह बात ही ऐसी थी। हो सकता है ऐसी बात किसी के भी घर में हो जाए, यह मैं नहीं कह सकता लेकिन वह दुखद घटना चौधरी देवी लाल जी के घर में हो गई। क्या वे कानून से अबब है। He was the first servant of Haryana. उनको उसी टाईम सबसे पहले उसका पोस्टमार्टम करवाना चाहिए था लेकिन कोई पोस्टमार्टम नहीं हुआ। कैसे उस बात को छुपाया गया, क्यों छुपाया गया ? यदि वह गलत काम था या गलती. हो गई तो उसको छिपाने को क्या जरुरत थो? इससे आगे जगदीश बलात्कार कौंड है। जगदीश चन्द चौधरी देवी लाल जी के चौथे सुपुत्र हैं। उसनै बलात्कार का काण्ड किया। (विघ्न) यह कानून और व्यवस्था के बारे में बात है। जो कुछ गवर्नर साहब के अभिभाषण में कहा गया है, उससे बाहर नही बोलूंगा।

11.00 बजे

श्री राम बिलास शर्मा: डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा प्यांयट औफ आर्डर है।

Mr. Deputy Speaker : You will get an opportunity. Kindly let him speak now.

श्री राम विलास शर्मा: उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट औफ आर्डर बहुत रेलेवैंट है। नेहरा साहब बड़े सोबर आदमी है। जिसने पाप किया उसको सजा मिल गई। आप अपनी बात करें और राज्यपाल महोदय के अभिभाषण के बारे में बात कहे। अब उन पिछली बातों को उखाड़ने से कया फायदा है? पीछे जो कुछ हो गया वह हो चुका। (शोर)आप उस समय बोलते। उस समय तो आप इस बारे में बोले नहीं।

श्री जगदीश नेहरा: मैं कानून और व्यवस्था के बारे में बोल रहा हूं और कानून और व्यवस्था के बारे में गवर्नर साहब के ऐड्रैस में जिकर शै।

श्री भजन लाल: शर्मा जी, आप उस वक्त भी कहते थे कि बड़ा अन्याय और जुल्म हुआ है। (शोर)आप आज उसकी स्पोर्ट कैसे करते हैं '

श्री जगदीश नेहरा: डिप्टी स्पीकर साहब, हम उसे समय भो बोलें' थे' लेकिन हमारी बात सुनी नहीं गई। शर्मा जो यह कैसे कह रहे हैं कि हम उस समय इस बारे में बोले नही। इस बात के बारे में हमने सैटर के होम मिनिस्टर साहब से बात की। हम चौधरी भजन लाल जो से भी मिले थे और हम चौधरी भजन लाल जी की साथ ले कर राष्ट्रपति से भी मिले थे। उस समय बलबीर पाल शाह हमारे प्रैजीडैट थे, मैं जनरल सैक्रेटरी था और

मांगे राम जी भो जनरल सैक्रेटरी थे। हम सब इस बारे में राष्ट्रपति जी से मिले थे। वह मैमोंरैडंमं हमारे पास है। यदि आप देखना चाहें तो देख सकते हैं। आप कैसे कहं सकते हैं कि हम उस समय नहीं बोले?

श्रीमती चन्द्रावतीः डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट औफ आर्डर है।

श्री जगदीश नेहराः मैडम क्या आप भी प्यायंट औफ आर्डर करेंगी? आप तो हमारे साथ है प्यायंट औफ आर्डर तो मेरे सामने बैठे साथियो को करना चाहिए।

श्रीमती चन्द्रावतीः डिप्टी स्पीकर साहब, इस हाउस की ऐसी परम्परा रही है कि जो आदमी हाउस में अपने आपको डिफैंड न कर सके, उसका नाम नही लिय जाना चाहिए। मैंने तो यही बात कहनी थी।

श्री जगदीश नेहराः डिप्टी स्पीकर साहब, मैं इनका आदर करता हू। श्रीमती चन्द्रावती ने जो बात कही है, वह दुरुस्त है।

श्री उपाध्यक्षः कोई बात ऐसी न कही जाए, जिससे किसी के कंडक्ट पर ऐसपेर्शन हो।

श्री जगदीश नेहराः डिप्टी स्पीकर साहब, आपकी बात बिल्कुल दुरुस्त है लेकिन हम कानून और व्यवस्था के बारे में

बोलते समय यदि उनका नाम मैं नहीं ले सकता तो क्या मैं बैठ जाऊं?

श्री उपाध्यक्षः आप रैलेवैट बोलें।

श्री जगदीश नेहराः उपाध्यक्ष महोदय, नाम तो उसका जगदीश हे लेकिन उसके अगेंस्ट केस रजिस्टर्ड है और ऐफिडैविट है। It is a public document, Sir जगदीश बलात्कार काण्ड में बनवारी लाल की घर वालो इनइवॉऐल्वड थी। उसके बारे में जी भी कार्यवाही हुई उसके तथ्य में नहीं जाना चाहिए लेकिन उसका पहलू क्या था उसका तो पता लगना चाहिए। जगदीश चूकि चौधरी देवी लाल जी के सुपुत्र हैं इसलिए उन पर कोई कार्यवाही नहीं हुई। हुआ क्या, हुआ यह कि जो औरत थी उसके घर के आगे उस समय के प्रदेश के होम मिनिस्टर ने पुलिस बैठा दी ताकि उससे कोई भी न मिल सके। उस औरत से न पत्रकार मिल सके, न हम मिल सके और न वह औरत घर से बाहर निकल सकी। हम बनवारी को गाड़ी में बैठा कर दिल्ली ले गए और सैंटर के उस समय के होम मिनिस्टर से मिले और उनके सामने इनके काले कारनामे बताए। उन्होंने हमारी बात को सुना। हमने उनसे कहा कि आप इसकी सी०बी०माई० इन्कवायरी कराएं यह बहुत बड़ा जुल्म हुआ है।

श्री सतबीर सिंह कादयानः डिप्टी स्पीकर साहिब, नेहरा साहब, पुराने माननीय सदस्य हैं। इनको इस तरह से किसी पर

पर्सनल ऐलीगेशज नहीं लगाने चाहिएं। हो सकता है वह उनकी ... . हो और ये इस तरह से उसको मैनुप्लेट कर रहे हों। मेरी इनसे एक ही गुजारिश है कि इनको किसी दूसरे पर इस तरह के झूठे ऐलीगेशज नहीं लगाने चाहिएं। किसी दूसरे पर झूठे ऐलीगेशज लगा करके इस तरह से नहीं किय करते। (शोर)यह कोई राजनीति नहीं है। इस तरह से आपको किसी दूसरे पर झूठे ऐलीगेशज नहीं लगाने चाहिएं।

श्री जगदीश नेहराः उसके खिलाफ केस दर्ज है। (शोर)

श्री सतबीर सिंह कादयानः केस तो आपके खिलाफ भी दर्ज है और यह सच्चाई भी है। इसका जवाब हमारे पास है।

Mr. Deputy Speaker : The word 'Keep' will not go on record.

श्री जगदीश नेहराः डिप्टी स्पीकर साहब, अभी माननीय सदस्य ने जो बात की कि हो सकता है वह उनकी ..... है, इससे जाहिर है कि यह बात तो इन्होंने ऐडमिट कर ली है। (शोर एवं विघ्न)

Mr. Deputy Speaker : I have already said that this word will not go on record. (Interruptions). Prof. Sampat Singh, you will have enough time to speak. Please take your seat.

श्री जगदीश नेहराः जो बात सच्ची है, वह यदि मैं कहूंगा तो वह मेरे माननीय सदस्यों के खिलाफ जाती है और

कुदरती बात है कि ये हो–हल्ला मचाएंगे लेकिन हो–हल्ले से क्या होगा? ..... इन्होंने किसी गरीब को बख्शा नहीं। इन्होंने अपने समय में कत्ले आम किया है। (शोर एवं विघ्न)

श्री सतबीर सिंह कादयानः डिप्टी स्पीकर साहब, ये कह रहे हैं .... (शोर)

श्री सम्पत सिंहः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर।

श्री जगदीश नेहराः डिप्टी स्पीकर साहब, ये हर बात में प्यायंट आफ आर्डर लेकर खड़े हो जाते हैं आप इन्हें रोकिए। (शोर)

Mr. Deputy Speaker : Kindly listen. Let the House proceed further. (Interruptions).

श्री सम्पत सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा प्यायंट आफ आर्डर यह है कि अभी नेहरा साहब ने ..... रेप के बारे में जिकर किया है। हाउस के लीडर मुख्य मन्त्री चौधरी भजन लाल जी यहां पर बैठे हैं और चौधरी बंसी लाल जी भी यहां पर बैठे हैं। .....

Mr. Deputy Speaker : Prof. Sahib, This is no point of order. Please take your seat.

श्री भजन लालः डिप्टी स्पीकर साहब, मैं यहां पर बैठा हूं और हिसार में मेरे खिलाफ यदि कोई 302 का केस दर्ज करा

दें तो मैं क्या कर सकता हूं? इनकी इस बात में कोई सच्चाई नही है। (शोर एवं विघ्न)

श्री सम्पत सिंहः आप सिर्फ यह बताए कि आपके खिलाफ केस दर्ज हुआ था या नहीं?

श्री भजन लालः आपने हमारे खिलाफ इतने केस दर्ज किए, इससे क्या फर्क पड़ता है। (शोर एवं विघ्न)

श्री सम्पत सिंहः आप सिर्फ यह बताएं कि उस समय आपके खिलाफ केस दर्ज हुआ था या नहीं? (शोर एवं विच)

श्री सतबीर सिंह कादयानः चौधरी साहब, मैं आपको याद दिलाता हूं कि जब आप मुख्य मन्त्री नही थे और मन्त्री थे तो उस समय आपके खिलाफ यह केस दर्ज हुआ था। (शोर)

श्री भजन लालः आदमी को दिल का मजबूत होना चाहिए। आदमी के दिल में चोरी और बेईमानी नही होनी चाहिए फिर इन बातों से कुछ फर्क नही पड़ता। सियासी लोग अपने मुखालिफ लोगों के खिलाफ पता नहीं क्या क्या करवाते हैं। (शोर)आप सुन तो लें। आपने तो दरियापुर कांड के समय कहा था कि इस में सब का सब भजन लाल का हाथ है। मैं आपसे पूछना चाहता हूं कि क्या उसमें मेरा हाथ था? (शोर एवं विघ्न)इन बातों का कोई फर्क नहीं पडता अगर उसमें सच्चाई न हो। (शोर एवं विध्न)

श्री सम्पत सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, ये कह रहे हैं कि कोई फर्क नहीं पड़ता। That is alright.

श्री भजन लालः हां कोई फर्क नहीं पड़ता, अगर वह झूठा हो और उसमें सच्चाई न हो।

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (श्री शमशेर सिंह सुरजेवाला): आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। डिप्टी स्पीकर साहब सम्पत सिंह जी की हालत खिसियानी बिल्ली खम्बा नीचे जैसी है। इन्होंने चौधरी भजन लाल के बारे में जो चर्चा की थी उस बोर में मैं यह बताना चाहता हूं कि वह केस कैंसिल हो गया था। पुलिस और सरकार ने वह केस वापस ले लिया था। जब कोई केस वापस ले लिया जाता है तो फिर वह केस अपने आप खत्म हो जाता है। ये 25 साल पुरानी बात कर रहे हैं। जो बात ये कह रहे हैं उसमें कोई तथ्य नहीं है। डिप्टी स्पीकर साहब, इन्हें सरकार छोड़े अभी जुमे जुमे 15 दिन हुए हैं। ये शीशे में अपना मुंह देख लें और फिर आराम से बैठ जाएं। (शोर एवं विघ्न)

Mr. Deputy Speaker : Please see, Prof. Sahib, the reference about the rape case made by you will not go on record.

श्री सम्पत सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, फिर जगदीश वाला केस भी रिकार्ड पर नहीं आयेगा।

Shri Jagdish Nehra : He cannot order you, Sir. This is not the way. How he is saying. आएगा या नहीं आएगा। (विघ्न

एवं शोर)

Shri Sampat Singh : I am nobody, Sir.

श्री जगदीश नेहराः आप इसके लिए माफी मांगे। डिप्टी स्पीकर सर, प्रोफैसर सम्पत सिंह जी ने इस तरह की जो बात कहो है उसके लिए ये माफी मांगे और अपने शब्द वापिस लें। (विघ्न एवं शोर)

श्री सम्पत सिंहः डिप्टी स्पीकर सर, मैंने तो आपकी रूलिंग पूछी है।

Shri Jagdish Nehra : You have dictated the Hon'ble Deputy Speaker and you have to say sorry for it.

Mr. Deputy Speaker : There is no question of anybody trying to dictate me. There is absolutely no question. Let it be very very clear.

श्री सम्पत सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, कोई भी आपको डिक्टेट नही कर सकता। मैंने तो आपसे सबमिशन की थी। में तो सिर्फ आपकी रूलिंग मांग रहा था कि' क्या इन्होंने रेप के बारे में जो कुछ कहा था वह छपेगा और हमने जो कहा था वह नहीं छपेगा? मैं तो सिर्फ इस बारे आपकी रूलिंग पूछ रहा हूं। (विष्य)

श्री उपाध्यक्षः अगर कोई केस सबजुडिस होगा तो उसके बारे में हाउस में डिस्कशन नही होगी। (विघ्न)

श्री जगदीश नेहराः डिप्टी स्पीकर सर, केस सबजूडिस नहीं है। (विघ्न एवं शोर)डिप्टी स्पीकर सर, यह कोई तरीका नहीं है, आप इन्हें बिठाईये। (विध्न)

श्री सम्पत सिंहः डिप्टी स्पीकर सर, मैं आपकी स्पैसिफिक रूलिंग चाह ता हूं।

Mr. Deputy Speaker : I will consider* it and give the ruling. Please take your seat and let the House go now.

श्री जगदीश नेहराः डिप्टी स्पीकर सर, मैं चौटाला जी की बात कह रहा था। मैं माननीय सदस्य से चाहूंगा, कि सच्ची बात यदि मैं कहूं तो वे गिल्टी कांन्शियस हो कर बीच में खडे न हों। यदि वे बीच में खड़े होते हैं तो इसका मतलब है कि वे जुर्मदार हैं। (श्री धीर पाल जी की ओर से विध्न)आप सुनिये, आपको पता ही नही। आप तो बिल्कुल निष्पक्ष थे और साफ थे आपने तो कुछ किया नहीं। (विघ्न) यदि ऐसी बात है तो फिर आपके लिए कुछ नहीं है, it will be counted as a बकवास। डिप्टी स्पीकर साहब, मैं तो पिछली सरकार की सच्चाई बता रहा हूं। मैं चौधरी देवी लाल और ओम प्रकाश चौटाला की सरकार में कानून और व्यवस्था की स्थिति के बारे में कह रहा था। चौटाला के 200 घरों को उजाड़ दिया गया और लोगों को बेरहमी से पीटा गया लेकिन किसी का मुकदमा दर्ज नहीं हुआ। दिल्ली और बम्बई से पत्रकार वहां पहुंचे लेकिन सरकार ने पत्रकारों को भी नहीं बख्शा।

पत्रकारों के खिलाफ एक नहीं दर्जनों झूठे मुकदमें बनाए गए। एक पत्रकार श्री सुरेन्द्र भाटिया को हथकड़ी लगा कर शहर में घुमाया गया जिसकी फोटो भो आई है। इसके अलावा इन्होंने सिरसा के जितने भी पत्रकार थे उनमें से एक–आध को बख्श दिया हो तो अलग बात णै वरना सब के खिलाफ मुकदमें दर्ज हैं। ऐसे मुकदमे भी दर्ज हैं कि वे टैरोरिस्ट है। एक पत्रकार श्री महावीर प्रसाद हैं उनके खिलाफ टैरोरिस्ट ऐक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया कि उसके पास पिस्तौल था। उसने थानेदार का पिस्तौल छीन लिया। इस ढंग के झूठे मुकदमे बनाए गए। यह केवल सिरसा की ही बात नहीं है और जगह भी ऐसा ही किया गया। यह सब इसलिए किया गया ताकि जो प्रैस की आजादी है उसका कम किया जा सके और उनको बोलने न दिया जाए। उनके खिलाफ झूठे मुकदमे बनाए गए और कईयों के मकान छुडवाये गये। करनाल में और चण्डीगढ़ में भी इन्होंने ऐसा किया ताकि प्रैस वाले इनके खिलाफ कुछ न बोले। इनकी ये कार्यवाहियां ''नाजी टाईप'' हैं। फरीदाबाद में भी प्रैस को दबाने की कोशिश की। फरीदाबाद में जो थाम्पसन प्रैस थी, उसके साथ इन्होंने क्या किया? वह प्रैस भी इन्होंने बन्द करवा दिया, यानि कानून और व्यवस्था की ऐसी खस्ता हालत यी। कानून व्यवस्था की हालत यह थी कि इनके सारे परिवार के लोग राजाओं– महाराजाओं की तरह चलते थे। डिप्टी स्पीकर सर, अब मैं कुछ कहूंगा तो सम्पत सिंह जी फिर खड़े होंगे। पिछले मैम्बरों में से यहां दो ही बैठे हैं एक तो श्री धीरपाल जी और दूसरे

सम्पत सिंह जी। मेरे ख्याल में और तो कोई इनका मैम्बर नहीं आया। (विघ्न)

श्री सतबीर सिंह कादयानः मैं आया हूं और पूर्व सदन में भी मैम्बर था।

Shri Jagdish Nehra : It is a bad luck for you कि आप भी थे।, ये चौधरी देवी लाल, ओम प्रकाश चौटाला और रणजीत सिंह के बच्चों को खिलाते थे और सरकारी काम कुछ नहीं करते थे। इनका काम उनका पालन पोषण केरना था और कोई काम नही था। (विघ्न एवं शोर)

श्री सतबीर सिंह कादयानः डिप्टी स्पीकर सर, ओन ए प्वायंट औक आर्डर। मैं कुछ कहना चाहता हूं।

श्री उपाध्यक्षः जब आपको बोलने के लिए समय मिलेगा, आप इनका जवाब दे देना।

श्री जगदीश नेहराः कादयान साहब, यह बिल्कुल सच्चाई है कि आप उसमें नही थे तो मैं तो श्री सम्पत सिंह जी का जिक्र कर रहा था। 'इसमें आपका कोई जिक्र नहीं है। आप उनके बच्चों को खिलाने वालों में नहीं थे और कानून व्यवस्था की स्थिति के बारे में आप सामिल नहीं थे। (विघ्न) ये तो यही लोग थे जो उनके बच्चे खिलाते थे और उनके घर के काम करते वे।

श्री सतबीर सिंह कादयानः डिप्टी स्पीकर साहब, यह बहुत ही गलत बात कह रहे हैं। (विघ्न)

Mr. Deputy Speaker : There is nothing unparliamentary in this.

श्री जगदीश नेहराः डिप्टी स्पीकर साहब, इन बातों से इनका कुछ भी लेना–देना नही है। ये तो बहुत ही शरीफ और नेक आदमी हैं। ये गिल्टी कान्शियस क्यों होते हैं? कादयान साहब, मैंने आपके नारे में तो कुछ नहीं कहा है यदि कुछ कहा है तो I am very sorry. मेरा तो एक ही निशाना है। (विघ्न) यहां पर कानुन और व्यवस्था की बात भो कही गयी थी।. यहां पर पहले जो मिनिस्टर होते थे वे उनके सारे पोतो–पड़पोतों को खिलाया करते थे। उनके सारे परिवार के आदमी कानून और व्यवस्था को आप देखते थे। नाजायज कन्ने उनके राज में होते थे। हरेक की जमीन पर नाजायज कब्जा करना उनकी आदत सी थी। फरीदाबाद ओर गुड़गांव की पंचायत की जमीन पर कब्जा करवाया गया। मैं यह नहीं कहता कि उसमें सम्पत सिंह जी का भी हिस्सा था क्योंकि हिस्सा देना तो वे जानते ही नही थे। हिस्सा तो वे किसी को देते ही नहीं थे क्योंकि वे तो सेर हैं। शेर किसी को हिस्सा नहीं दिया करता। ये तो गीदड़ पे और वे शेर के। सेर गीदड़ों को क्या हिस्सा दे। (हंसी)

श्री सम्पत सिंहः जगदीश नेहरा जी, आपकी नौकरी तो पक्की हो गयी है।

श्री जगदीश नेहराः आप इस बात के लिये हमारे इलाके के लोगों को दाद दीजिये कि वहां के लोगों ने और श्री छत्रपाल सिंहजी ने उनको हरा दिया और आप यहां पर लीडर बने बैठे हैं वरना तो आपको कोई पूछने वाला नही था। उनके पोतों–पड़पोतो को आप लोन खिलाते रहते। (विघ्न) आप या तो मना कर दो कि आपने ऐसा नहीं किया। (शोर व व्यवधान)।

श्री सम्पत सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, यहां पर कोई ऐसी सिचुएशन ही नही है कि माप लोग ऐसी बातें कर सको। मैं यहां पर लगातार तीसरी बार आ रहा हूं और आशा है भविष्य में भी आता रहूंगा। इनके भाषण के एवज में मैं उनको यह विश्वास दिलाता हूं कि उनको शपथ दिला दी जाएगी। इनका काम हो जायेगा। (शोर व व्यवधान)

श्री जगदीश नेहराः मुझे शपथ इनकी वजह से नहीं दिलायी जायेगी। (शोर व व्यवधान)

श्री सम्पत सिंहः मुझे 16 आदमियों का लीडर इस लिये चुना गया है कि क्योंकि मुझ में कुछ गुण हैं।

श्री जगदीश नेहराः हम इनका वैसे तो आदर करते हैं लेकिन ये बड़े भयंकर आदमी हैं और बड़े अच्छे आदमी भी हैं। (हंसी)सारे काम ही इन्होंने अच्छे किये हैं। इनका कच्चा चिट्ठा तो मे खोलूंगा ही नही। इनका चिट्ठा तो मैं बन्द ही रखूंगा। इनका चिट्ठा न ही खोलूं तो अच्छा रहेगा वरना इनके बारे में

बताते–बताते मुझे दो–तीन घंटे लग जायेंगे। मुझे इनका चिट्ठा खोलने की जरूरत नहो है। डिप्टी स्पीकर साहब, यहां पर करप्शन की बात भी आयी है। करप्शन के बारे में भी न ही कहा जाये तो अच्छा है। करप्शन की इनके टाईम में इतनी बुरी हालत थी कि कोई भी काम बगैर पैसे के नहीं होता था, चाहे वह काम कितना ही छोटे से छोटा हो। किसी वाटर वर्क्स पर यदि किसी. ने डेली वेजिज पर भी लगना होता था, तो भी उसे पैसे देने पड़ते थे। (व्यवधान) सम्पत सिंह जी और धीरपाल सिंह जी आप दोनों तो इस मामले मे पाक हैं। हम तो आपका जिकर ही नही कर रहे हैं। हम तो दोनों बाप–बेटे का जिक्र कर रहे हैं। आप तो ख्वामखाह बीच में आ गये। ओम प्रकाश चौटाला के यारे में लोग कहते हैं कि करप्शन से उसने 400 करोड़ कमा लिये, 100 करोड़ कमा लिये 50 करोड़ कमा लिये। कहां से कमा लिये, इस बारे में जितने मुह उतनी बातें हैं। कितनी जमीन जायदाद बनायी है। यह तो आपको पता होगा कि पहले उनकी कितनी जमीन जायदाद थी और अब कितनी है। करोड़ों कमा लिये। यह तो सब को पता है कि जमीदार को कितनी आमदनी साल में होती है। करोड़ों की आमदनी तो किसी भी जमीदार को खेती से नहीं होती। यह तो करप्शन से ही हो सकती है। (व्यवधान व शोर)। मैं तो यह कह रहा था कि डेली वेजिज पर पब्लिक हैल्थ में वाटर वर्क्स पर यदि किसी ने लगना होता था तो उसको पैसे देने पड्हे थे।

श्री राम कुमार कटवालः क्या आप इस बारे मे लिखकर देने के लिये तैयार हैं?

श्री जगदीश नेहराः अगर मुझे आप कहेंगे तो मैं लिखकर भी दे दूंगा। लेकिन मैं तो आप के बारे में बोला ही नही हूं। आप तो बिल्कुल पाक हैं। इस में आपका जिक्र तो है ही नही। बड़ी–बड़ी ट्रांसफर के बारे में जो करप्शन हुई णै और जो बडे–बडे जमीन के घोटाले चौधरी देवी लाल और ओम प्रकाश ने किये हैं मैं तो उनको टच नही कर रहा हूं। आज उनकी बात करने से ही पता चल जाता है कि उनके करप्शन के क्या–क्या नमूने है। ऐसा इसलिये है क्योंकि उनको ऐसी सारी बातों में कनाइवस थी। उनकी कनाइवैस से सारे काम हुए हैं। उन्होंने खुलों छूट दी कि बेटा लूटकर ले आओ। एक लूटेरे की तरह कमा लाओ और आकर यहां पर रख दो। इसमें इनका तो कोई जिक्र ही नही था।

डिप्टी स्पीकर साहब, मैं कानून और व्यवस्था के बारे में बात कर रहा था। कानून और व्यवस्था ऐसी बन गई थी कि लूट का माल ले आओ और परिवार में बांट लो। दस लाख ले आओ, एक करोड़ ले आओ या बीस करोड़ ले आओ और उसको बांट लो। डिप्टी स्पीकर साहब, उस वक्त नोटों की बोरियां भरी जाती रहीं और उस वक्त हर चीज में रिश्वत ली जाती थी। सरकारी कर्मचारियों की हालत यह थी कि किसी को भी बोलने की हिम्मत नहीं थी। इस हाउस के जो सदस्य थे, उनकी हालत तो और भी खराब थी। जब उनके पोते तक नही बोल सकते थे तो और किसी

की क्या हिम्मत थी और दूसरा कौन बोल सकता था। सम्पत सिंह थोड़ा बोलते थे लेकिन ये भी हिस्सा बांटने के बारे में बोलते थे, वैसे वे भी नहीं बोलते थे। उपाध्यक्ष महोदय, अब मैं जमीनों पर कब्जे के बारे में कहना चाहता हूं। डिप्टी स्पीकर साहब, कहा जाता है कि तीन हजार एकड़ जमीन ओम प्रकाश चौटाला खा गया,. उनका मिनिस्टर खा गया, उनका हिस्सेदार खा गया और पुलिस वाले खा गए। डिप्टी स्पीकर साहब, करप्शन की हालत यह थी कि उन्होंने जो कांस्टेबल भर्ती किए उनसे बीस तीस हजार हरेक से लिया और उन्होंने कहीं कैश लिये और कही पर चैक भी लिया।

श्री सम्पत सिंहः आन ए प्वायंट आफ आर्डर। डिप्टी स्पीकर साहब, ये स्पेसीफिकली कहें, किसी आदमी का नाम लेकर बताए कि फलां आदमी से सम्पत सिह ने पैसे लिए। आज इनकी अपनी सरकार है। आप इंक्वायरी करवा लें। एक नया पैसा भी अगर रिक्रूटमैट में सम्पत सिंह का मिल जाए तो मैं असैम्बली से इस्तीफा दे दूगा। डिप्टी स्पीकर साहब, मैं फिर दोहराता हूं कि अगर यह मिल जाए कि रिक्रूटमैटं में एक पैसा भी सम्पत सिंह ने खाया है और आप यह साबित कर दें तो मैं इस्तीफा दे दूगा।

श्री उपाध्यक्षः आपके बारे में कोई बात नही कही गई है।

श्री जगदीश नेहराः उपाध्यक्ष महोदय, मैं तो एक पैसे की बात नहीं कर रहा हूँ। मैं तो बीस तीस हजार की बात कर रहा हूं। सम्पत सिंह जी, आप नया पैसा क्यों लेंगे?

श्री सम्पत सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, ये साबित कर दे कि सम्पत सिंह ने कहीं पैसा लिया है मैं असैम्बली से इस्तीफा दे दूगा।

श्री जगदीश नेहराः उपाध्यक्ष महोदय, मैं साबित कर दूंगा फिर भी ये इस्तीफा नही देंगे। डिप्टी स्पीकर साहब, नया पैसा तो आज मंगता भी नहीं लेता। आज तो मंगता भी रुपया मांगता है। ये नया पैसा क्यों लेंगे? डिप्टी स्पीकर साहब, पुलिस की रिक्रूटमैट में छः सात हजार ऐम्पलाइज रिक्रूट इन्होंने किए। छः सात हजार में से एक दो हजार जो सिफारशी थे उनको छोड़ दें, जो किसी की चिट्ठी लेकर आए थे या किसी ने उनके बारे में कह दिया उनको काट दें तो बाकी पांच हजार रह जाते हैं। पांच हजार को बीस हजार से जर्ब दें तो आप अन्दाजा लगाएं कि कितना रुपया बनता है। हिसाब किताब में मैं थोड़ा कमजोर हूं। आप ही हिसाब लगा लें। (शोर एवं व्यवधान)डिप्टी स्पीकर साहब, मैंने यह नहीं कहा कि सम्पत सिंह ने रुपए खाए। यह बात तो लोग कह रहे हैं। उस वक्त यह बात आम थी कि हर आदमी पैसे देकर लगता है। डिप्टी स्पीकर साहब, उस वक्त एक मिनिस्टर की तो कोई हैसियत ही नही थो। सीधा थोड़ा बहुत ले लेते होंगे। पैसा तो कहीं और जाता था। डिप्टी स्पीकर साहब, उस वक्त

कानून और व्यवस्था इतनी खराब थो लेकिन आज ये कहते हैं कि कानून और व्यवस्था अब खराब हो गई है। असल बात तो यह है कि जब से भजन लाल को सरकार आई है तब से कानून और व्यवस्था ठोक हुई है। डिप्टी स्पीकर साहब, इनके होम मिनिस्टर होने के समय कानून और व्यवस्था इतनी बिगड़ी हुई थो कि औरंगजेब का जमाना याद आ जाता है। डिप्टी स्पीकर साहब, इनको बिहाइन्ड दी बार्ज होना चाहिए था। डिप्टी स्पीकर साहब, जहां एस० पी० पर मुकदमा, डी० आई० जी० के खिलाफ केस और आई० जी० के खिलाफ केस हों, वहां कानून और व्यवस्था कैसे ठीक रहेगी? डिप्टी स्पीकर साहब, एक गैंग था जिसमें चौधरी देवी लाल, औम प्रकाश चौटाला थे ओर उस गैंग के लीडर सम्पत सिंह हुआ करते थे..

श्री सम्पत सिंहः आप चाहे लीडर कहें या गीदड़ कहें आज आपको खुली छूट है। (शोर एवं व्यवधान)।

श्री जगदीश नेहराः लीडर तो आप अब है पहले तो गीदड़ थे। क्योंकि चौधरी देवीलाल जो जीते नही, इसलिये अब आप लीडर हो वरना गीदड़ होते। इसलिये मैंनै कोई गल्त बात नही कही'। इसके आगे डिप्टी स्पीकर साहब, गवर्नर साहब ने चुनाव के बारे में फरमाया। जो अब 1991 में विधानसभा व लोकम्मा के चुनाव हुए, उसके लिये हम गवर्नर साहब के धन्यवादी हैं और साथ–साथ सरकारी कर्मचारियों का भी हम धन्यवाद करते हैं क्योंकि उन्होंने निष्पक्ष चुनाव करवाए। आप उदाहरण देख

लीजिएगा कि केंथल 38 वोटों से श्री वीरेन्द्र सिंह जी जीते हैं। अगर चुनाव निष्पक्ष न होता तो क्या हम इनको 38 वोटों से जीतने देते? इन्होंने तो हमें एक एक हजार वोट से भी नही जीतने दिया था। सर, आप भी लगभग 1100 वोटों से जीते हैं। चरखीदादरी से धर्मपाल सिंह केवल 400 वोटों से जीते है। राव बंसी सिंह जी भी 300– 300 वोटों से जीते है। इसके बावजूद इन्होने गवर्नर साहब के यहां आने पर जो प्रदर्शन किया, वह कोई अच्छी परम्परा नहीं थी। मेरा कहना यह है कि चुनाव हरियाणा के अन्दर बिल्कुल निष्पक्ष हुए हैं और इसका श्रेय हरियाणा के तमाम सरकारी कर्मचारियों व आदरणीय राज्यपाल महोदय को जाता है। इसी कारण से इन भाईयों ने सदन में गवर्नर साहब के ओने पर शोर गुल किया। इनके साथ साथ मैं यह भी कहना चाहता हूं कि इसक (श्रेय हरियाणा की पुलिस को भी जाता है। उनको भी इसका क्रेडिट जात्रा कि उन्होंने बिल्कुल निष्पक्ष चुनाव करवाए हैं लेकिन प्रोफेसर सम्पत सिंह जी गर्वनर साहब के खिलाफ नारे लगा रहे थे कि उन्होंने चुनाव निष्पक्ष नहीं करवाए। इनके मुताबिक उन्होंने चुनाव निष्पक्ष नहीं करवाए होगे क्योंकि इन लोगों की गुण्डागर्दी उन्होंने चलने नहीं दी और इनको नीचा कर दिया। उन्होंने इनको हिलने नहीं दिया ताकि ये लोग गुण्डागर्दी न कर सके। इसलिये इनके अनुसार चुनाव निष्पक्ष नहीं हुए। (शोर)डिप्टी सीकर साहब, आप इनको समझाएं कि इस तरह जब' कोई बोल रहा हो तो बीच में नहीं बोलते।

Mr. Deputy Speaker : The reporters will please note that anything said without my permission will not go on record. Nehra Sahib, you please carry on.

श्री जगदीश नेहराः डिप्टी स्पीकर साहब, इस बार 34 लाख लोगों ने वोट दिये और 67 परसैन्ट वोट हरियाणा में पड़े। इसलिये हम यह कहेंगे कि जो चुनाव हुए है, वह बिल्कुल निष्पक्ष हुए हैं। बड़े अच्छे तरीके से हुए हैं और सहो तरीके से हुए हैं। डिप्टी स्पीकर साहब, हमें तो तारों के कौरीडोर लगाकर देखने तक न दिया गया कि अन्दर क्या हो रहा है और हम ने तो शिकायत भो नहीं को। जब चुनाव हमारे सामने आया तो हम सोचते थे कि इनके कारनामों के कारण केवल पांच सात सीटें ही इनकी आएंगी लेकिन निष्पक्ष चुनाव होने के कारण कुछ ज्यादा आदमी इनके आ गये वरना हरियाणा के लोग यह चाहते थे कि इनकी गुण्डागर्दी इनके भ्रष्टाचार इनके भाई भतीजावाद और इनको कुनबा परस्ती जो इन चार सालों में पराकाष्ठा पर थी, उसके कारण इनको सही जवाब देते। (विघ्न) एक आम आदमीं इसलिये जवाब नहीं दे सकता था क्योंकि इनके पास पुलिस थी, इनके पास पावर थी, इनके पास दबाव था। सरकारी कर्मचारी इनके थे और बहुत सी ऐसी बातें थी जिनके कारण ये आम लोगों को दबा सकते थे। वरना इस बार लोगों ने प्रो तरह से, पूरे इरादे से इनके काले कारनामों के कारण इन्हें हराने की सोच रखो थी जैसाकि चुनावों से पता चलता है। लेकिन चुनाव इस तरीके से

हुआ, चुनाव का वैरीएशन इस ढंग का हुआ कि इनके कुछ लोग चुनाव निष्पक्ष तरीके से होने के कारण यहां पर आ गए।

इसके अलावा गवर्नर साहब ने बिजली के बारे में, स्कूलों के बारे में और पब्लिक हैल्थ के बारे में कहा कि आगे से काफी तरक्की हुई है और विकास के कार्यक्रम जो इन लोगों ने छोड़ दिये थे, उसको ओर सरकार काफी तवज्जो दे रही है। इन लोगों ने चार साल तें विकास का कोई कार्यक्रम नहीं किया। कहों भी कोई एक ईंट नही लगी कोई स्कूल अपग्रेड नहीं हुआ, कोई वाटर वर्क्स नही बना यानी किसी किस्म की बात नही हुई।

श्री सतबीर सिंह कादयानः 350 स्कूल अपग्रेड हुए थे।

श्री उपाध्यक्षः कादयान साहब, आप बीच में न बोलें। बाद में बोल लेना, उस समय आपको अपनी बात कहने का अधिकार होगा।

श्री जगदीश नेहराः तो इन चार सालों में इन्होंने कोई विकास के कार्यक्रम नही किए हालांकि हरियाणा के बजट में करीब छः सौ करोड़ रुपया प्लान साइड में था। उसके पीछे के सालों का भी लगभग इतना ही हर साल का था। यदि हम इस तरह से पिछले चार. सालों का हिसाब लगाएं तो वह 24 सौ करोड़ रुपया बनता है। जहां तक नौन प्लान बजट की बात है वह तो सरकारी कर्मचारियों की तनख्वाह में जाता है। उसकी तो कोई बात नहीं लेकिन जो प्लान साइड में पैसा आया, वह कहां गया? इस पैसे से

प्रदेश में कंस्ट्रक्शन का काम होना चाहिए था, चाहे वह पक्के खालों का है, नहर का है, पब्लिक हैल्थ का है या ब्रिज का है स्कूलों का है और बिल्डिग बनाने का है। ये सारो चीजें प्लान साइड मे आती हैं। इन्होंने उस 24 सौ करोड रुपए का क्या किया? मेरा एलीगेशन यह है कि 24 सौ करोड़ रुपया ये खा गए। ये साथ के साथ खा गए। उसमें सम्पत सिंह को कितना हिस्सा मिला, यह मैं बार–बार कहूंगा तो भद्दों लगेगा लेकिन हिस्सा इनका जरुर था। जब सरकार उस 24 सौ करोड़ रुपये का हिसाब मांगेगी तो पता लगेंगा। प्लान साइड का पैसा डिवैल्पमैंट के कामों में खर्च होना चाहिए और लोगों की तरक्की पर खर्च होना चाहिए। हमारे किसान भाई एम० एल० एज० यहां बैठे हैं वे जानते हैं कि हरियाणा में पक्के खाल चौधरी भजन लाल जी की कांग्रेस सरकार ने बनाए थे और ये पिछले चार सालो में एक भी पक्के खाल की मरम्मत नही करवा सके, सारा पैसा खा गए। कही भी किसी वाटर वर्कस की डिग्गी टूट गई उसको भी ठीक नहीं करवाया गया। सैट्रल असिस्टैसं इसलिए दी जाती है कि वह प्लान साइड में खर्च हो। वह नौन प्लान साइड के साथ क्लब नही की जानी चाहिए। हरियाणा सरकार के कर्मचारियों की तनख्वाह के लिए सैंट्रल गवर्नमैट असिस्टैंस नहीं देती। वह असिस्टैंस इसलिए देती है कि हरियाणा में कोई डैम बनाओ, कोई बिजली घर बनाओ या कोई और चीज बनाओ। जो डिफिकल्ट विलेजिज हैं उनमें पानी का इन्तजाम हो। डिप्टी स्पीकर साहब, प्रे चार साल में इन लोगों ने कोई भी डिवैल्पमैंट का कार्य नहीं किया। जैसेकि मैंने

उदाहरण दिया कि जो पक्के खाल थे वे करीब पांच हजार बनाए गए थे। इन्हेंने किसी की भी मरम्मत नही करवाई। तो क्या ये डिवैल्पमैंट की बात कर सकते हैं? ये यहां कांग्रेस सरकार को दोषी ठहराते हैं, लेकिन यह शर्म की बात है कि इनकी सरकार के समय कोई भी डिवैल्पमैट का काम नहीं हुआ, ये सारा पैसा खा गए। जो लोग इनके सरपरस्त थे, इनके मुख्य मन्त्री थे ओर इनके होम मिनिस्टर थे उन्होंने हिस्सा डाल कर 24 सौ करोड प्लान साइड का पैसा बड़े सिस्टेमैटिक तरीके से खाया है। चार सौ करोड़ रुपया ओम प्रकाश जी के पास कहां से आ गया, यही चौनल था। या जमीन का कब्जा या सरकारी पैसे का दुरुपयोग। यह इन्होंने हर जगह किया है। तो डिप्टी स्पीकर साहब, इन शब्दों के साथ मैं इस ऐड्रैस की ताईद करता हूं और दरख्वास्त करता हूं कि धन्यावाद प्रस्ताव कों पास किया जाए।

श्री फूल चन्द (मुलाना, अनुसूचित जाति): माननीय उपाध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय ने 10 जुलाई, 1991 को सदन के सामने जो अपना अभिभाषण दिया, उस पर श्री जगदीश नेहरा जो ने धन्यवाद का प्रस्ताव रखा है,. मैं उसका समर्थन करने के लिए खड़ा दुआ हूं। (थम्पिंग)उपाध्यक्ष महोदय, मैं राज्यपाल का आभारी हूं कि उन्होंने सदन में आगमन करके सभी सदस्यों को जहां बधाई दी वहां उन्होंने श्री राजीव गांधी जी की हत्या पर गहन शोक प्रकट किया। उपाध्यक्ष महोदय, कल राजीव गांधी जी के निधन पर सदन में शोक प्रस्ताव भी आया था। मैं विशेष तौर

पर इस बारे में चर्चा करना चाहता हूं क्योंकि वह विषय भी अपने देश की कानून व्यवस्था से सम्बन्धित है। उपाध्यक्ष महोदय, दुनिया के इतिहास में यह पहली मिसाल है कि चुनावों के दिनों में किसी पोलिटिकल पार्टी के मुखिया की हत्या की गई हो। हमारे लिए यह बहुत ही चिन्ता का विषय है। इसके पीछे देश और विदेश के लोगों की क्या साजिशे थीं रस कारे में अभी तक कुछ भी पता नही लग पाया है। मैं नही जानता कि श्री राजीव गांधी के हत्या काण्ड की जांच करने के लिए जो एजेंसी मुकरर्र कीं गई है वइ किन्हीं तथ्यों पर पहुंच पायेगी। लेकिन मैं भारत की मौजूदा सरकार से निवेदन करना चाहूंगा कि यदि इस प्रकार से हत्याएं होती रहीं तो इस देश की राजनीति और इस देश का जनसाधारण अपनी सुरक्षा महसूस नहीं कर पाएगा। आज यह बहुत ही चिन्ता का विषय है और हमें इस बारे बहुत गम्भीरता से सोचना होगा। वह राजीव गांधी जिसने अपना सारा जीवन, जिसके परिवार ने अपना सारा जीवन इस देश के लिए न्यौछावर कर दिया हो, जिसने देश की आर्थिक व्यवस्थ। जो पिछले दिनों बिगड़ गई थी उसको सही कर दिखाया हो क्या उस जैसा नेता इस देश को कोई दे पाएगा? जिस राजीव गांधी ने देश और विदेशों की समस्याओं का समाधान किया, ऐसा नेता जिसने देश में हो नहीं बल्कि विदेशों में चार चांद लगाए, वह नेता हमारे हाथों से छीन लिया। यह वहुत ही दुख और चिन्ता का विषय है। श्री राजीव गांधी की हत्या पर पूरे देश के लोगों ने चिन्ता महसूस की।

हमारी मौजूदा केन्द्रीय सरकार को यह जानन। आवश्यक है कि राजीव गांधी की हत्या के पीछें किसका हाथ था।

उपाध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय ने सदन में लोक सभा और विधान सभाओं के इलैक्शन के बारे में चर्चा की। यह बात जाहिर थो कि यदि हरियाणा प्रदेश में उस सरकार के तहत ये चुनाव हो जाते तो वह चुनाव निष्पक्ष नहीं हो सकते थे और न ही हिंसा से रहित हो सकते थे। उस सरकार ने मे हम के अन्दर इलैक्शन मे एक नमूना पेश किया था और उस सरकार ने यह कहा था कि हरियाणावासियो यह एक सैम्पल है यदि हमारी सरकार के तहत चुनाव हुए तो हम इस प्रकार से चुनाव कराएंगे। उपाध्यक्ष महोदय, मुझे दुख है कि हरियाणा की ब्यूरोक्रेसी, हरियाणा की पुलिस किस प्रकार से दब्बू बन कर रह गई थीं। मेहम के चुनाव के समय हम लोगों को गाडियों में घुसने तक नहीं दिया गया। उस चुनाव में सारी पुलिस और ब्यूरोक्रेसी जैसे एक ही व्यक्ति के लिए वोट डलवाने के लिए गई हो। क्या यह राजनीति है, क्या यह वोट का राज है? यह बहुत ही चिन्ता का विषय है। उपाध्यक्ष महोदय, उस वक्त की राज्यपाल महोदय की सरकार ने मेहम चुनाव की हिंसा में संलिप्त अधिकारियों के खिलाफ कोई ऐक्शन नही लिया। मुझे खुशी है कि माज चौधरी भजन लाल जी की सरकार ने उस बारे में कुछ अधिकारियों के खिल एड कार्यवाही शुरु की है जिन्होंने अन्पने अधिकारों का उल्लंघन करते हुए एक राजनीतिक पक्ष लिया था। अब उन्हें

महसूस होगा कि कोई भी अधिकारी राजनीति से प्रेरित होकर किसी व्यक्ति विशेष के लिए या पार्टी विशेष के लिए काम न करे। मैं गवर्नर साहब को इस हद तक बधाई देता हूं कि मौजूदा चुनाव जैसा नेहरा साहब ने कहा निष्पक्ष हुए हैं किसी तरह की कोई फेवर को बात नहीं की गई। यह निष्पक्षता का परिणाम है कि हरियाणा के वोटरों को सहो व्यक्तियों को चूरने का अधिकार दिया गया और सही व्यक्ति अब पुन करके आए हैं। आप देख रहे हैं की अब सही सरकार का गठन हुआ है और सरकार क् गठन होते ही कानून की व्यवस्था सुधरी है।

उपाध्यक्ष महोदय, ज्यों ही 1987 में हरियाणा में सरकार बदली, पंचायतो के चुनाव आए और म्यूनिसिपल कमेटीज के चुनाव आए। इन चुनावों में हिंसा का प्रयोग हुआ। खाण्डेवाला का मर्डर आपके सामने नगरपालिका चुनावों में इया। उस समय हिंसा चारों तरफ बढ़ गई और बहू बेटियों की इज्जत महफूज नहीं रही। किसी व्यक्ति को दिन दहाड़े लूटा जाने लगा। जमीनों पर अवैध कब्जे होने शुरु हो गए। आप अम्बाला से चुने गए हैं। कभी आप को विजय पैलेस के सामने जाने का मौका मिले तो आप देखेंगे कि कुछ व्यक्तियों ने वहां आकर के खाली जमीन पर ईटों की दीवार बनानी शुरु कर दी। कुछ लोगों ने हमें बताया कि यह तो सांझी जगह है, कौमन लैण्ड है। जब पूछा गया कि आप कैसे कब्जा कर रहे हैं तो बताया गया कि हम फलां आदमी के आदमी हैं। यहां पर मैं उनका नाम लेना नहीं चाहता क्योंकि वे हाउस में

उपस्थित नहीं है लेकिन उस समय के वे मुख्य मंत्री थे या मुख्य मन्त्री के बेटे थे। उस समय नाम लिया गया कि हम तो चौटाला के रिश्तेदार हैं। जब हम लोगों ने शोर मचाया तो वे ईटें छोड कर भाग गए और वे ईटें आज भी आप देख सकते हैं। जगह जगह पर जो भो जमीन सांझी पडी थी, चाहे वह पंचायत की थी, चाहे म्यूनिसिपल कमेटी की थी उस पर एक ही परिवार का एकाधिकार हो गया। हर चीज पर कब्जा करना शुरु कर दिया चाहे वह जमीन थी या कोई और चीज थी। आंतक का वातावरण सारे प्रान्त में फैल गया। अब चुनावों के बाद इन सब बातों से हमें राहत मिली है। जनाधार पर ही यह सरकार सत्ता में आई है। आप जानते हैं कि जब हरियाणा अपने अस्तित्व में आयो तो उस समय यहां पर कुछ नहीं था। कुछ हजार ट्यूबवैल्ज थे। 1987 तक हरियाणा में कांग्रेस की सरकार रही। उस कांग्रेस सरकार के दिनों में चहुमुखी प्रगति हुई। हर गांव को सड्कों से जोड़ा गया, बिजली मिली और नहरें आई। साथ ही साथ नहरों के खाल पक्के हुए। सारे प्रगति के काम हुए और खेती की पैदावार बढ़ी। कारखाने भी बढ़े लेकिन मुझे दुख के साथ कहना पड़ता है कि जो भी सारे के सारे प्रगति के काम कांग्रेस की सरकार ने शुरु किए थे, उनके बारे में उल्टा गियर लगना शुरू हो गया। सिवाये झूठे वायदों के कोई तरक्की का काम नही हो पाया। एक वायदा किया और नारा लगा दिया कि कर्जा माफ कर देंगे लेकिन कितना कर्जा माफ हुआ इस पर थोड़े दिनों में श्वेत पत्र आने वाला है। यह लोगो के साथ केवल धोखा था। जिनका कर्जे माफ होना

चाहिए उनका नहीं हुआ। लेकिन आजा की सरकार नें एक वायदा किया है कि हरियाणा कृषि प्रधान प्रदेश है, हम यहा सिचाई की सुविधाऐं देंगे। यह सही है कि आज बिजली का संकट है इस बात को हमें मान करके चलना पड़ेगा और इस बात से इन्कार भी नही किया जा सकता। लेकिन संकट क्यों है? हमारे बिजली मंत्री ने बताया कि मौनसून लेट हो गई। मुझे मालूम है कि पिछले वर्ष पहली जुलाई को मौनसून की बहुत तेज वर्षा हुई थी और मौनसून की वर्षा से बिजली का भार कम हुआ था। इस बात से कोई भाई इन्कार नहीं कर सकता कि बिजली की सप्लाई तो उतनी है लेकिन मांग बढ़ गई है पहले दु छू वर्षा हो गई थी और उस वर्षा में हम लोगो ने जीरी बीज दी। जीरी बीजने से पौध भी लगा दी जिससे ट्यूबवैल्ज पर बोझ पड गया। क्योंकि ट्यूबवैल्ज के अलावा पानी का और कोई साधन नहीं है। इसी वजह से बिजली का लोड भी बढ़ गया। लेकिन फिर भी हमारी सरकार ने केन्द्र से मिल कर, नौर्थ ग्रिड के अधिकारियों से मिल कर बिजली की सप्लाई को सुचारु रूप से चलाने के लिए कुछ प्रयत्न किए हैं और बताया गया है कि आज से बिजली की पूरी सप्लाई चल रही है। इसी प्रकार से पानी के खाल जो पक्के किए गए, थे, उनमें सिल्ट जम गई है क्योंकि पिछली सरकार ने तो कुछ किया ही नहीं। अब सरकार ने उनको भी साफ करवाना है ओर हमे आशा है कि वे खालें जल्दी ही साफ होंगी और उनमें पानी की बचत्त होगी।

डिप्टी स्पीकर साहब, अब मैं सड़कों के निर्माण की बात कहना चाहता हूं। निर्माण की बात तो दूर रही जो सडकें पहले बनाई गई थी उनमें टाकी तक नहीं लगाई गई। उपाध्यक्ष महोदय, आप हर रोज जी० टी० रोड से गुजरते हैं। पानीपत से मुरथल तक डबल लेनिग बनाने के लिये मैंने नीव पत्थर रखा था और वह कार्य 199० तक पूरा होना था। आज 1991 आधे से ज्यादा समाप्त हो चुका है। जो काम शुरु किया गया था वह टूटना शुरु हो गया है बनना तो क्या था। उस सरकार की यही क्षमता रही है। उपाध्यक्ष महोदय, इस ओर भी राज्यपाल महोदय ने संकेत किया है कि हम प्रगति को जारी रखेंगे और जो सड़कें अधूरी रह गई हैं उन्हें पूरा करेंगे और जिन सड़कों की मरम्मत होनी है वह भी हम करेंगे। इसके अलावा और नई सड़कों का भी निर्माण किया जाना है। एस० वाई० एल० के बारे में ये बड़े नारे लगाते थे। ताऊ के नाम से विख्यात चौधरी देवी लाल ने एस० वाई० एल० का नारा दिया था और कहा करते थे कि मैं आ गया है अब 'पानी का प्रबंध और भ्रष्टाचार बन्द' होगा। लेकिन हो गया उल्टा 'पानी हो गया बन्द और भ्रष्टचार बुलन्द' अभी नेहरा साहब ने बताया कि कोई लिमिट ही नही थी। शाम को जब तक नोटों की बोरी नहीं भर जाती थी नींद नही आती थी। (विघ्न) उस समय नारा लगाया था कि एस० वाई० एल० कैनाल को पूरा करवाएंगे। उपाध्यक्ष महोदय, एस० वाई० एल० कैनाल का काम श्रीमती इन्दिरा गांधी ने स्वयं अपने हाथों से कस्सी मार कर आरम्भ किया था लेकिन कुछ असामाजिक तत्वों ने उनकी हत्या कर दी जिसके

कारण देश के अन्दर कानून और व्यवस्था की स्थिति खराब हुई। कांग्रेस सरकार बदलने के बाद अगर कोई काम हुआ हो तो बता दीजिए। एक भी पैसा अगर केन्द्रीय सरकार ने या सूबे की सरकार ने इस काम में लगाया हो तो बता दीजिए। श्री राजीव गाधी आज हमारे बीच नहीं है। उपाध्यक्ष महोदय, आपको याद होगा उन्होने ऐलान किया था कि हरियाणा को 400 करोड़ रुपये की ग्रान्ट दी जाएगी और एस० वाई० एल० कैनाल का पूरा खर्च केन्द्र द्वारा बहन किया जाना था लेकिन वह सरकार नहीं रही। अब फिर केन्द्र में अपनी सरकार बनी है, अब एस० वाई० एल० नहर भी बनेगी और केन्द्र से ग्रान्ट भी आएगी और हरियाणा की तरक्की के काम भी होंगे। पीछे केंन्द्र में भी इनकी अपनी सरकार थी और सूबे में भी इनकी अपनी सरकार थी लेकिन वे लोग केन से एक भी पैसा नहीं ला पाइए जिसे ये हरियाणा की तरक्की के लिए खर्च कर सकते। उपाध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय ने गरीबी और बेरोजगारी उन्मूलन की ओर भी बहुत जोर दिया पै। यह समस्या बहुत ही बड़ी है। उपाध्यक्ष महोदय, गरीब वह है जिसके पास रोजगार नही है। बेरोजगार की समस्या हमारी एक मूलभूत समस्या है। बेरोजगारी की समस्या को हल करने के लिए, बेरोजगारी को दूर करने के लिये हमारी सरकार ने इस अभिभाषण में जो कि श्री मण्डल साहब ने दिया है, यह ऐलान किया है कि एक परिवार के एक सदस्य को हम रोजगार देंगे। इसके लिए हम कारखानों को बढ़ावा देंगे। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से यह निवेदन करुंगा कि इस प्रस्ताव के माध्यम से गरीब लोगों को

रोजगार देने का जो ऐलान किया गया है उसको प्राथमिकता दी जाए। इसके साथ ही पिछले कई सालों से एस० सी० और बी० सीज० का जो बैकलाग है उसको श्री पूरा किया जाए। ये भाई इस चुनाव में आमतौर पर नाम लेते थे कि हम बैकवर्ड लोगों को आगे ले जाएंगे लेकिन सत्ता में रहते हुए बैकवर्ड लोगों के लिये इन्होंने कुछ नहीं किया। बैकवर्ड के नाम पर उनका कुछ भला तो नही हुआ लेकिन देश की और प्रदेश की करोड़ों रुपये की सम्पत्ति नष्ट जरुर हुई। इनकी सरकार ने ऐलान किया कि मण्डल आयोग की रिपोर्ट को लागू करेंगे। इन्ही की सरकार में अशांति कालका से शुरु होती है और एक स्कीम के तहत पलवल तक चली जाती है। कही पर टैलीफोन ऐक्सचेंज तोड़ रहे है, कहीं रैस्ट हाऊस तोड़ रहे हैं, कही इन्कम टैक्स का दफ्तर जला दिया, कही सेल्ज टैक्स का दफ्तर तोड़ रहे है और कुरुक्षेत्र मे करोड़ों रुपये से बनी टैलीफोन ऐक्सचेंज तोड़ दी। सारे देश को अस्त्र–वयस्त कर दिया और पूरे देश को आग में धकेल दिया तथा प्रगति के कामों को तहस–नहस कर दिया। उपाध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने इस ओर ध्यान दिया है और बिगड़ी हुई व्यवस्था को ठीक करने और फिर से बहाल करने का काम शुरु कर दिया है। हमारी सरकार ने ओल्ड ऐन पैशन की भी विशेष चची को है। यह पैंशन 65 वर्ष से घटा कर 60 वर्ष के बुजुर्गो, को देंगे। हमारी सरकार के समय पहले भी 60 वर्ष की आयु से०पर के लोगों को पैंशन दी जाती थी लेकिन पहले यह उनको ही दी जाती थी जिनका कोई सहारा नही था। अब यह पैंशन सब के लिए कर दी है। यह पैंशन बुजुर्गो को

उनके सम्मान के लिए दी जातो है। हमारे मैनिफैस्टों में भी यह बात है कि यदि हमारो आर्थिक स्थिति अच्छी हुई तो हम यह पैशन 55 वर्ष तक के वृद्धों को भी देंगे। इसलिये निवेदन है कि जब हमारी आर्थिक स्थिति मजबूत हो जाए तो पैशन की उम्र 55 करने का प्रयास भी किया जाये। इसके अलावा मै यह भी निवेदन करूंगा कि अनुसूचित जातियों के बारे मे जो कोटा सुरक्षित रखने को बात उन्होंने कहो है, इस बारे में डाक्टर भोम राव अम्बेदकर के सपने को पूरा करना चाहिये। जो पिछड़े वर्ग के लोग हैं या जो हरिजन हैं, उनका पिछला सरकारों की वजह से इन लोगों से मोह भंग हो गया है। हमे उनकी तरफ ध्यान देकर उनको मो आगे लाना चाहिये और सिला की और स्वास्थ्य आदि की प्रान्त के अन्दर जो सुविधायें हैं, वे हम उनको भी मुहैया करवाये ताकि प्रदेश को तरक्की की ओर ले जा सके। हमें इस प्रान्त को आगे ले जाना होगा। शासन प्रशासन की कुशलता को और बहाना है। भ्रष्टाचार को स्माप्त करना है जो बहुत बुरी तरह से व्याप्त हो गया है। जो ऐसे कारनामे किये गये हैं, उनको ठीक करने के लिये कदम उठाये जाने शुरु हो गये है। उपाध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय ने जो अभिभाषण दिया है, उनके धन्यवाद के लिये जो प्रस्ताव श्री जगदीश नेहरा जो ने रखा है, मैं उसका समर्थन करता हूं और समर्थन करते हुए आशा करता हूं कि जो कार्यक्रम हमने इसमें ररवे हैं, हम उनको पूरे प्रान्त में कार्यान्वित करेंगे और जो दूसरे समुचित प्रगति के काम हैं, उनको पूरा करने में भी अग्रसर हों गए। हम हरियाणा को प्रथम नम्बर का राज्य बना कर रहेंगे। इन

शब्दों के साथ मैं राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का समर्थन करते हुए अपना स्थान लेता हू। धन्यवाद।

Mr. Deputy Speaker : Motion moved—

'That an Address be presented to the Governor in the following terms :-

"That the Members of the Haryana Vidhan Sabha assembled in this Session are deeply grateful to the Governor for the Address which he has been pleased to deliver to the House on the 10th July, 1991.".'

Hon'ble members, I have received an amendment to this motion from Sarvshri Bansi Lal, Sampat Singh, Shrimati Chandravati, and SarvShri Ram Silas Sharma, Amar Singh Dhanak and Verender Singh, M.L.As. This will be deemed to have been read and moved.

'That in the motion, the following be added at the end, namely :—

"but regret that no mention has been mode of -

1. lowering of age. for grant of old age pension to 55 years in view of the fact that even middle class families are finding it difficult to properly feed the elders, as a consequence of alarming rise in prices made worse by devaluation of the rupee twice in the last week;

2. fixing a time-frame for clearing the back-log in filling up the posts reserved for S.Cs and B.Cs by time bound recruitment/promotions;

3. providing free education to the girls upto graduation level;

4. concrete steps which he Government proposes to take to arrest pricerise and bring back the price-line to January. 1990 --level;

5. concrete steps proposed to be taken up by the Govt. to streamline the deteriorating public distribution system;

6. declaration of Govt's intention to nationalise ell the mines in the State to prevent looting of precious resources of the State by vested interests.

7. declaration of Govt.'s intention to ban colonisation by private parties and to have it done only through HUDA and Housing Board to put a step to exploitation of the public by private colonisers;

8. intention of the Govt. to allow Police Personal to font Association; and

9. scheme for giving employment to one member of each family in the State even though he or she may be unfortunate to have remained un-educated."

श्री बंसी लाल (तोशाम): उपाध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय कैं अभिभाषण के लिये जो मोशन आफ थैंक्स सत्तारूढ़ दल को तरफ से आया है, उसमें जो हमने अमैंडमैंट दी है, मैं उस पर बोलने के लिये खड़ा हुआ हूं। एक बात तो यह है, जैसे अभी श्री फूल चन्द मुलाना कह रहे थे कि वृद्धावस्था पैंशन 55 साल

वाले लोगों के लिये करनी चाहिये न कि 60 साल वालों के लिये। कांग्रेस के मैनीफैस्टो में यह बात लिखी हुई है कि पैंशन के लिये आयु सोमा 65 वर्ष से घटा कर 55 वर्ष कर दी जायेगी। मुख्य मंत्री जी ने पिछले दिनों किसी एक प्रैस कान्फ्रैंस में यह कहा कि उन्होंने एक पब्लिक मीटिंग में यह कहा था कि हम 60 साल की आयु सीमा करेंगे। मुख्य मंत्री जी भी यहां पर बैठे हैं, इनके प्रदेश 'पार्टी' अध्यक्ष और इनकी सरकार के सारे मंत्री यहां पर बैठे है। श्री वीरेन्द्र सिंह, जिन्होंने यह मंनीफैस्टो रिलीज किया था, ने सारे हरियाणा में यह कहा कि हम पैंशन के लिए ' 55 साल की उम्र करेंगे। अब यह फैसला मुख्य मंत्री महोदय और इनके पी० सी० सी० के अध्यक्ष आपस में कर लें कि कितने साल वाले को पैंशन करनी है। मैं तो यह कहूंगा कि ये अपनी पाटीं के मैनीफैस्टो के हिसाब से 55 साल की आयु के हर व्यक्ति को पैंशन दें। कांग्रेस पार्टी के मैनीफैस्टो में लिखा है कि पैंशन प्रति मास नियमित रूप से दी जायेगे।। मैं मुख्य मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि इसे नियमित रूप से देने के मायने क्या हैं? यानी महीने की किस तारीख को यह पैशन बूढों को दे दी जायगी। इसके साथ–हीं–साथ राज्यपाल महोदय के एड्रैस में यह बात भी आयी है कि जो पिछले प्त्र महीने की पैंशन का बकाया है, वह भी जल्दी से जल्दी देंगे। तो मैं मुख्य मंत्री जी से यह चाहूंगा कि वे सदन को यह बतायें कि पिछले 8 महीने की बकाया पैशन कब तक दे दी जायेगी, उसकी डेट और महीना तय कर दें।

उपाध्यक्ष महोदय, आपके जरिए मैं सदन के नेता से प्रार्थना करूंगा कि शिड्यूल्ड कास्ट्स, बैकवर्ड क्लासिज और वीकर सैक्शंज के जो लोग हैं, पिछले चवालीस साल में हम सर्विसिज में जो रिजर्वेशन का उनका कोटा है उसको पूरा नही कर पाए। इसमें हम सभी दोषो हैं। आज मुख्य मन्त्री भी दोषी हैं और विरोधी पक्ष में जो दूसरे भाई बैठे हैं वे भो दोषी हैं। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके जरिए सरकार से प्रार्थना करूंगा कि शिड्यूल्ड कास्ट्स और बैकवर्ड क्लासिज का जो सर्विसिज में बैकलौग है, कोई खास तरीका अपना कर और टाईम बाउन्ड प्रोग्राम बनाकर उसको पूरा किया जाए।

डिप्टी सीकर साहब, अगला सुझाव मेरा यह है कि लड़कियों को ग्रेजुएशन तक की शिक्षा दी जाए। इस वक्त 10 + 2 या मैट्रिक तक लड़कियो की फ्री शिक्षा है। स्पीकर साहब, हमारे प्रान्त में लोग लड़कियों को कम पढ़ाते हैं अगर हम उनकी शिक्षा ग्रेजुएशन तक की कर दें तो लड़कियों को लोग ज्यादा पढ़ाने लगेंगे।

डिप्टी स्पीकर साहब, डिवैल्यूएशन से पहले और खासकर डिवैल्यूएशन के याद महगाई ज्यादा बढ़ती जा रही है, इसलिए सरकार से मेरा अनुरोध है कि प्राईस राइज को कंट्रोल करने के लिए सरकार जो कदम उठा सकती है वह उठाए। वैसे तो मैं समझता हूं कि स्टेट गवर्नमैंट का इसमें बहुत ज्यादा कंट्रीब्यूशन नही हो सकता, यह तो सैन्ट्रल बजट पर डिपैन्ड करता

हे लेकिन स्टेट गवर्नमैंट डिस्ट्रीब्यूशन के सिस्टम को स्ट्रीमलाइन करे और ऐसा तरीका अपनाए जिससे देहात और शहर में रहने वाले, क्षौंपड़ियों मे रहने वाले खास तौर से हरिजन और बैकवर्ड क्लासिज के जो लोग हैं इनको फेयर प्राईस शौप्स से ऐसेंशियल कमोडीटीज, खाने पीने का सामान ठीक भाव पर मिल सके।

डिप्टी स्पीकर साहब, मैं हरियाणा सरकार से यह चाहता हू कि जो बजरी की माइन्ज हैं इनको नेशनेलाइज करे। इनको नेशनेलाइज करने से सरकार के पास जो पैसे की कमी है वह ' दूर होगी और सरकार की आमदनी बढ़ेगी। 1986 में मैंने इनको नेशनेलाइज किया था लेकिन कुछ आदमी उस बारे में हाईकोर्ट से स्टे आर्डर ले आए और कुछ माइन्ज हमने हरियाणा मिनरल्ज कार्पोरेशन को दे दी। जब 1987 में दूसरी सरकार आई तो उन्होंने वे फिर वापिस कर दी। मेरा आपके जरिए सरकार से अनुरोध यह है कि जब तक ये नैशनेलाइज नही होंगी उस वक्त तक मजदूरों का ऐक्सप्लाण्टेशन खत्म नहीं होगा और टैक्स की चोरी रोकने का प्रबन्ध नही होगा। आज एक आदमी जो कोई लैसी है, जिसके पास माइन्ज की लीज है वह सुबह दो– चार पांच या दस ट्रक्स की पर्ची ले लेता है लेकिन शाम तक पांच सौ ट्रक निकाले जाते हैं। मजदूर को मजदूरी कम मिलती है। टैक्स की चोरो होती है। अगर इन माइन्ज का जो कानूनी तरीका है उस कानूनी तरीके को ऐडौप्ट करके इनको नेशनेलाइज कर दिया जाए तो मैं समझता हूं कि सरकार की आमदनी बढ़ेगी और जो टैक्स

की चोरी होती है वह रुकेगी। इन माइन्ज को मैंने 1986 में नेशनेलाइज करके हरियाणा मिनरल्ज कार्पोरेशन को दे दिया था उससे कई लाख की आमदनी सरकार की वढी थी और कई लाख रुपया टैक्स का आया था। मैं समझता हूं कि आज जो टैक्स की इतनी' चोरी हो रही है वह बहुत ज्यादा है। मैं आपके जरिए सरकार से अनुरोध करूंगा कि जितनी माइम्ज हैं उनको नेशनेलाइज किया जाए क्योंकिं जितनी ये माइन्ज हैं इनसे दो नम्बर के तरीके से पैसा कमाया जाता है और उस पैसे का दुरुपयोग होता है। (इस समय भी अध्यक्ष पदासीन हुए।)अगर यह पैसा सरकारी खजाने में आएगा तो उससे सड्कों की मरम्मत हो सकेगी, सरकारी बिल्डिंज की मरम्मत हो सकेगी, दूसरी योजनाएं बन सकेंगी, सत्कार पैंशन दे सकेगी और डिवैल्पमैंट के काम कर सकेगी। इसलिए इनको नेशनेलाइज करना चाहिए।

12.00 बजे

स्पीकर साहब, यह जो प्राइवेट कौलोनाजेशन है इसमें बहुत गडबड घोटाला होता है। इसलिये मेरा आपके दारा सरकार को एक सुझाव है कि यह प्राईवेट कोलोनाइजेशन बन्द होनी चाहिए। प्राइवेट कौलोनाईजर्ज के साथ' किसी स्टेज पर सरकार का जो ऐग्रीमैन्ट हुआ था, उसमें यह था कि प्राईवेट कौलोनाइजचं 15 परसैन्ट से ज्यादा मुनाफा नही कमा सकेंगे लेकिन वे लोग तो कई सौ परसैन्ट का मुनाफा कमाते हैं। उस ऐग्रीमैन्ट में कहीं यह नहीं लिखा हुआ कि अगर प्राईवेट कौलोनाईजजं 15 परसैन्ट से

ज्यादा मुनाफा कमाएंगे तो उस मुनाफे का क्या बनेगा? उस ऐग्रीमैन्ट में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। इसके' साथ साथ स्पीकर साहब, मैं यह कहना चाहूंगा कि आज के मुख्यमन्त्री जिस समय पहले मुख्य मन्त्री थे तो इन्होंने प्राईवेट कोलोनाइजर्ज को लाइसैन्स दिये थे। फाईल पर मुख्यमन्त्री महोदय जी ने लिखा था कि जो आदमी डिवैल्पमैन्ट के चार्जिज लेट देंगे उस पर 12 या 15 परसैन्ट उन्हें इन्ट्रैस्ट देना होगा लेकिन जब वही फाईल नीचें गई तो एक आई० ए० एस० अधिकारी ने वह क्लाज हटा दो। इसके लिये मैं सरकार को बलेम नहीं करता क्योंकि सरकार ने ऐसा नहीं किया लेकिन सम्बन्धित अधिकारी ने ही उस क्लाज को हटाया। उस एक क्लाज के हटाने से हरियाणा सरकार को 15 से 20 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। मैंने उस अधिकारी. को मुअत्तल भी कर दिया था लेकिन बाद में इन भाईयों की सरकार जब आई तो इन्होंने उस अधिकारी को रि–इंस्टेट कर दिया। इसलिये मैं स्पीकर साहब, आप के द्वारा सरकार से यह कहूंगा कि स्टेट में जो कोलोनाइजेशन का काम है, इसको या तो हुड्डा से करवाया जाए या फिर हाउसिंग बोर्ड से करवाया जाए या दोनों से अलग अलग करवाया जाए। यह काम दोनों को आधा आधा बांटा जा सकता है। अगर एक ही शहर में दोनों काम करें तो दोनों को अलग अलग एरिया बांटा जा सकता है। अगर सरकार हुड्डा या हाउसिंग बोर्ड दोनों से यह काम नहीं करवाना चाहती तो फिर सरकार को मेरा यह सुझाव है कि जो हरियाणा के पढ़े लिखे नौजवान हैं, जो बेरोजगार नौजवान पैं उनकी कोआप्रेटिव सोसायटीज बनाकर के,

बैकों से गारन्टी के साथ रुपया दिलवा करके यह काम उनको सौंप दे। अगर यह काम प्राईवेट कोलोनाइजर्ज द्वारा करवाएंगे तो यह पैसा एक, दो या दस आदमियों की जेब में आएगा और अगर यही काम हुड्डा या हाउसिंग बोर्ड से करवाया जाएगा तो इससे सरकार की आमदनी भी बढ़ेगी और सरकार को बहुत फायदा भी होगा। इसलिये मेरी सरकार से प्रार्थना है कि सरकार इस बात पर गम्भीरतापूर्वक विचार करे और प्राईवेट कोलोनाइजेशन को बन्द करे। अगर सरकार ने प्राईवेट लोगों के हाथ में ही यह काम रखना है तो सिवाये कोआप्रेटिव सोसायटीज के, सिवाये बेरोजगार पडे लिखे लोगों के यह काम किसी और को न सौंपा जाए। इससे पढ़े लिखे सड़कों को रोजगार मिलेगा। इसके साथ साथ मेरा एक और सुझाव भी हे कि जिन की कम तनख्वाहें है, सरकारी कर्मचारी है, वीकर सैक्शन्ज, हरिजन व बैकवर्ड क्लासिज के लोग हैं उन को सबसीडाइजड रेट्स पैर छोटे प्लाटों की अलौटमैंट करें और जो वड़े प्लाट्स हैं उनकी नीलामी हो सकती है। नीलामी से सरकार की आमदनी में इजाफा होगा। इसलिये मैं समझता हूं कि मेरे इन सुझावों पर सदन के नेता गहराई से विचार करेगे और मुझे उम्मीद है कि मेरे इन तीन चार सुझावों में से कोई सा एक तरीका सरकार अपनाने की कोशिश करेगी। अगर एक तरीका नहीं तो फिर तीनों तरीके भी अपनाए जा सकते हैं।

इससे आगे स्पीकर साहब, मैं आपके जरिये. मुख्यमन्त्री महोदय के नोटिस में यह बात लाना चाहता हूं कि जो पुलिस के

छोटे कर्मचारी है उन से पुलिस के बड़े अधिकारी नाजायज काम लेते हैं। चाहे कोई अरदली, चाहे ड्राईवर, चाहे रीडर कोई भी हो, ये लोग बड़े अधिकारियों के घरों पर काम करते हैं। इन छोटे कर्मचारियों को पुलिस के सीनियर अधिकारियों के कहने पर उन के घरों में काम करना ही पड़ता है क्योंकि इन छोटे कर्मचारियों की ए० सी० आर्ज० एस० पी० बगैरह ने लिखनी होती है। अगर छोटा कर्मचारी बड़े अधिकारियों एस० पी० व डी० आई० जी० के कहने के अनुसार नही करेगा तो उस कर्मचारी की वे अधिकारी ए० सी० आर्ज० खराब कर देंगे। साल मे कम से कम 6 तबादले उसके कर देंगे। वह बेचारा क्या करेगा? वह बच्चों को पढ़ा नही पाएगा और परेशान होगा। तो पुलिस के जो छोटे कर्मचारी हैं, उनकी सीनियर औफिसर्ज को ऐक्सप्लाएटेशन से बचने के लिए एक ऐसोसिएशन बनाने की मांग है। यह ऐसोसिएशन अध्यक्ष महोदय, हिन्दुस्तान में 14 स्टेटों ने बनाने की इजाजत दे रखी है। ये स्टेटस हैं—बिहार, बंगाल, आसाम, नागालैडं, त्रिपुरा, उड़ीसा, कर्नाटक, आन्ध्र प्रदेश, तमिलनाडु, केरल, पांडीचेरी, गुजरात, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश। तो जिस पैट्रन पर इन 14 स्टेटों ने पुलिस के छोटे कर्मचारियों का एसोसिएशन बनाने की इजाजत दे रखी है उसी. पैट्रन पर हरियाणा में भी दे दी जाए। इसके अलावा अध्यक्ष महोदय, जो पुलिस के छोटे कांस्टेबल वगैरह है उनकी तरक्की 1980 से पहले सीनियोरिटी के बेसिज पर होती थी। उसके बाद सरकार 'ने सिपाही से हवलदार बनने के लिए टैस्ट रख दिया। बाकी किसी रैक में टैस्ट नहीं है, सीनियोरिटी से बनते

हैं। तो क्या करते हैं, यह फर्जी सा टैस्ट होता है और एस० पी० थे लेना होता है। वह अपने अरदली, ड्राइवर या घर में काम' करने वाले को तो पास कर देता है और जो गरीब आदमी मारा मारा फिरे और सरकार की डियूटी पूरी करे उसको फेल कर देता है। मैं चाहता हूं कि यह टैस्ट हटना चाहिए। अगर पुलिस का कोई छोटा आदमी या अधिकारी सही काम न कुरता हो तो उसे सजा देनी चाहिए। मैं यह नही चाहता कि डिस्पलिन्ड फोर्स में इन–डिस्पलिन फैले। मगर आपके सामने एक बहुत बड़ी मिसाल है। मेहम में क्या किया, वहां पर बड़े अधिकारियों के कहने से छोटे अधिकारियों को कितनी ज्यादतियां करनी पड़ी। वहां एक कांस्टेबल की वर्दी उतार कर दूसरे आदमी को पहना दी जिस वजह से वह कांस्टेबल मारा गया। दो दिन के बाद उसकी बहिन की शादी थी, वह बहिन शादी से रह गई। मैं मिसाल देकर बात कह रहा हूं, मैं किसी पर ऐसपर्शन नहीं करता बल्कि मैं तो एक बात. बता रहा हूं। इसके अलावा जो इस सरकार ने रुलिस के अधिकारी सस्पैडं किए हैं यह बिल्कुल ठीक है और मैं इसका समर्थन करता हूं क्योंकि ये अधिकारी कपट भी हैं और कानून तोड़ कर गलत काम भी करते रहे हैं। मैं समझता हूं कि सरकार ने अभी लिनिएंसी बरती है। ये जिस किस्म के इन्सान हैं और ये जिस तराके से पाने में लोगों को बिठा कर करते हैं, इनके साथ भी ऐसा ही करना चाहिए, इसके लिए ये डिजर्व करते हैं। जो पुलिस के अधिकारी इस तरह ज्यादतियां करते हैं उस तरह से नहीं करनी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, जो आज डी० जी०, पुलिस है

उन्होंने भी रोहतक जिले में एक बार सात आदमियों को पकड़ कर मार दिया था। (विघ्न) मैंने कभी किसी को नहीं कहा कि किसी को मारो, मैंने कानूनी कार्यवाही के खिलाफ किसी को कुछ भी करने के लिए नहीं कहा। तो मैं मुख्य मन्त्री जो मे कहूंगा कि पुलिस के सीनियर अफसरों के।. ज्यादतियां रोकने के लिए छोटे कर्मचारियों, कांस्टेबल, हवलदार, ए० एस० आई० और एस० आई० वगैरह को दूसरी स्टेटों की तरह एसोसिएशन बनाने की इजाजत दे दें ताकि वे संगठित ढंग से सरकार के सामने अपनी बात रख सकें। ताज्जुब की वात है कि आई० पी० एस० ओफिसर्ज की ऐसोसिएशन है, हरियाणा पुलिस सर्विस के डी० एस० पोज० और एस० पीज० की ऐसोसिएशन है तो इन्हेंने क्या जुल्म कर दिया? स्पीकर साहब, धर्मवीर कमिशन बना था और उसकी 1977 मे रिपोर्ट आई थी। उसने रिकमैड किया था कि इनको एसोसिएशन बनाने का अधिकार देना चाहिए। इसके अलावा स्पीकर साहब, झूठे सर्टीफिकेट और एप्रीएशन सर्टीफिकेट देकर एस० पी०, डी० आई० जी०, आई० जी० और डी० जी० अपने निजी काम करने वाले कांस्टेबल्ज को प्रमोट कर देते हैं और मैरिट पर आने वाले कास्टेबल्ज को छोड़ देते हैं। इस तरफ भी सरकार को ध्यान देना चाहिए।

अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में एक बात आई है कि एक ऐजुकेटिड आदमी को एक फैमिली में से नौकरी दी जाएगी या नौकरी दिए जाने की कोशिश की जाएगी।

मैं मुख्य मंत्री महोदय सै यह पूछना चाहूंगा कि ऐजुकेटिड की परिभाषा क्या है? दूसरो बात यह है कि मुख्य मती महोदय ने अपना कार्यभार सम्भालते ही एक प्रैस कांफ्रैसं में कहा था. कि हम हरियाणा प्रदेश के हर धर में से एक आदमी को नौकरी देंगे। अध्यक्ष महोदय, मैं यह नहीं कहता कि किसी अनपढ़ आदमी को दफ्तर में फाईल पर लिखने के लिए बैठा दो लेकिन हर घर में से एक आदमी को नौकरी दे। जानी चाहिए, बहुत अच्छी बात है। अगर किसी घर में कोई अनपढ़ है तो उसको कहीं पर गैगमैन लगा दें, कहीं मजदूर लगा दे और कहीं चपरासी लगा दें। अध्यक्ष महोदय, बहुत से कुटुम्ब ऐसे हैं जो रात को पेट भर कर खाना नही खाते हैं। अभी पिछले दिनों मैंने अखबारों में पढ़ा था कि आगरा में एक ब्राहम्ण कहीं नौकरी करता था लेकिन उससे उसके परिवार का पेट नहीं भरता था। उस ब्राहम्ण ने खुद, उसकी बीवी, उसके लडके और उसकी लड़की चारों ने जहर खा कर खुदकशी कर ली क्योंकि वह परिवार अपना गुजारा नही कर सकता था। यहां हरियाणा में चाहे कोई खुदकशी न करे लेकिन गरीब लोगों को बहुत तकलीफ है इसलिए मैं सदन के नेता से प्रार्थना करूंगा कि इस तरह का कोई रास्ता निकालें जिससे पड़े लिखे और अनपढ़ लोगों को नौकरी दी जा सके।. जो अनपढ हैं उनको जैसा मैंने पहले कहा गैंगमैन का काम दे सकते हैं, कंस्ट्रक्शन का काम दे सकते हैं, मजदूर का काम दे सकते है, कहीं चपरासी लगा सकते हैं। इस तरह के काम उनको दिए जा सकतै हैं।

इसके बाद स्पीकर साहब, नहरों की बात आती है। राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में कहा गया है कि नहरों को डीसिल्ट किया जाएगा, कच्ची नहरों को पक्का किय–। जाएगा और टूटी नहरों की मरम्मत के काम पर पूरा जोर दिया जाएगा। अध्यक्ष महोदय, नहरों को डीसिल्ट किया जाएगा, कच्ची नहरों को पक्का किया जाएगा, खाले बनाए जाएंगे यह बड़ी अच्छी बात है। मैं इस बात का स्वागत करता हूं कि कच्ची नहरों को पक्का किया जाएगा ताकि पानी की सीपेज न हो, धरती कल्लर न हो और किसानों को फायदा हो। जो पक्के खाल टूट गए हैं वे बनने चाहिएं और उनको सारे प्रदेश में कोई टाईम बाउंड प्रोग्राम तैयार करके बनाना चाहिए ताकि किसानों को फायदा हो सके। नहर की डीसिल्टिग करने सै पानी टेल तक पहुंच जाएगा। अगर नहरों की डीसिल्टिंग नहीं होती है तो पानी बहुत कम चलत–। है और टेल तक नही पहुंचता। उमसे स्टेट को नुक्सान होता है। नहरों की डीसिल्टिंग का प्रोग्राम टाईम बाउंड होना चाहिए कि कितने अर्से में नहरों को डीसिल्ट कर दिया जाएगा। स्पीकर साहब, आपके जरिए सरकार से मेरा एक और निवेदन है कि जो सूखाग्रस्त एरियाज है, जैसे रोहतक जिले की झज्जर तहसील है, हिसार तहसील के कुछ इलाके हैं, भिवानी जिला पूरा है, महेन्द्रगढ़ जिला, रिवाड़ी जिला, गुड़गांव जिला, फरीदाबाद जिला, बहुत से इलाके हैं, उनमें जो लिफ्ट इरीगेशन स्कीम बनाई गई हैं उनको पूरा किया जाए। हमारी स्टेट को जो सबसे बड़ी लिफ्ट इरीगेशन स्कीम है वह खास तौर से जवाहर लाल नेहरू कैनाल की है। वह कैनाल

झज्जर तहसील के थोड़े हिस्से को भिवानी जिलें को, महेन्द्रगड़ जिले को और रिवाड़ी जिले को पानी देगी। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके जरिए चीफ मिनिस्टर साहब से कहना चाहूंगा कि वे नहरें मिट्टी से भर गई हैं, उनमें पौधे पैदा हो गये हैं और कई जगह तो मैंने दौरा करते हुए यह हाल देखा भी है। पुल के०पर जाने की जरूरत नही, पुल का रैम्प कटा हुआ है। उस पर मोटर चढ़ नही सकती, नहर बालू रेत से भरो हुई है।

उसके पर से रेहडू गाडी निकलते हैं। इसलिए जो लिफ्ट इरीगेशन स्कीम के तहत नहरें बनी हैं उनको डीसिल्ट कराया जाए। मैं यह नही कहता कि रोहतक, सोनीपत, जींद हिसार करनाल और कुरुक्षेत्र जिलों का पानी काट कर किसी दूसरे जिले को दिया जाए। मैं कहता हूं कि किसी जिले का पानी काट कर भिवानी, महेंन्द्रगढ, रिवाड़ी या गुड़गांव जिले को न दें फालतू पानी हो तो उनको दे दो। मौनसून के दौरान दो–अढ़ाई महीने यमुना नदी मै जो कई लाख क्यूसिक पानी बेकार जात्रा है वह फालतू पानी उनको दे दें। हमारे जो एरिड एरियाज हैं उनमें बाजरे की फसल तो 60 दिनों में पैदा हो जाती है। जो फालतू पानी समुन्द्र में जाता है वह अगर भिवानी, झज्जर, हिसार तहसील के दक्षिण हिस्से, महेन्द्रगढ़, रिवाड़ी, गुड़गांव औत फरीदाबाद के जिलों में बाजरा कटने के बाद लगा दें तो एक फसल सावनी यानी खरीफ की पूरी हो जाएगी और रबी की फसल के लिए चने की बुआई हो जाएगी। में यह नही कहतीं कि इन्हें आप आज ही

पैरीनियल कर दे। जितनी नहरें आप पैरीनियल कर सकते हैं उन्हें तो कर दें बाकी एस० वाई० एल० कैनाल का पानी आने पर कर दें। जब तक एस० वाई० एल० का पानी न आए, तब तक फ्लड का पानी जो यमुना नदी में चलता है उसे खरीफ की फसल पूरी लेने के लिए और रबी की फसल यानी चने की बुआई हेतू देने के लिए इस्तेमाल किया जाए। मेरे कहने का मतलब यह है कि जो नैट वर्क इन नहरों का है उसे जल्दी से जल्दी पूरा करें।

अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में यह कहा गया है कि एस० वाई० एल० कैनाल को पूरा करने के लिए आर्मी की सहायता ली जाएगी। मुझे इस काम के लिए आर्मी की सहायता लिए जाने से कोई एलर्जी नही है। इस बारे में पहले तो मैं यह कहता हूं कि पंजाब वाले हमारे बड़े भाई हैं और हम उनके छोटे भाई है हमारी उन से प्रार्थना है कि हमारे पानी को रोकने की कोशिश न करें और हमारे हिस्से का पानी आराम से हमारे यकु आने दें तथा इस नहर को शान्ति से बनने दें। अगर इस काम में किसी किस्म की बाधा आती है तो पैरा मिल्ट्री फोर्सिज, सी० आर० पी० एफ० या बी० हाऊस० एफ० की डियूटी लगाई जाए लेकिन आर्मी का इस्तेमाल न किया जाए क्योंकि सी० आर० पी० एफ० या बी० एस० एफ० ही इस काम के लिए काफी है। अध्यक्ष महोदय, पंजाब में जो नहरें हैं, बिजली को लार्डने हैं और वाटर वर्कस वगैरा हैं, उन सब की रखवाली भी बी० एस० एफ० और सी० आर० पी० एफ० वाले ही करते है। इस प्रकार एस०

वाई० एल० के मजदूरों की रखवाली भी सी० आर० पी० एफ० और बी० एस० एफ० वाले कर सकते हैं।

यहां पर बिजली की शार्टेज की बात कही गई है। आज कालिंग अटैशन मोशन भी इस बारे में आई है। अध्यक्ष महोदय, इस बात में कोई शक नहीं है कि आप भो उस इलाके से आते है जहां पर पानी की सबसे ज्यादा आवश्यकता होती है और बिजली के बगैर उस इलाके का काम भो नही चल सकता। इसमें कोई दो राय नही ईं कि पिछले 10– 15 या 20 दिनों से बिजली की बहुत कमी रही है'। सिंचाई तथा बिजली मंत्री जी ने कहा है कि पिछले 2– 3 रोज से एक आध घण्टा बिजली का कट लगा हो तो बेशक नहीं तो 2– 3 रोज से लगातार बिजली मिल रही है। स्पीकर साहब, अब हम भी 2–3 रोज से चण्डीगढ आए हुए है। हमें नही मालूम कि अब लगातार वहां देहात में बिजली जा रही है या नहीं। अगर ऐसो बात हैं तो यह एक बहुत ही अच्छी बात है। हम भी तो यही चाहते है कि बिजली पर कोई कट न लगे। अगर कट लगाना ही पड़े तो इस तरह से लगाएं कि किसानों को अपने टयूबवैल्ज चलाने में कोई दिक्कत न आए। बिजली का एक सवाल इण्डस्ट्रिएलाईजेशन के लिए पैदा होता है। देहात को बिजली देने के लिए इण्डस्टइराज पर कट लगाए। यह बात तो बिल्कुल ठीक है कि ऐग्रीकल्चर और इण्डस्ट्रीज के मुकाबले ऐग्रीकल्चर को पहले प्रैफरेंस देना ही पड़ेगा। इसके लिए हमें एक काम और करना चाहिए कि जो प्राईवेट इण्डस्ट्रीज हैं उनको प्राईवेट जैनरेशन के

लिए ऐनकरेज करना चाहिए कि वे ज्यादा से ज्यादा प्लांट प्राईवेट जैनरेशन के लिए लगाएं। इस काम के लिए सरकार को उनकी सहायता करनी चाहिए। दूसरी बात सरकार यह करे कि अगर कोई प्राईवेट इण्डस्ट्रीज वाले प्लांट लगाते हैं या लगा चुके हैं उनके०पर कट का प्रिंसिपल वहीं तक लगे जहां तक इलैक्ट्रिसिटी बोर्ड की बिजली दी जाएगी। वे जितनी बिजली स्वयं पैदा करते हैं वह उनको मिलनी चाहिए। अगर ऐसा नही करेंगे तो फिर वे अपने प्राईवेट प्लांट लगाएंगे ही क्यों? मैं फिर कहता हूं कि बिजली के मामले में इण्डस्ट्रीज की बजाए ऐग्रीकल्चर को ही प्रैफरेंस मिलना चाहिए।

स्पीकर साहब, मैंने इलैक्शन के बाद अपने हल्के का दौरा किया है और जगह–जगह पर मैंने यह देखा है कि पीने के पानी की कमी है चौधरी अमर सिंह और कुछ और लोग भी मेरे साथ थे और जगहों की मुझे पर्सनल नोलेज तो नही है लेकिन लोग कहते है कि वहां भी पानी की बहुत तकलीफ है। ड्रिकिंग वाटर सप्लाई की हालत मेरे भिवानी जिले में काफी खराब है और बाकी जगहों पर भी होगी। महेन्द्रगढ़ जिले में और दूसरे जिलों में मैंने कहीं देखा तो नही है मगर ड्रिकिंग वाटर की तकलीफ सब जगहों पर है। भिवानी जिले में मेरे हल्के तोशाम में हमने देखा है कि एक– एक नल्के पर 150–150 या 200–200 घड़ों की लाईन लगी हुई थी। मैं चौधरी अमर सिंह जी से मजाक करता था कि इतनी औरतें लाईन में मटके लगाए हुए हैं वे पहचानेगी कैसे कि

कौन सा मटका मेरा है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मुख्य मण्डी जी को यह सुझाव दूंगा कि पीने के पानी का प्रबन्ध जितनी जल्दी हो सके कर दें। क्योंकि पीने के पानी का खराब होना आदमी को सेहत खराब करता है जिससे बीमारियां फैलती हैं, हैजा होता है, पीलिया होता है तथा और बहुत सी बिमारिया होती हैं। अगर पशु भी खराब पानी पीयेगीं तो उससे इन्सान की सेहत पर असर पड़ेगा। इसी तरह से गांवों में जो पशुओं के पानी पीने के जौहड हैं उनमें भी पानी नही है। सभी जौहड़ों को पशुओं के पानी पीने के लिए नहरी पानी मे से भरना चाहिए।

अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही साथ मैं यह भी कहना चाहता हू कि भिवानी शहर के सीवरेज के और पीने के पानी के पाईप टूट कर आपस में मिल गए हैं। डिप्टी कमिश्नर, भिवानी ने शहर में मुनादी करवाई हुई है कि सीवरेज और पीने के पानी के पाइप आपस में मिल गए हैं इसलिए नल्कों में से 5 मिनट तक पानी को सीधे चलने दें और पीने का पानी न भरे। 5 मिनट नल्का चलने के बाद ही पीने का पानी भरें। अध्यक्ष महोदय, हो सकता है कि 5 मिनट नल्का चलने से ज्यादा गंदगी निकल जाती हो लेकिन यह कोई परमानैन्ट इलाज नहीं है। मैं आपके जरिये सरकार से प्रार्थना करूंगा कि भिवानी, रोहतक, करनाल या कोई भी ऐसा शहर जहां सीवरेज के पाईप टूट गए हैं और पीने के पानी में सीवरेज का पानी मिल जाता है उन शहरों के पाईपों को जल्दी से जल्दी रिप्लेस करवाएं ताकि लोगों की सेहत ठीक रह

सके और महामारियां न फैलें तथा लोगों का, आम पब्लिक को फायदा हो।

अध्यक्ष महोदय, रही बात ला एण्ड आर्डर की, मुख्य मन्त्री जी ने कार्यभार सम्भालते हो पहले दिन कहा कि वे ला एण्ड आर्डर को पूरो तरह से कण्ट्रोल करेंगे। यह बहुत हो अच्छी बात है और हम ने भी यह सोचा है कि अब पहले जैसी बात तो कम से कम नहीं होगी। मेरे ये साथी मेरी बात का बुरा न मानें। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके जरिये मुख्य मन्त्री जी के नोटिस में लाना चाहूंगा कि मुख्य मन्त्री जी के अपने जिले में ट्रक यूनियन वालों ने फैक्टरीज में जा–जा कर भरे हुए ट्रको को खाली, करवाया? और भरे हुए ट्रकों की हवा निकाल कर उनको 10– 10 या 20–20 कदम चलाया गया ताकि उनके 6 के 6 टायर खराब हो जाएं। एक टायर कितने का आता है यह मुझे तो पता नही मगर मेरे ख्याल से टायर पर खासा पैसा लगता होगा। मुख्य मन्त्री जी की इत्तलाह के लिए मैं ट्रकों के नम्बर दे देता हूं। एक ट्रक नम्बर है एच० एस० टी० 3411, दूसरा है एच० आर०–20–2650 कुछ अन्य ट्रक हैं एच० आर० 20– 3737 तथा एच० आर० एच० 9995। ये ट्रक सरला रोलिंग मिल के है। इसी तरह जिन्दल रोलिंग मिल के ट्रको की भी हवा निकाली गई। उनके नम्बर इस प्रकार है– एक ट्रक नम्बर एच० एन० टी० 3141 तथा दूसरा एच० वाई० 3264 नम्बर का ट्रक है। मुख्य मन्त्री महोदय इसकी पूरो इंक्वायरी करवा लें तथा जिन लोगों ने यह काम किया है उनको सजा दै। अगर

आप ऐसा नही करते तो आपको यह कहने का अधिकार नहीं रहेगा, कि आप लॉ एण्ड आर्डर को मेनटेन करना चाहते हैं। अभी कल के अखबार में एक खबर आई है। मैं इस बारे में तसल्ली के –साथ तो नही कह सकता क्योंकि मुझे इस बारे में व्यक्तिगत नौलेज नहीं है। आपके जिले के बारे में जनसत्ता अखबार में जो कुछ लिखा है आप इसकी पूरी जानकारी हासिल करें और जिस किसी आदमी का कसूर हो उसको सजा जरूर दें।

अध्यक्ष महोदय, सरकार ने बड़े लार्ज स्केल पर तबादले किये हैं। तबादले करना सरकार का अधिकार है और जो भी मुख्य मंत्री आता है, वह करता है। उसमें मैं भो शामिल रहा हूं आज के मुख्य मंत्री जो भी हैं और भी कई मुख्य मंत्री हुए हैं, वे सब इसमें शामिल हैं। मगर इतने मास–स्केल पर तबादले पहले कभी नहीं हुए जितने इस बार हुए। एक तरफ तो' राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में कहा गया है कि बड़े निष्पक्ष और बड़े अच्छे चुनाव कराए गए, उसके लिये राज्यपाल महोदय और गवर्नमैंट मशीनरी सब बधाई के पात हैं। मैं इस बात से सहमत हूं कि बड़े अच्छे इलैक्शन कराए गए, बड़े निष्पक्ष इलैक्शन कराए गए और जिन अधिकारियों ने यह इलैक्शन कराए, वे बधाई के पाल हैं लेकिन मैं मुख्य मंत्री महोदय से यह पूछना चाहूंगा कि जो इतने अच्छे अधिकारी थे, जिन्होंने इतने अच्छे निष्पक्षता से इलैक्शन कराए, जिनकी सारे हिन्दुस्तान के लोगों ने सराहना को है, उनके तबादले क्यों एकदम कर दिये गये? वे दो दिन में खराब कैसे हो

गये? फिर दूसरी बात यह है कि आम तौर पर एक पालिसी होती है कि साल–दो–साल जब किसी अफसर की रिटायरमैंट में रह जायें तो उसे अपने स्थान से हटाया नहीं जाता। कोशिश यह की जाती है कि उस आदमी को उसकी मर्जी के मुताबिक स्टेशन दिया जाये ताकि वह सैटल होने की तैयारी कर सके। पानीपत के डिप्टी कमिश्नर का, अध्यक्ष महोदय, तबादला किया गया। मुख्य मती महोदय खुद इस बात को तसलीम करेंगे कि उस आदमी के खिलाफ कोई शिकायत नहीं है। कोई आदमी ऐसा नहीं होगा जो उस आदमी को पसन्द नहीं करता होगा। ' कोई आदमी उस आदमी के खिलाफ कोई बात नहीं कह सकता क्योंकि वह एक बहुत सात्विक और बड़ी अच्छी प्रवृति का आदमी है। इस तरह की सजा, जो उसको दी गये? है, ऐसे आदमी को नहीं देनी चाहिये।

मैं आपके जरिये सदन के नेता से एक बात और कहूंगा। मैं यह नही कहता कि मुझे इस बात का व्यक्तिगत ज्ञान है लेकिन जैसा मैंने सुना है, उसके मुताबिक मैं इनके नोटिस में ला देता हूं। हिसार की नयी अनाज मंडी के प्रैजीडैटं का इस्तीफा पुलिस ने जाकर लिया और उसकी जगह किसी दूसरे आदमी को अनाज मंडी ऐसोसिएशन का प्रधान बना दिया। इस बात की भी मुख्य मती जी जांच पड़ताल करवाये और पुलिस वाले इस बात के लिए अगर अपराधी हों तो उनको सजा दें। सड्कों की मरम्मत की बात भी राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में कही गयी है। मैं आपके जरिये मुख्य मंत्री जो से यह कहना चाहूंगा कि वे सदन में

यह बतायें कि कितने अर्से में सड्कों को ठीक करा देंगे। टाईम बाउन्ड प्रोग्राम इस बारे में होना चाहिये क्योंकि सारे हरियाणा की सड़कें बुरी तरह से टूटी पड़ी हैं। सड़कें टूटी होने से गाड़ी का नुकसान होता है। पैट्रोल ज्यादा खर्च होता है। लोगों को परेशानी होती है। इसके लिये कोई टाईम बाउन्ड प्रोग्राम बनाकर यह बतायें कि सड्कों की मरम्मत हम इस समय तक करवा देंगे। एक दूसरो बात रोड ट्रांसपोर्ट की है। जहां तक इस बात का ताल्लुक है, हरियाणा रोड ट्रास्पोर्ट की बहुत बुरी हालत है। बसें टूटी पड़ा हैं। शीशे नहीं हैं। किसी बस की कैसी हालत है तो किसी बस की कैसी हालत है। इन बसों की हालत सुधारो जाये। मेरी इत्तलाह के मुताबिक रोडवेज में बहुत लीकेज है। पिछले चार पांच साल में ऐसे–ऐसे ड्राईवर्ज और कंडक्टर्ज भर्ती कर दिये गये, जिनको कोई काम नहीं आता। अभी कोई 8– 10 दिन पहले की बात है। एक रोडवेज की बस लेकर, मिस्त्री था या कोई ड्राईवर था, मैं नहीं कहता, दादरी की तरफ से लोहारू को जा रहा था और लोहारू की तरफ से एक कैंटर बारात लेकर आ रहा था। उस बस के ड्राईवर को लैफट हैंड पर जाना चाहिये था लेकिन उसने दाई तरफ जाकर टक्कर मारी। लोहारू का कालेज जंगल में है और चारों तरफ से नजर आता है। वहां पर किसी किस्म की कोई रुकावट नहीं है। कैन्टर वाले ने कालेज की तरफ जाकर अपने को बचाया पर चुंकि आगे कालेज की दीवार पड़ती थी उससे आगे वह जा नही सकता था लेकिन बस के ड्राईवर, ने लैफ्ट की तरफ होने की बजाए दायीं तरफ जाकर कालेज की दीवार के पास कैन्टर को

टक्कर मारी जिससे आठ दस आदमियों की मृत्यु हो गई औरे चालीस पचास आदमी जख्मी हो गए। मैं चाहता हूं कि जो लोग जख्मी हो गए थे उनको भी सरकार मुआवजा दे क्योंकि हरियाणा रोडवेज की बस का कसूर है। मैं एक बात और कहना चाहता हूं कि पिछले चार पांच साल में अगर कोई रिक्शा चलाने वाला भी था तो उसको भी हरियाणा रोडवेज का ड्राईवर रख दिया गया। इसलिए इतने ऐक्सीडैट होते हैं जिनका कोई हिसाब नहीं है। (व्यवधान)यह सहो बात है कि डिस्ट्रिक्ट भिवानी के ज्यादा ड्राईवर्ज हैं और सब से ज्यादा लोग भिवानी डिस्ट्रिक्ट के ही ऐक्सीडेंट्स में मारे गए हैं।

एक आवाजः वह बारात त्यौवाला गांव की थी।

श्री बंसी लालः हां यह बात ठीक है। स्पीकर साहब, में आपुके जरिए मुख्य मन्त्री जी को एक सुझाव देना चाहता हूं कि हरियाणा रोडवेज के जो ड्राईवर्ज हैं उनका रिकार्ड रखा जाए। अगर कोई ड्राईवर एक ऐक्सीडैटं करे तो उसको वारनिंग दो, दूसरा ऐक्सीडैट करे तो स्वीयर वारनिश दो और तीसरा ऐक्सीडैंट करे तो उसको घर पर बिठा दो। स्पीकर साहब, दूसरी बात यह है कि रोडवेज की गाड़ी का चालान नहीं किया जाता। इस बारे में सोचना होगा। रोडवेज के। बस का चालान होना चाहिए। बसिज की हालत यह है कि उनमें फर्स्ट एड बौक्स नही होता, स्टैपनी नहीं होती, गाड़ी ठीक नही होती। और न उनकी प्रौपर मेन्टेनैस होती है।

एक आवाजः ऐसी हालत में ड्राईवर चालान क्यों भुगते?

श्री बंसी लालः अगर ड्राईवर का कसूर होगा तो उसका चालान होना चाहिए और उसे भुगतना चाहिए। मशीनरी की गड़बड़ी की वजह से ब्रेकडाउन हो तो रोडवेज जिम्मेदार है। ड्राईवर की गल्ती हो या वह गल्त गाड़ी की पार्किंग करे तो उसका चालान 'होना चाहिए। सरकार उसकी गल्ती के लिए वकील क्यों करे? सरकार ड्राईवर की गल्ती पर उसकी वकालत करे यह ठीक बात नहीं है?। सरकार को तो उस केस में कम्पलैनैन्ट होना चाहिए। (व्यवधान)समो ड्राईवर्ज गल्त भी हो सकते हैं और गल्त नहीं भी हो सकते। हम किसी एक पार्टी को इसके लिए ब्लेम नही कर सकते।

अध्यक्ष महोदय, एक मेरा सुझाव यह है कि ईराक और कुवैत की बार के वक्त लिंक रोडज पर जो लोकल बसिज चलती थी वे बंद कर दौ गई थीं। वे अब कहीं नही चल रही है। गांव के लोग बस के लिए खड़े रहते हैं। उनको आने जाने के लिए कोई सुविधा नहीं मिलती। जितनी ऐप्रोच रोडज और लिंक रोडज है वहां पर बसिज बन्द हैं उनको फिर से चालू किया जाए। सरकार ने मैटाडोर पर शायद पाबन्दी लगा रखी है और उसके मुताबिक वे हरियाणा में रजिस्टर नहीं होतीं। मैं यहं कहना चाहता हूं कि जब तक बसिज नही हैं और बसिज खरीदने के लिए पैसा नही है तथा आप पैसेन्जर्ज को सहूलियत नही दे सकते उस वक्त तक मेन रोड पर, लिंक रोडज पर और ऐप्रोच रोडज पर फोर व्हीलर्ज को चलने

दें। उनको पैसेन्जर्ज को उठाने दें। उनका चालान करने से क्या फायदा? वे तो आपकी सहायता करते हैं ताकि जनता कम गालियां दें। इस बारे में अध्यक्ष महोदय, विचार करना चाहिए। असली सुझाव तो यह है कि ज्यादा से ज्यादा बसिज खरीदा जाएं। बसिज खरीद कर लिक रोडज पर, ऐप्रोच रोडज पर और बाकी रोडज पर चलाई जाएं। स्पीकर साहब, आज हालत यह है कि बसिज इतनी भरी चलती है कि लोग छतों पर चढ़े रहते हैं और पीछे लटके रहते हैं। मैं चाहता हूं कि सरकार को इन सब चीजों के वारे में बैठकर विचार करना चाहिए और इस मामले मैं खुद सरकार कोई हल निकाल ले तो यह बहुत अच्छा बात है। सरकार कौ हरियाणा के लोगों से मिलकर और अपोजीशन पार्टीज से मिलकर इस बारे में विचार करना चाहिए। एक मेंरा सुझाव यह है कि औरतों के लिए बसों में सफर करने के लिए कुछ सीटें रिजर्व करनी चाहिएं। जो बूढ़ी औरते बसिज में चढ़ जाती है, तो ड्राईवर्ज कमको चलती बस से उतार देते हैं। वे गिर पड़ती हैं और उनको चोट लग जाती है। इस चीज का इलाज करना चाहिए।

स्पीकर साहब, दूसरी बात शराबबन्दी के बारे में है। आज हमारे प्रदेश में शराब का बोलबाला है। सरकार ने यह फैसला लिया है कि इंसेन्टिव के रूप में एक रुपया फी बोतल गांव को पंचायत को दिया जाए। स्पीकर साहब, यह एक नई रिश्वत है। ऐसा होने से गांव के सरपंच सोचते हैं कि गांव की पंचायत की आमदनी बढ़ेगी। जौ गांव के ठेकेदार हैं, गांव के सरपंच है वे यह

रेजोल्यूशन पास नही करते कि हमारे गांव में शराब का ठेका न हो। स्पीकर साहब, मैं यह चाहूंगा कि सरकार यह जो एक रुपया पंचायतों को इंसेनटिव देतो है, यह बन्द करे। चौपालों के पास, स्कूलों के पास या. धार्मिक स्थानों के पास किसी किस्म के ठेके न खोले जाएं। मैंने देखा है कि कई जगहों पर हमारी औरतें पानी भरती हैं और पास में हो शराब के ठेके भी हैं। शराब पी कर लोग वहीं पर ही शोर मचाते हैं। स्पीकर साहब, एक और बात सरकार ने कर दी है कि जगह जगह शराब के ठेकों के साथ अहाते वगैरह भी चला दिये हैं कि वही पर शराब पीओ यानी साथ ही वही बैठने की जगह भी बना दी। इसलिये यह सब कुछ बन्द होना चाहिये।

मेरी सरकार से एक और प्रार्थना है कि सरकार शराब के अन्दर अलकोहल की मात्रा के कन्टैन्ट्स की परसैन्टेज को कम करे ताकि धोरे धोरे लोग इस शराब को छोड़ सकें और लोगों का कम नुकसान हो। शराब पीने वाले अपने शरीर का तो नाश करते ही हैं, साथ में अपने घरों का, अपने बाल–बच्चों का भी नाश करते हैं। इसलिये मैं सरकार से रिकवैस्ट करूंगा कि स्कूलों के पास, धार्मिक स्थानों के पास, चौराहों पर, जहां बसों में बैठने के लिये बस–पैसेंजर्ज इकट्ठे होते हैं, स्फेसिफिकलो ऐसी जगहों पर शराब के ठेकें नहीं होने चाहियें बल्कि ये काफी दूरी पर होने चाहियें।

इससे आगे मैं आपके द्वारा सरकार सै यह जानना चाहता हूं कि जो लोन वेवर की स्कीम थी, वह कहां तक गई? कितने लोगो का लोन माफ हुआ और क्या यह पालिसी भविष्य में भी चलती रहेगी या नहीं और आगे इसका क्या रूप होगा? इसके०पर अगर सरकार एक वाईट पेपर इशू कर दे तो सरकार की बड़ी मेहरबानी होगी।

इससे अगला सुझाव मेरा सरकार को यह है कि हरियाणा के अन्दर जो 30– 40 कार्पोरेशन्ज हैं उनके चेयरमैन जो हम बनाते हैं उससे सरकार का काफी खर्चा बढ़ता है। इस की ओर सरकार विशेष ध्यान दे। मैं चौधरी भजन लाल जी को यह विश्वास दिलाता हूं कि वे निश्चित रहें, हम उनकी सरकार ' को तोड़ने की कोशिश बिल्कुल नही करेंगे और हम उनकी सरकार तोड़ने को हैसियत में हैं भी नहीं।

श्री भजन लालः चौधरी साहब, यह प्रथा तो आपकी ही चलाई हुई है।

श्री बंसी लालः मैंने अगर यह गल्त प्रथा चलाई थी तो आप इसको ठीक कर दो। अगर हमने कोई गल्ती की है तो आप उसका सुधार कर दो। मेरी रिक्वैस्ट है कि यह सिस्टम आप बन्द कर दीजिये। आपके पास बहुत से सीनियर आई० ए० एस० फाइनैशियल कमिशनजं हैं और उनको कहीं लगाने की जगह भी नहीं मिल रही है। मैं यह कहूंगा कि जिन आई० ए० एस०

औफिसर्ज को ऐडमिनिस्ट्रेशन का तजुर्बा है, उनको ही चेयरमैन, एम० डीज० लगा दीजिये इससे सरकार का काफी खर्चा कम होगा। कोठी का, कार का, टेलीफोन का और टूर वगैरह का खर्चा सरकार का काफी कम हो जाएगा। पैट्रोल की आजकल बड़ी किल्लत है। साढ़े 12 रुपये पर लिटर पैट्रोल मिल रहा है और हो सकता है कि बजट के बाद इसका रेट और भी बढ जाए। आप पिछले 10– 15 सालों का रिकार्ड निकाल कर देख लीजिये कि इस तरह चेयरमैन लगाने से सरकार का कितना रुपया खर्चा हुआ है।, आज के हालात के मुताबिक जबकि प्राईस इंडैक्स भी बढ़ा है, सरकार को इस तरह का खर्चा घटाने की कोशिश करनी चाहिये। अगर सरकार आई० ए० एस० औफिसर्ज को इन पदों पर लगाएगी तो हरियाणा सरकार को फालतू खर्चो से राहत मिलेगी, सरकार को काफी फायदा होगा, वही पैसा डिवैल्पमैन्ट के कामों पर खर्च होगा।

अध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा मुख्य मन्त्री महोदय से कहना चाहूंगा कि रोहतक के मैडिकल कालेज के बारे में 1986–87 में मेरी कैबिनिट ने फैसला किया था कि इसको पी० जी० आई० और मैडिकल इंस्टीच्यूट के लैवल का इंस्टीच्यूट बनाया जाए। उसके लिए 32–33 करोड़ रुपए का बजट बनता था। रोहतक क्योंकि दिल्ली से दूर है, बहा पढ्ने की फैसिलिटी नहीं है और हर डाक्टर और स्पैशलिस्ट चाहता है कि उसके बच्चे इंग्लिश मीडिया स्कूल में पढ़ें इसलिए हमने उस समय यह भी एक फैसला

किया था कि एक पब्लिक स्कूल जिसका इंग्लिश मीडिया हो, रोहतक मैडिकल कालेज के कैम्पस में बना दिया जाए। हमने साथ ही यह भी फैसला किया था कि डायरैक्टर प्रिंसिपल, रोहतक मैडिकल कालेज की तनखाह पी० जी० आई० और मैडिकल इंस्टीच्यूट, दिल्ली के डायरैक्टर प्रिंसिपल से दो सौ रुपए ज्यादा हो और रोहतक मैडिकल कालेज के प्रोफैसर की तनखाह पी० जी० आई० और मैडिकल इंस्टीच्यूट, दिल्ली से पचास रुपए ज्यादा हो क्योंकि स्पैशलिस्ट वरना चण्डीगढ़ आना चाहेगा, दिल्ली आना चाहेगा रोहतक में नही आना चाहेगा। रोहतक में गवर्नमैंट मैडिकल कालेज मे बहुत अच्छा इक्विपमैंट है, फौरेन कन्ट्रीज सै लाया हुआ है लेकिन हमारे पास ऐक्सपर्ट नही हैं। उसको पी० जो० आई० और मैडिकल इंस्टीच्यूट के लैवल पर लाने के लिए हमने जो फैसला किया था उसको मेरे बाद जो चौधरी देवी लाल की सरकार आई उसने बदल दिया। तो अध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा मुख्य– मुख्य मंत्री जी से अनुरोध करूंगा कि या तो आप वह फैसला रिवाइव कर दें या अपना फैसला जो ठीक समझें ले करके नए सिरे से मैडिकल कालेज, रोहतक का ग्रेड बढ़ाए, उसका स्तर०ंचा करें। हरियाणा के लोगों के पास एक ही तो मैडिकल कालेज है, उस मैडिकल कालेज में अच्छा इलाज हो सके इसका इन्तजाम होना चाहिए।

अध्यक्ष महोदय, पिछले दिनों मुख्य मन्त्री महोदय ने कहा था कि यह डिजनी लैंड की प्रपोजल मेरी बनाई हुई है।

अध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा मुख्य मन्त्री महोदय और सदन को यह बता देना चाहता है कि मेरे वक्त में कोई डिजनी लैड की स्कीम नहीं बनी। एक स्कीम हमने बनाई थी और स्कीम बनाई नहीं थी बल्कि स्कीम बनाने का इरादा, था। हमने सूरज कुंड और बड़खल लेक में टूरिस्ट कम्पलैक्स बना कर सरकार का बहुत खर्चा किया है। दोनों के बीच में 7, 8 या 9 किलोमीटर का फासला है और सूरज कुंड और बड़खल लेक के बीच में सड़क है। उस सड़क के०पर सौ दो सौ एकड़ में उस टूरिस्ट कम्पलैक्स को आगमैंट करने के लिए, उसमें ओर फैसिलिटीज देने के लिए लोगों से सुझाव मांगे थे। उसमें अध्यक्ष महोदय, हमने अखबारों में ऐडवर्टाइजमैंट की थी, हमने कोई टैंडर नहीं मांगे थे। डिजनी लैंड की जो स्कीम है वह हमारे से बाद की सरकार ने बनाई। वह गुड़गांव जिले में है और हमारा जो प्रस्ताव था वह फरीदाबाद जिले में सूरज कुंड. और बड़खल लेक के बीच के एरिये को डिबैल्प करने के बारे में था। वह ऐडबर्टाइजमैट हमने 15–2–1987 के ट्रिब्यून तथा दूसरे अखबांरों में भी दी। स्पीकर महोदय, उसमें हमने यह लिखा था

"Haryana Tourism has established an extensive Tourist Complex at Suraj Kund, District Faridabad, Haryana (8 Km. from Delhi) where tourist facilities like Raj Hans Hotel, Motel, Golf Course, Swimming Pool, Restaurant etc. have been provided. A dire& link road between Suraj Kund and Badkhal Lake Tourist Complex has also been constructed.

The Government of Haryana is now interested in

providing assistance for the setting up of Amusement/Theme Parks of international standard /specifications in the area located between Suraj Kund at Badkhal. The proposed Amusement /Theme Parks would attract a large number of domestic and international visitors. Offers are invited from well established firms for the setting up of such Amusement/Theme Parks. Interested entrepreneurs should send their proposals/project profiles giving details about their background project concept, requirement of land, project cost, means of finances and economic viability etc."

हमने बाकी डिटेल्ज के साथ साथ रिक्वायरमैंट ओफ लड के बारे में भी पूछा है। मैं मुख्य मंत्री महोदय से प्रार्थना करूंगा कि आप वह फाईल सदन के पटल पर रख दें। उससे सारी स्टेट को पता लग जाएगा कि वह कितनी जमीन थी, कहा थी, क्या उसकी लोकेशन थी और हमारा प्रस्ताव क्या था?

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से इनसे कहना चाहूंगा कि कल जब मैं गवर्नर साहब के अभिभाषण पर हुई बहस का जवाब हूं तो उस समय ये हाउस में रहें। मैं सारी डिटेल बता दूंगा।

श्री बंसी लालः स्पीकर साहब, कल जब मुख्य मती महोदय बोलेंगे तो उस समय मैं हाउस में ही रहूगा। आप उसके बारे में सदन के पटल पर कागज भी रख दें और बता भी दें।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मैं उस बारे में पूरी डिटेल बता दूंगा। कागज रखने की जरूरत नही है।

Shri Bansi Lal : The remaining part of the advertisement is—

"The details of the type of machinery, equipment which will be required to be imported/indigenously available, the approximate prices, may also be indicated alongwith the possible sources /countries of such imported equipment. the facilities which are desired from the State Government may also be indicated. It is suggested that only such established firms may apply as have done substantial ground work in this field and have the necessary expertise in presenting their project profile complete with all details. The complete proposal as enumerated above may be sent to the underslgned positively by. 15th March, 1987."

स्पीकर साहब, हमने यह खाली ऐडवर्टाडजमैंट की' थी। जो बाद में डिजनीलैड की प्रोपोजल बनी उसके बारे में कितने औफिसर्ज की मीटिंग हुई और उन मीटिग्ज में क्या–क्या कार्यवाही हुई उसके बारे में भी मुख्य मंत्री जी सदन की टेबल पर कागज रख दें। डिजनीलैंड की जो प्रोपोजल बनी उसको स्टडी करने के लिए कौन कौन आदमी विदेशों में गए। किस किस आदमों ने मीटिंग्ज को प्रिजाइड किया और कितना कितना रुपया खर्च हुआ। मुख्य मंत्री महोदय, इस बारे में भी आप कल बता दें और उस समय मैं सदन में हाजिर रहूंगा।

श्री भजन लालः कल मैं आपको इस बारे में पूरी डिटेल बता दूगा।

श्री बंसी लालः ठीक है। स्पीकर साहब, मुझे यह भी पता चला है कि नारनौल में पीने का पानी उपलब्ध नही है। महेन्द्रगढ़ शहर में पीने का पानी उपलब्ध नहीं है। रिवाड़ी में भी यही दिक्कत है। गुड़गांव मे भी यही दिक्कत है। हमारे भिवानी शहर मे तो दो तीन दिन तक बिल्कुल ही पीने का पानी नहीं आया। पीने के पानी के लिए खास तौर से मैं मुख्य मंत्री महोदय से कहूंगा कि इसका प्रबंध जल्दी से जल्दी. करें। स्पीकर साहब, मुख्य मंडी. महोदय ने एक प्रैस काफैंस में कहा था कि एस० वाई० एल० नहर का जितना काम हुआ था बह उनके वक्त में हो गया सो हो गया उसके बाद कोई काम नहीं हुआ।

श्री भजन लालः मैंने यह कहा था कि बाद में नाम मास हुआ।

श्री बंसी लालः नाम मात्र ही सही। स्पीकर साहब, मैं आप के जरिए सारे सदन को औंर मुख्य मंत्री महोदय को बताना चाहूंगा कि मुख्य मंत्री जी आप जून 1986 के फर्स्ट वीक में स्टेट से चले गउर थे और जून, 1986 तक एस० वाई० एल० नहर पर जो रुपया खर्च हुआ वह मैं बता देता हूं। वर्ष 1982–83 में 11.4 9 करोड रुपए खर्च हुए, 1983–84 में 13.04 करोड़ रुपए खर्च हुए, 1984–85 मे 85.47 करोड़ रुपए खर्च हुए और 1985–86 में 54. 24 करोड़ रुपए खर्च हुए। अध्यक्ष महोदय, उसके बाद इनके स्थान पर मैं आ गया। जो 1986–87 में रुपया खर्च हुआ, क्योंकि 1987 का तो 31 मार्च के बाद पहली अप्रैल को बजट शुरु होता है, 4

जून 1986 को मैं आ गया था तो उस साल में 82. 56 करोड़ रुपए खर्च हुए। अगले साल यानी 1987–88 में 122.83 करोड़ रुपए खर्च हुए। वर्ष 1988–89 में 55.04 करोड़ रुपए खर्च हुए, 198 9– 90 में 51.56 करोड़ रुपए खर्च हुए और 1990–91 में 36. 68 करोड़ रुपए खर्च हुए। ये पंजाब गवर्नमैंट की फिगर्ज हैं जो इस नहर को बना– रही है। इस पर अब तक यानी 1990– 91 तक टैटेटीवली 452 करोड़ 89 लाख रुपये खर्च हुए हैं। इनमें से आज के मुख्य मंत्री महोदय कें शासन काल में सिर्फ 122 करोड़ 83 लाख रुपये खर्च हुए है। अगर मुख्य मंत्री मेरे इन आकड़ो को गल्त समझते हों तो ये कल जो मुनासिब समझें इस बारे में जवाब दे दें। स्पीकर साहब, एक बात मैं भूल गया कि जहां जहां पर सेम आ गया है चाहे सोनीपत जिला है, रोहतक जिला है या जीन्द जिले के कुछ इलाके है और हो सकता है कि कुरुक्षेत्र और करनाल जिलों के भी कुछ इलाके हो वहां पर ड्रेनज बनायें और उस पानी को ड्रेन आऊट करके उस जमीन को रो–क्लेन किया जाये। एक अफवाह और चल रही है कि फर्टीलाईजर्ज से सबसिडी हटाई जा रही है इस बारे में मेरा सरकार से निवेदन है कि सरकार को इस बात की भरसक कोशिश करनी चाहिए कि फर्टीलाईजर्ज पर से सबसिडी न हटई जांए।

स्पीकर साहब, मैं आपके जरिए मुख्य मंत्री महोदय से प्रार्थना करुंगा कि गर्वनमैंट ऐम्पलाइज को 1987 में जो फोर्थ पे कमीशन के अनुसार पे स्केल्ज दिये गये थे उनमे कुछ ऐनोमलोज

रह गई थीं। वे एनोमलीज अभी तक ठीक नहीं हुई है, उनको ठीक कर दें। इस बारे में मैं सरकार को सुझाव दूंगा कि घोटले कमीशन टाईप की एक कमेटी हरियाणा में भी बनाई जाये। इस कमेटी में सरकारो मुलाजिमों के नुमांयदें और सरकार के नुमायदे होने चाहिए। सरकार अगर ऐसा करती है तो फिर सरकार में और नुलाजिमों में जा कन्फट्रेशन होता है, वइर हमेशा के लिए टल जाएगा।

मैं चाहूंगा कि जो ई० एस० आई० डिस्पैसरीज है उनमें भी ज्यादा से ज्यादा सुविधाएं दी जाएं। इसी प्रकार से ऐग्रीकल्चर और इण्डस्ट्रियल लेबर को भी जायज मजदूरी मिलनी चाहिए। इसके अतिरिक्त मेरी आपके जरिए मुख्य मंत्री महोदय से रिक्वैस्ट है कि हरियाणा में एक ऐसा कानून पास किया जाये कि भविष्य में जितनी भी एजेंसीज हैं चाहे वे प्राईवेट क्षेत्र की हों यों सरकारो क्षेत्र की हों वे समो की सभी पढ़े–लिखे जो बेरोजगार हैं उनकी को–आप्रेटिव सोसाएटी बना कर उनको दी जायें। इन एजेसियों में चाहे गैस को एजेंसी हो, चाहे ट्रैक्टर की एजेंसी हो, चाहे फोर व्हीलर को एजेंसो हो, चाहे पैट्रोल पम्प हो, चाहे आटोमोबाईल की एजेसी हो या और दूसरी एजेंसियां हों वे सभी की सभी बेरोजगार युवकों की को–आप्रेटिव सोसाएटोज को दी जाए क्योंकि समो लड़कों को तो सरकार नौकरी दे नही सकती। मेरे कहने का मतलब यह है कि ऐसा कोई कानून बना कर ऐसी एजेंसियां भविष्य में इन को दो जाए, पीछे जो दी जा चुकी हैं उस बारे में

तो सरकार कुछ कर नहीं सकती। इन शब्दों के साथ आपके जरिए मेरा सरकार से निवेदन है कि हमारी ये अमैंडमेंटस मान ली जायें। धन्यवाद।

(इस समय बहुत से सदस्य बोलने के लिए खड़े हुए।)

श्री अध्यक्षः श्री निर्मल सिंह।

श्री राम विलास शर्माः स्पीकर साहब, मेरी भी अमैंडमैंट थी।

Mr. Speaker : As per convention the first signatory to the amendment moves the amendment, which he has already done. You will also get time to speak.

श्री राम विलास शर्माः स्पीकर साहब, मेरी अमैंडमैंट थी, आप मुझे सुनिए तो सही।

Mr. Speaker : Shri Ram Bilas Ji, you will get time to speak on the Governor's Address when you can also refer to your amendment. Now, please take your seat and let Shri Nirmal Singh speak.

श्री निर्मल सिंह (नग्गल): स्पीकर साहब, मैं आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे गवर्नर ऐड्रैस पर बोलने के लिए समय दिया। अध्यक्ष महोदय, गवर्नर ऐड्रैस में मौजूदा सरकार के कार्यक्रम आने वाले समय के लिए क्या क्या होगे और किस किस काम को प्रायरिटी दी जाएगी उसका जिक्र होता है। यहां पर पिछली सरकार की कारगुजारियों की चर्चा पहले ही की जा चुकी

है। अध्यक्ष महोदय, मेरे से पहले बोलने वाले वक्ताओं ने अपनी अपनी बातें कहीं हैं और बाद में जो साथी बोलेंगे वे भी अपनी अपनी बातें तफ्सील में बताएंगे। सबसे पहले तो मैं चौधरी बंसी लाल जी का धन्यवाद करूंगा क्योंकि उन में बहुत भारी बदलाव आया है। बहुत अच्छी बातों से शुरूआत करते हुए उन्होंने भाषण दिया है और हम उम्मीद करते हैं कि उन्होंने यह भाषण अपने मन और आत्मा से दिया होगा लेकिन फिर भी थोड़ा सा डर जरूर लगता है

बदले बदले से सरकार नजर आते हैं,

घर की बरबादी के आसार नजर आते है। (विघ्न)

उन्होंने बहुत ही अच्छे सुझाव दिए हैं। अच्छी बात जब भी शुरु हो जाए वही अच्छी बात है। उन्होंने जो अपने विचार रखे हैं वे अपने तजुर्बे से और आने वाले समय को मद्देनजर रखते हुए ही रखे हैं और उम्मीद है कि सरकार को उनसे हैल्प मिलेगी। सरकार उनको भी हर प्रकार का सहयोग देगी। उन्होंने विचार रखे हैं कि सरकार को कैसे चलाना चाहिए, पीछे क्या काम होते रहे हैं उस बारे में भी उन्होंने जिक्र किया। उन्हें सरकार चलाने का काफी तजुर्बा रहा है, उन्होंने बहुत अच्छी बातें कहीं हैं और सरकार को सहयोग देने का आश्वासन भी दिया है। लेकिन देखना है कि वे सरकार से कितना सहयोग करते है। बहुत सी बातें हैं जो स्टेट के हित में उन्होंने कही हैं। चाहे सिंचाई हो, चाहे सड़कें

हों, चाहे पैंशन देने की बात हो या दूसरी चीजें हैं उनके बारे में विस्तार से चर्चा किया गया है। अध्यक्ष महोदय, मुझे डिस्ट्रिक्ट अम्बाला के बारे मेँ कुछ कहना है। जिला अम्बाला में नहरी पानी की बहुत कमी है इसलिये मैं सरकार का ध्यान इस ओर दिलाना चाहता हू। दादूपुर नलवी प्रोजैक्ट के लिए 3– 4 करोड़ रुपया चौधरी बंसी लाल जी की सरकार के समय मिला था लेकिन जैसे ही किसानों की और मजदूरों की रखवाली करने वाली पिछली सरकार आई उन्हेंने इस प्रोजैक्ट को ही बन्द कर दिया। चार करोड़ रुपया इस प्रोजैक्ट पर खर्च भी हो चुका है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से चौधरी भजन लाल जी से रिक्वैस्ट करूंगा कि वे इसको प्रायरिटी पर करें। सभी नदियां और नाले अम्बाला से हो कर निकलते हैं और अम्बाला को इन का पानी इरिगेशन के लिए सबसे कम मिलता हे। इसलिये वहां पर पानी की बड़ी भारी प्रौब्लम है। ड्रिकिंग वाटर की भी शार्टेज है क्योंकि वहां का वाटर लैवल बहुत ही नीचे चला गया है। 400 फुट से कम कोई ट्यूबवैल नहीं लगता क्योंकि 50 फुट गहरा वाटर लैवल वहां इस वक्त चला गया है। मैं सरकार से गुजारिश करूंगा कि इसे प्रायरिटी पर किया जाए। इसी ढंग से बरसाती. पानी का इफैक्ट भी सब से ज्यादा अम्बाला जिला पर पड़ता है। जब भी फलड्ज आते हैं तो वहां पर रोड्ज टूट जाती हैं, इसलिये इनकी रिपेयर के लिए प्रायरिटी पर काम किया जाना चाहिए। आज कई सदस्यों ने बिजली की कमी का जिक्र किया। मैं भी यह बात मानता हूं कि बिजली की शौर्टेज है। नई बनी सरकार को सूखे का सामना

करना पड़ गया है और सभी लोगों को इससे दिक्कत है। सरकार की हर ऐफर्ट के बाद भी लोगों को तकलीफ का सामना करना पड़ रहा है। ऐसी बात नही है कि इम्प्रुवमैंट नहीं हुई। इम्प्रूवमैंट के लिये भरसक प्रयत्न किये जा रहे हैं। इसमें मौजूदा सरकार ईमानदारी से लगी हुई है। अपोजीशन के लोग इस बारे में आवाज उठा रहे हैं हम लोग भी अपने लैवल पर कह रहे हैं कि इसमें बहुत इम्प्रूवमैंट की जरूरत है। स्पीकर सर, आज जो बिजली है यह रातों रात नहीं बन गई, थर्मल प्लांट रातों रात नहीं बने और रातों रात ही बिजली के खम्भे खड़े नहीं हो गये। पिछली सरकार ने आने वाले समय के लिए कुछ नहीं किया लेकिन नारा जरूर दिया। आज बिजली की मांग बहुत बढ़तों जा रही है। पिछली सरकार ने किसी भी प्रोजैक्ट पर एक भी पैसा नहीं खर्च किया बल्कि 700– 800 एकड़ ऐक्वायर की हुई जमीन थी जिसके लिए कि सैन्ट्रल गवर्नमैंट ने आधा पैसा हम देना था और जिससे 200 करोड़ यूनिट बिजली हमें मिलनी थी। उस स्कीम को वापिस कर दिया और कहा गया कि सैन्ट्रल गवर्नमैंट उसको बना लेगी। उसको बनाने के लिये सैन्ट्रल गवर्नमैंट की अपनी शर्ते है। उसमे उसका अपना शेयर भो होगा, एम्पलाईज भी उनके होगें और इन्जीनियर्ज भी उनके होंगे। मैं चाहूंगा कि सरकार इस प्रोजैक्ट को प्रायरिटी पर रखे ताकि आने वाले 5– 6 साल में हम सब को पूरी बिजली मिल सके। और स्टेट को ज्यादा से ज्यादा फायदा हो तथा कुछ लोगों को ऐम्पलायमैंट भी मिले। जिस दिन बरसात शुरु होगी यह सरकार पिछली सरकार से बढ़िया बिजली सप्लाई करने

का प्रयास करेगी क्योंकि अवेलैविल्टी ज्यादा होगी जिससे यह समस्या दूर होगी।

Mr. Speaker : Now the House is adjourned till 2.30 p.m. today. Shri Nirmal Singh will continue his speech.

(The Sabha then *adjourned and re-assembled at 2.30 P.M.)

13.00 बजे

Mr. Speaker : Shri Nirmal Singh was on his legs when the House adjourned at 1.00 p.m. He may continue his speech on the Governor's Address.

श्री निर्मल सिंहः स्पीकर साहब, मौजूदा सरकार ने जो अपने मैनीफैस्टो में वायदे किए हैं, मुझे उम्मीद है कि यह सरकार उन सब को पूरा करेगी। पिछली सरकार ने इस प्रान्त की जनता से बहुत वायदे किए थे लेकिन वे सब खोखले साबित हुए। वे उनको पूरा नहीं कर पाए। स्पीकर साहब, मेरे कुछ साथियों ने कहा है कि इस सरकार ने अपने मैनीफैस्टो में पैंशन पचपन सारन की उमर से देने की चर्चा की थी लेकिन मुख्य मन्त्री जी ने साठ साल की उमर से पैंशन देने की घोषणा की है। यहां पर यह भी कहा गया कि पैन्शन देने की डेट क्या होंगी। स्पीकर साहब, देखने में आया है कि जब चुनाव सिर पर खड़े होते हैं, चाहे वे जनरल इलैक्शन हों और चाहे बाई इलैक्शन हों, आठ दस महीने की पैन्शन रोककर वह सरकार इलैक्शन के समय देती रही है और

राजनीतिक आधार पर देती रही है। स्पीकर साहब, वह सरकार ऐरसे लोगों को पैन्शन देती रही, जिनको पैन्शन को जरूरत नहीं थी। जिनकी उमर कम है, उनको पैन्शन मिलती रही है बावजूद इसके कि जो जरुरतमंद लोग थे, वे पैन्शन की दरखास्त लिए फिरते रहे। जो लोग– साठ साल के थे, वे लोग अपनी दरखास्तें लिए फिरते थे लेकिन उनको पैन्शन नहीं दी गई। स्पीकर साहब, अब ऐसे सभी लोगों को पैन्शन मिलेगी। स्पीकर साहब, चौधरी बंसी लाल ने कहा कि इस सरकार ने कई जिम्मेदारियां उठाई हैं, पता नही वह पूरी कर पाएगी या नहीं। इस संबंध में मैं कहना चाहता हूं कि सरकार से कुछ गलतियां भी हो जाती हैं, लेकिन मेरी दरखास्त है कि प्रजातन्त्र में सब बातों पर हमें मिल बैठकर विचार करना चाहिए और हमे कोई मापदण्ड निश्चित करना चाहिए। बजट में जब हम निश्चित करते हैं कि डिस्ट्रिक्ट लैवल पर यह– यह काम होगा, सड्कों का इतना काम होगा, बिजली का इतना काम होगा औरे इंडस्ट्रीज इतनी लगाई जाएंगी तो अन्त में एक श्वेत पत्र जारी किया जाना चाहिये कि कितना पैसा फलां काम पर खर्च किया गया है। कितने लोगों को रोजगार दिया गया, कितनी इडस्ट्रीज लगाई गई और कितनी लम्बी सड़कें बनाई गई और आरम्भ में इन सब चीजों का कितना माप दण्ड निश्चित किया गया था। ऐसा करने से लोगों में विश्वास पैदा होगा कि उनके यहां काम हो रहा है। स्पीकर साहब, मेरा कहना यही है कि अन्त में एक श्वेत पल अवश्य जारी होना चाहिए कि हमने इतना पैसा

खर्च किया, इतना काम हुआ और माप दण्ड इतना निश्चित किया गया था।

स्पीकर साहब, पिछला सरकार ने हर घर में एक आदमी को रोजगार देने की बात कहे थी लेकिन जिनको भी थोड़ा बहुत रोजगार दिया गया, उस बारे में करप्शन के उन पर जो एलीगेशंज हैं उस बारे में बहुत से नौजवान ऐफीडेविट देने के लिये तैयार हैं। स्पीकर साहब, बहुत से ऐसे भी नौजवान हैं, जिनको नौकरी भी नहीं मिली और उनका पैसा भी मारा गया। इस तरह के बहुत सारे केसिज हैं।

स्पीकर साहब, अब मैं ऐडमिनिस्ट्रेशन में रिफार्म्ज के बारे में कहना चाहता हू। कोई भी सरकार जो नीति बनाती है, उसकी इम्पलीमैंटेशन अधिकारी और सरकारी कर्मचारी करते हैं और इस संबंध में हरियाणा के अधिकारियों और कर्मचारियों की सराहना की जा सकती है कि जब भी सरकार ने कोई नीति बनाई, उसको इम्पलीमैंट करने में उन्होंने अपना पूरा योगदान दिया। स्पीकर साहब, आज ऐड– मिनिस्ट्रेशन में बहुत से रिफार्म्ज किए जा सकते हैं। यूं तो सरकार को पता होता है कि कहां से रैवेन्यू मिलेगा और कितना मिलेगा। वह रैवेन्यू चाहे बिजली की दर बढ़ाने से आए, बसिज का किराया बढ़ाने से आए या किसी और सोर्स से आए, लेकिन वह पैसा लोगों का है और देखने वाली बात यह है कि सहो ढंग से उसका उपयोग होना चाहिए। उसका मिसयूज नहीं होना चाहिए, यह देखना जरुरी है। लोगों से ही पैसा आना

है और उन्हीं पर खर्च होना है। स्पीकर साहब, चौधरी बंसी लाल के वक्त में मुझे रैवेन्यू मे काम करने का मौका मिला था। उस वक्त रैडक्रास की टिकेटों से 17 लाख का रैवेन्यू आता था लेकिन उस वक्त रैडक्रास की टिकटों को हमेशा–हमेशा के लिए खत्म कर दिया। उस वक्त हमने यह किया कि अगर कोई रजिस्ट्री होती है तो उसका म्यूटेशन चालीस दिन के अन्दर होना चाहिए और रजिस्ट्री की तीन कापियां होनी चाहिएं। स्पीकर साहब, मेरा एक सुझाव है कि जो पटवारी फर्द की नकल दे और फोस ले, उसकी वह रसीद दे। उससे जो रैवेन्यू मिलता है और रजिस्ट्रेशन फोस जो होती है, उस वक्त इससे सारे साल का 45 लाख रुपया आता था। इसको सरकार को खत्म कर देना चाहिये। चाहे सरकार शराब की बोतल के०पर दो रुपया बढ़ा दे या फिर स्टैम्प डयूटी को थोड़ा सा बढ़ा दिया जाए, लेकिन बाकी सब बातें खतम कर दी जाएं ताकि सरकार का किसानों पर इम्प्रैशन अच्छा पड़े। इससे आगे मैं यह कहूंगा कि हमारी सरकार ने कोआप्रेटिव लैण्ड मौर्गेज बैक के कर्जों के बारे में बहुत ही अच्छे अच्छे प्रोग्राम्ज दिए है और मुख्यमन्त्री महोदय ने कहा है कि हम कर्जे के ब्याज को माफ करेंगे पिछली सरकार के झासी में आकर कई लोग गुमराह हो गये थे और कर्जा लेकर ब्याज को गठरी के नीचे बुरी तरह से दब गये थे। व्याज मूल से भी ज्यादा बढ़ गया था लेकिन इस सरकार ने अपनी नेक नीतियों के बिनाह पर आते ही पिछले सात सालों का किसानों का व्याज माफ कर दिया है। इससे यह होगा कि किसान लोग एकदम अपना मूल चुका कर बैको से फिर लेना देना शुरु

कर देंगे। इसलिये मेरी सरकार से प्रार्थना है कि पिछली सरकार ने जो किसानों के मनों में कंफूयजन सा पैदा कर रखा था, उसको दूर करने के लिये स्पष्ट तौर पर नीतियों का ऐलान करना चाहिए। किसानों को क्लीयर पता होना चाहिये कि इसमें यह होगा, उसमें वह होगा। इससे जो बैंक पहले किसानों के लिये बन्द, हैं, अब वे खुल जाएंगे इसके इलावा मैं यह बनाना चाहता हूं कि रिजर्व बैक आफ इंडिया की यह हिदायत है कि हरियाणा के अन्दर ऐग्रोक्लचर के लिये लोन न दिया जाएं क्योंकि लोन की रिकवरी नहीं होती इसके लिये भी कुछ किया जाए यह सब पिछली सरकार के निकम्मेपन का नतीजा हु जोकि तरक्की के०पर एक बड़ी भारी चोट है।

इसके बाद एस० बाई० एल० का मुद्दा है जोकि हरियाणा के लोगों के लिये जिंदगी और मौत का सवाल है। इसके लिये चौधरी भजन लाल जी ने कहा कि इसको हम फौज से बनवाएंगे चौधरी बंसीलाल जी ने कहा कि हम पैरा–मिल्टरी फोर्सिज की जो अमैंडमैंट' लेकर आये हैं, उसके जरिये नहर बनाएंगे। जहां तक मेरा ज्ञान हे स्पीकर साहब, मेरा यह कहना है कि फौज के पास इंजीनियरिंग विभाग एक ऐसा विभाग है जो बनाता भी है और रखवाली भी करता है लेकिन पैरा–मिल्टरी फोर्सिज के पास ऐसी कोई फोर्सिज नही है जो कि नहर को बनाएगी। इस नहर के बनने की आज हरियाणा के एक आम आदमी को पूरी उम्मीद है कि इस हरियाणा सरकार की देख रेख

में यह नहर का काम पूरा होगा। मैं इन भाइयों को यह बताना चाहता हूं कि यह सरकार झूठ बोलकर सत्ता में नही आई है जिसके लिये वे बात बात पर कटाक्ष करते हैं। यहां तक कि उन्होंने राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर भी बोलने की पूरी कोशिश की। मैं इनको कहना चाहता हू कि यह न सन् 80 है, न सन् 81 है। भजन लाल जी कांग्रेस पार्टी द्वारा 51 मैम्बर्ज का बहुमत लेकर यहां अपने बलबूते पर आये हैं। लेकिन ये लोग इतने कंफयूजन से भरे हुए थे कि इन के पास कभी 85 मैम्बर थे, तब भी इनकी सरकार टूट गई और जब 35, 36 व 40 आदमी हमारे थे तो भी इनका रोना था कि हमारे आदमी हमें छोड़ कर दौड़ गये और उस वक्त भी हमारी सरकार बन गई थी। आज भी इनका यही रोना है कि हमारे आदमी कही चले न जाएं। आज चौधरी देवी लाल जी कह रहे हैं कि राजीव गांधी ने जो दल–बदल कानून बनाया है, वह कानून गल्त है। यह बड़ा चिन्ता का विषय है कि इनको टोटल कंफयूजन है।

इसके साथ साथ मैं पुलिस के रिफार्म्ज के सम्बन्ध में भी आपके माध्यम से सरकार से दरख्वास्त करुंगा। पिछली सरकार ने अपने राजनैतिक उद्देश्यों के लिये जरूरत से ज्यादा पुलिस का इस्तेमाल किया। मेहम जैसे कांड हुए जिसकी वजह से स्टेट बदनाम हुई, पुलिस बदनाम हुई। कुछ औफिसर्ज ने नम्बर बनाने के लिये जरुरत से ज्यादा एक ओर हटकर काम किए यहां तक कि वे पार्टी के सदस्य जैसे ही हो गये थे वे ऐसे हो गए थे जैसे वे

पार्टी के मैम्बर हैं और उन्होंने अगली बार चुनाव लड़ना हो। मैं तो दरख्वास्त करुंगा कि जिन लोगों ने इस तरह की धांधली की है, उनके खिलाफ सख्त कार्यवाही होनी चाहिए। पुलिस एक ऐसी फोर्स है जिस पर बहुत. भरोसा किया जा सकता है और जिससे लोगों को न्याय मिल सकता है। तो इसमें मेजर रिफामर्ज की सख्त जरुरत है। लोगों पर थानों में और दूसरी जगहों पर जो डंडा शाही चलाई जाती है और रिश्वतखोरी की जाती है, उसके बारे में गवर्नमैंट को जल्द कुछ करना चाहिए क्योंकि पुलिस में लोगों को बहुत अविश्वास है। आज के दिन जहां दुनिया ज्ञान विज्ञान और प्रजातन्त्र की दुहाई दे रही है, वहां आज किसी भी व्यक्ति को थाने में किसी को डंडा मारने का या उसका अपमान करने की इजाजत नही होनी चाहिए। जो लोग अपनी डियूटी को भूल कर दूसरे को डंडा मारते हैं, उस थानेदार या अफसर के उससे दुगने डंडे पब्लिकली लगने चाहिएं। ये बातें हो सकती हैं, —आज लोगों से इसके लिए हमें पूर्ण सहयोग मिल सकता स्पीकर साहब, इस प्रस्ताव की अमैंडमैंट में रखा गया है कि कार्पोरेशंज और बोर्डज का चेयरमैन अफसरों को बना दिया जाए। स्पीकर साहब, इसमें ब्यूरोक्रेसी को बढ़ावा मिल सकता है। क्योंकि लोगों का राज है इसलिए मैक्सीमम बातें लोगों में जानी चाहिए। कारों और कोठियो के खर्चे को तो लोग बर्दाश्त कर सकते हैलेकिन लोग अपना राज चाहते है। अगर पिछली सरकार ने बहुत ज्यादा अफसर प्रमोट कर दिए और उनको ऐडजस्ट करने के लिए कहीं जगह नही है तो उसके लिए मेरा एक सुझाव है। उनेको अच्छी

तनखाह मिल रही है, उनकें लिए मोरनी हिल्ज में एक अच्छा स्टेशन बनाया जाए जहां उनके आराम की पूरी व्यवस्था हो। वहीं उनका हैडक्वार्टर हो और वहीं उनके लिए सब्सीडाईज्ड रेट पर दारु पीने की व्यवस्था की जानी चाहिए। (विघ्न) ऐक्साईज कें महकमे को तो हर गवर्नमैंट ने बढ़ावा दिया है। यहां यह भी कहा गया कि अहाते बन्द होने चाहिएं आज किसी भी सरकार को मैक्सीमम रैवेन्यू ऐक्साईज से मिलता है। इसलिये आप अहाते बन्द नही कर सकते। अगर आज सरकार शराब से कमाई कर रही है तो लोगों को अच्छे ढंग से शराब पीने की व्यवस्था करके दो। क्योंकि शराब रुकनी तो है नही इसलिये लोगों को सिखाने की जरूरत है कि इसको कैसे पीना है नहीं तो उलटे सीधे ढंग से पीकर लोग खराब हो जाएंगे।

इसके बाद मैं थोडा सा लीक से हट कर कहना चाहता हुं। हमारे मुख्य मन्त्री जी हाउस में नहीं हैं, एक विषय हरियाणा में बड़ा चर्चित है, वह है डिजनी लैंड का। पिछली सरकार ने कहा था कि डिजनी लैंड बनाएंगे। इसके नाम से किसानों की जमीन हड़प ली।

श्री अमर सिंह धानकः स्पीकर साहब, अगर आप सभी आनरेबल मैम्बर्ज के लिए समय निर्धारित कर, दें, तो अच्छा. रहेगा।

श्री अध्यक्षः सभी को हम खुला टाईम देंगे। आप जितनी देर बोलना चाहें, बोल लेना। अभी आप बैठिए।

श्री निर्मल सिंहः स्पीकर साहब, डिजनी लैड का जो विषय है इसकी वजह से हरियाणा की बदनामी हुई है और सारे देश के अन्दर रौला पड़ा। मैं यह नहीं कहता कि डिजनी लैड कोई बुरी चीज है। आज की दुनिया में यह कहना कि कोई चीज न बने, मैं तो जाति तौर पर इस बात से सहमत नही हूं कि कोई चीज बननी नहीं चाहिए। चीजे तो बननी चाहिएं लेकिन यह देखना चाहिए कि उसके पीछे नियत किसकी क्यो है। अगर डिजनी लैंड बने तो जिसकी जमीन पर बने उसमें उसका भो हिस्सा रख लिया जाए। यानी उसको जरुरत से

ज्यादा मुआवजा दिया जाए ताकि बदले में वह जमीन खरीद सके। इसलिए डिजनी लैंड के प्रस्ताव पर सरकार को दोबारा विचार करना चाहिए। वहां नहीं बननी चाहिए जहां, चौटाला बना रहा था।

स्पीकर साहब, गवर्नर ऐड्रैस के टाईम पर मेरे सामने बैठे साथियों ने बड़ा शोर किया और उनको बोलने नही दिया। दरअसल इनको यह तकलीफ थी कि गवर्नर साहब ने हरियाणा प्रान्त में फेयर इलैक्शन क्यों करवा दिए। सारी दुनिया ने हमारे गवर्नर साहब को सराहा है स्पीकर साहब, मैं आपको बताऊं कि मेरे सामने बैठे साथी अंधेरे में है क्योंकि हमारे गवर्नर साहब ने

इन लोगों को बचा लिया। अगर चुनावों के समय गवर्नर साहब का राज नहीं होता तो ये लोग हारते और साथ में लोगों से पिटते भो। इनको लोग बहुत बूरी तरह से मारते। यह तो गवर्नर साहब ने बहुत अच्छा काम किया कि इन को लोगों की मार से बचा लिया। यदि गवर्नर साहब का राज नही होता तो ये इतने भी चुन कूर नहीं आते। इनकी जो ग्रीन ब्रिगेड थी, वह इसलिये इफैक्टिव हो गई कि वह कही पर छिपे रहे, नही तो लोग उन पर सीधे पड़ जाते। जो ग्रोन ब्रिगेड के. लोग थे वह गवर्नर साहब के राज से. बहुत ज्यादा डर गए।

श्री धीरपाल सिंहः स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट औफ आर्डर है। जिस समय से माननीय सदस्य ने बोलना शुरु किया है, उसी समय से इसी बात का रोना रोने लग रहे हैं।

श्री निर्मल सिंहः स्पीकर साहब, सम्पत सिंह जी, चौटाला जी और चौधरी देवी लाल के बारे में नेहरा साहब ने काफी बता दिया है। अब जिस समय डांगी साहब बोलेंगे, वह भी इन लोगों के बारे में आपको बताएंगे कि उन्होंने क्या क्या कारनामे किए। उसके बाद श्री छतरपाल सिंह बताएंगे फिर कैप्टन अजय सिंह बताएंगे उधर से कर्ण सिंह दलाल बताएंगे। स्पीकर साहब, मैं अपने जिले के बारे में बता देता हू। (विघ्न) चौधरी सम्पत सिंह जो मेरी बात को बड़े धैर्य से सुनना। कल चौधरी सम्पत सिंह जी कह रहे थे कि शोक प्रस्ताव में किसी आदमी का नाम जोड़ लिया जाए, पता नहीं वह आदमी कौन था यदि हम सब

की एक राय हो तो नाम जहर जोड़ लिया जोना चाहिए लेकिन मेरा ख्याल है कि जिन लोगों ने देश को सेवाएं की हों या, प्रदेशों में सेवाएं की हो ऐसे आदमियों का नाम शोक प्रस्ताव में जोड़ा जाता है। और अगर इनका कोई साथी किसी झगडे में मरा है, तो उसका नाम शोक प्रस्ताव में जोडने पर आप गौर कर लेना। सीकर साहब, मैं चौधरी सम्पत सिंह जो से एक बात जरुर कहता हूं कि जब आपका राज आया था तो एक गुरनाम सिंह नाम का हरिजन नागल हल्के के मोहड़ी गांव में मरा था। इनके लोगों ने उस हो डैड जोडी नहीं उठाने दी थी। मैं अगे साथ कौंग्रेस के आदमियों को लेकर बहा गया था। हमारे जाने के बाद बड़ी मुश्किल से उसकी डैठ बौडी उठाने दी वो। इसके अलावा मैं आपको एक, बोस और कहना चाहूंगा। आप मेरी बात पर गौर करें। एक अजमेर सिंह नाम का आदमी, मरा था। उसके बारे में शायद आपको भी नही पता होगा कि वह कौन सी पार्टी का कार्यकर्ता था और वह किस तरह से मरा। उसकी इन्कवायरी भी, हो चुकी है। उसके बारे में जो एफ० आई० आर० दर्ज हुई, उसके अन्दर जाम भी गलत हैं। यदि उस केस के बारे में कोई और इन्कवायरी करवानी है तो वह सम्पत सिंह जी से ही करवा लो। मैं चौधरी सम्पत सिंह को बता देना चाहता हू कि मोहड़ी गाव का अजमेर सिंह टांगरी में दिन के 10.00 बजे कत्ल किया गया था। उसके माथे में गोली मारो गई थी। उसको सिविल होस्पिटल अम्बाला सिटी में इलाज के लिए दाखिल कराया गया। जिस दिन वह होस्पिटल में दाखिल कराया गया, उसी दिन रात को 10.00

बजे होस्पिटल में जा कर फिर उसको गोली मारी गई। आप उसका नाम बहुत अच्छी तरह से जानते हैं। आप और चौधरी देवो लाल उसके घर जाते रहे हैं। आप एक महीने पहले वहां यह कह कर आए थे कि इसको मार दो। उसके पेट में गोली? लगी वह पार निकल गई। उसके बावजूद भी वह पी० जी० आई० में आ कर बच गया। उसके बाद आपने एक थानेदार की ड्यूटी लगाई थी। उसको आपने यहां पर भेजा। उसके साथ कुछ आदमी और भेज कर अजमेर सिंह को यहां पी० जी० आई० चण्डीगढ़ से उठवाया। यहां से उठवा कर बिलासपुर गांव में ले जा कर उसके जिन्दे के टिक टिक करके टूकड़े कर दिए। उस बारे में आज, तक किसी भी व्यक्ति की गिरफतारी नहीं हुई। स्पीकर साहब, मैं एक बात फिर यह कहना चाहूंगा कि यदि उस केस की अब भी इन्कवायरी करवानी है तो नह हैडिड बाई सम्पत सिंह होनी चाहिए।

श्री सम्पत सिंहः आप मुझे एक बार हैड बना तो दें। फिर आप देखें, मे उसकी या इन्कवायरी करके लाऊंगा। आप तो सुरजेवाला साहब से वायदा करके मुकर गए। आपने इनसे यह वायदा किया था कि आपको वोट दूंगा और आपको मुख्य मन्त्री बनाऊंगा।

श्री निर्मल सिंहः हमारा तो मुख्य मन्त्री पद के लिए कोई चुनाव ही नही हुआ। हमने तो यूनानीमसली मुख्य मन्त्री चुना है। (शोर)मेरा वोट तो कैप्टन अजय सिंह भी ले सकता है। छतरपाल भी ले सकता है। मेरे दूसरे साथी भी ले सकते हैं

निर्मल, सिंह को तो कांग्रेस पार्टी की पक्की कोट है। चौधरों भजन लाल जी 'में। यह भी लें और भी ले ले।

स्पीकर साहब, आज अहम मुद्दा बेरोजगारी का है। इस बेरोजगारी को समस्या को कैसे दूर किया जा सकता है। इस बारे में मैं एक सुझाव देना चाहूंगा। जिन बहुत से परिवारों में पढ़े–लिखे लड़के हैं उनको भी नौकरी देने का कोई माप दण्ड फिक्स किया जाए। अगर हवेज महकमा बहुत ज्यादा मुनाफे में नही है तो क्यों न सरकार इस बारे में सोचे कि जो बेरोजगार नौजवान हैं, उनको उनके प्राहवेट व्हीकल चलाने के लिए परमिट ये दिए जाए, जिनमें वही ड्राईवर हों और वही कैडक्टर हों। जो ग्रेजुएटस और मैट्रिक पास नौजवान हैं, उलको हल्का वाइज उनकी अपनी प्राईवेट बसित चलाने के लिए परमिट 'दे दिए जाए। मेरा ख्याल है कि इससे सरकार को बहुत ज्यादा आमदन होगी। इसके साथ–साथ, स्पीकर साहब, हम एक बात कह कर आए हैं जिसका जिक्र हमारे मैनीफैस्टो में तो है मेही। परे मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान दिलाना चाहूंगा कि को–आप्रेंटिव का जो ऐक्ट है काला कानून है इसके तहत तहसीलदार, बी०डी०पी०ओ० और लैड मार्डगेज बैक के मैनेजर लोगों को सीधे ही गिरफतार करने का अधिकार रखते हैं'। आज के जमाने में यह दांत ठीक नहीं है। इसको बदलना चाहिए। कमर्शियल बैंक में लोन उगाहने का जो तरीका है, वह तरीका भी स्टेट गवर्नमैंट को अपनाना चाहिए और जो गवर्नमैंट की नीतियां ब्याज माफ करने की हैं, उस बारे में सारे

लोग तैयार बैठे हैं कि व्याज माफ करो और मूल पैसा ले लो। ऐसा होने से लोग पैसा देगे भी और लेंगे भी। इससे बैक एकदम चलने लगेगे। पिछले ब्याज को जल्दी से जल्दी माफ कर दिया जाये और आगे जो लोन देना है, उसके लिए चाहे कितनी शर्ते लगा दें और उस वक्त आदमी को जितना चौक करना हो, कर लें, पर उगाही के समय किसी को अपमानित करना एक बहुत ही बुरी बात है। पुलिस की दखल अन्दाजी भी रोजमर्रा के काम में बहुत अधिक होती है। यह दखल अन्दाजी विशेषकर लेडीज के मामले में है। कई बार पुलिस वाले राह चलते लोगों को बुला लेते हैं कि चलो थाने। आप ऐसी कोई व्यवस्था करें कि वहां पर जिन लोगों को पकड़ा जाता है, उनके परिवार वालों को बताया जाये। किसी महिला को यदि पकड़ना है, जो संबंधित डी०सी० या एस०पी० को, सूचना देने के बाद ही यानी उनको कांफीडेंस में लेकर ही उसके खिलाफ कार्यवाही करनी चाहिए। बिना किसी उच्च अधिकारी को बताये किसी महिला को पुलिस थाने में नहीं रखना चाहिए। जो सामाजिक बुराई है, उसे दूर करने के दूसरे तौर तरीके खोजे जाने चाहिएं। लेकिन किसी को अपमानित करना ठीक नहीं है। इस सरकार कॉ सबसे बड़ा जो योगदान होगा, अचीवमैट होगी और जो सबसे बड़ा कीर्तिमान होगा, वह होगा स्वच्छ प्रशासन। सरकार एक विश्वास और आपसी तालमेल करके चलेगी। क्रप्शन के खिलाफ लड़ना भी सरकार का एक. मापदण्ड होगा। मुझे विश्वास है कि आने वाले समय में सभी डिस्ट्रिक्ट के लोगों की नौकरियों में बराबर की हिस्सेदारी होगी। जो सपने इस सरकार से

लोगों ने संजोए हैं, और जो उम्मीद इस सरकार से लोग रखते हैं, उसको पूरा करेगी। पुरानी सरकार का जो तजुर्बा और कड़वाहट लोगों के मन पर है, उसकी बजाये उनमें एक विश्वास की भावना यह सरकार पैदा करेगी। आज जिन राजनीतिक लोगों पर कटाक्ष किए जा रहे हैं या जिनका मजाक उड़ाते हैं, उन पर सरकार मरहम लगायेगी। आज सभी अच्छी भाषा बोल रहे हैं, पता नहीं क्या बात हो गई है। सम्पत सिंह जी कह रहे थे कि फलाना काम कर लूगा–ढिमकाना काम कर लूगा। सम्पत सिंह जी अब तुम्हारी इन्कवायरी होनी जरुरी है। स्पीकर साहब, आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसकेलिए धन्यवाद।

कैप्टन अजय सिंह (रिवाड़ी): स्पीकर साहब, आपने मुझे गवर्नर ऐड्रैस पर बोलने के लिये समय दिया, उसके लिए. मैं आपका धन्यवाद करता हूं। मैं अपने गवर्नर साहब का भो शुक्रगुजार हूं कि उन्होंने इस अभिभाषण में सबसे पहले श्री राजीव गांधी जी को श्रद्धांजलि दो है और पूरा मान–सम्मान उनको दिया है। जिस तरीके से, वह हमारे, बीच से गए, वह दर्शाता है कि किस तरह को कानून व्यवस्था हमारे यहां उस वक्त उजागर थी। जहां तक सवाल पिछले चुनाव का है, जो अमी हुए हैं उसके लिये यदि मैं गवर्नर साहब का और उस वक्त के जो कर्मचारी थे, उनका धन्यवाद करूं तो ठोक होगा। इसके लिए सब बधाई के पात्र हैं। उन्होंने जिस ढंग से चुनाब कराये, वह वाकई सराहनोय काम है। हमारे सामने बैठने वाले साथी जो पहले यहां से लेकर वहां तक

फैले हुए थे, ये अब अपने कारनामों की वजह से एक जगह सिकुड कर बैठ गए हैं। यह जगह इनको पसंद नही आई क्योंकि इन लोगों के जो कारनामे थे, वे लोगों में उजागर हो गए, थे। सम्पत सिंह जो का तो हर काम में खास हाथ होता था। इसी असैम्बली के अन्दर मैं, भाई महेन्द्र प्रताप सिह और असलमखां जानते हैं कि किस तरीके से इन्होंने यहां पर ड़ैमोक्रेसी का मर्डर किया और किस तरीके से हमें बोलने के लिए टाईम नहीं दिया,। ये किस तरीके से हैकल करते थे, हम ही जानते हैं। आज जब इनके०पर बात आई है तो इन्हें अपने दिन याद आए हैं। इनके सामने मेहम कांड हुआ जो कि डैमोक्रेसी पर इक धब्बा है। हमारे यहां पर एक कोसली कांड हुआ जिसमें एक अबला के०पर एक सिपाही ने बुरी नजर मलने की कोशिश की। जब वहां पर लोगों ने इसका विरोध, करने की कोशिश की तो हमारे सम्मत क्हि जी की पुलिस ने बहुत ही बुरी तरह से वहां पर भीड पर गोली चलाई। भाई राम विलास जी भी आज यहां पर मौजूद हैं। चौधरी महेन्द्र प्रताप जी और सब ने मिल कर ग्रह मुद्दा उठाने की कोशिश की तो इन्हें यह बात पसन्द नहीं आई थी और आज ये कहते हैं कि इसमें इन का हाथ नहीं था। एक अबला महिला के साथ एक गलत बात हुई और उसके दामन पर दाग लगाने की कोशिश की गई जिसमें पुलिस की इन्सल्बमैंट भी थी। उसके बाद गोहाना काण्ड हुआ उस समय जनको कानून व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति नजर नहीं आई। बड़े अफसोस की यश है कि सम्पत सिंह जी, कानून व्यवस्था की बात करें। सोनीपत के अन्दर अपने ही आदमियों से डी०सी० की पिटाई

करवाई और बसें जलवाई। तब इन्हें कानून व्यवस्था नजर नहीं आई। आज हमारी सरकार पूरी तरह से बनी भी नहीं है और इन्हें कानून व्यवस्था की स्थिति बुरी लगने लगी है। स्पीकर साहब, मैं यह कहना चाहता हूं कि उस सरकार के अन्दर किसी नारी की इज्जत सुरक्षित नही थी। किसी व्यक्ति की इज्जत सुरक्षित नहीं थी। जिसको चाहा, उसको लूट लिया। जिसको चाहा, पकड लिया। यह इनकी कार्यवाहियां हुआ करती थीं। इन लोगों के कारनामों का सबक तो जनता ने इनको दे ही दिया है। अध्यक्ष महोदय, गवर्नर महोदय के, अभिभाषण में सतलुज ब्यास नदी के पानी का जिक्र किया गया है। मैं आपके माध्यम से मुख्य, मन्त्री? महोदय को बताना चाहूंगा कि हमारा इलाका दक्षिणी हरियाणा का एक बहुत ही पिछड़ा हुआ इलाका है। इस से पूर्व सरकार ने इस इलाके में एक ईट भी नहीं लगाई'। वहां पर प्रगति का कोई कार्य नहीं हुआ है। यहां पर पानी का स्तर बहुत ही नीचे चला गया है और पिछली सरकार ने हम लोगों के०पर बहुत ज्यादती की। वहां के लोगों को दण्ड देने के लिये मसानी बैराज पर की करें हमारे श्रीमान सम्पत सिंह जीने लगवा दी,। सरकार ने वायदा किया था कि मसानी बैराज के अन्दर जो जमीन है यह जमीदारों को पट्टे पर देंगे। इन महोदय ने 1989 के चुनाव में मेरे मुकाबले पर' बड़े धुरन्धर व्यक्ति को खड़ा किया था और मैंने उसको चुनाव में चित्त मारा था। वहां के लोगों को सजा देने के लिये ही वहां पर कीकरें बुवा दीं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मुख्य मन्त्री जी से अनुरोध करुंगा कि वहां पर जो जमींने हैं, उनमें छोटी छोटी

कीकरें लगी हैं, वे जमीनें किसानों को पट्टे पर दे दी जाएं। साथ ही साथ मैं 'यह भी कहना चाहूंगा कि मसानी बैराज किसी काम का नहीं है। हमें इस बारे में राजस्थान सरकार से बात करनी चाहिए। हमारे हिस्से का पानी साहबी नदी में आया करता था वह हमें मिलता रहना चाहिए। इसके साथ ही साथ एस० वाई० एल० का पानी हमें अभी तक नहीं मिला है इसलिये इस लिंक कैनाल को पूरा करने के काम में तेजी लाई जाए। इसके साथ ही मैं हमारे जो रजवाहे माईनर्ज और डिस्ट्रीब्यूटरीज हैं, उनके यारे में कहना चाहता हूं कि सम्पत सिंह जी हम पर बडे मेहरबान रहे हैं और इन्होंने वहां पर एक ईट भी नहीं लगने दी। मैं सरकार से अनुरोध करुंगा कि जितने भी हमारे यहां माईनर्ज इनकम्पलीट पड़े हैं और मन्जूरशुदा हैं, उनकी तरफ भी गोर किया जाए। जैसे कि रानियावास डिस्ट्रिब्यूटरी है, जीतपुरा डिस्ट्रिव्यूटरी है, निखरी डिस्ट्रिब्यूटरी है, बालावास डिस्ट्रिब्यूटरी है, और लाधुवास डिस्ट्रीब्यूटरी है, इन पर आज तक कोई काम नहीं हुआ है। इसके साथ ही हमारे अन्तिम छोर पर पइनी नहीं पहुंचता है इसकी तरफ भी ध्यान दिया जाए। इसके साथ ही साथ मैं मुख्य मन्त्री महोदय से अनुरोध करुंगा कि हरियाणा के अन्दर जो पानी है उसेका एक सौवां हिस्सा तो हमें मिलना चाहिए हमारे यहां पानी खारा है और– लोग बता पीने के पानी की समस्या से परेशान हैं। वहां पर डगरों के पीने के लिये भी पानी नही है। मेरा सरकार से यह भी अनुरोध है कि जितने भी पौन्डज गांवों में हैं, उनकी जल्दी से जल्दी भरवाया जाये? करनाल और अम्बाला के अन्दर वाटर

लोगिग हैं दूसरी ओर हमारे इलाके में पानी की' बड़ी भारी समस्या का सामना लोग कर रहे हैं।

इसके साथ ही मैं ऐग्रीकल्चर की बात करता हूं। स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मुख्य मन्त्री जी से अनुरोध करुंगा कि पिछले दिनों सरकार ने किसानों के साथ बहुत भद्दा मजाक किया है। ओलावृष्टि के लिये केवल 200 रुपये दिए। इस ओर भी सरकार ध्यान दे। जहां भी सूखा एरिया पड़ता है जैसे महेन्द्रगढ गुडगांव, रिवाड़ी और कुछ भिवानी का हिस्सा पत्ता है। हस सूखाग्रस्त एरिया के लिए भी कुछ मुआवजा दिया जाना चाहिए क्योंकि यह भी कुदरत की शे मार है।

स्पीकर साहब, मुख्य मन्त्री जी ने नई सरकार के बनते ही जो सराहनीय कदम उठाए हैं, मैं उनका भी जिक्र करना चाहूंगा। सबसे पहले तो इन्होंने, किसानों के 7 साल के कर्ज पर जो व्याज था, वह माफ कर दिया है। बुढापा पैन्शन की उम्र 65 साल से घटा कर 60 साल की गई है इसके लिए भी मैं सरकार का धन्यवाद करता हूं। इसके साथ ही डिजनी लैन्ड कौ बहुत ही अहम मुद्दा हमारे साथी आज यहां पर बैठे हुए हैं, इन्होंने वहां पर किसानों पर अत्याचार करने की कोशिश की क्योंकि यहां के लोग ज्यादातर कांग्रेसी थे। मुख्य मन्त्री महोदय ने अपना चार्ज लेते ही सबसे पहले उसके बारे में घोषणा की और उसको रद्द किया। इन, लोगों की तो एक ही इच्छा थी कि वहां के लोगों को धमकाया जाये और लोगों को दबाया जाये। उसके साथ साथ उद्योगों के

बारे में हुई चर्चा के जवाव में मैं मुथ्य मन्त्री महोदय से प्रार्थना करुंगा कि यह बताने की कोशिश करें कि हमारे साथी प्रोफैसर सम्पत सिंह के लोगों ने कितना लूटा इनकी पार्टी तो लुटेरों की जमात थी जो मजलूमों से पैसा ऐंठते थे। उनका केवल एक ही मुद्दा का, कि वहां पर इंडस्ट्रीज से ज्यादा से ज्यादा धन इकट्ठा किया जाये इसके लिये उन्होंने वहां की इंडस्ट्रीज पर अत्याचार किये। जब उनको रोकने की कोशिश की गयी तो उन्होंने एक अखबार निकाला जिसका नाम था चौटाला सदेरा या मन संदेश। अपने दफतर के अन्दर बैठकर लोगों से, व्यापारियों से हुसके लिये चन्दा और विज्ञापन लिये गये। वह भी गौर करने योग्य बात है। इस तरह से उस अखबार को प्रोत्साहन दिया गया। मेरा कहना यह है कि उस अखबार पर अंकुश लगाया जाये। इसके साथ साथ मैं यह भी कहना चाहता हूं कि धारुहेडा के अन्दर एक बहुत ही छोटा सा इंडस्ट्रियल काम्पलेक्स बनाने की कांग्रेस सरकार ने योजना बनायी थी। चूंकि यह योजना कांग्रेस सरकार के समय बनी थी इसलिये इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया गया। मेरा आपके जरिये सरकार से अनुरोध है कि अब इस ओर सबसे अधिक ध्यान दिया जाये और इसके लिये कोई न कोई प्रावधान किया जाये ताकि वहां पर इंडस्ट्रीज डिवैल्प कर सके।

16.00 बजे

स्पीकर साहब, इसके अलावा मुख्य मन्त्री महोदय ने एक वहुत ही अच्छी बात की है कि हर परिवार के एक–एक शिक्षित

व्यक्ति को रोजगार दिया जायेगा। मैं इस बारे में यह कहना चाहूंगा कि यह जरूरी नही है कि हरेक परिवार में कोई न कोई शिक्षित ही हो। कई परिवार ऐसे है जिनके अन्दर शिक्षा की कमी हूं। वहां पर कोई भी शिक्षित नहीं है। ऐसे परिवारों के एक आदमी को भी नौकरी दी जाये। पिछली सरकार ने रोजगार के बारे में बहुत बडी धांधली मचाई हुई थी। अगर पैसे देकर भीं कोई आदमी ऐम्पलायमैंट मांगता यो मांगने की कोशिश करता तो उसका भी इलाका देखा जाता था। इस मामले में हमारे इलाके को काफी इग्नोर किया गया है। मैं मुख्य मन्त्री महोदय से यह कहना चाहूंगा कि ऐम्पलायमैंट के मामले में हमें बराबरी का हक दिया जाये और, हर क्षेत्र से बराबर के आदमी रिक्रुट किये जाये।

स्पीकर साहब, यहां पर स्वस्थ्य का भी जिक्र आया है। मैं रिवाड़ी अस्पताल की बात भी कहना चाहूंगा। वहां पर अस्पताल की हालत यह है कि कोई डाक्टर नहीं है और मैडीशन्ज भी नही हैं। मैडीशन्ज की कमी तो हम काफी समये से महसूस कर रहे हैं। ऐक्सरे मशीन भी वहां पर काम नहीं कर रही है। इस बारे में मैं एक बात अपने मुख्य मन्त्री महोदय के ध्यान में लाना चाहता हूं कि वहां पर नु कोई मैडीकल कालेज है, न कोई इंजीनियरिंग कालेज है और न ही कोई यूनिवर्सिटी है या उस का इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलोजी रीजनल सैन्टर है। पिछली सरकार ने हालांकि इस रीजनल सैन्टर के लिये घोषणा की थी लेकिन वह केवल मात्र घोषणा ही रह गयी है। वहां पर कोई न कोई संस्था मैडीकल

कालेज या कोई तकनीकी सस्था वगैरह खोली जाये ताकि वहां के लोगों को रोजगार मिल' संके। स्पीकर साहब, पिछली सरकार ने एक घोषणा की थी कि हमारे यहां एक सैनिक स्कूल पाली कोटला के अन्दर खोला जायेगा। सरकार, ने यह निर्णय लिया था और घोषणा भी की थी कि वहा पर एक सैनिक स्कूल खोला जायेगा लेकिन यहां पर लोगों को पता नहीं वह जगह क्यों पसन्द नहीं है जो ये वहां स्कूल खोलना ही नहीं चाहते। पता नहीं इसलिये नहीं खोलना चाहते कि कहीं वहां के लोग तरक्की न कर सुरके। इसलिये मेरा आपसे अनुरोध है किं मातनहेल में भी सैनिक स्कूल चलता रहे और हमारे यहां पाली कोटला में भी सैनिक स्कूल अवश्य खोला जाये ' ताकि वहां के लोग भी कुछ तरक्की कर सके।

स्पीकर साहब, जिस तरह से पुलिस भर्ती की गयी, वह सब को पता है। प्रोफैसर सम्पत सिंह के जो साथी थे उन्होंने ऐसे एस० पी० जिलों में लगा रखे थे जो, 30,000 रुपया लेकर भर्ती किया करते थे। ऐसे भर्ती हए लोगों को लोग खीस हजारी कहा करते थे कि 30,000 देकर भर्ती हुआ सा। इस भर्ती में हरियाणा के तो आदमी नही लेते थे लेकिन राजस्थान के इलाके के लोग भर्ती कर लेते थे। यहां पर राजस्थान के सीकर तक के लोग लिये गये हैं। एक बात मैं और कहना चाहता हूं। म्यूनिसिपल कमेटी रिवाड़ी की अर्थ–व्यवस्था बहुत बरी हालत में है काफी समय से वहां पर किसी किस्म का आज तक कोई काम नहीं हुआ है वहां

पर सड़कों की मुरम्मत नहीं हुई है। सिवरेज को पाईप्स और पानी की पाईप्स आपस में मिक्सड होने लग रही है और इतनी भारी दुरवयवस्था है कि इस बारे में मैं आपको बता नहीं सकता। इसके अलावा पिछली सरकार ने 3. 47 करोड़ की एक पानी की योजना मन्जूर की थी। यह 3.47 करोड़ रूपए की रिवाडी के लियें पानी की योजना इसलिये मन्जूर की थी 'कि वहां पर पानी की बड़ी भारी दिक्कत है लेकिन इव योजना पर कोई काम नहीं हुआ। मेरी सरकार से प्रार्थना है कि इस योजना को चालू किया जाए, ताकि रिवाड़ी की पानी की समस्या हल हो सके। अध्यक्ष महोदय, रिवाड़ी के आसपास काफी अनअथोराइज्ड कालोनीज बन गई हैं, मे चाहता हूं कि उनको रैगुलेराईज क्रिया जाए और इसके साथ ही साथ मैं यह मांग भी करता हू कि हमारे वहां जो कमेटी है, उसकी तरफ ध्यान दिया जाए। अध्यक्ष महोदय, मैंने सिवरेज और अन–अथोराइज्ड कालोनीज का खासतौर पर जिक्र किया है। इतनी कालोनीज वहां पर बन गई हैं कि वे न तो शहर में आती हैं ओर न ही वे गांवों में आती हैं इसलिये उनकी कोई देखभाल नही करता। मैं चाहता हूं कि उन अन–अथोरोइज्ड कालोनीज में, जहां हजारों लोग रहते. हैं, प्रोफर डिवैल्लपमैंट हो। उन लोगों से डिवैलपमैंट चार्जिज ले लिये जाएं और उनको सभी सुविधाएं मुहैया कराई जाएं तथा उन कालोनीज को रेगुलेराईज किया जाए। स्पीकर साहब, वहां पर हुड्डा कोई कोआप्रेटिव सोसायटी या कोई ऐसी संस्था खोले' ताकि उन सोसायटीज से उन गरीब लोगो को जो मकान बनाना 'चाहते हैं, कर्जा मिल सकें। स्पीकर साहब, आज

हर व्यक्ति चाहता है कि उसके बच्चों को अच्छी शिक्षा मिल सके, इसलिये वहां पर शिक्षा का अच्छा प्रबंध किया जाना चाहिए।

स्पीकर साहब, जिला बनने 'के बाद रिवाड़ी का बहुत ऐक्सपैन्शन हुआ है। बहुत सारी नई कालोनीज वहां बन गई हैं। रोहतक और जयपुर से रिवाड़ी होकर बहुत ट्रेफिक गुजरता है इसलिये वहां पर बाई पास की बहुत जरूरत है। सरकार ने वायदा किया है कि वह छरू महीने में सभी सड्कों की मरम्मत कर देगी, मेरा सरकार से अनुरोध है कि वह वायदा पूरा किया जाए। स्पीकर साहब, सब से महत्वपूर्ण बात यह है कि शेरशाह स्री मार्ग को जो फोर लेन बनाये जाने की स्कीम है, उस पर काम होना चाहिए। अम्बाला से करनाल तक जल्दी, से फोर लेन सड़क बननी चाहिए। इसके न होने से बहुत ऐक्सीडैंट होते हैं। मोटर गाड़ियों का नुक्सान होता है, लोग क्लेम सबमिट करते हैं और इस तरह से काफी नुक्सान होता है जिसका बयान नहीं किया जा सकता। फोर लेन के बारे में सरकार को ध्यान देना चाहिए।

स्पीकर साहब, अब मैं हरिजनों के बारे में कुछ बातें कहना चाहता हू। इनके बारे में मेरे साथियो ने काफी कुछ कहा है। स्पीकर साहब, 1982 के बाद इन्दिरा आवास योजना के तहत उनको कोई प्लाट नही दिया गया। आज उनको बड़ी भारी किल्लत प्लाट न मिलने से हो रही है। वे अपने रहने के लिये छोटा–मोटा मकान भी नही बना सकते। मेरी सरकार से प्रार्थना है कि इस तरफ ध्यान दिया जाए और उनकी प्लांट दिए जाए।

स्पीकर साहब, यहां पर गुरनाम सिंह कमीशन का जिक्र किया गया है। मैं आपके माध्यम से कहना, चाहता हूं कि पिछली सरकार के वक्त राजनैतिक कारणो से केवल एक वर्ग को खुश करने के लिए यह षडयन्त्र रचा गया था। मेरा अनुरोध है कि जो सही मायनों में माइन्योरिटीज हैं उनको ही लाभ पहुंचना चाहिए। स्पीकर साहब, पहले कुछ पंचायतें शराब का ठेका अपने यहां न खोलने के बारे में रैजोल्यूशन पास करके भेजा करती थीं। प्रोफेसर सम्पत सिंह इस बात के गवाह है कि, उस रैजोल्यूशन पर कोई अमल नही किया जाता था। स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से यह अनुरोध करूंगा कि इस तरफ ध्यान दिया जाए कि जो पंचायत रैजोल्यूशन पास करे कि उनके यहां शराब का ठेका न खोला जाए वहां पर शराब का ठेका बन्द कर दिया जाए।

(इस समय सभापतियों की सूची के एक सदस्य श्री छतरपाल सिंह पदासीन हुए।)

चेयरमैन साहब, ऐग्रीकलचरल मार्किटिग बोर्ड ने पिछले दिनों बहुत अच्छा काम किया है। इस बोर्ड ने रूरल एरियाज में लिंक रोडज बनाकर बहुत अच्छा काम किया है। मैं आपके माध्यम से निवेदन करना चाहता हूं कि ऐग्रीकलचरल मार्किटिंग बोर्ड के पास बहुत पैसा है और उस पैसे का उपयोग सडकें बनाने तथा बहुत से दूसरे कार्य करने में किया जा सकता है। इस पैसे का उपयोग किसानों को तथा दूसरे लोगों को सुविधाएं पहुंचाने में किया जा सकता है। चेयरमैन साहब, धारूहेड़ा के अन्दर मण्डी की

मांग बहुत सालों से है। इस तरफ भी सरकार को ध्यान देना चाहिए। चेयरमैन साहब, हमारे ऐम्पलाइज ने इन चुनावों में बहुत ही निष्पक्ष तरीके से काम किया है। इनकी बहुत सी ग्रिबैन्सीज हैं, उनको दूर किया जाना चाहिए।

चेयरमैन साहब, ऐडल्ट ऐजुकेशन के कई साथियों को पिछली सरकार ने बाहर निकाल दिया था। मेरा अनुरोध है कि उन ऐम्पलाइज को दुबारा रखा जाए। ऐम्पलाइज की पे–एनोमलीज हैं, बोनस की बात है, मैडीकल अलाउंस की बात है और पच्चीस हजार की मैरिज लोन की डिमाण्ड है। सरकार को इनकी समस्याओं को हल। करने की तरफ ध्यान देना चाहिए।

चेयरेमैन साहब, सब से महत्वपूर्ण चीज जिसके बारे मे में कहना चाहता हूं वह यह है कि जिस प्रकार मेवात डिवैल्पमैंट बोर्ड बनाया गया है, उसी तरर से हमारे यहा भी एक दक्षिण हरियाणा बोर्ड का गठन किया जाए जिसमें रिवाडी का कुछ हिस्सा, महेन्द्रगढ़ का कुछ हिस्सा, भिवानी का कुछ हिस्सा, फरीदाबाद का कुछ हिस्सा हो, जोकि वाकई में पिछड़े हुए क्षेत्र है। इस बोर्ड के अन्तर्गत अगर डिवैल्पमैंट का काम हो सके, तो सरकार की बड़ी मेहरबानी होगी। अतः सरकार से मेरी रिक्वैस्ट, हैं कि इन इलाकों की बहबूदी की ओर विशेष ध्यान दिया जाए। हमारे वहां पर न कोई मिनि सेकेट्ररिएट है और न ही कोई औफिंसर के लिये बिल्डिंगज ही है।

इसलिये मेरी सरकार से रिकवैस्ट है कि इस ओर ध्यान दिया जाए। इसके साथ–साथ मैं यह भी अवश्य कहूंगा कि स्पोर्टस स्कूल भी हमारे वहां पर खोला जाए क्योंकि वह इलाका पिछड़ा हुआ इलाका है। इस इलाके में हर तरीके से कुदरत की मार पड़ती है। पिछली सरकार ने हमारे जिले के साथ बडा ही भेदभाव बरता है। हमारे वहां पानी का स्तर नीचे चला गया है। अकाल हर साल उस इलाके को घेर लेता है। अतः उस इलाके की ओर हर प्रकार से ध्यान दिया जाए। यही मेरी रिक्वैस्ट है। उसी इलाके ने एक प्रकार से कांग्रेस पार्टी को जिता कर. भेजा है। इस लिये लोगों की भावनाओं की सरकार को कदर करते हुए उस इलाके की ओर पूरा ध्यान देना चाहिए। उस इलाके की उपेक्षा न की जाए। अन्त मैं, मैं इतना ही कहता हुआ और आपका धन्यवाद करता हुआ, अपना स्थान लेता हूं। जय हिन्द।

श्री तेजेन्द्र पाल सिंह मान (पाई): सभापति महोदय, सबसे पहले तो मैं आपको यह कुर्सी ग्रहण करने पर स्वागत करता हूं और स्पीकर साहब का धन्यवाद करता हू जिन्होंने आपको विराजमान होने का मौका दिया है।

सभापति जो, हम सब गवर्नर महोदय के आभारी हैं जिन्होंने हमारी काग्रेंस पार्टी की सरकार के आने वाले समय के प्रोग्राम्ज को इस हाउस में ठीक ढंग से रखा है। उसमें पार्टी की हर प्रकार की जो आने वाले समय में प्राथमिकताएं हैं, उनको हमारे सामने दर्शाया है। इसके साथ–साथ हम उनके एक और

बात के लिये आभारी हैं कि उन्होंने अपने ऐड्रैस को श्री राजीव गांधी जी को श्रद्धांजलि देते हुए शुरू किया हे। श्री राजीव गांधी ऐक महान व्यक्ति थे जिनकी देश–विदेश, हर जगह महानता के लिए चची हुई। वे इस देश का ऐसा व्यक्तित्व थे कि जिन्होंने हर चीज के०पर अपने जीवन काल की छाप छोड़ा है। हमारे देश में ग्रामीण भाईयों के लिये, गरीबों के लिये व पंचायती राज के लिये बड़े हो परिश्रम करके उन्होंने एक प्रणाली अपनायी लेकिन इन भाईयों की सरकार ने अपने थोड़े से अर्से में उनकी सारी मेहनत पर पानी फेर दिया। उसको बेकार कर दिया। अब हमारी कांग्रेस की सरकार आने से, हमारे नये प्रधानमन्त्री के आने से लोगों को कुछ आशाएं बंधी हैं और हमें पूर्ण आशा है कि हमारी कांग्रेस सरकार श्री राजीव गांधी जी के बनाए हुए कार्यक्रमों को कार्यरूप देगी। चाहे पंचायती राज योजना थे।., चाहे जवाहर रोजगार योजना नो, इन सभी प्रोग्राम्ज के बारे में श्री राजीव जी ने सीधी प्रणाली बनायी थी और जो बीच में बिचौले थे, जोकि जगह–जगह पर सरकार की पौलिसीज पर कट लगाते थे, जिन्होंने इन स्कीम्ज को खत्म किया था उनको निकालकर, वह प्रणाली अब दोबारा शुरू की जाएगी। इस से पहले बोलने वाले मेरे सभी साथियों ने. ला एण्ड आर्डर की सिचुएशन के बारे में जिकर किया। हरेक भाई ने अपने–अपने जिले का अनुभव बताया कि किस तरह से हरेक जिले में पिछली सरकार ने जातीय जुल्म किये। कहीं पर मेहम कांड, कहीं सुप्रिया कांड और कहीं और तरह की घटनाएं घटी। इलैक्शन और बाई इलैक्शन में भी कुछ घटनाएं घटीं। मेरा जिला

करनाल भी इन दुर्घटनाओं की एक मिसाल है। हमारे जिले में इन महानुभावों की सरकार ने सबसे पहले मेरे व मेरे परिवार पर अटैक किया और इसमें दुर्भाग्य की बात यह है कि मुख्य मन्त्री जैसे बड़े आदमी ने हरियाणा भवन के अन्दर 40 आदमियों के गिरोह के सामने यह कहा कि उस आदमी को मार के आओ या मर के आओ तब तुम्हारा काम करूंगा। (विघ्न) बहुत अफसोस की बात है कि उस सरकार ने ऐसे–ऐसे काम किये। श्री भजन लाल जो, सुरजेवाला जी व श्री जगदीश नेहरा जी गवाह हैं कि मेरी गैर हाजरी में इन्होंने हजारों की तादाद में लोगों को करनाल की गलियों में तड़पते देखा। आज इन्हीं अपने भाईयों के माध्यम से मैं और मेरा परिवार सुरक्षित भी है। डरना इन भाइयों ने किसी प्रकार की कोई कमी नहीं छोड़ी थी, मेरे सारे परिवार को लिक्वीडेट करने की, नाजायज मुकदमें बनाने का और जमीनें छीनने की। चेयरमैन साहब, आपके माध्यम से मैं मुख्य मन्त्री जी की नालेज में एक बात जरूर लाना चाहूंगा कि इन्होंने ला. एंड आर्डर का इतना घिनौना मजाक कियो कि वहा जो हमारे फार्म हाउसिज थे, जो दस, बीस या तीस लाख रुपए के हो सकते है, उनकी एकएक ईंट उठवा दी, अपना देख रेख में। इन्होंने उनका चिन्ह तक भो न छोड़ने की कोशिश को। उनके दरवाजे और खिड़कियां इन्होंने बदमाशों और गुडों के माध्यम से उठवा दिए। एक मेरे अजीज कौल गाव में है। कौल में भी इनके एक ग्रीन ब्रिगेडियर रहते थे, यानी वहां का एम०एल० ए० था। वहां पर दलीप सिंह सरपंच के साथ जो किया, वह हमारे इलाके में तो कम से कम सब को

मालूम है। वह बहुत बड़ा गांव है, वहां से जो इनका एम०एल०ए० था, उसका भी यही काम था कि किसी की जमीन दबा ली या यह कर दिया और वह कर दिया। तो दलीप सिंह के साथ जो ज्यादती की, वह भी बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। वह उस समय के मुख्य मन्त्री देवी लाल से मिला। उन्होंने विश्वास दिलाया कि आपको चार्ज दिलाया जाएगा। उसको 4– 5 साल में दो बार सस्पैडं किया गया और उसको चार्ज नहीं दिया गया। उस पर बगैर चार्ज लिए पैसे की हेराफेरी करने का मुकदमा बना दिया। यानी उसे चार्ज भो नही दिया और मुकदमो फिर भी दर्ज कर दिया। एक घटना और है, पाई हल्के में किठाना गांव में बनियों की हवेली थी। वे बनिए बीस, तीस या चालीस साल सै बंगलौर या कहीं और रहते थे और देहात में प्रया के अनुसार अपने मकान को सभी रखना चाहते हैं इसलिए उन्होंने उसको ताला लगा रखा था। इनकी ग्रीन ब्रिगेड के जो नेता थे, जे०पी० और ढांढे का भाई वगैरह, ये सारे गए और उन्होंने उस हवैली का ताला तुड़वा कर उसमें दस मलंग बिठा दिए। वहां डी० एस० पी० कोई शरीफ आदमी था। उन्होंने उसका कब्जा वापिस दिलाने की कोशिश की तों इन्होंने आकर उस डी०एस० पी० की मां–बहिन की करी। वे डी०एस०पी० के आफिस में गए और कहा कि इस बनिए से बूझ के मांगे से, यह धरती गांव की है और वे बंगलौर रहने लग रहे हैं, इस हवेली के दस हजार रुपए दिलवा दो। हमने फिर गांव इकट्ठा किया। सारे गांव ने बड़ा भारी साथ दिया, पंचायत ने साथ दिया और सारे गांव ने मिल कर उन बदमाशी को वहां से निकाला। सरकार को

हमें कोई मदद नही मिली। उस हवेली को हमने उसी ढंग से ताला लगा कर रखा और गाँव ने उसकी सुरक्षा की। ये इनके कारनामे हैं। क्योंकि इत्तफाक से मैं करनाल मे रहता हूं और मेरे सामने देवी लाल जो के दामाद जी रहते हैं इसलिये मुझे पता है। करनाल में एक कहावत थी कि भाई करनाल जिला जो पुराना हमारा समूचा जिला था, वह देवी लाल जी ने कन्या दान में दामाद जो को दे रखा था। हो सकता है जब शादी की हो, तो कन्या दान की व्यवस्था ठीक न रहो हो और अब उन्होंने सोचा हो कि मौका मिला है और वह सारी कमर निकालने को कोशिश कर लो। इन्होंने सारे करनाल की जी०टी० रोड के साथ साथ जो गरीब आदमी छोटे–छोटे रोजगार चला रहे थे उनको बड़ी बेरहमी से उजाड़ा। ढाबे वाले जो सडक पर आम आदम? की सेवा करने के लिए छोटा–मोटा खाना देते हैं, उन लोगों से पैसा लौ के लिए मबमूई तौर से एक योजना बनाई, गई कि उनसे इक्ट्ठा 5– 10 लाख रुपया लिया जाए। उसकी शुरूआत इन्होंने करनाल से की। रात को दस बजे एक महानुभाव को, जो एस०डी ए०एम०लगे हुए थे, इन्होंने भेजा। लोगों ने उसको स्टे ओर्डर भी दिखाए। मेरे भाई के भी कुछ स्ट्रक्चर्ज थे, उन्होंने भी स्टे आर्डर दिखाए। लेकिन उसने कहा कि भाई आपा तो देवी लाल की नौकरी करा, जिस दिन हटाएगा, हट जाएंगे। अब तो कोई स्टे स्टे नहीं, मैं तो अनपढ़ सा आदमी हूं, मैं तो गिराउंगा। ट्रकों की बैक लगा कर उनको गिराया गया, आज भी उनके चिन्ह मौजूद हैं। आपके माध्यम से मैं मुख्य मन्त्री जी को बताऊंगा, वे खुद करनाल जाएंगे

तो शूगर मिल के चौक में यह सारी कार गुजारी हुई है और नमस्ते चौक के पास भी हुई है। जहां पर पिछले 20– 30 साल से ट्रेकों का माल उतरता था, वहां पर तार लगा दिए गए ताकि उस जगह का इस्तेमाल न किया जा सके। ऐसे– ऐसे जुल्मों–सितम इन लोगों ने हमारे इलाके के लोगों पर किए हैं। जगह को घेर कर नाजायज कब्जों करने की तो इनकी आम बात थी। मेरे घर के बिल्कुल नजदीक इनके चम्मचों ने एक जगह पर नाजायज कब्जा किया हुआ है। करनाल में एक आदमी म्यूनिसिपल कमेटी का प्रधान बनाया हुआ है और उसी आदमी को ट्रक यूनियन का प्रधान बनाया हुआ है। कमाल की बात तो यह है कि ट्रक यूनियन का प्रधान वह आदमी बनाया हुआ है, जिसके पास कमी भी ट्रक नहीं रहा। उस आदमी को इनका दलाल कह लीजिए या कुछ और कह लीजिए। हमें तो समझ नहीं आता कि वह आदमी इनका क्या है? जिस आदमी के पास कभी भी ट्रक न रहीं हो, जिसका ट्रक यूनियन से कोई ताल्लुक न हो वह ट्रक यूनियन का प्रधान कैसे हो सकता है? वह आदमी ट्रक यूनियन की चौक बुक पर अपने दस्तखत कैसे कर सकता है? लेकिन वह आदमी ट्रक यूनियन की चौक' बुक पर अपने दस्तखत करता है।

इसके अलावा कई भाईयों ने जिन बातों का जिक्र किया, मैं उन बातों को रिपीट नही करूंगा। मण्डल कमीशन की रिपोर्ट को अमल में लाने के लिए कहने पर इसी सरकार ने अपने प्रान्त की सम्पत्ति को जलवाया। यह सब कुछ आपके सामने हैं।

बसों के रूट कम होने के कारण लोगों को बडी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बसों की कमी के कारण लोकल रूट्स पर बस बहुत ही कम मावा में चलाई जा रही हैं। यह सारी देन मेरे सामने बैठे भाईयों की है। इन्हीं महानुभावों के कारण लोकल रूटस पर बसों की कमी है। चेयरमैन साहब, अब मे विकास कार्यो की योजनाओं के बारे में 'अपने विचार प्रकट करना चाहूंगा। चेयरमैन साहब, मे आपके माध्यम से मुख्य मन्त्री महोदय के नोटिस में यह बात लाना चाहूंगा कि 1982 से 1987 तक पाई हल्के में, जिससे मेरा ताल्लुक है, जितनी भी विकास कार्यो की योजनाएं चलाई गई थी वह सब बन्द करवा दीं। उन योजनाओं में से कई योजनाओं पर 60 परसैट से ले कर 70 परसैटं तक पैसा खर्च किया जा चुका है। कई बिजली की योजनाएं थीं। कई राजबाहों की योजनाएं थी। कई राज– बाहों का तो माननीय मन्त्री श्री शमशेर सिंह सुरजेवाला ने अपने हाथों से उद्घाटन किया था लेकिन इन शेर के बच्चों ने जो जमीन खुदी खुदाई थी, वह भी ग्रेडर चलवा करके समतल करवा दी ताकि राजबाहे न बन जाए और किसी किसान को पानी न मिल. गए। इनके समय में जितनी भो नहरों की लाइनिंग हुई थी, वह सारी की सारी बरबाद हो चुकी है। जितनी भी हमारे इलाके मैं नालियां बनी थी वह समाप्त कर दी गई 1 क्योंकि हमारा कुछ एरिड एरिया है, जिसके अन्दर सिवाय रजबाहे के पानी के कोई दूसरी व्यवस्था नहीं है, वहां पर एक–एक किसान को नालिया बना कर दी हुई थीं, उन नालियों का आज कहीं कही पर चिन्ह मिलता है, सभी नालियां समतल हो

चुकी हैं। पिछले चार साल में किसी नाली और किसी रजबाहे की कोई मुरम्मत नही हुई। कोई ईट नहीं लगी। किसी सड़क की कोई मुरम्मत नही हुई। किसी स्कूल की बिल्डिंग की कोई मुरम्मत नही हुई। हम आदरणीय मुख्य मन्त्री जी के बड़े आभारी हैं, उन्होंने कहा है कि हम सबसे पहले टूटी हुई सबको की रिपेयर करने के लिए प्राथमिकता देंगे। अगले 6 महीने में टूटी सड्कों की रिपेयर करके फिर नई सड़कें बनाएंगे। चेयरमन साहब, मैं आपके माध्यम से मुख्य मन्त्री महोदय के नोटिस में अपने हल्के की कुछ ऐसो सड़कें लाना चाहता हूं जिनको बनाया जाना बहुत ही जरूरी है। हमारेरू विधान सभा के अध्यक्ष श्री ईश्वर सिर जी जब प्लानिंग बोर्ड के डिप्टी चेयरमैन होते थे, उस समय उन्होंने पाई हल्के के दो तनि गांवों की सउको का शिलान्यास किया था। उन सडको पर मिट्टी डल गई थी लेकिन राज पलटने से वह सारे का सारा काम वहीं का वहीं पड़ा हुआ है। कई सउके तो ऐसी है जिन पर पत्थर बाल दिए गए थे लेकिन ने पत्थर भी मेरे सामने बैठे भाईयों ने उठवा दिए। ये पसर वहां से उठवा कर पता नहीं अपने पर ले गए या कही और ले गए, कुछ पता नही। इन लोगों ने सडको को बनाने के लिए पत्थर गिरवाना तो दूर रहा, जो पत्थर वहां पर रखे हुए थे, वही उठवा दिए। एक बात मै यह भी रहना चाहता हूं कि लोगो को मारने में ये लोग शेर पड़े हैं। हमारे जैसे लोग जब' गांवों में जाते थे, तो इन लोगों के आदमी हमारा पत्थरों या धुलियों से स्वागत करते थे। इनकी पार्टी के जो लोग विधायक बनना चाहते थे, उनके जो आचार–विचार थे, उनका भी इन

भाईयों ने काफी प्रदर्शन किया। मुझे फील्ड का काफी अनुभव है। उसमें इन्होंने कोई कसर नही छोड़ी। इनकी पार्टी के लोगों का चाल–चलन इस ढंग से है कि बच्चों में जो भी बुराई हो सकती है, उसे ये सिखाने में माहिर हैं। बच्चों से जो भी बुरा काम हो सकता है, वर ये लोग करवाने में माहिर हैं। चेयरमैन साहब, इन लोगों ने हरियाणा प्रान्त की जनता के साथ जुल्म और ज्यादतियां करने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी। हमारे नेता चौधरी भजन लाल जी और चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला जी ने इन लोगों को बचाया वरना इनके बचने की कोई उम्मीद नहीं थो। हम बहन चन्द्रावती जी के बहुत आभारी हैं। ये उस समय इनकी' पार्टी में होते हुए भी हमारे साथ शामिल हुई और इन्होंने पांच मील तक हमारे प्रोसैशन को लीड किया। बहन जी, मैं आपको उस प्रोसैशन की तस्वीर किसी समय दिखाऊंगा। उसके लिए हम आपका आभार प्रकट करते हैं और हमेशा आभार प्रकट करते रहने। चेयरमन साहब, मैं आपके माध्यम से मुख्य मन्त्री महोदय से एक प्रार्थना करना चाहता हूं कि हमारा जो जिला कैथल है, वह बहुत बैकवर्ड है। अगर उस इलाके कौ इंडस्ट्रियली बैकवर्ड घोषित करने की कृ पा सी० एम० साहब कर दे, तो इनकी बहुत मेहरबानी होगी। मैं मुख्य मन्त्री महोदय को विश्वास दिलाता हूं, अपने मित्रों के माध्यम से और दिल्ली के कई इंडस्ट्रियलिस्ट्स के माध्यम से कि हम वहां काफी इण्डस्ट्रीज लगा देंगे जिससे रोजगार की प्रोब्लम जो उस इलाके की है, वह भी खत्म हो जाएगी। उस इलाके में पिछले 10 साल में 30 हजारी तो बने हैं क्योंकि आम तौर पर पुलिस में

सिपाही की भर्ती 30– 30 हजार रुपये तक लेकर की गई थो लेकिन मेरा सरकार से अनुरोध है कि उस इलाके के बच्चों को सरकारी नौकरियों में मुलाजमत मिलनी चाहिए। अरब तक उस इलाके का सरकारी नौकरियों में कोई चिन्ह नजर नही आता। अगर इन्होंने उस इलाके के बच्चों को नौकरी दी हो, तो बताएं। वहां के विधायक इनकी सरकार में मन्त्री रहे हैं। उनको मैंने स्वयं अपने हाथ से 200 रुपये का मुलाजिम एक मिनी बैक में लगाया या। अब वह करोड़ों रुपये की सम्पत्ति का मालिक हो गया है। वहां पर उसके चिन्ह खड़े है। दोनों भाइयों ने बड़ी–बड़ी कोठियां और जमीनें बना ली हैं जो वहां पर नजर आती हैं। जब एम्पलाएमैंट का जिकर आता है, तो उसकी एक बात मैं मुख्य मन्त्री जी के नोटिस में लाना चाहता हूं हमारे यहां कैथल मे एक शूगर मिल लगी है। वह अभी ठीक ढंग से चली भी नही कि वहां पर अन्धाधुध बड़ी जल्दबाजी में ऐम्पलाएमेंट दी गई। वहां पर 10 दिन फेलिंग करने की कोशिश की गई थी लेकिन वह भी ठीक नहीं हुई। वहां पर जल्दबाजी में गलत नौकरियां दी गई। वहां पर जो औफिसर लगे हुए थे, वे इलैक्शन के दौरान भी लोगों को ऐम्पलाएमेंट देकर गए हैं। जो वहां पर डी०सी० रहे, वे इलैक्शन के दौरान भी ओम प्रकाश चौटाला के कहने पर नौकरी देते रहे।, इसी गवर्नर ऐड्रैस के अन्दर शिडयूल्ड कास्टस, बैकवर्ड क्लासिज और ओल्ड ऐज पैंशन का जिकर किया गया है। मेरे कहने का मतलब यह है कि पिछली. सरकार इन लोगों के साथ लगातार चार साल से खिलवाड़ करती रही और उनके सेन्टीमैंट्स के साथ

खेलती रही। कभी ये जनता दल, मे थे तो कभी समाजवादी जनता दल में। लोगों का इन पर कोई विश्वास नही था। पिछले दिनों स्टेट में जितनी ऐम्पलाएमैंट दो गई और जो कारगुजारी इनकी ओर से हुई, उसके आधार पर मैं अपने अनुभव से कर सकता हुं कि कैथल डिस्ट्रिक्ट को नौकरियों मे जो हिस्सा नही मिला है, वह उनको मिलना चाहिए। मैं फिर कहना चाहता हूं कि सरकार हमारी इस काम में मदद करे। आज देहात में रहने की एक बड़ी भारी समस्या बनी हुई हैं। गांव में हाउसिंग प्रौब्लम ऐसी है जिसका कोई हिसाब नहीं। पहले गांवों में ज्वायंट फैमिलीज होती थी। अब सिंगल फैमिलीज होने के कारण यह समस्या सिर्फ हरिजनों और बैकवर्डों के लिए ही नहीं रह गई, बल्कि आम आदमी के लिए भी यह समस्या बन गई है। मेरे मुख्य मन्त्री महोदय से प्रार्थना है कि गांवों के लिए भी कोई ऐसी योजना बनायी जाये जिससे देंहात में हाउसिंग समस्या समाप्त हो सके। वहां पर कोई ऐसी कालोनी डिवैल्प करनी चाहिए, जिससे हर गांव में योजनाएं बना कर कौस्ट टू कौस्ट बेसिज पर लोगों को मकान कना कर दिए जा सकें। मेरे कहने का मतलब यह है कि प्लैन्ड पोरशन गांवों का नए सिरे से बनाना शुरू किया जाना चाहिए और लोगों को प्लाट कौस्ट टू कौपर बेसिज पर मिलने चाहिएं ताकि लोग अपनी नई जगह पर नया बसेरा बना सकें। मैं गवर्नर साहब का बहुत आभारी हूं जिन्होने इन सारी बातों का जिक्र यहां पर किया है। अन्त में मैं गवर्नर महोदय के अभिभाषण का समर्थन करते हुए और आपका

धन्यवाद करते हुए अपना स्थान लेता हूं। (इस समय बहुत से सदस्य बोलने के लिए खड़े हुए।)

श्री सभापति श्री कर्ण सिंह दलाल।

श्री सम्पत सिंहः चेयरमैन साहब, आन ए प्वायंट औफ आर्डर, एक बात तो यह है कि जब भी मैं बोलने के लिए खड़ा होतां हूं तो मेरा माईक बन्द कर देते हैं। दूसरी बात यह है कि आप भी प्रोफैसर है और मैं भी प्रोफैसर हूं। 5 मैम्बर कांग्रेस (आई)के बोल चुके हैं और हरियाणा विकास पार्टी के नेता चौधरी बंसी लाल जी भी सुबह काफी बोलते रहे हैं। लगता है कि सरकार ने ऐसी कोई योजना बना रखी है कि टाईम निकेल जाए और इस साईड के लोग बोल न सकें।

श्री सभापतिः सम्पत सिंह जी, ऐसी कोई बात नहीं है, आप कृपया बैठिए। आपको नैक्सट टाईम दिया जाएगा। एज एं प्रोफैसर आपको फेवर करने की बात यह है कि इस समय प्रैस गैलरी में पत्रकार बहुत कम है और भारी मात्रा में पत्रकारों की मौजूदगी में हम आपका भाषण करवाना चाहते है। (विघ्न)

श्री सम्पत सिंहः सभापति महोदय, जैसा मैंनै पहले कहा हरियाणा विकास पार्टी के नेता चौधरी बंसी लाल जी काफी देर बोलते रहे हैं लेकिन मुझे अभी तक टाईम नहीं मिला। इसका मतलब यह है कि सरकार ने अपनी कोई योजना बना रखा है कि किसी तरह से टाईम पूरा निकल जाए और इस साईड के लोगों

को बोलने न दिया जाए। (विघ्न) हमारी तरफ से कोई भी बात आती है तो सरकार उसको दबाने की कोशिश करती है और विपक्ष का गला घोंटने की कोशिश करती है।

श्री सभापतिः ऐसी कोई बात नही है। नेक्सट टाईम आपको दिया जाएगा।

श्री सम्पत सिंहः चेयरमैन साहब, आप इस समय चेयर पर हैं। आप जो भी फैसला करेंगे वह हमें मान्य होगा, लेकिन कुछ कायदा भी तो होना चाहिए।

Mr. Chairman : After Karan Singh Dalai, time will be given to your party members.

श्री सम्पत सिंहः रूलिंग पार्टी के बाद हमारी पार्टी सब से बड़ी पार्टी हैं और मैं अपनी पार्टी का लोम हूं इसलिए मुझे समय मिलना चाहिए था।

Mr. Chairman : Prof. Sahib, after Karan Singh Dalai, time be given to you.

श्री सम्पत सिंहः प्रथा यह रही है कि मूवर और सैकन्डर के बाद लीडर आफ दी अपोजीशन को टाईम दिया जाता है।

श्री सभापतिः कोई नई प्रथा नही डाली जा रही है। आपको भी बोलने का पूरा टाईम मिलेगा।

श्री सम्पत सिंहः चेयरमैन साहब, पहले हमेशा ऐसा होता रहा है– कि पहले मूवर बोलता है, उसके बाद सैकंडर सरकार की तरफ से बोलता है और फिर सब 'से बड़ी पार्टी का लीडर बोलता है। हमेशा से यह प्रथा रही है लेकिन आज मैं सुबह से ही देख रहा हूं लेकिन मुझे बोलने के लिए नही पुकारा गया। बाकी सरकार की मर्जी है कि कब किस को बोलने दे।

श्री सभापतिः सरकार आपकी तरफ पूरी तवज्जो दे रही है। एसो कोई बात नही है। चौधरी कर्ण सिंह दलाल के बाद आप का नाम लिया जाएगा।

श्री सम्पत सिंहः आप इस कुर्सी पर बैठने के बाद सरकारी मैम्बर नहीं है और आपको बिलकुल फेयर होना चाहिए (विधा)

श्री सभापतिः मैं तो टोटली फेयर हूं। सम्पत सिंह जी, आपको तो ऐसा बात कहनी ही नहीं चाहिए। (विध्न)

श्री शमशेर सिंह सुरजेवालाः औन ए प्वायंट आठ आर्डर सर। श्री सम्पत सिंह जी ने अभी–अभी 2– 3 बातें कही हैं। ऐसा लगता है कि श्री सम्पत सिंह जी कुछ कन्फ्यूज हो गये हैं। स्पीकर साहब को कहने की बजाये ये सरकार को कह रहे है कि सरकार ने टाईम नहीं दिया। यह तो बहुत पुराने मैम्बर हैं इसलिए इनको पता होना चाहिए कि हाऊस में बोलने का टाईम सरकार नही देती। हाउस की कार्यवाही तो स्पीकर साहब, डिप्टी स्पीकर साहब

या चेयरमैन साहब चलाते रहे हैं। सरकार किसी सदस्य को बोलने का टाईम देने का फैसला नहीं करती। दूसरी बात मैं एक और कहना चाहता हूं। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, स्वयं किसी को नही बुलाते। मैंने इन्हें खड़े होते नहीं देखा कि यह बोलने के लिए खडे हुए हो। तीसरी बात यह है कि जितने भी इनके खिलाफ इल्जाम हैं, पहले उनको सुन ले। इनको बोलने की इतनी जल्दी भी क्या है? इनको जवाब देना है। ये सारी बातों को नोट कर लें इन्हें तो बड़ा लम्बा चौड़ा जवाब देना पडेगा। अगर ये पहले ही बोल लेगे तो सभी बातों का जवाब कैसे देंगे?

श्री सभापतिः सम्पत सिंह जी, यह बात ठीक है कि सब की बातों को सुन कर आप फुली प्रिपेयर्ड हो कर जवाब दें तो ज्यादा अच्छा होगा। आपकी बात को पत्रकार भी सुनेंगे। That will be more healthy tradition.

श्री सम्पत सिंहः चेयरमैन साहब, अगर जवाब देने की ही बात है तो जवाब तो जनता को सभी को देना ही पड़ेगा। अभी सुरजेवाला जी जवाब देने की बात कह रहे थे। जवाबदेही तो सभी की है। जवाब तो जनता को देना हे आप जवाबदेही करने वाले नहीं हो सकते है। (विघ्न) जवाबदेही तो सारी बातों की लीडर औफ दि हाउस को भी देनी है।

श्री सभापतिः आप बैठिए। श्री कर्ण सिंह के बाद आपको टाईम मिलेगा Karan Singh Ji. you may start now.

Shri Jagdish Nehra : On a point of order, Sir, I am requesting you one thing. श्री सम्पत सिंह जी हर बार 2– 3 मिनट बोल लेते हैं। इस प्रकार जितने मिनट ये बोले हैं अगर उन सभी मिनटों करे क्लब कर लिया जाए तब पता लगेगा कि यदि इनको 15 मिनट बोलने के लिए मिलने चाहिएं थे तो ये 18 मिनट पहले बोल चुके हैं। So, these 18 minutes should be excluded from his time. I do not know why is he wasting the time of this august House unnecessarily ?

श्री सभापतिः इन को टाईम ज्यादा मिलना चाहिए।

श्री कर्ण सिंह दलाल (पलवल): आदरणीय चेयरमैन साहब, सबसे पहले तो मैं आपके इस कुर्सी पर बैठने के लिए अपनी खुशी का इजहार करता हूं। (विघ्न) आपके माध्यम से मैं सदन के नेता से यह कहना चाहूंगा कि आज राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलते हुए हमारे नेता चौधरी बंसी लाल जी ने जो बातें कही हैं, उन पर जरूर गौर करें क्योंकि वे बातें हमारे राज्य के लिए बहुत हो लाभदायक सिद्ध होंगी। (विघन)। मेरा कहना यह है कि आपको उन विचारों पर ठीक तरह से गौर करना चाहिए। उसमें एक बात मैंने और महसूस की जो युवाओं के बारे में कही गयी थो। भाई निर्मल सिंह जी ने कहा कि पिछले शासन के दौरान में जो हमारे युवाओं की हालत बन नयी थी, वह सब को पता है। ग्रीन ब्रिगेड के नाम से और दूसरे नामों से युवा बहुत बदनाम हो गये थे। युवाओं को युवा कहते हुए भी शर्म आती थी। युवाओं के बारे में किसी भी राज्य सरकार का या नेताओं का यह

फर्ज है कि वे उनका मार्ग दर्शन करते हुए उनके लिये इस प्रकार मी व्यवस्था करें कि वे किसी भी राज्य– के लिये सम्पति बनें न कि किसी भी राज्य को नष्ट करने के लिये आफत बनें। मैं आपके माध्यम से चेयरमैन साहब, एक और प्रार्थना करना चाहूंगा। जैसे यहां पर चौधरी बंसी लाल जी ने कहा कि कोआप्रेटिव सोसाडटीज में और दूसरे जितने भी तरीकों से उनको रोजगार मिल सकता हो, रोजगार अवश्य दिया जाना चाहिये। यही नहीं, उन्हें साधन भो उपलब्ध करवायें, मेरी यह सरकार से प्रार्थना है। मैं यह भो कहना चाहता हू कि युवाओं को बेरोजगारी भत्ता जरूर मिलना चाहिये। राज्य सरकार से, चेयरमैन साहब, मैं यह भी प्रार्थना करता हूं कि वह उन्हें बेरोजगारी भत्ता जरूर दे। मेरी आपके जरिये और इस सदन के जरिये इस सरकार से यह प्रार्थना है कि युवाओं को, जो हमारे बेरोजगार भाई हैं, रोजगार दे वरना अगर कानून और व्यवस्था को ठीक रखना है तो उन्हें बेरोजगारी भत्ता जरूर मिले। इनके और हमारे इलाके की कुछ मौलिक समस्याएं हैं। मैं आपके माध्यम से सदन के नेता से एक प्रार्थना करूंगा। हरियाणा में एस० वाई० एल० के जल्दी बनाने का जिक्र किया जा रहा है। हमें इसमें कोई एतराज नही है ईक यह एस० वाई० एल० कैनाल बने और यहां पर पानी आये। लेकिन जहां तक फरीदाबाद जिले में मेरे इलाके पलवल का सवाल है, मैं आपके माध्यम से सदन के नेता को यी बताना चाहता हूं कि एस० वाई० एल० के पानी का जिला फरीदाबाद और गूडगांव के लिये कोई महत्व नही है। एस० वाई० एल० नहर के जरिये से पानी आने से जिला फरीदाबाद को कोई

फायदा होने वाला नहीं है। आप रिकार्ड निकाल कर देख लें। हमारे खास कर मेवात के गांवों में एस० वाई० एल० के पानी का कोई महत्व नहीं है। अगर हमारे इलाके के लिये कोई पानी फायदा कर सकता है, तो वह आगरा कैनाल का पानी है। उसका फायदा तभी हो सकता है, अगर उस इलाके को आगरा कैनाल से ज्यादा पानी मिले। आगरा कैनाल हमारे जिले में से गुजरती है। हम बेबस हाल में पानी को बहता हुए देखते है लेकिन हमारे खेतों के लिये पानी की बून्द नहीं। हमारे जानवरों के लिये पीने के पाना की एक बूंद नही। हमारी आखों के सामने से वह पानी बह जाता है। मैं आपके माध्यम से इस सरकार से यह प्रार्थना करता हू कि आगरा कैनाल का जो कन्ट्रोल है, वह यह अपने हाथ में लें। यू० पी० सरकार से पिछली सरकार की इस बारे में कई दफा बात भी हुई है। मेरे निजी इन्फर्मेशन के मुताबिक चौधरी बंसी लाल के राज में इस बारे में बातचीत काफी आगे तक पहूंच गया थी लेकिन अब तक इस बारे में कुछ भी नहीं हो सका है। मैं सदन के नेता से यह कहना चाहूंगा कि ये उस इलाके को अच्छी तरह से जानते हैं। इन्होंने उस इलाके से चुनाव भी लड़ा था। वहां के लोगों ने इनको बहुत प्यार भी दिया। अगर यें जिला फरीदाबाद के लिये कोई काम करना चाहते हैं तो आगरा कैनाल का कन्ट्रोल हरियाणा सरकार के हाथ में लेने की कोशिश करें। आगरा कैनाल का कंट्रोल अपने हाथ में लेकर ये अगर सारे फरीदाबाद जिले के लिए और विशेषकर मेवात के भाईयों के लिये आगरा केनाल के पानी की व्यवस्था करायेंगे,, तो एक अच्छी बात होगी। दूसरी बात

मैं एक और कहना चाहता हूं। मैं आपके माध्यम से सरकार को यह कहना चाहता हूं कि हमारे शहर के मोहल्लों में पीने के पानी का बहुत अभाव है। चेयरमैन साहब, मैं आपके माध्यम से एक बात बताना चाहता हूं कि बड़ी अजीब बात है कि जिन कालोनीज में अच्छे व्यक्तियों की रिहाइश हो, वहां पर तो शायद जमादार भो जाता हो और पानी भी जाता हो लेकिन हरिजन बस्तियों में और दूसरी जो गरीब लोगों की बस्तियां हैं, जहां पर देहातों से आकर लोग बसते हैं, वहां पर न तो कोई सफाई की व्यवस्था है और न ही पीने के पानी की व्यवस्था है। और तो और झाड़ू लगाने वाले भी वहां नहीं जाते। मेरी यह प्रार्थना है कि इस बारे में गौर किया जाए। जिस तरह से चौधरी बंसी लाल ने और अजय सिंह ने बताया कि रिवाड़ी और भिवानी मैं सिवरेज का पानी पीने के पानी में मिलकर आता है। इसी तरह से चेयरमैन साहब, हमारे पलवल की कालोनीज में भी सिवरेज का पानी पीने के पानी में मिलकर आता है और पिछले आठ महीने से प्रशासन को बताने के लिये लोगों ने पूरा शोर मचाया है लेकिन प्रशासन ने देखने की कोशिश नहीं की कि सिवरेज और पानी कहां पर मिलता है। चेयरमैन साहब, अब मैं शहर की सड्कों के बारे मे कहना चाहता हू। जितनी खस्ता हालत पलवल की सड्कों की है, उतनी खराब हालत और कहीं की सड्कों की नही होगी। रेलवे रोड जिस पर तीस हजार यात्री रोजाना निकलते है, उसके बारे में चेयरमैन साहब, मैं कहना चाहता हूं कि शायद कोई भी दिन ऐसा नही होता होगा जिस दिन कोई रिक्शा न पलटती हो और हमारी मां

और बहन न गिरती हों। तो मेरा यह निवेदन है कि रेलवे रोड की सडक को ठीक किया जाए।

इसी तरह से चेयरमैन साहब, मैं आपके माध्यम से सदन के नेता को यह बताना चाहता हूं कि हमारा जो पलवल का सिविल अस्पताल है, उसकी बहुत बुरी हालत है। अस्पताल के अहाते में घुसने पर बहुत बदबू आती है। वहां पर इस गन्दगी की वजह से जानवर भी घुसना नहीं चाहता। इस बारे में काफी कुछ कहा गया है लेकिन कहने के बावजूद कोई ध्यान नही दिया गया है। सदन के नेता से मेरी प्रार्थना है कि जल्द से जल्द उस अस्पताल की ओर ध्यान दिया जाए। डाक्टर्ज ने अस्पताल से सौ गज की दूरी पर अपने प्राईवेट क्लिनिक्स खोल रखे हैं। जब भी कोई पेशैन्ट आता है, तो उसको क्लीनिक में आने के लिए कहा जाता है। सरकारी अस्पताल की दवाइयां बाहर की बाहर बेच दी जाती हैं। मेरी प्रार्थना है कि इस बारे में जल्द से जल्द कोई व्यवस्था करे। इसी तरह से चेयरमैन साहब, आपके माध्यम से यह बताना चाहता हूं कि हमारे जिले फरीदाबाद में बसिज की बहुत कमी है। लोग लाइनों में खड़े रहते हैं लेकिन कोई बस नहीं आती। हमारे यहां स्काई लैब हैं जिनको हम लोग खटखटा कहते हैं उनकी हालत यह है कि अगर उनमें ब्रेक हैं, तो क्लच नहीं और अगर क्लच हैं, तो ब्रेक नहीं हैं। थोड़ी दूर जाकर वे उलट जाते हैं और हमारी बूढ़ी माएं और बहनें उनसे गिर जाती हैं। बार–बार कहने के बावजूद बसों के बारे में गौर नहीं किया गया है।

चेयरमैन साहब, राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में जहां सब चीजों का उल्लेख किया गया है, वहां शूगर मिल्ज के बारे में कोई उल्लेख नहीं किया गया' है जहां राज्य सरकार इतना पैसा खर्च करता है वहां उस को यह देखना चाहिए कि क्या वह शूगर मिल सही तरीके से चलती है और जो बोर्ड औफ डायरेक्टर्ज हैं, वे सही ढंग से उस मिल को चलाते है या नही। चेयरमैन साहब, पलवल की जो शुगर मिल है उसके लिए वहां पर चुने हुए बोर्ड औफ डायरेक्टर्ज हैं। वहां पर एम० डी० ने बगास को जिसको हम खोई कहते हैं और जिसकी तीस रुपए क्विंटल की कीमत लगी थी ऐग्जैक्टिव कमेटी की रिपोर्ट के बावजूद इक्कीस रुपए क्विंटल में बेच दिया। इस तरह से सरकार को कई लाख रुपए का नुक्सान पहुंचता है। मेरी सरकार से प्रार्थना है कि इस बारे में वह गौर करे कि क्या बात थी जिसके कारण उस बनास को कम कीमत पर बेचा गया और सरकार का नुक्सान किया।

चेयरमैन साहब, मैं आपके जरिए सरकार के नोटिस में लाना चाहता हूं कि कई गांव हैं जैसे अलावल, पिरथला, घतीर व अलीका जिनके बारे में पिछली सरकार ने घोषणा की थी वहां पर 10+ 2 की क्लासिज शुरु की जाएंगी लेकिन जब पता किया गया तो बताया गया कि इस तरह की कोई घोषणा पिछली सरकार ने नहीं की थी और 10+ 2 की स्कीम को वहां से खत्म कर दिया गयो। मेरी प्रार्थना है कि 10+ 2 के स्कूलों में जल्द से जल्द स्टाफ भेज कर उनको चालू किया जाए।

चेयरमैन साहब, मैं आपके माध्यम से सदन को बताना' चाहता हूं कि हमारी जो मार्किट कमेटी है, उसमें बहुत ज्यादा भ्रष्टाचार फैला हुआ है। वहां पर सफाई की कोई व्यवस्था नहीं है। दुकानदारों से पैसा लिया जाता है लेकिन पता नहीं, वह कहां जाता है। मेरी प्रार्थना है कि सरकार मार्किट के अधिकारियों को कहे कि मण्डी के अन्दर सफाई का इन्तजाम किया जाए जिससे कि वहां के रहने वाले ठीक तरह से रह सकें और सफाई के अलावा वहां पर जो भ्रष्टाचार फैला हुआ है, उसको भी बन्द करने की कृ पा करें। इसके साथ ही मैं आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान लेता हूं। (इस समय बहुत से सदस्य बोलने के लिए खड़े हुए)

श्री सभापतिः श्री धीरपाल सिंह।

श्री सम्पत सिंहः चेयरमैन साहब, इस सरकार का इरादा था ही नही कि हम बोलें। (शोर)सुरजेवाला साहब ने कहा कि टाईम तो चेयरमैन देते हैं। सरकार नही लेकिन मैं इन भाईयों को कहना चाहता हूं कि ये भाई नये जरूर हैं, लेकिन सियाने बहुत हैं। इसलिये चेयरमैन साहब, आप सरकार के प्रभाव में न आएं।

श्री सभापतिः सम्पत सिंह जी, मुझे तो कुर्सी पर बैठे कुछ ही मिनट हुए हैं, मेरे०पर सरकार का प्रभाव कैसे पड़ गया?

श्री सम्पत सिंहः चेयरमैन साहब, आप बुरा न मनाएं अब तक तो आप पर सरकार का असर अवश्य है तभी तो मुझे सुबह से बोलने नही दिया जा रहा है।

श्री सभापतिः ऐसी कोई बात नहीं है। आप कृपया बैठे और चौधरी धीरपाल जी आप बोले।

श्री धीरपाल सिंह (बादली): चेयरमैन साहब, आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिये मैं आपका आभारी हूं। इस मास की 10 तारीख को गवर्नर महोदय ने अपने ऐड्रैस की शक्ल में ..... सरकार के सहयोग सै पढ़ने की कोशिश की है, मैं उसका विरोध करने के लिये खड़ा हुआ हूं। (शोर)

श्री सभापतिः झूठ का पुलन्दा शब्द कार्यवाही में न लाया जाए।

श्री धीरपाल सिंहः चेयरमैन साहब, भाई सम्पत सिंह जी ने कानून और व्यवस्था की बात की और सत्ता पक्ष के भाईयों ने इस पर आपत्ति की। मैं सदन के नेता से यह कहूंगा कि इस सरकार के सत्ता में आने के बाद से रोहतक में कच्छा ब्रिगेड के लोगों ने सम्मानित नागरिकों को परेशान किया हुआ है। (शोर)चेयरमैन साहब, मैंने तो यह बात हाउस के नेता से कही है लेकिन ये लोग बीच में बोर क्यों कर रहें हैं? इन्होंने अपनी बातें कहीं और हम सुनते रहे। इसलिये अब इनको भी हमारी बातें ध्यान से सुननी चाहिये , मैंने कहा कि सत्ता में आने के बाद सत्ता पक्ष के कुछ लोगों ने रोहतक के अन्दर सम्मानित सदस्यों को काफी परेशान किया। चेयर– मैन साहब, ताकत इनके पास है। आज इसको जांच होनी चाहिये कि वे कौन ऐसे लोग हैं जो रात के

वक्त लोगों को मारते हैं व पीटते हैं, ऐसे लोगों की जांच करके नंगा करना चाहिये। गवर्नर साहब ने कानून और व्यवस्था की बात कहते हुए कहा कि सरकार इसके लिये यह कर रही है, वह कर रही है। इस बारे मैं गवर्नर साहब ने बड़ी०ंची आदाज में कहा लेकिन दूसरी तरफ नगर के सम्मानित सदस्यों के साथ कुछ समाज विरोधी तत्व क्या–क्या हरकते रहे है। सरकार को इस ओर भी ध्यान देना चाहिए। मार्च मे गवर्नर साहब ने जो अभिभाषण इस सदन में पढ़ा था, उसमें पिछली सरकार की भूरी–भूरी प्रशंसा की गयी थी। शायद गवर्नर साहब इम ऐड्रैस को पढ़ते हुए उन पिछली बातों को भूल गये है। मैं एक बात सदन के नेता से खुले मन से यह कहना चाहता हूं कि लोगों के मन में तभी विश्वास की भावना पैदा होगी जबकि सरकार अपनी ताकत का सही इस्तेमाल करके ला एण्ड आर्डर की स्थिति की तरफ खास ध्यान देगी। सरकार की ऐसी ताकत का लोगों के लिये सदुपयोग होना चाहिये।

अब मैं पीने के पानी की बात कहना चाहूंगा। यहां पर भाषण दिया गया, अच्छी बात है। चौधरी भजनलाल जी ने कहा कि सरकार ऐसा इन्तजाम कर रहो है जिससे हर गांव के अन्तिम छोर तक लोगों को पानी पहुंचाया जाएगा और घरों में पानी पहुंचाया जाएगा। लेकिन मैं यह बताना चाहता हूं कि जब हमारी सरकार थी तो जिला रोहतक में' कितने घरों में और कितने जौहड़ों में पानी की व्यवस्था की गयी थी। यह एक रिकार्ड की बात है कि नहर पर आधारित व वाटर वर्कस द्वारा हफते में कितने

दिनों पानी मिला। चेयरमैन साहब, मैं आपके माध्यम से सदन के नेता को कहना चाहूंगा कि आज जब परमात्मा नाराज है तो उस नाराजगी में सरकार की डियूटी बनती है कि पीने के पानी को व्यवस्था की जाए और जौहड़ों में पानी डाला जाए। पानी न होने की वजह से गाव–गांव में पशुओं में बीमारी फैल रही है। उस बीमारी को रोकने के लिये ठीक ढंग से व्यवस्था को जाए और हस्पतालों में दवाइयों का इन्तजाम किया जाए। शहरों से या जिलों से अच्छे डाक्टरों की टीम वहां जाए जहां जहां बीमारी फैल रही है। आज हैजे का प्रकोप है। (विघ्न) हुड्डा साहब बोल रहे हैं, अच्छी बात है। मैं उनसे कहना चाहता हूं कि वे जो चुनाव में बातू कह कर आये थे उस हिसाब से बात कहें, तो अच्छा होगा। रोहतक के अन्दर हैजे का कुछ प्रकोप रहा हैं और कुछ साथी उसके शिकार भी हुए। मे सदन के नेता से कहूंगा कि इस तरह की बीमारियों से कौन चला जाए, ऐसा कौन कह सकता है। उसका किस पार्टी से संबंध है, किस से नही है, किसी की भी जान को जोखम हो सकता है। यह सारी की सारी जिम्मेदारी सरकार की होती है। नेहरा साहब, बड़े अच्छे आदमी हैं। उन्होंने जो कहा, उनकी मजबूरी थी। मजबूरी के हिसाब से ये दोष लगा रहे हैं कि पिछले चार साल के शासन में कोई विकास नही हुआ। चार साल में जो काम हुछ हें, वे लोगों के सामने हैं कि कितना विकास हुआ। गलियों का निर्माण हुआ, स्कूलों के कमरे बनै। जब ये लोग. सरकार छोड़ गए थे, तो सात सहकारी चीनी मिलें थीं। उनमें तीस करोड़ रुपए का घाटा था। जून 1987 में चीनी का भाव

13 रुपए किलो था और गन्ने का भाव 27 रुपए क्विंटल था। रिकार्ड मंगवा लिया जाए 30–32 करोड़ रुपए का घाटा मिलों में था। (कैप्टन अजय सिंह की ओर से विघ्न)कप्तान साहब, आपको तो पता ही नहीं कि गन्ना क्या बीमारी है। चौधरी देवी लाल ने किसानों के दर्द को पहचानते हुए हर साल गन्ने के भाव में बढ़ौतरी की। कप्तान साहब, आपको इस बात का क्या पता है?

श्री सभापतिः धीरपाल जी, आप चेयर को ऐड्रेस करे, स्ट्रेट एवं ऐड्रैस मत करे।

श्री सम्पत सिंहः चेयरमैन साहब, कोई भी मैम्बर थोपकी इजाजत से खडा हो कर बोल सकता है। ये जो बैठे–बैठे गेल रहे हैं, यह डिस्पिलन की बात नहीं है। मुख्य मन्त्री जी कल 'जवाब देंगे। लेकिन हर भंवर बैठे– बैठे बोल रही है। यह अच्छी बात नहीं है।

Mr. Chairman : This applies to everyone. Everybody should control it now.

श्री धीरपाल सिंहः चेयरमैन साहब, 27 रुपए की तुलना में हमारे समय में 41 रुपए गन्ने का भाव किसानों को मिला। जब हमारी सरकार थी तो सहकारी मिलें कितना गन्ना कश करती थीं, यह रिकार्ड की 'बात है। इस साल जो सीजन गया है, उसमें 220 लाख क्विंटल गन्ना क्रश किया। यह हमारी नीतियों का परिणाम है कि चीनी का भाव 9 रुपए किलो था लेकिन उसके बावजूद भी 15 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ। नेहरा साहब ने शिक्षा के बारे में

बात कही। मैं एक बात यह कहना चाहता हूं कि हमारी सरकार ने लडकियों की शिक्षा को महत्व देते हुए गांवों और शहरों में गरीब बच्चों के भविष्य को देखते हुए 350 स्कूलों का दर्जा बढ़ाया था। लेकिन आज की' सरकार ने राजनीति से प्रेरित हो कर उन स्कूलों के आर्डर रद्द कर दिए जिसके कारण हजारो गरीब विद्यार्थी जो गरीब बस्तियों में रहते हैं, उनका भविष्य अंधकार में है।

श्री जगदीश नेहराः सभापति जी, आन ए प्वायंट औफ आर्डर। क्या माननीय सदस्य राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर धन्यवाद के प्रस्ताव पर बोल रहे हैं या अपनी पिछली सरकार की बातें कर रहे हैं? माननीय सदस्य को उसी संबंध में बोलना चाहिए जो सब्जैक्ट इस समय डिस्कस हो रहा है। यह पिछली सरकार की क्या बात कर रहे हैं? आपकी सरकार क्या कोई सरकार थी? वह तो ..... था। (शोर)

श्री धीरपाल सिंहः यह सदन केवल आपका ही नहीं है। हम आपका सम्मान फेरते हैं। कभी आप यह मान कर चलें कि सत्ता पक्ष में चूकि आप हैं इसलिए यह सदन आपकी सम्पति है यह आप भूल जाएं। चेयरमैन साहब, इसमें 65 साल से घटा कर 60 साल की आयु के बुर्जग को पैंशन देने की बात कही गई है। जब चुनाव हुए थे उस समय इन लोगों ने जनता कैं सामने क्या कहा था, उस बात को ये भूल गए हैं। (विघन)चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी, आज राजनीति की बात करते हैं। चुनावों के दौरान आप लोगों ने हरियाणा प्रान्त की जनता को विश्वास में लिया था कि हमारी

सरकार आते ही 65 साल से घटा कर 55 साल की आयु के लोगों को पैंशन की सुविधा देगी। आज यह कह रहे हैं कि पिछले 8 महीने से किसी को कोई किस्त नही मिली। मैं इनसे कहता हू कि अप्रैल ओर मई के महीनो में सरकार गवर्नर साहब की थी जिसके रहमोकर्म पर आप यहां बैठे हैं। (शोर)

राजस्व मंत्री (श्री बीरेन्द्र सिंह): यह बात बिल्कुल दुरूस्त है कि 8 महीने सै बुजुर्गो को पैशन नही मिली है। चेयरमैन साहब, इनकी सरकार का पैशन देने का तरीका यह था कि जहां पर भी चुनाव होते थे वहां पर ये पटवारी के पास पैशन बांटने के लिए बैठ जाते थे। इन लोगों ने राजनीति को भ्रष्ट्राचारी राजनीति में परिवर्तित किया है। बुजुर्गो को 100 रुपया महीना पैशन उस दिन देते थे जिस दिन वोट पड़ते

श्री धीरपाल सिंह: चेयरमैन साहब, चौधरी वीरेन्द्र सिंह यह बात भूल गए कि अप्रैल और मई के महीने में राज्यपाल महोदय का शासन था। यह जो बात कह रहे है इसमें कोई दम नहीं है।

16.00 बजे

चेयरमैन साहब, अब मुझे बिजली के बारे में अपनी बात कहनी है। मैं हाउस के नेता को धन्यवाद अदा करता हूं कि पिछली सरकार ने जो रिवाज डाला था, वे उसको आज कायम रखे हुए हैं। जब इनका शासन था तो हरियाणा प्रदेश के लोग

आई और गई के नाम से आवाज लगाते थे। जब बिजली आती थी तो किसान टयूबवैल्ज पर भागता था। स्टार्टर को दबाने के लिए जब बेटा उसके पास पहुंचता था तो बाप पानी के आगे जाता था। स्टार्टर के हाथ लगते ही बेटा कहता था कि गई। उस समय आई और गई में ही सारी रात का समय सर्दी में बीत जाता था। उस समय सर्दी हो या जीरो के सीजन के समय की बात हो, खाली हाथ ही घर को वापस लौट आता था। भजन लाल के वापस आने पर हम इनके धन्यवादी हैं क्योंकि भजन लाल के आने पर अब लोग कह रहें हैं कि 'ताऊ गया बिजली गई ताऊ था बिजली थी। (विध्न)

कैप्टन अजय सिंहः आप लोगों ने तो सारे ट्रांस्फार्मर बेच दिए थे। (विघ्न)

श्री सभापतिः कैप्टन अजय सिंह, आप कृपया खामोश रहे।

श्री धीरपाल सिंहः अगर मैं गलत कह रहा हूं तो आप बोलिए। चेयरमैन साहब, बिजली की वजह से आज सारा सदन चिन्तित है। आज आई० पी० एम० साहब ने रिप्लाई दी है लेकिन' इसका कारण यह नहीं है। कारण कुछ भी हों लेकिन यह फैक्ट है कि करनाल कुरु क्षेत्र यहां तक कि रोहतक महेन्द्रगढ़ और भिवानी में भी बिजली नही पहुंच रही। यहां पर कुछ जिलों मे पीने के पानी की भो कठिनाई है। बिजली न होने की वजह से बड़ी

कठिनाई का सामना लोगों को करना पड़ता है। कभी रात को बिजली आती है तो कभी दिन को आती है। हमारी बहन–बेटियां मजबूरी में जिस ढंग से पानी लाती हैं वह कष्टदायक हैं। लेकिन मजबूरी है। रात को अगर 12 बजे बिजली आई तो भी प्यास बुझाने के लिये पानी लाना पडेगा। इसलिए सरकार को लोग अभी से शंका की दृष्टि से देखने लगे हैं। ये बिजली और पानी दिल्ली को दे रहे हैं। वहां पर भीं आवश्यकता हो सकती है। वहां पर ये पानी देते हैं तो इनका बड़प्पन है लेकिन इसका यह मतलब नही होना चाहिए कि हमारे प्रदेश के लोग, हरियाणा प्रदेश की धरती प्यासी रहे। और उसके बदले में आदरणीय चौधरी भजन लाल जी दिल्ली को खुश करने में लगे रहें। ऐसा करने से तो प्रदेश के लोगों का नुक्सान होता है। उनका अहित होता है। (विघ्न) मैं यह कह रहा हूं कि कोई विकास का काम यहां पर नहीं हुआ, ऐसी चर्चा यहा पर चली। मैं आपको बताना चाहता हूं कि पिछले सीजन में एक करोड़ टन खाद्यान का उत्पादन हुआ था, जो कि अपने आप में एक रिकार्ड है। यह उत्पादन कहां से आया? बिजली हमने दी, पानी हमने मुहैया करवाया, जिससे किसान की पैदावार बढ़ी। जब इन साथियों की पहले सरकार थी, तो उस समय किसान बहुत मायूस थे। हरिजन मायूस थे और पीछे अखबारों में रिपोर्ट आई थी कि हरिजनों को थाने में डाल कर इस बेरहमी से पीटा जिसकी वजह से उनकी मौत हो गई। ये उस मौत की हां भी भरते हैं। साथ हो साथ हरिजनों की वकालत की बात भी करते है। अच्छी बात है। इस पार्टी ने 40 साल से लगातार देश पर

शासन किया। आज ये कह रहे हैं कि शिडयूल्ड कास्टस बैकवर्ड क्लासिज का सर्विस में बैक लोग रह गया है। मैं जानना चाहता हूं कि क्या वजह थी जो इनको उस वक्त ये कारण नजर नहीं आये। इनको इस बारे में कभी ध्यान नहीं आया और जबकि अब ये आरोप हम पर लगाते हैं। जब ये शासन मे थे, तो उन कारणों को दूर करने की कोशिश क्यों नही की गई जिनकी वजह से वे हरिजन भाई अपनी सुविधाओं से वंचित रह गये जिनको उन सुविधाओं की आवश्यकता थी। मैं चौधरी बंसी लाल जी का इस बात में समर्थन करता हूं। मैं आपके माध्यम से इनसे अनुरोध करूंगा कि अपने राज्य में लड़कियों की शिक्षा को महत्व देते हुए बी०ए० तक की शिक्षा निःशुल्क की जाये। चेयरमैन साहब, ऐसा करने से उनका भविष्य सुधर सकता है। हरियाणा प्रदेश में गावो के किसान भाई और जो मजदूर हैं, वे और जो दूसरे व्यक्ति हैं, वे लड़कियों की शिक्षा को महत्व नहीं देते। इसका एक कारण तो यह है कि हर गांवों में स्कूल नही हैं। दूसरी बात यह है कि जवान बेटी होने के बाद यदि दूसरे गांव में उसे भेजते हैं तो थोड़ी सी हिचक होती है, लोग संकोच करते हैं। इस वजह से बेटी गुणवति होते हुए भी शिक्षा से वंचित रह जाती है। इसलिए लड़कियों की शिक्षा को महत्व देते हुए हर नांव में या हर नाच से लगते हुए दूसरे गांव में हाई स्कूल तक की शिक्षा और इसके साथ ही बी०ए० तक की शिक्षा का भी प्रबन्ध हो, जिससे वे नया समाज बनाने में सहयोगी हो सकें। अगर लड़की शिक्षित होगी तो 2 परिवारों को लाभ होता है। एक तो वह परिवार जिसकी वह

बेटी है, और दूसरा वह परिवार जहां शादी के बाद वह जाएगी। उस परिवार में बेटा होगा या बेटी होगी उसे वह पढायेगी क्योंकि शिक्षित लड़की को पता होगा कि ज्ञान के बगेर, शिक्षा के बगैर एक व्यक्ति का जीवन पशु के समान है। इसलिए मेरा अनुरोध है कि शिक्षा के महत्व को ध्यान में रखते हुए मुख्य मंत्री जी इस बात को स्वीकार करेंगे और शिक्षा के लिये अधिक पैसों की व्यवस्था करेंगे।

चेयरमैन साहब, रही बात बसों को जलाने की, तो उस समय मेरे कांग्रेस के दोस्तों ने प्रदेश के साथ बड़ी बेरहमी का व्यवहार किया। इन कांग्रेसी भाइयों ने युवाशक्ति को गुमराह करके रास्ते से भटका दिया। वे यह भूल गए कि जो बसें वे जला रहे हैं, उन्हें जलाकर ये हरियाणा प्रदेश का हो नुकसान कर रहे हैं। चेयरमैन साहब, सोनीपत में एक ही दिन में 18 करोड रुपये की सम्पत्ति. स्वाहा कर दो गई (विघ्न)

श्री अमीर चन्द मक्कडः चेयरमैन साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। चौधरी धीरपाल सिंह जी पिछली सरकार में मंत्री थे। ये केवल इतना ही बता दें कि आरक्षण आन्दोलन के दिनों में जिन लोगों ने सम्पत्ति को नुकसान पहुंचाया, उनमें से कितने लोगों को पकड़ा गया, कितने लोगों को गिरफ्तार किया गया, कितने लोगों को जेलों में डाला गया या सजा दो गई? चेयरमैन साहब, ये लोग खुद उस में शामिल थे। (विघ्न एवं शोर)

श्री मोहम्मद असलम खांः चेयरमैन साहब, मेरा भी प्वायंट आफ आर्डर है। मैं आपके माध्यम मे इन्हें बताना चाहूंगा कि आन्दोलन के दौरान किसने क्या किया? ये कांग्रेस पर दोष लगा रहे है कि उन्होंने लोगों को भडकाया। चेयरमैन साहब, पिछले सैशन के दौरान मैंने एक दिन सैशन में भाग लेने हेतु चण्डीगढ आना था। सड़क पर 10– 15 लड़के खड़े थे और वहां पर 50 पुलिस वाले होंगे। मैंने पुलिस वालों से कहा कि रास्ता खुलवाओ मैंने सैशन अटैंड करने के लिए चण्डीगढ़ जाना है। पूलिस वालों ने जवाब दिया कि क्या करें०पर से आदेश हैं, जैसे सरकार चाहेगी हमें तो वैसा ही करना पड़ेगा। (विघ्न)

श्री धीरपाल सिंहः चेयरमैन साहब, न केवल बसों तक ही बात रही, ऐक्साईज एण्ड टैक्सेशन डिपार्टमैंट जो हैं, उसके दफ्तर भी फूके गार। इनसे मण्डल कमीशन की कोई तुक नहीं बनती थी। चेयरमैन साहब, जो ये सत्ता पक्ष में बैठे हैं, ये इन बात को स्पष्ट करें कि मण्डल कमीशन की रिपोर्ट के बारे में इन की नीति क्या है? क्या ये गरीब लोगों को इस रिपोर्ट का लाभ देना चाहते हैं या नहीं। चेयरमैन साहब, इन लोगों ने गुरनाम सिंह कमीशन को एक धोखा बताया है। (विघ्न एवं शोर)(इस समय कैप्टन अजय सिंह बोलने के लिये खड़े हुए।)

श्री सभापतिः अजय सिंह जी, आप बैठिए और उन्हें बोलने दीजिए।

श्री धीरपाल सिंहः चेयरमैन साहब, 4 साल तक किसान को उसकी जिन्स का उचित भाव लेने के लिए हमारी सरकार ने छूट दी हुई थी। (विघ्न)

श्री राम प्रकाशः चेयरमैन साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। क्या माननीय सदस्य जो इनका गुरनाम सिंह कमीशन के बारे में स्टैड है उसका स्पष्टीकरण करना चाहेंगे?

श्री सभापतिः धीर पाल जी, स्पष्टीकरण कर दो।

श्री धीरपाल सिंहः हमने तो बड़े खुले मन से इस बारे में कहा है कि हमने गुरनाम सिंह कमीशन को माना है। हमने यह नीति बनायी थी कि जो व्यक्ति या जो वर्ग औज तक इन सुविधाओं से वंचित रह गये हैं, उन वर्गो के लोगों को सुविधाएं उपलब्ध करायी जायें। मैं आपके' माध्यम से एक बात और सदन के नेता की जानकारी में लाना चाहता हूं। चार साल से किसान को उचित भाव दिलाने के लिये उसको अपनी जिन्स प्रदेश से बाहर भेजने की सुविधा उपलब्ध थी। मगर पिछले कुछ दिनों से यह सुविधा उनको मिल नही रहो है। यह सरकार इस बारे में जो भी आदेश हों, वह स्पष्ट करें ताकि पोजीशन साफ हो सके। किसान 'जब अपना माल लेकर जाता है तो बैरियर पर उसको लूटा जा रहा है। उसको लूटने लग रहे हैं। अगर इस तरह के कोई आदेश नहीं हों, तो भी वह बता दें। अगर ऐसे कोई आदेश नही हों, तो स्पष्ट कर दें कि यह जो सुविधा किसान को मिलती

थी, वह अब भो मिलती रहेगी और यह सुविधा जारी रहेगी। मैं एक बात ब्याज की माफी के बारे में भी कहना चाहता हूं। कर्जे माफी की बात भी यहां पर हुई है। मैं यह कहता हूं कि इस बारे में वे एक श्वेत पत्र जारी करें कि अब तक सरकार ने कितने लोगों को ब्याज की राहत दी है। कितने लोगों को यह ब्याज की माफी की सुविधा मिलेगी और कितने लोगों का व्याज माफ होगा और उनको ब्याज माफी की छूट मिलेगी। इस बारे में एक श्वेत पत वे जारी करें। अन्त में मैं आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे बोलने का समय दिया।

श्री सभापतिः सम्पत सिंह जी, क्या आप बोलना चाहेंगे?

श्री सम्पत सिंहः मैं तो कल बोलूगा लेकिन मैंने लिस्ट दे रखी है।

श्रीमती चन्द्रावती (लोहारु): सभापति जी, आपने मुझे बोलने का समय दिया, धन्यवाद। मैं और बात कहने से पहले यह कहना चाहती हूं कि चौधरी बंसी लाल ने राज्यपाल महोदय के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर जो अमैंडमैंट दी थी, मैं उस अमैंडमैंट के हक में बोलना चाहती हूं। मैं यहां पर बोलते हुए सबसे पहले अपने लोहारु हल्के की बातें कहूंगी और कोई बात करने से पहले मैं कहना चाहूंगी कि मैंने एक कालिंग अटैशन मोशन भेजा था शिक्षा के बारे में। मैं सब गांवों मे जा भी नही सकी हूं लेकिन मैं जिन गांवों में गयी, उनमें से 18 गांवों में जो

स्कूल है वह ऐसे हैं जहां पर कमिया है। डिगावा जाटान में हाई स्कूल है, लेकिन हैडमास्टर नही है। खरकडा में हाई स्कूल बै, लेकिन सितम्बर, 1984 से हैडमास्टर नही है। इसी तरह से सिधण्वा और सुलतानपुर में भी कमियां हैं। मन्ढोली कलां में हाई स्कूल है, लेकिन हैडमास्टर नहीं है। मैथेमैटिक्स का मास्टर नहीं है। मैं आपको यह कहना चाहती हूं कि गोकलपुरा, हरियावास, ओबरा और मताणी जैसे 18 स्कूलों में पूरे टीचर नही हैं। कुछ एक ब्रांच स्कूल हैं। ब्रांच स्कूलो में तो कभी टीचर जाने की कृपा ही नहीं करता। मैं आपको यह कहना चाहती हूं कि पिछले साल तो ये कहते थे कि हम लिट्रेसी फैलायेंगे। हर आदमी को पढायेगे लिखायेंगे। लेकिन कहां से लिखायेंगे पढ़ायेगे जबकि स्कूलों में यह हालत है। मैं समझती हूं कि सारे हरियाणा के स्कूलों में यही हालत होगी। मैं सभापति जी मुख्य मन्त्री जी का ध्यान इस ओर दिलाना चाहती हूं कि गांवों के बच्चों को पढ़ाने के लिये कम से कम स्टाफ तो पूरा करें। सैकड़ों लड़के हैं जो बेकार हैं, मैथेमैटिक्स की बी ए० साईन्स की बी० ए० ही नहीं बी० ए० बी० एड० और एम० फिल० किये हुए फिर रहे है। उनको तो सर्विस मिलेगी और स्कूलों में आपको स्टाफ मिल जायेगा।

(इस समय सभापतियों की सूची के एक सदस्य मोहम्द असलम खाँ पदासीन हुए।)

मैं सरकार से इतनी ही बात कह रही हूं कि मैं अपने हल्के के पूरे गांव? में भी नही जा सकी हूं। इसी तरह से बाकी

के गांवों में भी यही हालत होगी। मैं यह कहना चाह रही हूं कि हालांकि मैं अपने सारे हल्के में नही जा सकी हू, जो कुछ मुझे पता चला है, वह यही है। दूसरी बात मैं बसों के बारे में कहना चाहती हूं। जैसै कि सब ने कहा है, बसों की हालत बहुत खस्ता है। उसके लिये कौन जिम्मेवार है। किसी को जिम्मेवार ठहराने से काम नहीं चलेगा। आपकी सरकार आयी है तो आपको जिम्मेवारी संभालनी पड़ेगी। वहा पर जो गांव हैं, उनमें लोकल बसें नहीं जातीं। यह बात ठीक है, जैसे कि माननीय बंसी लाल जी ने कहा था कि ईरान–ईराक युद्ध के बाद लोकल बसें गांवों की बन्द कर दी गयी थीं। अब वहां पर बसें नही जातीं। हमारे यहां पर तो इतनी कम बसें जातो हैं कि वहां पर दो–दो–चार–चार दिन के बाद भी एक बस नहीं जाती। अगर जाती भी हैं तो बीच में खड़ी हो जाती है। इस तरह से बसिज का भी आपको इन्तजाम करने की बहुत जरुरत है। आप इस बात का ध्यान रखें कि इन्टीरियर के गांव मैं बसिज जाए। यहां पर पानी की बात कही गई लेकिन पानी की बात में फिर दोहराना चाहती हूं। मैं सैनीवास गई, मौयला तथा मिट्टी मतानी गई। सब गांवों में एक ही डिमाण्ड थी और वह पानी की थी। पानी की कमी क्यों हुई? पानी की कमी की वजह यह है कि पहले जोहड़ होते थे। जब मुरब्बाबन्दी हुई उसमें जोहड़ खत्म हो गए। उन जोहड़ों के किनारे जो गांव होते थे उनमें झारे का पानी आ जाता था लेकिन अब सारे लोग नहर का पानी चाहते हैं। आबादी बढ़ गई। उसके हिसाब से नहरें छांटी गई और न नहरों की मरम्मत हुई। जब नहरी की कोई मरम्मत नहीं हुई, तो

टेल पर पानी कहा से पहुंचेगा? मैं कहना चाहती हूं कि सरदार प्रताप सिंह कैरों के वक्त में जोहमें में पानी डलवाने का रिवाज मैंने डलवाया था। उसमें पहले जोहड़ों में पानी नहीं आता था। एक बार मुझे याद है कि मानकावास गांव में बहुत ज्यादा टायफायड हुआ। पानी की कमी थी। उसके बाद फिर लोग खाल खोदकर खुद जोहडों से पानी ले जाते थे। आज जरुरत इस बात की है कि जब बरसात ज्यादा हो, तो बरसात का पानी इकट्ठा होना चाहिए। उस पानी के लिये मैं एक बात बता दू। गुड़गांव मे अंग्रेजों के वक्त नौ बांध थे, जिसकी वजह से जो सब–सायल पानी था, वह०ंचा रहता था लेकिन उन नौ बांधों की जमीन ऐक्वायर कर ले। गई। कुछ जमीन कालोनाइजरों ने ले ली और कुछ हुड्डा ने ले ली। उन नौ बांधों के आसपास छोटी–छोटी पहाड़ियां थी। पानी उनकी वजह से वहां इकट्ठा रहता वा। अगले पांच साल में गुड़गांव में पानी रहेगा ही नहीं और कहीं भी पानी नही रहेगा। सब जोहड़ों में और कसबों में हाल यही अब मैं सैनीटेशन के बारे में कहना' चाहूंगी। जो बड़े गांव है, या जो शहर हैं, जिनमें बड़ी बस्तियां बस रही है, किसी में सैनीटेशन नही ई। नई–नई बीमारियां होती हैं.। जैसे भिवानी के बारे में चौधरी बंसी लाल ने कहा कि वहां पर पीने का पानी और सिवरेज मिल गया, ऐसे ही सब जगह है। बहुत बुरा हाल है। नई–नई बीमारियां हो रही हैं। तनि चार साल से मच्छरों के मारने के लिये कहीं कोई छिड़काव नहीं किया गया। सभापति जी मैं आपके द्वारा मुख्यमंत्री जी का और सरकार का ध्यान दिलाना चाहती हूं कि इन चीजों पर फौरन

ध्यान दें। सभापति जी, बिजली के बारे में तो मैं खुद जाकर नोट करके आई हूं। मैंने वहां पर लोगों को बुलाया। वहां पर बिजली की सचमुच कमी हुई है। यहां पर सुरजेवाला जी बैठकर चाहे बीस बार कहें कि बिजली की पोजीशन अच्छी है और बिजली सब जगह जा रहो है। तो उनके कहने से तो बिजली आती नही। बिजली तो जब दी जाएगी तब आएगी।

सभापति जी, इसी तरह से पानी की बात आई। तो मैं अब एम०आई०टी०सी० की बात कह दूं। सभापति जी एक पाजू गांव है। उसमें एम०आई०टी०सी० का कुआ था यानी बोरिंग वैल था वहां अढ़ाई साल हो गए चोरी हो गई थी। अढ़ाई साल से उसको इसलिए ठीक नहीं किया गया क्योंकि रिपोर्ट तो आई हो नहीं। अरे भई, अगर पुलिस की रिपोर्ट नहीं आई तो क्या अढ़ाई साल तक कुएं का पानी लोगों को नहीं दोगे? सभापति जी मैं सरकार की जो कमी है, उसके बारे में बता रही हूं। सरकार को इन कमियों को दूर करना चाहिए। इसलिए मैं इनका ध्यान दिला रही हूं। सभापति जी, इसी तरह से सड्कों का भी कोई अच्छा हाल नहीं है। सभापति. जी, अब मैं प्रशासन के बारे में कुछ बातें बताना चाहती हूं। 1962 तक सारे देश में प्रशासन अच्छा रहा। इसका क्रैडिट कांग्रेस सरकार को नही बल्कि उस वक्त की डैमोक्रेसी के नुमायंदों को जाता है क्योंकि उनमें –देशभक्ति थी। उनके अन्दर एक ललक थी कि हम प्रशासन को अच्छा बनाएंगे लेकिन उसको बाद प्रशासन को धीरे–धीरे घुन लगता चला गया।

आज मैं हरेक प्रशासक की बात नही करती, कि वह ठीक नहीं है। हमने जिलों की गिनती ज्यादा बढ़ा दी, आबादी के हिसाब से जिलों को छोटा कर दिया। हमारे यहां आई०पी०एस० और आई०ए०एस० औफिसर्ज बहुत ज्यादा हैं, जिनकी हमको जरुरत नही है। इससे ऐडमिनिस्ट्रेशन का खर्चा ज्यादा बढ़ा है और प्रशासन का जो मचा है, उससे लोगों को सहानुभूति नही है। सहानुभूति न होने की वजह से आप कोई भी काम करें, वह लोगों तक नही पहुंचता। एम० आई० टी०सी० की बहुत अच्छी स्कीम है लेकिन पैसा इतना खर्च हो रहा है कि लोगों तक इसका फायदा नही पहुंच पा रहा है। सभापति जी, मैं आपसे कहना चाहती हूं किजो विकास की स्कीमें हें, उनका फायदा लोगों तक पहुंचाना चाहिए। सभापति जी, आज जमीन रबड़ नहीं है जो बढ़ जाएगी। छोटी होल्डिंग्ज हो गई हैं। तीन–तीन बीघे की होल्डिंइज हो गई हैं। सभापति जी, अगर हम गांव में जाए, ती आप देखेगे कि औरतों के पास रसोई में लकड़ी जलाने के लिए नहीं हैं। जंगल खत्म हो गए और जोहड़ नही रहे हैं। वे कहां से रोटी बनाएं। ' हमारी बहु–बेटियों के लिये आज जोहड़ व जंगल जाने के लिये जगह नहीं है। क्या आप में से किसी ने सोचा है, इन बातों के लिये कि यह क्यों है। आज ये समस्याएं गांवों में भी हैं, बड़े कस्बों में भी हैं और बड़े शहर। की जो नई बस्तियां हैं, उनमें भी हैं। उनकी तरफ ध्यान देने की जरुरत है। जिससे विकास के काम हो सकें। इसलिये मैं आपका ध्यान इस ओर दिलाना चाहती थी। सभापति जी लोहारू में एक डाक्टर व डाक्टरनी हैं। जब तक

उनको पैसा न दे दिया जाए, वे किसी मरीज को अटैण्ड नहीं करते। सारे लोगों ने मिलकर और पंचायतों ने एक रेजोल्यूशन उनके खिलाफ भेजा था कि इन को यहां से बदल दिया जाए। चौधरी बंसी लाल जी ने बताया कि एक ऐक्सीडैन्ट हो गया तो लोगों ने अपने पास से पैसे इकट्ठे करके उस आदमी के इलाज के लिये ग्लूकोज व पटिया दी। उस सम्बन्धित व्यक्ति का इलाज करना तो दूर रहा। लोगों दारा दी हुई ग्लूकोस व पट्टियां उन डाक्टरों ने अपने पास रख ली। यह कितनी शर्म की बात है। इसलिये मेरा सरकार से कहना है। कि ऐसे डाक्टर्ज को वैसे तो कहीं लगाना हो नहीं चाहिए। अगर कहीं सरकार ने ऐडजस्ट करना ही है तो इनको कही और बदल दिया जाए। इसेके लिए सरकार की बड़ी मेहरबानी होगी। वैसे चेयरमैन साहब, मैं सरकार से यह कहना चाहती हूं कि दवाईयों की कमी का सभी जगहों पर बुरा हाल है। यह ठीक है कि जब से डाक्टर जे०पी० सिंह आए हैं, उनके आने के बाद उन्होंने अवश्य ही सुधार करने की कोशिश की है लेकिन ज्यादातर छोटे कस्बों की, गांवों की जो डिसपैन्सरिया हैं, उन में तो दवाईयां मिलती ही नहीं हैं। न पट्टियां है, और न ग्लूकोज ही वहां पर अवेलेबल है।

चेयरमैन साहब, इसके बाद मैं सरकार से चुनावों के बारे में कुछ कहना चाहूंगी कि पंचायतों व लोकल सैल्फ गवर्नमैंट के चुनाव टाईम पर होने चाहिये। मेरे विचार में पंचायतों के चुनाव तो आज तक नहीं हुए हैं। (शोर)मेरे विचार से जब तक ब्लौक

समितियों के चुनाव भी न हो, तब तक पंचायतों के चुनाव पूरे नहीं कहलाए जा सकते। इसी तरह से कोआप्रेटिव सोसायटीज के भी चुनाव होते हैं। इस बारे में हमने एक अमैन्डमैंट भी दी थी। इस ओर सरकार को ध्यान देना चाहिए।

चेयरमैन साहब, मेरे से पहले बोलने वाले मेरे कुछ साथियों ने कहा कि जैसे गैस की एजेंसीज हैं, पैट्रोल पम्पस हैं, ये सब एजेंसियां नौजवान बेरोजगारों को दी जानी चाहिये ताकि उनकी रोजगार की समस्याएं दूर हो सकें। इस ओर भी सरकार को अवश्य ध्यान देना चाहिए।

इससे आगे चेयरमैन साहब, मैं एक और बात पैन्शन की बाबत कहना चाहूंगी कि चौकीदार की बूक के हिसार से जब एक आदमी 60 या 55 साल का हो जाए तो उसकी एक कापी नजदीक के सम्बन्धित डाकखाने, जहां से लोग अपनी पैन्शन लेना चाहें वहां पर दी जाए और दूसरी उस रिकार्ड की कापी सम्बन्धित व्यक्ति को भी भेजी जानी चाहिये ताकि वह नियम से जब उसका मन करे, अपनी पैन्शन ले सके। उसको पैन्शन लेने में किसी प्रकार की दिक्कत का सामना न करना पड़े। इस तरह की व्यवस्था सरकार को करनी चाहिये इसके बाद मैं एग्रो इंडस्ट्रीज कारपोरेशन के बारे में कुछ कहना चाहूंगी कि किसानों को वह कारपोरेशन मोटरें सप्लाई करती है, स्वयं खरीद कर देती है। तह 1500– 1500 रुपये में मोटरों की खरीद करवाती है जबकि उन मोटरों का आम रेट 1200 रुपये के लगभग है। मैं यह भी कहना

चाहूंगी कि उन मोटरों की, जोकि कारपोरेशन द्वारा खरीद कर दी जाती है, क्वालिटी भी अच्छा नही होती हुं। असल बात यह है कि अगर कारपोरेशन के पास मोटरें अवेलेबल नहीं होती हैं तो वे अपने खास डीलर से हो मोटरें खरीदने के लिये दबाव डालते हैं जिस कारण से लोगों को तीन तीन चार चार महीने मोटरों की सप्लाई नहीं होती है जिससे उन्हें काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। चेयरमैन साहब, मेरे लोहारु हल्के में लोहारु व बाढड़ा ऐसी जगहें हैं, जहां मीठे कुओं के पानी की बैल्ट है, लेकिन लोगों को समय पर कुओं के लिए कनैक्शन्ज नही मिलते। उधर से मोटरों की अदायगी की किश्तें आ जाती हैं। इसलिये मैं सरकार से निवेदन करुंगी कि जिन लोगों की मुतवातिर किश्तें आ रही हैं, उनको कुओं के लिए फौरी तौर पर कनैक्शन देने चाहिये। काफी गांव के कुएं इस तरह के पड़े हैं। किसी में 10 कुएं हैं और कही पर छोटे छोटे पौधों में 10– 10, 20–20 कुएं ऐसे हैं, जिन के लिये कनैक्शन नही दिये गये हैं, जिस कारण से लोग परेशान हैं। बरसात भी नही हुई है और पानी की भी काफी किल्लत है। इसलिये सरकार इस तरफ खास तव्ज्जो दे, तो मेहरबानी होगी। एक बात मैं यह कहना चाहती थी कि मेहम में जैसेकि जिक्र हुआ गलत काम हुए। मेरे पास दो जुलाई की ट्रिब्यून की कटिंग है। उसमें चौधरी वीरेन्द्र सिंह ने व्यान दिया कि एम० एल० एज० को तोडने के लिये कुछ औफिसर्ज को इस्तेमाल किया गया। तो अगर इन्हें हम इसे तरह से इस्तेमाल करते हैं तो उससे एक तो वे औफिसर्ज आपसे नाजायज फायदा उठाएंगे और दूसरे उससे कोई

खास फर्क नही पड़ता (विघ्न) उनको अगर हम गलत इस्तेमाल करेंगे तो ये गलत फायदा उठाएंगे। फिर उनकी रक्षा करने बाला कोई नही आएगा। आव अगर आप किसी अफसर के खिलाफ मुकदमा करते है, तो साथ साथ उसके खिलाफ कार्यवाही भी करें, जिसने उससे बुरा काम करवाया है। आज कार्यालय में कोई बैठता ही नही दफ्तर में प्रशासन नाम की कोई चीज नहीं है। प्रशासन तथा सुधरेगा यब कोई काम करेगा। काम कोई भी करना नहीं चाहता। सब लोग चाहते हैं कि वजीफे मिलें और नौकरियो पर हमारा कब्जा ही आए।

मैं एक बात और कहना चाहती हू कि जो हमारा पब्लिक सर्विस कमिशन है, उसका चेयरमैन शायद आप बनाए लेकिन इसके कुछ मैम्बर्ज जो रहे हैं, उनकी सम्पति की जांच होनी चाहिये। जब हम सब की सम्पति की जाच करते हैं तो उनकी भी होनी चाहिए कि जब वे मैम्बर बने इसके बाद उनके पास कितनी चल और अचल सम्पति बनी। जो लोगों को सर्विस लगाते हैं, वे अगर इस तप से सौदेबाजी करते हैं, तो स्टेट का क्या होगा? आप दोबारा तिबारा चीफ मिनिस्टर बने हैं, अगर काम करोगे तो उसका क्रैडिट ज्यादा चीफ मिनिस्टर को जाता है और उनके साथियों को भी जाताहै। अब पिछली सरकार ने बिजली दो, पैन्शन दी तो उसका क्रैडिट मैं चाहूं या न चाहूं उसको जाएगा ही।

एक बात मैं और कहना चाहती हूं कि हम सब सबसिडी के हक में हैं लेकिन वह लोगों तक नही पहुंचती। कुछ तो वह

दुकानदारों तक पहुंच जाती है। आप देखे कि ट्रैक्टर्ज और फव्वारों की कितनी कीमतें बढ़ा रखी हैं। शुरु में फव्वारे की 12 हजार रुपए के करीब कीमत थी और अब कितनी हो गई है? में चाहती हूं कि उसकी कीमत कम करनी चाहिए। उसका स्टैन्डर्ड भी घटा है। हम जिस दिन सबसिडी देते है उसी दिन सौदे बाजी से कमीशन तय हो जाता है और फव्वारे की कीमत बढ़ जाती है। मैं तो कहती हू कि सबसिडी दो या न दो लेकिन ब्याज कम हो जाए। आपको किसानों का ब्याज कम करना चाहिए। सबसिडी देने से तो सरकार को ज्यादा नुकसान होता है और लेनें वाले को भी फायदा नही होता। आज पशुओं के हस्पतालों मे भी डाक्टर्ज नहीं हैं। बारवास के पशुओं के हस्पताल मे डाक्टर नही है और आयुर्वेदिक डिस्पैन्सरी में भी डाक्टर नही है। कल मैंने तीन बार टैलीफोन किया कि डायरैक्टर से बात कर लूं लेकिन वे तीनों बार दफ्तर में नही थे। शायद वे मीटिंग में गए होंगे। मैं चाहती हूं कि सरकार उनको कहे कि वे दफ्तर में भी बैठे और मीटिगें जरा कम करें। मैं कहती हूं कि इन मीटिंग्ज से अगर आपको फायदा हो, तो करें वरना न करें। आज आप एक और सर्वे करवाए। गवर्नर ऐड्रैस में कहा गया है कि हम चाहेंगे कि लोगों के काम जिलों के मुख्यालय पर हो या तहसील पर हों। आप यह सर्वे करवा ले कि जो लोग यहां एम० एल० एज० होस्टल में आए हैं उनमें कितने आदमी बेकार हैं। वे नौकरियों के लिये आए हैं या किसी और बात के लिये आए हैं। अगर आप सचमुच में डी– सैन्ट्रेलाइजेशन चाहते हैं और लोगों को कोई दिक्कत न हो तो आप

सब–डिविजन के औफिसर्ज को कहे कि वे वहीं पर काम करें। सब डिविजनों में सचमुच में औफिसर्ज बहुत अच्छे है। यदि किसी आदमी को अपना काम करवाने के लिए यहां राजधानी में आना पड़ेगा तो उसके साथ दो आदमी और आएंगे और उनको बहुत किराया खर्च करना पड़ेगा। इसलिये मैं कहती हूं कि आप सब डिविजनों के औफिसर्ज को कहे कि वे वहीं पार लोगों का काम करें ताकि लोगो को जिला हैडक्वार्टर पर आने की जरुरत ज्यादा न पडे और जब आना पड़े तो जिले के औफिसर्ज उस काम को कर दें ताकि लोगों को राजधानी में आरने की जरुरत न पड़े। इस तरह करने से आपके ऐग्जैक्टिव सैक्रेटरी के पास काम का लोड कम हो जाएगा। एक बात यहां यह भी कही गई कि ट्रांसफर्ज होलसेल में हुई हैं। ठीक है जिन लोगों पर आपका भरोसा है, उनकी ट्रांसफर करें लेकिन विजय कुमार जैसे औफिसर की ट्रांसफर करना ठीक नहीं है आप भी जानते हैं कि वह बहुत ही अच्छा औफिसर है और उसकी रिटायरमैंट के तीन महीने बकाया हैं। उसका पौलिटिक्स से भी कोई संबंध नहीं रहा हालांकि यह बात ठीक है कि उसके परिवार का संबंध पौलिटिक्स से रहा है। उसकी रिटायरमैंट के तीन महीने बकाया हैं लेकिन फिर भी उसकी ट्रांसफर कर दो गई 1 यह ठोक बात है कि जो औफिसर की पोस्ट पर हैं, उनको आप जरुर ट्रांसफर करें और उन पोस्टों पर आप अप ने भरोसे के औफिसर लगाएं लेकिन इस तरह से होलसेल में ट्रांसफर्ज नहीं करनी चाहिये। जिन औफिसर्ज ने चुनाव ठीक ढंग मे करवाए, उनको बदलने की क्या जरुरत थी? आप एक

बात सामाजिक न्याय की करते हैं और दूसरो बात यह कहते हैं कि हम बैकवर्ड क्लास के लोगों को और हरिजनों को फायदा पहुंचाएंगे लेकिन की पोस्टों पर कोई बैकवर्ड क्लास का या कोई हरिजन औफिसर मुझे तो नजर नही जाया। जिस तरह से प्रशासन सैट–अप किया हुआ है, उससे तो ऐसा लगता है कि जो अपर कास्टस के लोग हैं, वे ज्यादा हावी हैं। इन शब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान लेती हूं। जयहिन्द।

श्री राम विलास शर्मा (महेन्द्रगढ़): सभापतिजी, इस सरकार ने सदन में राज्यपाल महोदय का 9 पृष्ठ का संक्षिप्त सा अभिभाषण पेश किया और उसमें आने वाले वर्ष के लिये अपने कुछ मनसूबों का इजहार किया है। इस अभिभाषण में राज्यपाल महोदय ने चुनावों के लिये अपने आपको बधाई दो है। सभापति जी, यह बात सही है कि चुनावों से पहले हरियाणा प्रान्त में जिस तरह का माहौल था उसमे आम अखमी को यह अंदेशा था कि चुनावों में गरीब आदमी को मताधिकार का मौको नही मिलेगा। मैं हरियाणा के सभी कर्मचारियों को जिनकी डियूटी चुनावों केकाम में लगी, और राज्यपाल महोदय को जिनकी देख–रेख में चुनाव हुए बधाई देता हूं। हरियाणा के समो कर्मचारी जिनकी डियूटी चुनाव में लगी थी और राज्यपाल महोदय बधाई के पात्र हूं, जिन्हेंने हरियाणा के अन्दर चुनाव निष्पक्ष कराए जाने वाली सरकार की बदनामियों की चर्चाएं इस बुलंदी पर थीं कि उससे आम गरीब आदमी बड़ा भयभीत और आतंकित था। सभापति जी, चौधरी बंसी

लाल जी सदन में बैठे हैं। हरियाणा विकास पार्टी, उनके नेतृत्व में बनी और इन्होंने अपनी पार्टी को चीफ इलैक्शन कमिशन से रजिस्टर करवाया और चौधरी बंसी लाल जी उसके अध्यक्ष बने। सभापति जी, एक व्यक्ति ने बड़ी गजब की बात कही कि यदि कौंग्रेस पार्टी, हरियाणा विकस पार्टी, जनता, दल और भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष विध न सभा का मु हं देख लें तो मैं राजनीति से सन्यास ले लूंगा। उन्होने अपनी पार्टी के आल इंडिया अध्यक्ष को असैम्बली और लेबर सभा में इलैक्ट होकर न आने के लिये मजबूर कर दिया यानी आने नही दिया। बाकी सभी पार्टियों के अध्यक्षों को हरियाणा की जनता ने हरियाणा विधान सभा का मुहं दिखाया। हरियाणा की जनता इसके लिये बधाई की पात्र है। सभापति जी, कई बार जब इन्सान०ंची जगह पर बैठ जाता है, तो उसके दिमाग मे गलतफहमी आ जाती है। वह आदमी यह भूल जाता है कि उसके०पर भी कोई व्यवस्था है। इस सृष्टि को चलाने वाली भी कोई शक्ति है। उंची जगह पर बैठ कर यह भी' सोचना चाहिए कि इस सृष्टि को चलाने वाली भी कोई शक्ति है। एक बात मैं कहना चाहता हू कि जिस तरह से आज अभिभाषण पर चर्चा शुरु हुई कांग्रेस के मित्रों ने चर्चा शुरु की और चौधरी बसी लाल जी ने भजन लाल को शंकाओं को दूर करते हुए बहुत ठीक कहा कि घबराओ मत, आपकी सरकार को हम तोड़ने की कोशिश नही करेगे। इन्ही के घर मे ऐसी कोई बात हो, तो अलग बात है क्योकि इनमें से ही कोई कत्तर है कि मेरे साथ 32 एम० एल० एज० हैं तो कोई कहता है कि 22 एम० एल० एज० है। शायद

इनकी पार्टी मे ही कोई नई पार्टी बन रही है। इस बारे तो चौधरी भजन लाल जी और इनकी पार्टी जाने। परन्तु हम लोग यह चाहते हैं कि यह सरकार साल चले और ठीक ढग से चले। चेयरमैन साहब, जव इस देश को स्वतन्त्रता सेनानियो ने आजाद करवाया तभी राजनीतिक चुने हुए नुमाइन्दों के हाथों में आई। यह किसी की स्थाई जागीर नही है। लोग बदलते रहते है। परन्तु जिन लोगो के हाथो मे थोडा–सा निजाम हिन्दुस्तान की जनता और हरियाणा की जनता देती है उनको वह बहुत जिज्ञासा भरी नजरों से देखती है। वह क्या करती हैं, यह अच्छी तरह से आग देख चुके है। मैं बताना चाहूंगा कि चौधरी भजन लाल जी का राजनैतिक जीवन बहुत लम्बा हो गया है। दिल्ली में भी ये मन्त्री रहे है और यहां पर भी ये काफी समय तक रह लिए हैं। इनको मैं बताना चाहूंगा कि जैसे फिल्मों में काम करने वाला कोई पात्र अपनी उम्र के साथ पुराना रोल बदल लेता है, जैसे–जैसे उस की उम्र बढ़ती है उसके साथ साथ वह आदमी अपना रोल बदल लेता है उसी तरह इनको करना चाहिए। मेरे कहने का मतलब यह है कि चौधरी भजन लाल की नई सरकार से हरियाणा के' लोग उम्मीद रखते है कि कुछ परिवर्तन के साथ ये काम करेगे और जो बातें अभिभाषण में कहीं गई हैं, उन पर अम्ल करेगे। आज जिस हरियाणा के महान सदन मे बैठ कर हम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा कर रहे हैं, यह हरियाणा 1966 में बना था। उसके बाद कई लोगो के हाथो मे यहा की सत्ता आई। 8–8 और 10–10 साल तक मुख्य मंत्री रहे। पंजाब से हम अलग हुए थे। भाई बटेज हर गांव में

होता है सभापति जी, गांवों में जिसको मुअजिज मानते है यानी अपने से बड़ा मानते हैं, उसको पंच मानते हैं। उसको कहते हैं कि आप जो फैसला करोगे, उसको मान लेंगे। पंच कहता है कि ये चार खाट तेरी और यह चक्की चूल्हा तेरा और इस तरह से दो भाइयों का बंटवारा हो जाता है। यह पंच की जिम्मेदारी होती है कि वे एक महीने में आपस मे चीजें बांट लें और अगर वे एक महीने में आपस में न बांट सकें तो आगे से उसको कोई पंच मुकर्रर नही करता। सभापति जी, 1966 में हरियाणा बना। हुन हरियाणा के लोगों को भाई बटेज में जो चीजें मिलीं, चाहें वह रावी व्यास का 48 मिलियन एकड फीट पानी था और चाहे 117 गांव अबोहर फाजिल्का के थे वह वास्तव मे कुछ नही मिला। यहां पर हम 1966 से बैठे हैं। आज 1991 हो गया है। इस दौरान कई सदन आये और कई सदन गए। कई मुख्य मन्त्रियो की जिम्मेदारी आई परन्तु आज तक हम अपने हिस्से का पानी तक नही ले सके। आज हमारे पास जो राजधानी है, यह अपनी नहीं है। यह हाल भी कोसिल के लिए था। इस .....में बैठकर बाहर कुछ लोग कहते हैं कि यह हरियाणा प्रान्त इतना महान प्रान्त है लेकिन उसकी अपनी कोई राजधानी नही। यहां पर पानीपत, कुरुक्षेत्र, रोहतक जैसे शहर बसे हुए हैं लेकिन राजधानी मे अपना कोई भवन नहीं .....

यह बात मैं इसलिए कहना चाहता हूं कि केवल हरियाणा प्रान्त ही एक ऐसा प्रान्त है जिसका अपना कोई भवन

नहीं है। नागालैड जैसे छोटे से राज्य के विधायक भी अपने स्थाई निवास में रहते हैं। राजस्थान, कर्नाटक, महाराष्ट्र और दूसरे – प्रान्तों के अपने अपने भवन हैं। हिमाचल प्रदेश, जो हमारे साथ हो अलग हुआ था, आज उसके पास विधायको केलिए रहने के लिये जगह है जबकि हमारे एम० एल० एज० होस्टल में 36 कमरे हैं और 90 विधायक हैं। सभापति जी, मेरा कहना है कि चौधरी भजनलाल की सरकार इस समय हरियाणा में सत्ता में है उनकी अपनी पार्टी की सत्ता दिल्ली में भी है।

Mr. Chairman : As per convention, no reference to a matter within the jurisdiction of the Speaker and the Vidhan Sabha Secretariat will go on record.

श्री राम बिलास शर्मा: आज कही पर कोई झगड़ा नहीं है। आज कोई बहाना नही है। खारा अनुभव और जानकारी चौधरी भजन लाल जी को है। तो इनकी सरकार कौ प्राथमिकता इस बात की रखनी चाहिये कि यह अपने समय में रावी– व्यास का पानी, जहां पर पीने के पानी की समस्या हे, वहां तक अवश्य पहुंचाएं।

नारनौल मैं दोचाना जैसा गांव है, जहां सभापति जी 450 फुट पर बोरिंग करने के बाद भो पानी नही मिलता। जमीन के नीचे के पानी का जलस्तर बहुत नीचे चल गया है। भाई निर्मल सिंह जी तो 50 फुट की बात कर रहे थे वहां तो 450 फुट है और 50 के आगे चार और लगता है। महेन्द्रगढ़ जिले का, रिवाडी जिले का गुड़गांव जिले का और भिवानी जिले का गरीब किसान थक

गया है। जहां पर नहर नही है, वह वहां पर बोरिंग नहीं करवा सकता है। 250 फुट से नीचे जो बोरिंग होती है, उस पर बहुत खर्च होता है और किसान अपनी हैसियत से वहा पर बोरिंग नही करवा सकता है क्योंकि जलस्तर बहुत ज्यादा नीचे चला गया है। मुख्य मन्त्री जी जानते हैं कि हरियाणा में बरसाती नदियां आती थीं दोहान नदी राजस्थान से आती थी, साहबी नदी राजस्थान से आती थी, जिस की चची भाई अजय सिंह जी ने की। ये सारी नदियों कृष्णावती, दोहान, साहबी राजस्थान से आती थी और 10 साल पहले ही राजस्थान की सरकार को समझ मे आ गया कि जमीन का पानी बहुत नीचे चला जाएगा इसलिये उन्होंने अपनी अपनी जगह पर पहाड़ों में छोटे छोटे बांध बना लिए। हमारी सरकार उन से बात नहीं कर सकी। सन् 1978 से साहबी नदी पर जो मसानी बैराज बनाया जा रहा है, उस का कोई फायदा नहीं है। सभापति महोदय, कभी आप अलवर से आगे मेवा त के एरिया में जाएं तौ आप देखेगे वह मसानी बैराज आज तक भी कम्पलीट नही हुआ है। यह योजना करोड़ों रुपये की हैं। सभापति महोदय, बैराज तो नदी पर बनता है। 10 साल से उस नदी में एक बून्द भी पानी नही आया है। आते जाते छोटे छोटे किसान कहते हैं कि कौन बनवा रहा है? क्यों बनवा रहा है? और किसके लिए यह बैराज बनवा रहा है? बालू जो इस बांध में जाएगा क्या उसके लिये यह बैराज बनवाया जा रहा है? ऐसी अनप्रोडैक्टिव स्कीम है, जिस पर करोड़ों रुपया लग रहा है। गरीब का पैसा लग रहा है। मैं मुख्य मन्त्री जी से गुजारिश करुंगा कि इस तरह की

अनप्रोडैक्टिव जो स्कीमें हैं, उनको बन्द करके उस इलाके को जिसमें महेन्द्रगढ़ जिला है, रिवाड़ी जिला है, गुडगांव की पटौदी तहसील और मेवात का इलाका है, इस पैसे से सरकारी तौर पर हरेक जिला केन्द्र पर 20– 20 रिंग मशीन किसान की सहायता के लिये सबसाडाईजड रेट पर उपलब्ध करवाई जाएं ताकि वह अपनी फसल को बचा सके। सभापति जी, पीने के पानी के लिए मैं आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करुंगा कि कुछ कैनाल बेस्ड स्कीम्ज वहां के लिये बनी थी, महेन्द्रगढ़ देवास के लिये बनी थी रिवाडी के लिए बनी थी, नारनौल में राय तुलाराव के नाम से नसीबपुर के लिए हमने कैनाल बेसड स्कीम अपने समय में बनाई थी और उस पर कुछ काम भी हुआ था परन्तु बीच में इन भाई लोगों की सरकार में वह स्कीम रुक गई। आज यदि उन तीन चार जिलों को सरकार ईमानदारी से पीने का पानी उपलब्ध करवाना चाहती है, तो कैनाल बेस्ड स्कीमज पर तुरन्त कार्यवाही करे। सभापति जी, एक बड़ी भारी समस्या है। अपना हरियाणा प्रान्त छोटा सा राज्य है थोड़ा यमुना के किनारे है, थोड़ा राजस्थान की सीमा से लगता है। तीन चार प्रान्तों को सीमाओं से लगता हुआ हमारा प्रान्त है। पिछले कुछ समय से ऐसा एक फैशन चल गया कि जन कोई सत्ता में आता है तो उसके आसपास के लोग एक धन्धा रातों–रात शुरु कर देते हैं। वे कमरा डारन कर उसमें चार मूढ़े बिछा कर फलाना प्रोपर्टी डीलर्ज एण्ड सन्ज, बाहू बेटा एंड सन्ज दादा–पोता एण्ड सन्ज इस तरह की प्राईवेट लिमिटेड प्रौपर्टी डीलिंग शुरु हो जाती है। एक भाई साहब ने डिजनी–लैन्ड का–

जिक्र पिछले सदन में किया। पिछले सदन में हं–मारी उनके साथ चर्चा हुई थो। जब मेरी बात का ने जवाब नही दे सके तो बोले कि डिजनीलैन्ड जरूर बनेगा। हमने पूछा कि क्यों बनेगा तो उन्हेंने जवाब दिया कि विदेशी पर्यटक इसे देखने आएंगे। सभापति जी, जिसने डिजनीलैन्ड दे कुना होगा, वह अमरीका के ओसलो में जाएगा, टौरनौडो में जाएगा। भारत में जो कोई पर्यटक बन कर आएगा वह तो जयपुर देखेगा ऋषि–मुनियों को पावन धरती देखेगा, वृन्दावन देखेगा, मथूरा देखेगा, अयोध्या के राम मन्दिर को देखेगा और कुरुक्षेत्र जाएगा। (विघ्न एव शोर)इस सरकार ने एक बड़ा अच्छा काम किया है। चौधरी भजन लाल ने यह घोषणा को कि डिजनीलैन्ड की योजना को हम समाप्त करेंगे, यह एक अच्छा काम किया गया है। कही इसको. हमारे। नजर न लग जाये। लोगों को आज भी यह अन्देशा है कि यदि यह घोषणा पूरी हो जायेगी तो भी किसान को कुछ फायदा होने वारना नही है। इन्होंने आज एकं स्पष्ट आश्वासन दिया है कि जिन जिन किसानों की जमीन है, वह उनको लौटायी जायेगी वहां पर एक ग्वालपाड़ी गांव है। शायद वह गांव हमारे भाई धर्म पाल के सोहना चुनाव क्षेत्र में पड़ता है। अरावली पर्वत के०पर और वहां पर जो दरखत लगे हैं, उन पहाड़ों को समतल बनाने के लिये और दरखतों को काटने के लिये वहां कर कई महीनों तक बुलडोजर चले। अब लोगों ने उसको समतल बनाकर बोर्ड टांग रखे हैं कि यह अंसारी का है, यह डी० एल० एफ० का है। कोई दादा–पोता का है। कोई किसी का है। उन पहाडो पर जहां पर

पहले गरीब गुज्जर और अहीरों की गाय, भैस, भेड, बकरिया चरती थी, वहां से उनको आज खदेड़ दिया गया है। यह दिल्ली के आस–पास का इलाका है। सभापति जो, यह जो दिल्ली के आस–पास का हरियाणा का इलाका है, यहां का किसान उजड़ रहा है। हरियाणा एक छोटा प्रान्त है। यहां के किसान के पास छोटा–छोटो होल्डिंग है छोटो छोटो जोत है। 80 फीसदी किसान मार्जिनल पोजैंटस हैं। वह 7 एकड़ से कम के जमींदार हैं दिल्ली के आस–पास के, चाहे वह सोनीपत जिले के हैं, पानीपत के हैं या किसी और जिले के हैं, किसान बरबाद हो रहे हैं। खास तौर पर गुडगावां और फरीदाबाद जिलों का तो इस मामने में बहुत ही बुरा हाल है। सभापति जो किसान होने के नाते मुझे पता है कि किसान को पैसे की कितनो जरूरत पड़के है। जब उसके पास और कोई चारा नही होता तो वह पेडू काटता शै, पेडू भो यदि खेत में न हों तो वह जमीन बेचने पर आ जाता है। परन्तु बेटो का भात जरुर भरता है। उस गरीब की मजबूरी का फायदा उठाकर दिल्ली के आसपास के लोगों ने छोटे किसान को उजाड दिया है। दिल्ली के जितने भी नम्बर दो के पैसे वाले आदमी हैं, सब ने अपने फार्म हाउस गुडगावा या सोहना वगैरह में खोले हुए हैं कि यह फलाने का फार्म हाउस है और यह फलाने का है। इन्कम टैक्स से बचने के लिये इन लोगों ने यह कह दिया कि यह फार्म हाउस है। सभापति जी, हरियाणा को बरबाद कर दिया गया खास तौर पर इन दिल्ली के आस पास के लोगों ने बरबाद करें दिया है। मुख्य मन्त्री जो से मैं गुजारिश करुंगा कि जितने भी

यहा पर फार्म हाउस बने हुए हैं, यह सब अन–प्रोडैक्टिव हैं। यहां पर किसी किस्म का कोई खेती का काम नहीं होता। कोई पैदावार नही होती। इससे केवल गरीब किसान को उजाड़ा गया है। भारत सरकार के इन्कम टैक्स को बचाने के लिये ये 10 करोड़ रुपये की ऐन्ट्री करते हैं कि यह उसके खेतों की पैदावार है। एक बड़े पूंजीपति का मैंने एक बार चिट्ठा देखा। मैंने उससे पूछा कि आपका फार्म हाउस कहां पर है, वह कहने लगा कि सुलतानपुर लेक पर मेरा फार्म हाउस है। उससे मुझे तीन करोड़ रुपये की आमदनी हुई। मैंने यह कहा कि हम तो सब तरह के हल चलाकर थक लिये, हमारा तो प्रा नही पड़ता आपको यह ती न करोड़ रुपये का फायदा कहां से और कैसे हो गया। हमने उन से यह पूछा कि कितने किल्ले का फार्म हाउस है, वह बोले कि 18 किल्ले का। सभापति जी, हमने उनसे यह कहा कि हम उसे देखना चाहेंगे। या तो वहां पर जिस तरह से खेतो होती है, उस संबंध में हमारा अनुभव गलत है या कोई और बात है। हमने बैल का हल चलाकर देख लिया,oंट का हल चला कर देख लिया, सब तरह से कर के देख लिया लेकिन पता नही आप लोग अफीम या कौन सी ऐसी जिन्स बोते हो जिससे इतना फायदा होता है। हमने वहां पर जाकर देखा वहां पर केवल 100 सफेदे के पेड थे। जमीन देखने पर हमें ऐसा लगा कि मानों 10 साल से कोई फसल बोई ही नही गयी हो। यह तो ढोंग मात्र था। सभ पति जी, यह सब अय्याशी के अड्डे हैं। इसलिये इन सब को समाप्त किया जाये। जो छोटे किसान की जमीन है, वह उसे वापिस दी जाये। यह जो प्राइवेट

कालोनाईजर्ज का धंधा है, यह सत्ता के आस–पास फटाफट पनप रहा है। नई–नई फर्म्ज एक रात में बन जाती हैं, एक टैलीफोन धर लेती हैं चार मुड्डे धर लेती हैं। इन्होंने गरीब आदमी का सत्यानाश करके रख दिया है। वह बेचारा जरुरत मे और मजबूरी में अपने चार किल्ले जमीन के बेच देता है। कोई धंधा वह कर नही सकता नौजवान लड़के मारुति ले आते है। फिर किसी न किसी ऐक्सीडैट मैं वह लड़का मारा जाता है, फिर वह किसान दिल्ली मे रिक्शा चलाता है। तो, सभा पति जी, दिल्ली के पड़ौस में होने का हमें यह बहुत बड़ा नुक्सान है। यह एक बहुत अहम बात है। इस तरह के जो फार्म हाउसिज बने हुए हैं, जिनमें गलत किस्म के काम होते है, इनका बन्द किया जाये। अब क्या किया गया है। आश्रमो को जमीन दे दीं है। हमने पूछा तो यह कहते हैं कि बाबा जी है, बहुत पीछे पड़ गए थे। कहने लगे कि भौडसी मे 20 एकड़ जमीन के लिये चौधरी भजन लाल की मेहरबानी हो गयी। वह जमीन चन्द्र शेखर जी को दे दी गयी। ऐसा करके इन्हेंने हमारी जान को आफत खड़ी कर दी। एक परम्परा बना ली कि दिल्ली में जो आ गया, वह यहां पर फार्म हाउस या जमीन लेना चाहेगा। यह बात ठीक है कि हमारे चौधरी भजन लाल जो का अतिथि का सम्मान करने में कोई मुकाबला नहीं है। मेरा कहना यह है कि चौधरी भजन लाल जो केन्द्र के किसी आदमी पर ऐसी मेहरबानी न करें तो ठीक है। अगर ऐसा होगा तो हरियाणा के गरीब किसान पर रहम रहेगा। सभापति जी, भाई आनन्द सिंह डांगी मेहम की पैदाईश हैं इस सदन में मैं उनका स्वागत करता

हू। इस आदमी ने संघर्ष किया। आज मेहम के लोगों के जहन में एक बहुत बड़ा सवाल है। सभापति जो, सत्ता आनी जानी चीज है। हरियाणा में एक सवाल ऐसा पैदा हो गया है कि सत्ता जिसके हाथ में रहे, जो जितना जाबर है, उसके सामने कानून नाम की कोई चीज नहीं है। कुछ सूबों मेंऔर कुछ जिलों में प्रजातन्त्र केइस युग में गरीब आदमी की मानसिकता यह बन गई है कि कुछ लोग ऐसे हैं जो कानून से०पर हैं। गरीब आदमी कानून का आदर करना छोड़ता जा रहा है। मेहम में जो कुछ हुआ, मैं किरी कयोकि की उस बारे में चर्चा नही करना चाहता। चाहे उसमें ए० बी० सी० डी० कोई भी अपराधी हो। सभापति महोदय, चौधरी अमीर सिंह की हत्या हरियाणा के प्रजातन्त्र पर एक दाग है। सभापति जी, सत्ता भोग नहों है, सत्ता जागीर नहीं सत्ता तो तप है। यह आम आदमी की दी हुई अमानत है। जो लोग इसको अपने व्यक्तिगत फायदे के लिये उपभोग करते हैं, वे लोग इतिहास में काले अक्षरों से लिखे जाते हैं। जो लोग इस सत्ता के औजार से गरीब के कल्याण का काम करते हैं, उनको पीढ़ियां याद करती हैं। सभापति जी, जब तक मेहम के अमीर सिंह के हत्यारों के गले तक फासी का फंदा नही पहुंचेगा और जब तक वैसी में हुए आठ लोगों के कत्ल के हत्यारों को कानून के कटघरे तक नहीं पहुंचाया जाएगा तब तक भाई आनन्द सिंह डांगी से मेहम के लोग सवाल करते रहेंगे। सभापति जी, जगदीश नेहरा ने इसकी चर्चा कर दी, अच्छी बात है रिकार्ड स्ट्रेट रहे। 1987 में जो सत्ता परिवर्तन हुआ था, उस आन्दोलन में हम साझीदार थे। हमने

मिलकर सत्ता बनाई थी.। जब मेहम में अत्याचार हुआ तो हमने सत्ता को ठोकर मारकर मेहम काड की जांच की बात कही थी और मैं अकेले ही नही बोला था। मेरी पार्टी के सर्वोच्च नेता श्री अटल बिहारी वाजपाई और श्री लाल कृष्ण अडवानी भी बोले थे। एक भोपाल से और दूसरे शिमला से बोले थे। सभापति जी, हमने गल्त बात को गल्त और सही बात को सही कहा है चाहे हम किसी भी हैसियत मे रहें हों। सभापति जी, चौधरी भजन लाल की सरकार जब से आई है, बिजली की समस्या पैदा हो गई है। पता नही कि यह संयोग की बात है या कुदरत की कोई नाराजगी है। वैसे तो चौधरी भजन लाल बड़े आस्तिक आदमी हैं ईश्वर भगत है और पूजा पाठ करने वाले हैं। मेरी इनसे प्रार्थना है कि ये लोगों कौ बिठाए और इसका पता लगाएं कि बारिश इस बार क्यों नहीं हुई? (व्यवधान)सभापति जी, मांगे राम गुप्ता कह रहे हैं कि कुछ देखदाख कर बताओ। सभापति जी, जब तक जजमान की श्रद्धा नहीं होगी, तब तक देखने की बात कैसे हो सकती है। तुम्हारी श्रद्धा कम हो रही है और हमारा आशीर्वाद कम हो रहा है। (हंसी)सभापति जी, सुबह भी बिजली के बारे में हमारा ध्यानाकर्षण प्रस्ताव था। चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला जी है इनका तीन फुट लम्बा नाग है और इनका बिजली के महकमे के बारे में बहुत लम्बा अनुभव है। इनके नाम के साथ भो बिजली जुड़ी हुई है। सूरज से उनका नाम प्रकाशित होता है। इनसे लोगों को बड़ी उम्मीद है। परन्तु आज सुबह जो स्टेटमैंट इन्होंने दी उसे पता नही ये पिछली योजना से ले आए या कही और से ले आए, लेकिन खैर वह बात

तो सुबह होगई। सभापति जी, हर चीज के बारे में किसी न किसी पर पत्थर फेंक कर अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हुआ जाता किस एक कवि ने कहा है –

रात का तू न निक कर,

रात तो गुजर गई।

तर सुबह तू यह बता,

कि रोशनी किधर गई।

सभापति जी, बिजली हरियाणा की प्रमुख चीज है, लाइफ लाइन है और साठ फीसदी हरियाणा का बजट बिजली पर खर्च होता है। क्या ही अच्छा होता अगर आज सुबह सुरजेवाला जी यह बताते कि मेरे पास इतना बड़ा महकमा आने के बाद मैंने इतने प्रोजेक्टस को खुद जाकर निरीक्षण किया है। मैंने इतना खराब कोयला प्रोजेक्ट में पाया। मैंने आने के बाद, इतने प्रोजैक्ट जो बन्द पड़े थे, अपने अनुभव से, उनको चलाया या अपने अनुभव से इस थर्मल प्लांट को चलाकर दिखा दिया। जब हम गांव मे जाते हैं तो सुरजेवाला जी की स्टेटमैंट को लेकर गांव के लोग हमारी जान को रोते है कि लड़की का ब्याह था, तू आया तेरे आते ही बिजली चली गई। सभापति जी, हम तो आम आदमी में से आए है। कई लोग तो यहा राज परिवार से हैं। हम तो गुलाम आदमियों मे से है। कई लोगो के रहने के ठिकाने तो शहरों में हैं। हम तो उस ढाणी में जाकर सुबह भी और शाम भी उन्हीं

गरीब लौगों से मिलते हैं। सभापति जी, बिजली की हालत बहुत खराब है। मैं मुख्य मन्त्री जी से गुजारिश करुंगा कि यहां पर आकड़ों के उतार चढ़ाव में तो सूरजेवाला काकोई मुकाबला नही परन्तु पता तो तब चलेगा जब जमीन पर लट्टू चसेगे। वे मेरे साथ चलें। मैं आस सेवाएं इस बात के लिये समर्पित करता हूं। चाहे वे महेन्द्रगढ चर्चे और चाहे अटेली में चलें। जब हम महेन्द्रगढ़ जाते हैं तो वहां पूछते है कि पानी क्यो नही आ रहा है। पता लगता है कि जब बिजली हो नहीं आती तो पानी कैसे स्टोर हो सकता है। जीरी का इलाका है उसमें पानी नही पहुंचता। (व्यवधान)हम जब वहां से आते है तो कई बार हमें लोगों के पूछने पर यह कहना पडता है कि भाई अब तो आख का ही पानो पो ना पड़ेगा क्योंकि इस सरकार के राज में न तो नहर का पानी आएगा न हो कुएं का अलि' आएगा। हरियाणा में इस तरह को प्रतिक्रिया जब आम आदमी की हो तो हम किस तरह से इन को सदन में सारो बाते मान लें। सभापति महोदय, यह सदन तो वातानुकुलित है यहां तो गर्मी हो नहीं लगती परन्तु यदु आम आदमी की प्रतिक्रिया से मेल नहीं खाता। इसलिये सरकार को वि न तो में सुधार करना चाहिये। सभापति महोदय, सुरजेवाला साहब को कोई नौजवान मिनिस्टर दे दिया जाए ताकि वह इनकी मदद कर सके। इनके तजूर्बे का फायदा उठा सके। इसलिये मैं सुरजेवाला साहब से यह प्रार्थना करूंगा कि वे समाजवाद के प्रचार के लिये थोड़ा कम ध्यान दें और बिजली के मामले में थोड़ा ज्यादा ध्यान दें। (हंसी)

सभापति महोदय, हरियाणा के अन्दर व देश के अन्दर एक ऐसा राजनैतिक दौर चला और राजनीतिक नेताओं ने यह समझ लिया कि देश को जनता पागल है। कोई ऐसा लुभावना नारा दे दो, चाहे लोग आपस में भिड कर लहू लोहान हो जाएं, परन्तु तुम्हारा वोट बैरक तैयार हो जाए। (हंसी)

आवाजे राम विलास जी, मन्दिर का क्या हुआ?

श्री राम बिलास शर्माः मन्दिर तो बन जाएगा। ले चलेंगे आपको मथुरा भी और माथा भी टिकवा लाएंगे। राम के नाम की महिमा भी क्या चीज है, इनको पतस है। चौधरी भजन लाल जी सुबह भी नाम लेते है और नाम को भी नाम लेते हैं और बीच में अगर जरूरत पड़ जाए तो अयोध्या में भी बोलेगें।

सभापति महोदय, मैं कहूंगा कि एक होड़ सी लग गई। मंडल कमीशन आया। इसका विरोध उस समय की सरकार ने किया और सरकार ने हो सरकार को फूक दिया। सभापति जी, आप मौजूद थे सदन में और हम भी थे। सोनीपत के अन्दर डी० सी० श्री आर० सी० यादव ने जब कहा कि मैं जिला का सबसे बड़ा आई०ए० एस० अफसर हू, मैं जिला की डेढ सौ वर्षों को आग न लगने दूंगा तो पुलिस कप्तान कान में कहने लगा कि रहने दो अपनी देश भी भक्ति को,०पर से इशारा है (शेम–शेम की आवाजें।)चेयरमैन साहब ये कहते थे कि चाहे हमें दिल्ली को कुर्सी से हम दो, चाहे हरियाणा जल कर राख हो जाए परन्तु धुआ

दिल्ली तक पहुंचना चाहिये। सभापति जी, बाड़ ही खेत को खा गयी। बाड से लोंगों का विश्वास उठ गया। सभापति जो, बाड तो एक निर्झर चीज होतो है जिस पर किसान को ऐक श्रद्धा होती है कि मैंने यह बाड़ लगा दी, अब खेत में कोई आवारा पशु घुस ने सकेगा। किसान को यह विश्वास होता है कि बाड़ मेरो खून पसीने से तैयार की गयो फसल कीं रक्षा करेंगी। चौकीदार ने खुद खड़े होकर देरी लुटवाई और इसकी सहा किसी और को मिनी। इन सब बातों को यह जनता जनार्दन जानती है। श्री आर० सी० यादव के सामने आग लग गयी और पुलिस कप्तान उस आग को बुझाने के लिये न आए। गुनाह कोई करे और सजा कोई और भुगते। सभापति जी, मंडल कमीशन का तो, जनता ने, सब ने विरोध किया लेकिन सरकार ने गुरनाम सिंह कमीशन बना दिया। कहने लगे कि इससे वोट बैक बढ़ेगा। आगे भाषण देने शुरू कर दिये कि तुम को क्या बेरा कि राज्य कूकर चाले। 200 आई० ए० एस० अफसर हैं। 200 आई० पी० एस० अफसर हैं और उनमें से 70 ब्राह्मण हैं, 70 बनिया हैं व 70 पंजाबी हैं। लोग बोले कि ये तो 210 हो गए। तो कहने लगे कि संख्वा का कोई फर्क नहीं पड़ता। (हंसी)गुरनाम सिंह कमीशन तो बनेगा और छोरा अपना डी० सी० होगा। छोरे ने पढ़ना छोड़ दिया। घर–घर में झगड़े शुरू हो गये। उस समय हमारे एक मन्त्री श्री नरसिंह ढांडा थे। उनके घर पर मैं गया। उसकी चूकि बड़ी मुश्किल से 48 साल की उम्र में शादी हम करवा के लाए थे इसलिए वह बेचारा बड़ी श्रद्धा से मुझे बुलाता था। मैं गया तो सभापति जी, नर सिंह ढांडा अपने पैंडे की तरफ

पानी लेने गया। चौधरन बोली देख सियाना तू मारे पैंडे को हाथ न ला दीयो आज से तू हो गया सै बैकवर्डा में। (हंसी)तो लोगों ने अपने आपको खुद ही फारवर्ड कर लिया और खुद ही बैकवर्ड कर लिया। सभापति जी, किसी को बैकवर्ड करें या न करें लेकिन कोई आधार होना चाहिए। सरकार ने गुरनाम सिंह कमीशन के बारे में अपने अभिभाषण में चर्चा की है, इन्होंने लोगों से चुनावी वायदा धो किया था कि इसको हम निरस्त करेंगे। मैं चाइना हूं कि हम गुरनाम सिंह कमीशन को बिल्कुल समाप्त किया जाए। यह वैज्ञानिक ही नहीं, किसी भी स्टडी के०पर आधारित नहों है। यह कोरे राजनीतिक नारे के सिवाए और कुछ नहीं है। तो इससे बडी बदअमनी फैली है। जैसे चौधरी बीरेन्द्र सिंह और चौधरी भजन लाल ने चुनावों के सम ह अपने भाषणों मैं कहा था कि इसको हम समाप्त करेंगे। तो लोग बाट देख रहे हैं कि कब समाप्त होगा। सभापति जो, सत्ता में नशा होता है और यह नशा हो सत्ता को ले डूबता पै जब कोई भी सरकार अपने वचन से खुद फिरती है। आज जैसे सुबह चर्चा हुई, हो सकता है चौधरी भजन लाल की जानकारी में न हो कि हिसार में ट्रक यूनियन नैं गुडागर्दी मचाई। जिन्दल ईंडस्ट्री में जा कर कहा कि भरे हुए ट्रकों को खाली करो। सभापति जी, उसके बाद लोग अदालत से स्टे ले आए। उस स्टे की कोई कीमत नही है। न्यायालय की अवमानना कर दी। तो मे चौधरी भजन लाल जी से गुजारिश करूंगा कि वे इस मामले को खास तौर से देखें। वह इनका अपना जिला है और अगर वहां से कोई बात शुरू होतो है तो वह परम्परा सारे

हरियाणा में जाएगी। इसी तरह से हमारे नारनौल में एक पृथ्वी सिंह पत्रकार है। वह बेचारा सही लिखतीं रहा और किसी को उसकी बात साज नही आई तो उसकी पत्नी को उठा कर पीट दिया। सभापति जी, प्रौढ़ शिक्षा के गरीब लोग पिछले साल भर से लड़ाई लड रहे हैं। सैकडों बहिनें व बेटीया 9–10 महीने तक जेल में रह चुकी हैं।

17.00 बजे

वे बरसात मे यहां टैट लगाए बैठे रहे और आश्वासन मिलते रहे। सुप्रीम कोर्ट ने भी उनकी बात को माना है कि 250/– रुपए में तो कस्सी से काम करने वाला आदमी भी नही मिलता। वे प्रौढ़ शिक्षा के गरीब भाई–बहिन 250/– रुपए महीना वेतन लेकर साक्षरता अभियान में जुटे हुए थे। यह योजना ऐसी है, जिसमें केन्द्रीय सरकार भी अपना हिस्सा डालती है। तो उन लोगो का दर्द देखना चाहिए। वे शायद मुख्य मन्त्री जी से मिले भी हैं और उनको इन्होंने आश्वासन भी दिया है। प्रौढ़ शिक्षा में जिन लोगो को 1 5– 15 साल लर्गे हुए हो गए हैं, उनकी उम्र बड़ी हो गई है, अब वे किसी स्थाई नौकरी में नहीं जा सकते। उनका जीवन बिल्कुल बेकार हो गया है। उन लोगों को चाहे तो उस योजना के तहत खपाओ या कोई और कोर्स करवाओ। हमारे जो अध्यापक होते हैंद्र वे भी स्कूल में वर्णमाला सिखाते हैं। ये जो 250/– रुपए लेते हैं, ये भी वर्णमाला सिखाते है। कई बार ये बढ़िया अक्षर सिखाते हैं और वे कम सिखाते है क्योकि उनको तो

घमंड होत है कि हम स्थाई हैं और ये डर कर सिखाते हैं। मैं चाहता हूं कि इनको कोई 9– 10 महीने या साल भर का जे० बी० टी० वगैरह का कंडैस्ड कोर्स करवा दें। इनकी संख्या बहुत कम है, ये लगभग 7–8 सौ लोग है या जितने भी है इनको खपाया जाए।

सभापति जी, बिजली के मामले में, जो इलाके टेल पर हैं, उनकी बहुत बुरी दशा है। सुरजेवाला साहब कहेंगे कि मेरे पीछे ही पड़ गए, ऐसी बात नही है लेकिन क्योंकि यह अहम मुद्दा है इसलिए मैं सुझाव देता हूं। टाटा और बिड़ला की जो कम्पनी है, वहां बिजली जैनरेट करती है तथा बम्बई में जो बिजली जैनरेट होती है वह प्राइवेट लिमिटिड कम्पनी करती है। बम्बई मे बहुत ज्यादा बिजली की खप्त होती है। पिछले 25 सालों से लोगों का कहना बै कि बम्बई में कभी, 10 सैकिण्ड से ज्यादा बिजली नही गई। सभापति जी, आध प्रदेश में 93 परसैट आफ दि जनरेशन कैपेसिटी बिजली जैनरेट होती है। उनके प्लांट की जो कैपेसिटी है, उसका वह 93 परसैट यूटिलाईज करते हैं। बम्बई में जो बिजली जैनरेट होती है, उसमें टोटल कैपेसिटी का वह 96 परसेंट तक यूटिलाईज करते हैं। हमारे हरियाणा प्रान्त में चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी को क्रेडिट मिला था। कुछ बारिश की कृपा हो गई और कुछ इन्होंने मेहनत की, जिसकी वजह से लोगों को बिजली' मिल पाई। उसके बाद 47 परसैंट कैपेसिटी से ज्यादा हमारा कोई थर्मल प्लांट नही चला यानी 53% of the toal capacity remained un-utiliesed. इससे एक तो आधे से ज्यादा रकम बेकार हो गई और

दूसरे बिजली के लिए लोगों में हाहाकार है। सुरजेवाला साहब से मेरा निवेदन है कि वे ऐक्सपर्टस की कोई न कोई कमेटी बनाएं और खुद बम्बई जा करके देखें कि वह किस प्रकार से बिजली जैनरेट कर रहे हैं। आज ऐसा क्या है कि आध प्रदेश के लोग 93 परसैंट आफ दि जनरेशन कैपेसिटी बिजली जैनरेट कर सकते हैं और हरियाणा 47 परसैट कर सकता है। हथीन में एक थर्मल प्लांट शुरू हुआ था, उससे हमको सरप्लस बिजली मिलनी थी। जो टेल पर इलाके हैं उनके लिए. सौर०र्जा की एक चर्चा चली थी, उसके लिए केन्द्रीय सरकार ने पैसा देने की बात कही थी।

श्री सभापतिः शर्मा जी, काफी टाईम हो गया अब आप वाइंड–अप करें।

श्री राम विलास शर्माः सभापति जी, मैं कनकल्यूड कर रहा हू। मैंने तो स्टेट के इन्ट्रैस्ट में बात कहनी है। इन्हेंने तो स्टेट के इन्टैरस्ट में गीत गाने हैं। हम तो खोज–खोज कर बात बता रहे हैं। यदि इनके कुछ पल्ले पड़ जाए तो हम इनको बडे मतलब की बात कह रहे हैं। सभापति जी, अभी तो मेरा तवा गर्म हुआ है। आप मुझे टोक रहे हैं। तो मैं सबमिट कर रहा था कि इन्होंने सौर०र्जा के लिये कुछ इलाके छांटे थे। जहां पत्थरीली जमीन है, जहां पहाड़ी नजदीक लगती है, ऐसे इलाके छांटे थे। ऐसे इलाकों में महेन्द्रगढ़ के पास एक खुडाणा गांव छांटा था मौर एक पाली गांव छांटा था। पाक। गांव दो कामों के लिए छांटा था। एक तो वहां पर सैनिक स्कूल बनाने के लिए और दूसरे

सौर०र्जा के लिए छाटा था। मैं सरकार से निवेदन करूंगा कि उन कामों को चालू किया जाए। सभापति जी, हमारा इलाका टेल का इलाका है। हम टेल पर रहते हैं। वहां पर बिजली पहुंचते पहुंचते मोटर सड़ जाती है। मैं मुख्य मन्त्री जी से और सुरजेवाला जो से कहूंगा कि उन टेल वाले इलाकों के लिए आप कोई अलग से बिजली की व्यवस्या करें क्योंकि जब कभी नहर में पानी जाता है तो वह भीं बिजली से चलता है। वहा पर लिफ्ट इरोगेन स्कीम है। लौहारू तहसील, बाढड़ा तहसील और महेन्द्रगढ़ पूरा जिला है, जहां पर बिजली की बहुत ज्यादा जरूरत है। वह इलाके टेल पर होने के कारण वहा पावर स्टेसन केम हैं। इसलिए उन इलाकों की तरफ विशेष ध्यान दें। सभापति जो, मैं आपके माध्यम से मुख्य की जी को बताना चाहूंगा कि उन इलाकों में जल स्तर बहुत नीचे चला गया है। एक बार 1978 में जमुना और भाखड़ा नहर का पानी सरप्लस हो गया था और वह पानी उन इलाकों के लिए छोड़ा गया था। उस समय जीरी के इलाके के लोगों ने पानी लेने से इन्कार कर दिया था। इसलिए वह सरप्लस पानी उड़ इलाकों की नदियों के बैड में छोड़ा गया था, जिससे वहां पर वाटर लैवल०पर आ गया था। सभापति जो, आपके माध्यम से मुख्य मती जी से मेरा निवेदन है कि जब उधर' पानी सरप्लस हो जाए तो उस पानी को आप दोहान नदी और कृष्णावती नदी में छोड़ दें। दोहान नदी में तीन चार प्वायंट ऐसे है जो इन नहरों से बिल्कुल जुड़े हुए हैं। यदि जमुना नदी का सरप्लस पानी उस दोनों नदियों में छोड़ने तो उस इलाके के किसानों को बहुत फायदा होगा।

और उस इलाके का जलस्तर भी कुछ०पर आएगा। इन शब्दों के साथ और इन सुझावों के साथ और इस उम्मीद के साथ कि यह सरकार मेरे सुझावों पर पोजिटिवली विचार करेगी, अपना स्थान लेता हूं। धन्यवाद।

श्री अमीर चन्द मक्कड (हांसी): चेयरमैन साहब, आपका बहुत बहुत धन्यवाद आपने हमारी तरफ भी ध्यान दिया है।

एक आवाजः क्या अब सम्पत सिंह जी ने नही योजना है?

श्री सभापतिः मैंने तो इनको कई बार कहा ई, लेकिन ये बोल ही नही रहे हैं।

श्री सम्पत सिंहः चेयरमैन साहब, मैंने आपको वाकायदा तरतीब वाईज अपने पार्टी के मैम्बर्ज के नाम बोलने के लिए दिए हुए हैं। मैंने आपको लिख कर भी दिया हुआ है क्योंकि मैं सुबह से बोलने की कोशिश कर रहा था लेकिन मुझे बुलाया नही गया। हमारी तरफ से चौधरी धीरपाल सिंह जी बोल लिए थे। उसके बाद तरतीबवाईज नाम, मैंने आपको दिए हुए हैं। अगर आप लोगों की नजर हमारी तरफ न लगे, तो दूसरी बात है। लेकिन न मालूम क्या कारण है, आप हमें क्यों नहीं बुलाना चाहते?

श्री सभापतिः मैं तो आपको इसलिए बोलने के लिए कह रहा था कि आप बार–बार बोलने के लिए खड़े हो रहे थे।

श्री सम्पत सिंहः हमने तो बाकायदा तरतीब वाईज बोलने के लिए नाम दिए हुए हैं।

श्री सभापतिः मक्कड साहब, आप कन्टीन्यू करें।

श्री अमीर चन्द मक्कड़ः सभापति जी, गवर्नर महोदय ने जो अपना ऐड्रेस इस हाउस में पड़ा है उसमें वर्तमान सरकार के कामों का जो वर्णन किया. है उसके साथ ही साथ पिछली सरकार की जो कमियां है और उनके जो काले कारनामें है उनका भी जिक्र किया गया है। इसमें सबसे पहले इलैक्शन की बात आई है। हमारे यहां इलैक्शन शान्तिपूर्वक हुए हैं और जहां गवर्नर महोदय का और दूसरे औफिसर्ज का धन्यवाद किया है मैं वहां पर हरियाणा की जनता का भी धन्यवाद करता हूं कि यहां की जनता ने एक मास्टर का काम कर दिया है। जनता एक शीशा है। जो आदमी जैसा करता है, उसके सामने वह शीशा रख देती है। यह इलैक्शन हरियाणा की जनता ने जिस बहादुरी और जिस इन्साफ के साथ लड़ा है, उसके लिए वह वाकई बधाई की पात है। हमारी पार्टियों के नेताओं ने जैसा काम किया, वैसा ही नम्बर यहां की जनता ने उनको दिया है। इसलिए हमारी जनता बधाई की पाल है। मेरे से पहले बोलने वाले मेरे साथियों ने पिछली सरकार के कामों का भी वर्णन किया है। इन्होंने कानून के राज को और जमूहरियत को रौंदा है। जिसने जैसा कार्य किया, उसी प्रकार के नम्बर जनता ने दे दिए। इनका वह नेता जो मिनिस्टर को कान पकड़ कर स्टेज पर खड़ा कर देता था और कहता था कि बताओ,

कभी तुमने सरपंच का इलैक्शन भी जीता है लेकिन मैंने तेरे को मिनिस्टर बना दिया है। अब उस नेता का दोनों ही हाउसों में जनता ने रही नम्बर ही नही आने दिया। यहां की जन्ता ने उसके पेपरों पर जीरो नम्बर दे दिया है। उसको ऐसे नम्बर दिए हैं जिनको वह हमेशा याद रखेगा और आने वाले नेताओं को भी इससे सबक मिलेगा। एक नेता इस तरफ चौधरी भजन लाल जी भी बैठे हैं जिनको जनता ने फर्स्ट डिवीजन से भी ज्यादा नम्बर दे दिए। यह जनता का काम है। यहां हम किसी की बुराई करें या किसी की भलाई करें, वह अलग बात है। लेकिन हरियाणा की जनता का जो इन्साफ पंसद जनता है और जो शान्तिप्रिय जनता है, उसका धन्यावाद करना जरूरी है। चेयरमैन साहब, इसमें जम्हूरिंयत की बात भी आई है इनके समय में जम्हूरियत का कल्ल हुआ है। इस बारे में मैं अपने हांसी की बात कहना चाहूंगा। हांसी नगरपालिका का चुनाव हरियाणा की अन्य नगरपालिका के चुनाव के साथ साथ अगस्त में हुआ था। हांसी एक ऐसी कमेटी थी जहां कांग्रेस का बहुमत आया। वहा पूर 21 सीटों में से 13 सीटें कांग्रेस की आई थी। वह इनकी सरकार के कर्णधारों को बर्दाश्त नहीं हो सका। जो हमारे मैम्बरान ने प्रधान चुना और जिसने सवेरे प्रधान का पद सम्भालना था, उसका रात को उसके कारखाने में जाकर बड़ी बेहरमी से कत्ल कर दिया गया। वह हमारा 28 साल का नौजवान कृष्ण खण्डे वाला था। इस कत्ल की चर्चा हरियाणा में ही नही, सारे देश में चली थी और जिसकी चारों तरफ निंदा हुई थी उस वक्त के कर्णधारों की सारी जनता ने बहुत बुरी तरह

से उनके इस काम की निंदा की थी। उस कृष्ण खण्डेवाला का रात को उसके कारखाने में कत्ल करवा दिया गया ताकि वह सवेरे प्रधान की कुर्सी न सम्भाल सके। इससे ज्यादा निन्दनीय घटना और क्या हो सकती है। जम्हूरियत में इससे ज्यादा जम्हूरियत का कत्ल और क्या हो सकता है कि चुने हुए नुमायन्दे को भी वे लोग बर्दाश्त नहीं कर सके। चेयरमैन महोदय, एक एक बात को अगर हम खोले तो बहुत खुलासा हो जाएगा। इस बीच में इस किस्म की व्यवस्था रही कि हर इलैक्शन में जबरदस्ती हुई। मेहम कांड के बारे में भी आनन्द सिंह डांगी जी बता रहे थे। वे वहा से चुने हुए नुमाइन्दे हैं। जब वे पहले वहां से चुनाव लडरहे थे तो सिर्फ इलैक्शन को कैसल करवाने के लिए एक आजाद उम्मीदवार का जो वहां से चुनाव लड़ रहा था, कत्ल करवा दिया गया। ये सारी बातें मेरे साथियों ने बताई हैं। चेयरमैन साहब, कोई 30 हजारी कोई 50 हजारों कोई लाख धारी कोई कई–कई लाख धारी, इस किस्म की बातों की चर्च उन दिनों में आम चलती रही हैं और ऐसी बातें हुई भी हैं। लोगों के साथ इतना बड़ा अन्याय हुआ कि नौकरी के लिए रुपये दे दिए लेकिन नौकरी नहीं मिली। नौकरी तो खैर नही मिली न सही लेकिन रुपये भी वापिस नहीं मिले और जिसने रूपये वापिस मांगे उसको थाने में पिटवाया गया और रु पये वापिस नही दिये गये। चेयरमैन साहब, मैं आपके माध्यम से सरकार से यह प्रार्थना करूंगा कि सरकार एक ऐसा कमीश्न बिठाए जो पिछले यू सालों में हरियाणा को पोलिटिक्स में और कायदे कानून में आई गिरावट के बारेमें जांच करेरू। मैं समझता हूं कि

हरियाणा में पोलिटिक्स में और कायदे कानून में इतनी गिरावट पहले कभी नहीं आई। हर वह आदमी जो थोडा सरकार के साथ लगता था, रिश्तेदार था हर आदमी ने दुकान बना रखी थी। पैसा लाओ, नौकरी मिलेगी, पैसा लाओ, तबादला होगा। सरकार एक ऐसा कमीशन बना दे, जो इन सारी बातों की इन्कवायरी की और जिन लोगों ने जनता को लूटा है। अब तक उन लोगों के रुपये वापिस नही किए है, उनके खिलाफ केस दजं हों और उन लोगों को कटघरे मैं, खड़ा करे ताकि आने वाला कोई भी पोलिटीशियन, कोई भी अफसर, कोई भी नुमाइन्दा और कोई भी किसी का रिश्तेदार इस किस्म के काम न कर सके और पोलिटिक्स में यह गन्दगी न आए। चेयरमैन साहब, मैं आपके माध्यम से सरकार मे यह प्रार्थना करूंगा कि कमीशन बिठा कर यह इन्कवायरी जरूर करवाएं ताकि सारी चीजें साफ हो जाएं कि कौन सच्चा है और कौन झूठा है। चेयर– मैन साहब, अभी डिवैल्पमैंट की बात भी चल रही थी। हरियाणा में पिछले 4 साल के– अन्दर जहां भी पिछली कांग्रेस ने काम छोड़े थे, वे वही के वही रहे हैं। मैं भी उस वक्त कांग्रेस पार्टी का एम० एल० ए० था और मैं अपने हल्के की बात वक्ता हूं। हमारे जाने के बाद इनकी सरकार ने कुछ नही किया। सम्पत सिंह जी फिर खडे हो रहे हैं।

श्री सम्पत सिंहः चेयरमैन साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है।

श्री सभापतिः उनको बोलने दीजिए। उन्होंने ऐसी कोई बात नहीं कही।

श्री जगदीश नेहराः चेयरमैन साहब, मेरा भी एक प्यायंट औफ आर्डर है। मैं यह कहना चाहता हूं कि ये हर टाईम प्यांयट औफ आर्डर करते हैं और प्वायंट आफ आर्डर के नाम पर गलत बात की जाती है। इसलिये इनके प्वायंट आफ आर्डर को रोका जाए। ये प्वायंट आफ आर्डर के नाम पर हर टाईम डिस्टरबैंस करते हैं। Sir, there is no point of order. It is a disorder.

श्री सम्पत सिंहः चेयरमैन साहब, अभी ये फरमा रहे ये कि ये कांग्रेस पार्टी के, एम०एल०ए० थे लेकिन ये बताएं कि 1982 में ये कौन सी पार्टी से चुरा कर आए थे? ये बाद में सौदा करके दूसरी पार्टी में चले गएँ थे। (विघ्न)

श्री सभापतिः यह कोई प्वायंट आफ आर्डर नहीं है।

श्री अमीर चन्द मक्कडः चेयरमैन' साहब, अभी मैं कह रहा था कि एक कमीशन बनाया जाये जो इनकी सरकार बनते ही जो घोटाले हुए और कितना रुपया किसने नाजायज तौर से बनाया, उसकी पूरी इन्क्रवायरी करे।

चेयरमैन महोदय, मैंने हाल हे। में हांसी, तोशाम रोड का दौरा किया था। यह एक बहुत ही अहम रोड है। लेकिन उसके रिपेयर के लिये आज तक कभी कुछ नहीं किया गया है। उस रोड पर तोशाम शहर भी लगता है। और बातें तो छोड़िए, उसके०पर

एक पुल बनना है जो पेटवाड़ डिस्ट्रिब्यूटरी पर है। नहर की डिस्ट्रिब्यूटरी पर पुल बनाने के लिये आज अढ़ाई साल हो गये हैं लेकिन किसी भी सरकार ने इस ओर कोई ध्यान नही दिया है। किसान की आज तक सरकारें' दुहाई देती रही है। लेकिन किसान को आज भी उस पुल के न बनने की वजह से 3 किलोमीटर का लम्बा चक्कर डालकर गांवों मेर जाना पडता है। वहां पुर जो पुल होता था, उसको तोड तो दिया गया लेकिन आज तक उसको दुबारा से बनाने की बात नहीं की गयी ताकि किसान अपने घरों में आराम से पहुंच सके। मेरी आपसे इस बारे में एक प्रार्थना है कि हांसी तोशाम रोड पर इस' पेटवाड़ डिस्ट्रिब्यूटरी पर पुल जल्दी से जल्दी बनाया जाये ताकि किसानों को जो तकलीफ होती है, वह दूर हो सके। पिछली सरकार ने इतनी मेजोरिटी के होते हुए भी पब्लिक की भलाई के कोई काम नहीं किये जिसकी वजह से लोगों ने उनको घरों में बिठा दिया। उन्होंने लोगों से झूठे वायदे किये कि हम यह काम करेगे लेकिन किया कुछ भी नहीं। इसलिये मेरी एक प्रार्थना है कि इस ओर जल्दी से जल्दी ध्यान देकर, इसको बनाया जाये। इसके साथ ही साथ यहां पर पीने के पानी की बात भी आयी है। पिछले तीन साल से पीने के पानी की व्यवस्था इतनी बिगड़ी हुई है कि गावों में जो वाटर–वर्क्स लगे हुए हैं, और जो गांव टेल पर हैं, उनमें आज तक पानी नहीं पहुंचा है। इन्होंने अपने 'आदमियों को खुश क्यने के लिये चार साल से टेल वाले गावों के अन्दर पानी नहीं पहुंचने दिया। न ही वहां पर पानी की डिग्गी हैऔर न ही खेत में पानी जाता है। (इस

समम श्री अध्यक्ष पदासीन हुए)मैं कई गांवों, जो ऐसे हैं, फै नाम बताना चाहता हूं। जैसे शिंगवा मदनहेड़ी, सिसर खरबला, सोरखी और हजमपुर मेंहदा ऐसे गांव है, जहां पर तीन–साल से तीन तीन फुट गहरे खड्डे खोदे गये हैं लेकिन उनमें आज तक भी कभी पानी नहीं दिया गया है। सिसर खरबला और सोरखी और कई ऐसी गांवों की ढाणिया हैं जहां पर लोग पीने के पानी का कई सालों से इंतजार कर रहे हैं। मैं आपकी मार्फत सरकार से यह प्रार्थना करना चाहता हूं कि सबसे पहला काम, जो होना चाहिये, जैसे हमारे कई साथी विधायकों ने कहा भी है, लोगों को पीने का स्वच्छ पानी मिलना चाहिये। हरियाणा सरकार का यह फर्ज है कि जिन गांवो में पीने के पानी की किल्लत है, उन गांवों में पीने का पानी दिया जाये। हांसी शहर में भी कई हरिजन मोहल्लो में पीने का पानी नही पहुंचता। उसमँ सुधार किया जाये। यह मेरी आपके जरिये इस सरकार से प्रार्थना है। यहां पर हाउस के अन्दर नाजायज कन्नों की बात भी कही गयी है। उस समय तो ऐसे था जैसे जंगल का राज था। कोई किसी की सुनने वाला नहीं था। चार आदमी आये, हांसी के अन्दर काफी शामलात जमीन पड़ी थी, उस पर रातों– रात कोठे बना दिये गये, ताले लगा लिये गये और उन पर कन्ना कर लिया गया। पुलिस में कोई भी बात सुनने वाला नही था। कोई सरकार में इस बारे में बात सुनने के लिये तैयार नहीं था। डी० सी० सुनने वाला नहीं था। वह कोठे आज तक भी यू के यूं बने हुए हैं। वहां पर रूल के साथ–साथ एक मन्दिर है। वहां पर जितनी भी जमीन पड़ी थी, वह इनके रिश्तेदारों ने हथिया

ली। जो शामलात की जमीन पडती थी, उसके०पर रातों–रात ईमारत खड़ी कर दी गयी। मेरी आपसे यह प्रार्थना है कि अभी यहां पर उद्योगों की बात चल रही थी, हमारे यहां पर गांवों में कोई उद्योग नहीं हैं। कोई भी स्टेट तथ तक तरक्की नहीं कर सकती, जब तक वहां पर गांवों में उद्योग नहीं होंगे। पिछली सरकार ने उद्योगों को कितना उजाड़ा, कितना उद्योगपतियों को लूटा, उनसे कितने नाजायज चन्दे वसूल किये, यह देखने वाली बात है। फरीदाबाद के एक सेठ को बुलाकर उससे काफी बड़ा चन्दा मीना गया। हम जब वहां पर जाते थे, तो फरीदाबाद के एक सेठ ने हमें बताया कि उससे किस तरह से काफी बड़ी रकम मांगी गयी। उस उद्योगपति से एक करोड़ रूपया मांगा गया। उस उद्योगपति ने यह कहा कि मैं तो इतना पैसा नहीं दे सकता। फिर उसको डी० सी० की मार्फत बुलाकर धमकाया गया कि एक करोड़ रुपया लाओ। मालिक ने मैनेजर को बुलाया और उससे पूछा कि इस इंडस्ट्री को उखाड़ने में कितना खर्च आएगा तो उसने बताया कि उखाड़ने में चालीस लाख खर्च आएगा। मालिका ने सोचा कि उखाड़ने से साठ लाख तो बचता है इसलिए वह उद्यौगपति अपनी इंडस्ट्री को उखाड़कर यू० पी० में ले गया। यह थी हरियाणा की उन्नति जो पिछली सरकार के समय में हुई। इस तरह के काम इन्होंने किये हैं। स्पीकर साहब, ये कहते हैं कि हमारे समय में इतना अनाज पैदा हुआ। मैं कहता हूर कि अनाज तो किसान पैदा करता है। में इन अपोजीशन के भाइयों से पूछना चाहता हूं कि आप यह बताएं कि आपने उद्योग कितने बढाए और उद्योग कितने

उजाड़े? जो चीज हरियाणा की तरक्की की है, वह तो इस सरकार ने उजाड़ दी। स्पीकर साहब, यहां से इंडस्ट्री बाहर जाने से, हमारे यहां बहुत मजदूर' बेकार हो गए। पांच साल के लिए जनता ने इनको 85 एम० एल० एज० दिये थे, लेकिन अपने कारनामों मे ये टिक नहीं पाए और जनता ने इनको चार साल में ही उखाड दिया। स्पीकर साहब, जब भी किसी लूट के माल पर कोई झगडा होता है तो माल लूटकर लाने वालों को मारकर भगा दिया जाता है। इन्होने भी यही क्रिया। लूट के माल के झगड़े की वजह से पांच साल की बजाए, चार साल में अपना बोरिया बिस्तर लेकर भाग गए। जनता ने इनको दिखा दिया कि जुल्म करने वाली सरकार ज्यादा दिन नहीं टिक सकती।

स्पीकर साहब, मैं सरकार से प्रार्थना करना चाहता है कि जितने भी उद्योगपति यहां से उद्योग उठा कर बाहर चले गए हैं, उनको हरियाणा में वापिस लाया जाए और उन उद्योगपतियों को उद्योग लगाने के लिए प्रोत्साहन दिया जाए जिससे कि उनको फायदा हो। उद्योग हमारे यहां आने से हमारे नौजवानों को रोजगार मिलेगा। स्पीकर साहब, सरकार इतने उद्योग नहीं लगा सकती कि हरेक नौजवान को रोजगार दे सके। गैस की एजेन्सी देकर या और कोई एजेन्सी देकर कितने लड़कों को रोजगार दिया जा सकता है। बहुत थोड़े ही नौजवान इनसे कवर हो सकते है। ऐजन्सी देकर तो कोई ज्यादा समस्या हल नहीं हो सकती। जितने ज्यादा उद्योग लगेगे, उतने ही अधिक नौजवानों को रोजगार

मिलेगा। मेरा कहना तो यही है कि जो उद्योगपति यहां से गए हैं, उनको सरकार वापिस लाए।

अध्यक्ष महोदय, अभी पैन्शन की बात चल रही थी। नेहरा साहब ने बताया कि पैन्शन का कितना दुरुपयोग किया गया और कितनी बेरहमी मे हरियाणा की जनता का पैसा लुटाया गया जिस आदमी. के पास करोडों की सम्पत्ति 'हो, जो आदमी दो बार एम० एल० ए० बन चुका हो, उसका भी पैन्शन दे।. गई। अध्यक्ष महोदय, चौटाला के सम्बन्धियों को और उनसे पिता कौ पैन्शन दो. गई, क्या यह मुनासिब बात था.। नेहरा साहब ने मनीआर्डर का नम्बर वगैरह सब कुछ दिया, तब इन्होंने माना कि वाकई उनको पैन्शन दी गई। इसी तरह से सैकड़ों हो नही बल्कि हजारों लोग ऐसे हैं, जिनके घरो में गजेटिड अफसर हैं, उन घरों में आई० पी० एस० और आई० ए० एस० अफसर हैं, उन लोगों को भी सौ रुपया महीना पैन्शन दी गई। स्पीकर साहब, पैन्शन लेने वाला क्यों मना करेगा? हमारे देश की जनता तो ऐसी है, जो यह सोचती है कि फो का पैसा ले लो, लेकिन देने वाले को तो सोचना चाहिये कि वह हकदार है या नहीं। स्पीकर साहब, कितने ही हरिजन हैं, कितने ही गरीब लोग हैं और किनूनी ही विधवाएं हैं, जिनको एक पैसा भी नहीं दिया. गया। इन्होंने पैन्शन देने का एक ही पैमाना रखा था कि वह इनका स्पोर्टर है या नहीं, वह इनका रिश्तेदार है या नही या इनका नजदीकी व्यक्ति शै या नहीं। जो भी इनका स्पोर्टर था, रिश्तेदार था या नजदीकी था, उसी को

इन्होंने पैन्शन बांध दी। लेकिन दूसरे लोग जो गरीब थे, हरिजन थे, उनको पैशंन नही दी। हम सरकार के नोटिस में लाएंगे कि कितने लोगों को पैन्शन नहीं मिली है। मैं आज की सरकार से प्रार्थना करूंगा कि जितने नाजायज लोगों ने पैन्शन ली है, उन सभी की इंक्वायरी कराकर पैन्शन वापिस ली जाएं और जायज लोगों को पैन्शन दी जाए। इस सरकार ने साठ साल की उमर के लोगों को पैन्शन देने का फैसला किया है, यह बहुत अच्छी बात है। स्पीकर साहब, मैं सरकार से कहना चाहता हूं कि वेदा, चाहे वह चालीस साल की है, और उसके घर में कोई कमाने वाला नहीं है, उसको पैन्शन अवश्य दी जाए। स्पीकर साहब, इनके समय में तो ऐसे भो केसिज है कि बाप की उमर चालीस साल और बेटे की उमर पैसठ साल। पैन्शन लेंने के लिये बेटे की उमर बाप से ज्यादा लिखी गई। (विघ्न) मैं इस सरकार से यह कहना चाहता हूं कि पिछली सरकार ने जनता के पैरो को बुरी तरह से लुटाया है और यही कारण था कि हरियाणा की डिवैल्पमैन्ट बिछल खत्म हो गई है। इसके साथ माय मैं सरकार से यह भी कहूंगा कि मेरे हल्के के तीन चार गांवों के किसानों की यह मांग थी। कि उन गांवों की टेल तक पानी नहीं पहुंचता है। पानी की बहुत किल्लत है। रजवाहे को मांग थी सुल्तानपुर माईनर की मांग थी। मेरे आदरणीय साथी श्री वीरेन्द्र सिंह जी बैठे हैं। वहां पर मेरे समय में यह स्कीम मन्जूर भी हो चुकी थी। काम भी शुरू करवा दिया गया पा। उस के लिये पैसा भी अलौट हो चुका था लेकिन हमारे जाते हो यह काम बन्द हो गया। लोगों ने उनके पास दोहाई दी कि

यह काम पूरा करवा दिया जाए। जिन लोगों ने बूथ कैपचरिंग इनके लिये की थी, उन्होंने यह कहा कि भाई यह काम करवा दो हमने मक्कड़ साहब को वोट नहीं डाला था। श्री वीरेन्द्र सिंह जो मौका पर आये और चूना वगैरह लगाकर के चले गये। निशानदेही भो हो गई लेकिन परमात्मा की करती हुई कि वीरेन्द्र सिंह जो चले गये और सम्पत सिंह जो आई० पी०एस० बनकर आए और चले गये और आज तक उस काम पर कही कोई कस्सी तक नही लगी। इसलिये मेरी आज की' सरकार से प्रार्थना है कि उस सुल्तानपुर माईनर का काम करवा दिया जाए ताकि वहां के तीन–चार गांवों के लोगों को पानी मिल सके। सभापति जी, 1987 में सब कुछ मन्जूर हो चुका था। सारी चीजों का इन्तजाम हो चुका था लेकिन अब उसका खर्चा मंहगाई के कारण बढ गया है। इसलिये अब वहां के खर्चे व ऐस्टीमेट्स को रिवाईज करके उस माईनर को जल्द से जल्द बनवाया जाए ताकि तीन–चार गांवों के किसान जो पानी न मिलने के कारण बिल्कुल दुखी हैं, जिनको पानी की किल्लत है, उनको पानी मिल सके। जो गांव टेल पर पडते हैं, उन गांवों को भी पानी मिल सके। सोरखी, गढ़ी, हजमगुर, मैंहदा वगैरह गांव भी ऐसे हैं जहां पर पानी की एक बूंद भी नहीं पहुंचती। पीछे खुले तौर पर लोग अपनी पाईपस लगवाते रहे और जो गांव टेल पर थे, वे बेचारे पानी से वंचित रहते रहे और रोने लगे। इतना होते हुए भी सरकार ने जनता की आवाज को नही सुना। इसलिए वहां की जनता ने मेरे जैसे आदमी को एक आजाद उम्मीदवार की हैसियत से यहां पर चुनकर भेजा है

ताकि मैं अपने हल्के की नुमाइदगी सही तरीके से कर सकू और पिछली सरकार के काले कारनामों व काली करतूतों को इस सदन के सामने रख सकू। मेरा आज की मौजूदा सरकार से यह कहना है कि लोगों ने सही नुमाइंदगी समझ कर आप लोगों को फस्ट डिवीजन देकर के यहां पर भेजा है और जिन लोगों ने जनता के साथ भेदभाव की नीति बरती थी, उनके साथ धोखा किया था ,उनको जनता ने यहां पर केवल जीरो नम्बर देकर ही भेजा है। इसलिये जनता ने जिस उम्मीद के साथ इस सरकार को भेजा है, इससे हमें पूरी उम्मीद है कि यह सरकार हरेक के साथ इन्साफ करेगी। लोगों के साथ किये हुए वायदे सरकार अवश्य ही पूरे करेगी कहते हैं कि हरेक के हाथ इन्साफ करने वाला इन्सान हमेशा ही जिन्दा रहता है। चेयरमैन साहब, आप जानते हैं कि बाबा नानक हुए हैं। जब बाबर यहां पर आया था तो उसने यह सुन रखा था कि भारत के अन्दर ऐसे ऋषि मुनि हैं, साधु है कि अगर वे किसी को आर्शीवाद दे दें तो वह पूरा हो जाता है। बाबर ने जब फतेह प्राप्त की तो उसने लोगों से पूछा कि यहां कौन 'ऐसा साधु है। सभी ने बताया कि बाबा नानक है, जो सभी को बराबर समझसे हैं। तो उसी वक्त बाबर बाबा नानक के पास पहुंच गया। नानक ने पूछा बाबर कैसे आए? उसने कहा कि बाबा जी मुझे आर्शीवाद दो कि मैं पीढ़ी दर पीढ़ी राज करता रहूं। इस देश की सेवा करता रहूं और हमारा राज्य चलता रहे। उस समय बाबा नानक ने कहा कि जब तक इस धरती पर इन्साफ करोगे, सभी के साथ बराबरी का सलूक करोगे तब तक तुम्हारा राज रहेगा और

कोई तुम्हें नहीं हटा सकता लेकिन जब जात–पात, अन्याय, जात–बिरादरी का यहां पर चक्कर चलाओगे, तुम्हारा राज्य उखड़ जाएगा। वह बाबा की बात आज भी सत्य साबित हुई। जात–पात का चक्कर चलाने वाले, रिश्तेदारी, के चक्कर को चलाने वाले, पांच साल की बजाये चार सालों में ही उखड़ गये और जो नई सरकार बनी है, उस पर लोगों की उम्मीदें है। मैं भी आशा करता हूं कि वहू सभी के साथ बराबर का सलूक करेगी ताकि हमेशा जनता इनको यहां लाती रहे और ये सेवा करते रहें। मेरी परमात्मा से भी यह प्रार्थना है और सरकार के कर्णधारों से भी अपील है कि ये सभी के साथ इन्साफ करें। उन जैसा न करें। उनकी लिस्ट में अपना नाम न लिखाए, जो अपने आप को खत्म कर गए हैं।

इसके साथ–साथ मैं शिक्षा के बारे में कहना चाहता हूं। ये शिक्षा के बारे मे एक–एक बात का गीत गाते रहे हैं। मैं तो सिर्फ इतनी प्रार्थना करूंगा कि शिक्षा ही हर प्रदेश में एक ऐसा पैमाना है, जिससे पता लगता है कि प्रदेश कितनी तरक्की कर रहा है। हांसी के अन्दर 1987 में डेढ करोड़ रुपए कालेज के लिए और पचास लाख रुपये आई० टी० आई के लिए चौधरी भजन लाल के हाथों मन्सूर हुए थे। बाद में चौधरी बंसी लाल जी आ गए और काम शुरू हुआ। कालेज कीं बिल्डिग तो अभी अधूरी है और आई० टी० आई० की बिल्डिंग बन गए है, लेकिन आई० टी० आई० के अन्दर कोई ट्रेड नही भेजी है। मेरी प्रार्थना है कि वहां 20 एकड़ जमीन भी है और बिल्डिंग भी बनी हुई है उसमें अच्छी अच्छी

ट्रेडज दो जाएं, जिनके लिए हमारे हांसी के लड़के और लड़कियां हिसार और भिवानी जाते है या दूर दराज के कालेजों में जाते है। इस वजह से बसों में भी भीड़ बनी रहती शै। अगर हांसी में वे टेरडज दे दें तो वे बच्चे हिसार, भिवानी या इधर उधर जाने की बजाए, वही उस बिल्डिंग में अपनी शिक्षा प्राप्त कर लेगे। जो गवर्नमैंट कालेज है जिसकी बिल्डिंग अभी अधूरी पड़ी है, हालांकि काफी कुछ बन चुका शै। उस बिल्डिंग को पूरा करवा कर उसके अन्दर साइंस तथा और दूसरे सब्जैक्टस दिए जाएं ताकि हांसी के सैकड़ों लड़के, जो बसों में सुबह नीचे–ऊपर चढ़ कर हिसार और भिवानी जातै है वे वही हांसी में शिक्षा प्राप्त कर सकें और उन्हें इधर–उधर न जाना पड़े। हमारे यहां कई स्कूल ऐसे हैं जिन में तीन साल से कोई टीचर नही जौ रहा है। एक तो रामपुरा का स्कूल है और कई ऐसे स्कूल हैं, उनमें टीचर पूरे किए जाएं। सेहत के बारे में एक छोटी सी बात कह कर, मैं अपना स्थान लूंगा क्योंकि हमारे और साथी भी बोलना चाह रहे है। हांसी के अन्दर एक हस्पताल बना था। बड़ी अच्छी बिल्डिंग है। वहा अच्छे डाक्टर भेजे जाएं। सोरखी गांव में हस्पताल है, लेकिन दो साल से वहां कोई डाक्टर नहीं। कोई एस० एम ओ० नही है। मेरी प्रार्थना है कि सोरखी में डाक्टर भेजे जाएं। इसके अलावा और भी कई गांवों में हमारी हस्पताल की मांग है, उनके बारे में मैं अलग से लिख कर दूगा। इन शब्दों के साथ जो गवर्नर साहब ने यहा अपना अभिभाषण पढ़ा, जिसमें सरकार के सारे कामों का नक्शा खींचा है, मैं उसकी ताईद करता हूं। (धन्यवाद)

श्री अध्यक्षः श्री धर्म पाल।

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, आपको मालूम है कि पहले ही पांच छः सदस्य कांग्रेस (आई)के बोल चुके हैं।

श्री अध्यक्षः अब इधर से बोलेंगे, आप बोलना चाहे तो आपको टाईम दे देते हैं।

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मैं यह कह रहा हूं कि इनके 5– 6 सदस्य बोल चुके हैं और दो सदस्य विकास पार्टी से बोल चुके हैं। हमारा एक सदस्य बोला है। इसलिए अब तो हमारी बारी आनी' चाहिये थी।

श्री अध्यक्षः उनके बाद आपका नम्बर आ जाएगा।

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, हमारी तरफ से तक ही मैम्बर बोला है। अब हमारी पार्टी के मैम्बर को बोलने का मौका दिया जाए। (शोर)

श्री अध्यक्षः उसेके बाद आपका नम्बर आ जाएगा।

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, इनकी पार्टी के दो मैम्बर बोल लिए हैं। अब आप इनकी पार्टी के तीसरे मैम्बर को बोलने की इजाजत दे रहे है। हमारी पार्टी के एक मैम्बर को भी आप बोलने का मौका नहीं दे रहे हैं। (शोर)

श्री अध्यक्षः अब तो आप उन्हें बोलने दें। उनके बोलने के बाद आपका नम्बर आ जाएगा। उनके बाद आपको भी बुला देंगे। (शोर)

श्री शमशेर सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है कि सम्पत सिंह को सबसे आखिर मैं बुलाना चाहिये। (शोर)

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, आपसे मेरी विनती है कि मैंने आपको अपनी पार्टी के मैम्बर्ज के नाम लिख करके दे रखे हैं। आप उनको बोलने की इजाजत दें। (शोर)

श्री अध्यक्षः आपने अपनी पार्टी के जिन मैम्बर्ज के नाम लिख कर दिए हैं, वे हैं सूरजभान, जसविन्द्र सिंह और जयपाल सिंह। इनको भी बोलने का मौका देंगे। (शौर)

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, हमने आपको अपनी पार्टी के मैम्बर्ज के नाम लिख करके दिए हुए हैं, फिर भी आप हमारी तरफ से किसी मैम्बर को बोलने की इजाजत नहीं दे रहे हैं। मेरी आपसे प्रार्थना है कि आप हमारी पार्टी के मैम्बर को बुलाएं। (शोर)

श्री अध्यक्षः इस समय आप उनको बोलने दें, उसके बाद आपकी पार्टी के मैम्बर को बोलने का मौका देगे। (शोर)

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मेरी प्रार्थना है कि हमने अपनी पार्टी के मैम्बर्ज के नाम आपको दे रखे हैं। इसलिये आप हमारी पार्टी के मैम्बर को बोलने का मौका दे। (शोर)

श्री अध्यक्षः आपको पार्टी के तीनों मैबर्ज को कंटिनुअस बोलने का मौका देंगे। (शोर)

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, इस समय बुलवाने में क्या हर्ज है? (शोर)

श्री अध्यक्षः मैंने उनको बोलने के लिए कह दिया हुँ, इसलिये आप उनको बोलने दें। (शोर)

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, हमने अपनी पार्टी के मैम्बर्ज के नाम लिख कर आपको दे रखे हैं। (शोर)

श्री भजन लालः स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट औफ आर्डर है। किसी भी माननीय सदस्य को यह अधिकार नहीं है कि वह आनरेबल स्पीकर को डिक्टेट करे। हम अपनी अपनी पार्टियों के मैम्बर्ज के नाम बोलने के लिए आपको लिख करके दे सकते पै और पिक एंड चूज करने का आपका काम है कि किस मैम्बर को पहले बोलने का समय देना है और किस मैम्बर को बाद में बोलने का समय देना है। कोई माननीय सदस्य आरनेबल स्पीकर को डिक्टेट करे, यह मुनासिब बात नही है। (शोर)

श्री अध्यक्षः वह डिक्टेट नहीं कर रहे हैं। I don't agree. He is not dictating. He is simply requesting me. (Interruptions).

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, क्या मैं आपको डिक्टेट कर रहा हूं? मैं तो आपसे प्रार्थना कर रहा हूं। Sir, I was not dictating you. I was just requesting you.

Mr. Speaker : I have already said that. But you also please listen that due time will be given to your party. I have announced the name of Shri Dharam Pal. After him all the speakers will be from your side. Let him speak now.

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, हम बार–बार आराको कह रहे हैं कि आप पहले हमारी तरफ से मैम्बर्ज को बोलने का समय दें। (शोर)

श्री शमशेर सिंह सुरजे वालाः अध्यक्ष महोदय, इन्होने सदन का जो समय बरबाद किया, वह द् नके समय में से काट लिया जाए। (शोर)

श्री अध्यक्षः सम्पत सिंह जी, आप बैठें। उनको बोलने दें। वह पांच मिनट बोलेंगे उसके बाद आपकी तरफ से मैम्बर को बोलने का समय, देंगे। (शोर)

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, हम आपको बार–बार कह रहे हैं कि हमारी तरफ से मैम्बर को बोलने का समय दिया

जाए लेकिन फ्रि भी आप हमारी पार्टी के मैम्बर को क्यों नहीं बोलने दे रहे हैं? (मोर)

श्री अध्यक्षः प्रो० साहब, बात को ज्यादा इनसिस्ट नहीं किया करते। Let him speak now.

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मैं तो सबमिशन कर रहा हूं। (शोर)

श्री जगदीश नेहराः स्पीकर साहब, मेरा प्यायंट औफ आर्डर है। जब भी कोई माननीय सदस्य बोलता है तो सम्पत सिंह उस सदस्य से दो मिनट पहले खुद बोलते हैं। इस तरह करके क्या यह सदन का समय बरबाद नहीं कर रहे हैं। (शोर)

श्री अध्यक्षः सम्पत सिंह जी को बोलने के लिए हम खुला टाईम देंगे। (शोर)

श्री जगदीश नेहराः अध्यक्ष महोदय, सम्पत सिंह नें प्वायंट औक आर्डर करके ही सदन का आधा घंटा बरबाद कर दिया। (शोर)यह कोई तरीका नहीं है कि हर वक्त सम्पत सिंह ही बोले। (शोर)

श्री अध्यक्षः नेहरा साहब आप इन्ट्रप्ट न करें। आप कृपया बैठें। प्रो० साहब, आप भी जिद्द न करें और धर्मपाल सिंह जी को अब बोलने दें। (शोर)

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, हम आपसे जिद्द नही कर रहे हमे तो आपसे रिक्बैस्ट कर रहे हैं कि आप हमारो पार्टी के मैम्बर को पहले बोलने का समय दे। (शोर)

श्री अध्यक्षः उनके बोलने के बाद आप ही का नम्बर है। (शोर)

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, हैल्दी ट्रैडीशंज यह हैं कि मैम्बर्ज को बोलने के लिए समय का बराबर का हिस्सा मिलना चाहिये। (शोर)

Mr. Speaker : It will be taken care of.

श्री जगदीश नेहराः स्पीकर साहब, मेरी आपसे गुजारिश है कि आप सम्पत सिंह को ऐसा करने से रोकें। वह. सदन का बहुमूल्य समय बरबाद कर रहे हैं। (शोर)

श्री अध्यक्षः नेहरा साहब, आप बैंठें। धर्मपाल सिंह जी आप अपनी स्पीच स्टार्ट करे। (शोर)

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, अगर वह सरकार हमारी बात नहीं सुनना चाहती तो ठीक है, कोई बात नही। (शोर)

श्री अध्यक्षः आप बैठिए, इनके बाद आपको बोलने का मौका देंगे। (शोर)

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, इसका मतलब तो यह है कि सरशार हमारी बात नही सुनना चाहती। इसलिये आप हमारी मदद करें। (शोर)

श्री अध्यक्षः नही, नहीं, ऐसी बात नही है। (शोर)

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, आप हमारी मदद करें। आप हमारी पार्टी के मैम्बर्ज को पहले बोलने का मौका दें। इनकी तरफ से मैम्बर बोल लिए हैं। यदि हमारी बात नही सुनी जाती है तो हम हाउस से बाहर चले जाते हैं। (शोर)

Mr. Speaker : That is not the thing: आनरेबल मैम्बर्ज क्या पहले इनकी पार्टी के मैम्बर को बोलने का समय देंगे। क्योंकि ये इस बात पर ज्यादा इनसिस्ट कर रहे हैं?

आवाजें: ठीक है जी, इनको टाईम दै दो।

श्री अध्यक्षः सम्पत सिंह जो, आपको ही बोलने का टाईम दे देने हैं। आप बोलें। धर्मपाल सिंह जी आप बैठें। आप इनके बाद बोल लेना।

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मैंने आपको अपनी पार्टी के सदस्यों के नाम लिख कर दे रखें हैं। उनमें से आप किसी भी मैम्बर को बोलने का समय दे दें।

श्री अध्यक्षः ठीक है। जसविन्द्र सिंह।

श्री जसविन्द्र सिंह (पेहवा): आदरणीय अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया, उसके लिए आपका धन्यवाद। नेहरा साहब ने राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर जो धन्यवाद का प्रस्ताव रखा है, मैं उसका विरोध करने के लिए खड़ा हुआ हूं। सदन मे कहा गया कि चुनाव निष्पक्ष हुए, इस बारे में मैं पेहवा कास्टिचुऐंसी की बातें सदन के सामने रखना चाहता हूं। जैसा कि आप सभी को पता है कि सरदार हरमोहिम्द्र सिंह चट्ठा इस सदन के पूर्व स्पीकर थे उनको पेहवा कास्टिचुऐंसी से कांग्रेस (आई)का टिकट दिया गया।

श्री भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, जो आदमी हाउस में मौजूद नही है, उसका नाम नहीं लिया जाना चाहिये।

Mr. Speaker : Chaudhri Sahib, let him go on.

श्री जसविन्द्र सिंह: स्पीकर साहब, सिम्बल अलोट करने में किस तरह से अनियमितताए बरती गई, यह देखने योग बात है। पहले सब को सिम्बल अलौट कर दिये गये और हल सिम्बल किसी कैन्डींडेट को अलौट किया गया लेकिन बाद में मेरी ऐबसैसं में मेरे एक पडौसी को, जो इन्हीं की तरफ से कैन्डोडेट खड़ा किया गया था, हल सिम्बल इस ढंग से अलौट कर दिया, जिसका पना हुमारे को उस वक्त चला, जब बैलेट पेपर छपवाने के लिए नमूना कैन्डीडेट को दिखाया जाता है। उसके बारे में मैंने चुनाव कमीशन को लिखा। (विघ्न)

Mr. Speaker : Let him speak. Please do not interrupt him.

श्री जसविन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, हमारी गाड़ियों का चालान करवा कर उन्हे थाने में बंद करवाया गया। (विघ्न व शोर)

Mr. Speaker : Please do not interrupt him. He has been allowed to speak and he is speaking.

श्रीमती संतोष सारवानः आन ए प्वायंट औफ आर्डर, सर।

Mr. Speaker : He is a new member. Please let him speak. What is your point of order ?

श्रीमती संतोष सारवानः स्पीकर साहब, एक मिनट के लिए मुझे अपनी बात कह लेने दीजिए। ये कह –रहे है कि इनकी गैर हाजिरी में वह सिम्बल अलौट किया गया। इस बारे मे मैं इनको बताना चाहती हूं कि मेरे चुनाव क्षेत्र में भी समो को अलफाबैटिकली सिम्बल अलौट हुए थे।

Mr. Speaker : No, it is not a point of order. Please do not interrupt him. He is a new member. Please let him speak and be seated.

श्री जसविन्द्र सिंहः सरकारी मशीनरी का वहां पर खुला दुरुपयोग किया गयी। इसके बारे मे मैंने चीफ इलैक्शन कमीशन को रिपोर्ट भी की थी। वहां पर मेरे खिलाफ जो कांग्रेस के उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे थे, उनकी भानजी, दामाद सरदार

जसवंत सिंह चीमा भी खुले आम घूम रहे थे। वे अपने बहुत से सरकारो कर्मचारियों के साथ बहा पर थे, उन सरकारी कर्मचारियों का मैं नाम लेना नही चाहता। मुझे वे सरकारी कर्मचारी वहां पर मिले थे। उन्होंने मुझसे अफसोस जाहिर किया कि हमारो भी मजबूरी थी जिसको वजह से हम यहां पर आए हैं। जिस तरह से भी हो सकता था, उन्होंने सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग किया। गलत काम वे करते थे, और बदनाम हमें करते थे। उन्होंने वहां पर झगड़ा करवाने का कोशिश को, जो कि हमारी वजह से टला।

इसके बाद, स्पीकर साहब, मैं शमशेर सिंह सुरजेवाला जो को निवेदन करना चाहूंगा, बिजली और पानी के बारे में। मेरे से पहले बोलने वाले बहुत से आदरणीय साथी इस बारे में काफी कुछ कह चुके है। लेकिन एक बात जिसकी तरफ आदरणीय शमशेर सिंह सुरजेवाला जो का ध्यान नहीं दिलाया गया, वह यह है कि टैम्परेरी राईस सूट जो भी पहले सरकार आती थी, वह पहली जुलाई को देते थो। हालांकि जब सरदार तारा सिंह आई० पी० एम० थे, तो उन्होंने 15 जून को दिए थे जबकि इस बार अभी तक नहीं दिए जा सके है। इस बारे में काफी आदमी मेरे हल्के के मुझे आकर मिले थे। मैं 8 तारीख को एस० ई० साहब से मिला था। उन्होंने कहा कि०पर से निर्देश हैं कि आगे राईस सूट नही देना है।०पर से निर्देश हुआ है कि 1200 क्यूसिक पानी दिल्ली को देना है जबकि हमारी फसले सड़ रही है और पानी दिल्ली को भेजा जा रहा है। उसके बाद जब मैं पेहवा आया तो मेरे हल्के के

काफी लोग मुझे मिले और मैंने उनको बताया कि सरकार को तरफ से ऐसे आदेश हैं कि अभी राईस सूट नहीं दिए जा सकते। उन्होंरे कहा कि हमारी लुखी माईनर पर तो राईस सूट्स चल रहे हैं। मैं 8 तारीख को खुद लुखी माईनर को देखा। वहां दो राईस सूट्स चल रहे थे जो कि वहां पर कुरुक्षेत्र के एक पत्रकार सम्रवाल के थे और उस क्षेत्र के बीच में जो मेरे स्पोर्टर्ज थे, उनको राईस सूट नही दिए गए। मैं आदरणीय शमशेर सिंह सुरजेवाला जी से यह निवेदन करना चाहता हूं कि कि वे इव बार की जांच करवायें और उन औफिसर्ज के खिलाफ कानूनो कार्यवाही करें। इन्ही बातों के साथ स्पीकर साहब, मैं आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान लेता है।

श्री मोहन लाल पिपल (पटौदो–अनुसूचित जाति): अध्यक्ष महोदय, गवर्नर ऐड्रैस पर बोलने के लिए आपने जो समय दिया उसके लिए मैं आपका बहुत हो आभारी हूं। 10 तारीख को राज्यपाल महोदय ने जो अभिभाषण पढ़ा, उसका मैं विरोध करता हूं। इसमें सबसे पहले एक बात यह आर्य कि पिछली सरकार के चार साल के समन में विकास कार्य बिल्कुल ठप्प हो गए थे। पिछली दफा जब इस हाउस के अन्दर सैशन हुआ था तो राज्यपाल महोदय ने उस सरकार को बहुत ही भूरि–भृरि प्रशंसा की थी। विकास कार्यों के लिए उस सरकार को बधाई थी दी थी। यह बात भी ठीक है कि राज्यपाल महोदय को, जो भी सरकार होती है और जो ऐड्रैस सरकार बना कर देती है, उसी को पढ़ना

पड़ता है। अभी यहां पर चर्चा आई कि बिजली के बारे मे पिछली सरकार ने कुछ नही किया और अब को सरकार बिजली के बारे में बहुत कुछ करने जा रही है। मैं पिछली दफा 1982 से 1987 तक इस सरकार में सदस्य था। उस समय हमारी सरकार या हमारो पार्टी का इलैक्शन हारने का एक ही कारण था कि हमारी बिजली की समस्या बहूत ही गम्भीर थी। स्पीकर सर, हमारा हरियाणा कृषि प्रधान प्रान्त है और वह कृषि पर ही टिका हुआ है। अगर हम व्यवस्था करके किसानों को ज्यादा बिजली देगें तो खेतो को पैदावार बढेगी और हमारी आर्थिक स्थिति अच्छी होसी। लेकिन हमारो पिछली काग्रेस सरकार 1982 से 1987 तक बिजली किसानों को पूरी नहीं दे पाई। पिछली सरकार नैं बिजली किसानों को देने का वायदा किया था और एक नारा और दिया था कर्जे माफी का, जिसकी वजह से 1987 के अन्दर कांग्रेस पार्टी शासन से बाहर हो गई और उसके सिर्फ 5 एम० एल० ए० जीत कर आए। कांग्रेस सरकार के समय भी बिजली तो या लेकिन पता नही वह कहां जाती थी आज भी वही समस्या है। पिछने एक या डेढ महीने के अर्से मे पटौदी हल्के के अन्दर बिजली की समस्या बहुत ही गम्भीर है। पिछले दिनों मैम्बर चुने जाने के बाद अपने हल्के के लोगों से जब मैं मिलने गया तो उन्होंने बिजली न मिलने की बात कही। स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से सदन के नेता से प्रार्थना करूंगा कि बिजली की समस्या को हल करें क्योंकि बिजली की वजह से ही हमारा हरियाणा प्रदेश आज अन्न के मामले में आत्म निर्भर हुआ है। अगर बिजली की हालत सुधर गई तो हरियाणा प्रदेश

भारत सरकार के अन्न भण्डार में भी अपना योगदान कर सकता है। अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा पटौदी क्षेत्र और तावडू क्षेत्र के लिए एक मेवात कैनाल प्रोजैक्ट बनाया गया था। हमें आशा है कि इस सरकार के आने मे एस० वाई० एल० नहर का काम फौजो तरीके से वार फुटिंग पर होगा। मैं आपके द्वारा सदन के नेता से अपील करूंगा कि मेवात कैनाल प्रोजैक्ट, जिससे पटौदी और तावडू क्षेत्रों के किसानों को राहत मिलेगी, को जल्दी पूरा करवाया जाए। साहबी नदी पर हमारे यहां एक बैराज 1978 से शुरू हुआ था और वह अभी भी बनाया जा रहा है। जिस दिन से साहबी नदी पर प्रोजैक्ट बनना शुरु हुआ था, उसी दिन से बाढ़ का जो पानी राजस्थान से आता था, वह बन्द हो गया है। हमारे पटौदी क्षेत्र में पानी का स्तर साहबी नदी में पानी न आने के कारण काफी नीचे चला गया है। इस हल्के का पानी खारा है। स्पीकर सर, आपके माध्यम से सदन के नेता से मेरी अपील है कि जो मेवात कैनाल प्रोजैक्ट है, उसको तुरन्त मंजूर किया जाए ताकि वह नहर बननी शुरू हो जाए। (विघ्न) साहबी नदी पर बाध बनने से साहबी का पानी आना बन्द हो गया है और हमारें यहां का पानी का स्तर बहुत नीचे चलो गया है। यह मेरे इलाके की बहुत हो गम्भीर समस्या बै। अगर आप उस प्रोजैक्ट को मन्जूरी दे देंगे, तो वहां पर काम शुरू होगा 1 साथ हो इे इलाके के लोगों को काम भी मिलेगा। अध्यक्ष महोदय, इस सरकार ने वायदा किया है कि एस० वाई० एल० नहर को शोध बनाया जायेगा। अगर वह नहर बनती है, तो उसने बहुत फायदा होगा। (विध्न)वह नहर एक–दों दिन में

तो बनेगी नहीं, उसको बनने में समय तो लगेगा ही इसलिए आशा है कि ये उसको मन्जूरी दे कर इलाके की सिंचाई की समस्या को हल करेंगे और हरियाणा प्रदेश की पानी के बारे में भी समस्या हल करेंगे। दूसरी बात एक और यहां पर आयी है। हरिजन भाईयों की नौकरियों मे रिजर्वेशन अभी तक भो पूरी नही है। सन 1966 में जब हरियाणा बना, उसके बाद से अब तक उनका कोटा पूरा नही हो सका है। इसको वजह क्या है? 40 साल तक तो कांग्रेस का शासन रहा और बीच में दों–चार साल के लिके दूसरो पार्टियों का शासन भी आया। पिछले दिनों हमारे देश के प्रधान मती ने इलैक्शन के दौरान यह वायदा किया था कि जिस भी किसी कैटेगरी में हरिजन भाईयों के लिये सीट्स खाली पडी है, उनको जल्दी से जल्दी भरा जायेगा और उनका कोटा पूरा किया जायेगा।

मैं आपके माध्यम से' सदन के नेता का ध्यान इस ओर दिलाना चाहता था। दूसरी बात यह है कि हरिजन भाइयों के लिये, जितनी भी सीट्स रिजर्व्ड हैं, चाहे वह किसी भी कैटेगरी में हैं, उनको जल्दी से जल्दी भरा जाये और उनका कोटा पूरा किया जाये ताकि हरिजन भाइयों को रोजगार मिल सके।

पैंशन के बारे में भी इस ऐडैरस में जिक्र आया है। अब सरकार ने 65 साज से घटा कर 60 साल की उम्र वालों को पैंशन देने का फैसला किया है। वायदा तो इन्होंने 55 साल वालों तक को देने का किया था। (विध्न)लेकिन आपने इसको 60 वर्ष कर

दिया है। अगर इसको आप 55 साल कर देते तो बहुत बढ़िया होता। इस बारे में मैं एक बात यह कहना चाहता हूं कि उम्र का सबूत लेने के लिये आपको या तो नगरपालिका का सर्टिफिकेट मानना चाहिये या फिर राशनकार्ड का रिकार्ड सबूत माना जाना चाहिये।

श्री राम प्रकाशः स्पीकर साहब, मुझे तो पता नहीं लग रहा है कि ये कौन सी बात का विरोध करं रहे हैं। ये पहले कह रहे थे कि मैं इसका विरोध कर रहा हूं हालांकि ये हर बात का इनडायरैक्टली समर्थन करने लग रहे हैं।

एक आवाजः यह तो हमेशा सत्ता में रहे हैं, इनको विरोध करना तो आता ही नहीं है। (व्यवधान व शोर)

Mr. Speaker : You should not interrupt like this. Please let him speak.

श्रीमती चन्द्रावतीः आन ए प्वायंट औफ आर्डर, सर। स्पीकर साहब, मैं सदन के नेता से एक बात कहना चाहूंगी कि विरोधी दल तो कई बार सत्ता–पक्ष के लोगों के बोलते वक्त बीच में टोका–टोकी करते हैं लेकिन यहां पर उल्टा ही हो रहा है। अपोजीशन के और नये सदस्यो के बोलते वक्त भी यहां पर तो टोका–टोकी कर रहे है। यह सदन की परम्परा के खिलाफ है। इस तरह से बीच में टोका–टोकी नही होनी चाहिये। यह टोका–टोकी तो आम तौर पर विरोधी दल की ओर से होती है न

कि सत्ता–पक्ष की तरफ से होती है। आप लोग फिर परम्परा की बात कैसे करते हो?

श्री भजन लालः आपकी बात बिल्कुल सही एं लेकिन थोड़ा सा हाउस का वातावरण भी कूल हो जाये, इसलिये यदि थोडी–बहुत कुछ ऐसो–वैसी बात भी कही जाये तो इसमें कोई बुरी लगने वाली बात नहीं है।

18.00 बजे

श्री मोहन लाल पिपलः स्पीकर सर, मैं पैंशन के बारे में यह कह रहा था कि नगरपालिका का सर्टीफिकेट या राशन कार्ड उम्र का सबूत माना जाना चाहिये। इस तरह से सही आदमियो को पैन्शन मिलेगी वरना लोग गल्त तरीके से पैन्शन ले जाएंगे जो अच्छा नही होगा। स्पीकर साहब, अब मैं रोजगार देने के बारे में सदन के नेता का छगन दिलाना चाहता हूं। रोजगार के बारे में चौधरी बंसी लाल ने जो अपना अमैंडमैंट रखी है, उसके बारे में मैं एक ही बात अर्ज करूंगा। स्पीकर साहब, जो छोटे रुटस हैं अगर उन रूट्स को, जो बेरोजगार नौजवान हैं, पढे लिखे नौजवान नैं, जो बेकार घुम रहे हैं, उनको दे दिए जाएं तौ बसिज की समस्या हल हो जाएगी और बेरोजगार नौजवानों को रोजगार भी मिल जाएगा। मैं सदन के नेता से प्रार्थना करूंगा कि चौधरी बंसी लाल ने बसिज के बारे में जो अमैंडमैंट दी शै उसको स्वीकार करें।

स्पीकर साहब, इस अभिभाषण में इंडस्ट्री के बारे में जिक्र हुआ शै। स्पीकर साहब, मैं आपके द्वारा सदन के नेता का ध्यान इस बात की ओर दिलाना चाहता हूं कि क्या वजह है कि राजस्थान में भिवाडी जो धारूहेड़ा के नजदीक है, में राजस्थान सरकार ने उद्योगों को काफी बढावा दिया है और वहां पर उद्योग. काफी उन्नति पर है। क्यों न हमारे यहां से टैक्नीकल औफिसर्ज, आई० ए० एस० औफिसर्ज की टीम वहां भेजी जाए जो वहां जाकर इंडस्ट्रीज की प्रोग्रेस के बारे में स्टडी करके हरियाणा सरकार को अपनी रिपोर्ट दे कि हमारो. सरकार क्या स्टैप्स ले जिससे कि हमारे यहां भी भिवाड़ी को तरह से उद्योग पनपे? स्पीकर साहब, धारूहेड़ा बहुत पहले इंडस्ट्रीज के लिए सिलैक्ट किया गया था और वहां पर बड़े–बड़े उद्योग लगाए गए थे जैसे सहगल पेपर मिल है लेकिन वे आज बन्द पड़े है। जिस तरह से भिवाड़ी के अन्दर तरक्की हुई है उसकी वहां से रिपोर्ट मंगवाकर, उसको यहां पर लागू किया जाए। स्कीका साहब, पहले पटौदी का क्षेत्र महेन्द्रगढ के साथ था लेकिन अब उसको गुड़गांव के साथ जोड़ दिया गया है। जब वह क्ले महेन्द्रगढ के साथ था, तो बैकवर्ड घोषित किया हुआ था लेकिन अब गुडगांव के साथ होने से वैकवर्ड इलाका नहीं रहा है। मेरी सरकार से अपील है कि पटौदी को बैकबर्ड घोषित किया जाए क्योंकि वास्तव में या बहुत हो पिछड़ा हुआ क्षेत्र है और दूसरो मेरो प्रार्थना यह है कि वहां सरकार की ओर से इंडस्ट्रीज लगाई जाएं। धन्यवाद।

श्री धर्मपाल सिंह (दादरी): आदरणीय अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय सं अभिभाषण का मैं समर्थन करता हूं लेकिन आपके माध्यम से हाउस के नेता का ध्यान इस ओर दिलाना चाहता हूं कि दादरी में रागनी प्रतियोगिता के समय जो गोली चला और वहां पर जो लोग मारे गए, उससे सम्बन्धित लोगों तथा पुलिस अफसरों का सख्त से सख्त सजा दी जाए और जो सफरर है, उनको उचित मुआवजा दिया जाए। मैं यह भी चाहता हूं कि उनके परिवार के लोगों को नौकरी दी जाए।

अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से दादरी तहसील की कुछ समस्याए है जिनकी ओर सदन के नेता का ध्यान दिलाना चाहता हूं। दादरी में पिछली सरकार ने बस–डिपो बना दिया था लेकिन उस डिपो को बसिज नहीं दी। जो बसिज वही पर लगाई, वे दूसरे डिपो से शिफ्ट की हैं, जैसे वाया दादरी नारनौल से चण्डीगढ बस आती है। उस बस पर दादरी डिपो का नाम लिख दिया लेकिन परमिट वही है। मतलब यह है कि केवल रिवाड़ी की जगह दादरी लिख दिया। इसलिए मैं आपके माध्यम से सदन के नेता से प्रार्थना करूंगा कि दादरी डिपो के लिए नई बसिज का इंतजाम करने की कृपा करें। अगर किन्ही कारणों से नई बसिज का इन्तजाम नही कर पाते, तो मैं आपके माध्यम से उनसे यह अपील करूंगा कि प्राईवेट व्हीकल्ज के लिए लोगों को परमिट दिए जाएं जिससे कि लोगों को आने–जाने में कोई तकलीफ न हो।

अध्यक्ष महोदय, दादरी तहसील में पीने के पानी की बहुत भारी समस्या है। शहर के अन्दर सिवरेज का पानी वाटर सप्लाई के पानी में मिश्रित हो जाता है जिससे कि बहुत भारी बीमारी फैलने का खतरा बना हुआ है। अध्यक्ष महोदय, वहां पर जो अस्पताल है, वह तो नाम माल का है। वहां पर जो अस्पताल है उसका काम केवल यह है कि अगर कोई झगड़ा वगैरह हो जाता है तो मैडीकल सर्टिफिकेट प्रोवाईड कर देता है। वहां के अस्पताल में कोई दवा नही मिलती और अगर दवा वहां आती भी है, तो वह बाहर बेच दो जाती है। मैं आपके माध्यम से सदन के नेता से प्रार्थना करूंगा कि इस मामले में उचित कार्यवाही करें। स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम मे हाउस के नेता का ध्यान इस ओर दिलाना चाहता हूं कि हमारे यहां यह अफवाह फैला हुई है कि यह सरकार खाद पर सबसिडी नही देगी। इस बारे में हाउस के नेता सरकार की नीति स्पष्ट करें, यह मेरी सदन के नेता से अपील है।

इसके साथ–साथ जो हरिजन व बैकवर्ड क्लासिज के लोगों की नौकरियां हैं, जिनका कोटा अब तक नहीं भरा गया है, उसके लिये मैं सदन के देता से यह रिक्येवेस्ट करुंगा कि सरकार इन पोस्टों को जल्द से जल्द भर कर उचित कार्यवाही करे। आज 40– 42 सालों के बाद भो इधर रहने वाले हरिजन व बैकवर्ड क्लासिज के लोगों की स्थिति वैसे की वैसी ही है जबकि पाकिस्तान से आए भाईयों की स्थिति उन से कही बेहतर है।

इसके कारणों की हमें खोज करनी चाहिये। इसका कारण मेरी समझ के मुताविक यह है कि कम से कम 75 परसैन्ट आबादी आज गांवों में बसती है। गांवों के अन्दर हरिजन व बैकवर्ड क्लासिज के लोगों के लिये' कोई काम धन्धा नहीं है। कभी दों–चार दिनों की कमाई उनको मिल जाती है, तो वे बेचारे बैठ कर खा लेते हैं। पढ़ाई–लिखाई के लिये, उन गरीबों के पास पैसा नहीं होता। इसलिये मेरी प्रार्थना हे कि गांवों के अन्दर ज्यादा से ज्यादा रोजगार के साधन उपलब्ध करवाए जाएं ताकि गरीबों और हरिजनों की स्थिति बेहतर हो सके। मैं आपके माध्यम से हाउस के नेता से यह कहूंगा कि वे जल्दी से जल्दी इस पर उचित कार्यवाही करें और हरिजन और बैकवर्ड के कोटे का जो बैक लौंग है, उसको पूरा करें।

स्पीकर साहब, इससे आगे मैं यह भी कहना चाहता हू कि पिछली सरकार ने हमारे भिवानी जिले के साथ भेदभाव किया है। मन्त्री भी जूद बनाये गये लेकिन

काम कुछ नहीं हुआ। इसलिये अब मैं सदन के नेता से यह प्रार्थना करूंगा कि अब भिवानी जिले के साथ भेदभाव न बरता जाए। बिजली पानी का उचित प्रबन्ध किया जाए। बसों की सेवा की ओर भी ध्यान दिया जाए ताकि लोग दुःखी न हो। इन शब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करता हुआ अपना स्थान लेता हुं। जय हिन्द।

श्री सूरज भान काजल (जुलाना): आदरणीय अध्यक्ष महोदय, मैं राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने के लिये खडा हुआ हूं जिसकी सत्ता पक्ष के भाईयों ने भूरी– भूरी प्रशंसा की है। उन्होंने कहा कि राज्यपाल महोदय ने निष्पक्ष तरीके से चुनाव करवाए हैं। मैं अपने हल्के के खतौली क्षेत्र की बात करता हूं। बूथ नम्बर 56 पर एक प्रिजाइडिंग अफसर, वहां पर औबजर्बर के होते हुए भी, वोट कैसल करता रहा और बुजुर्गो की काफी वोटों को गल्त करार देता हुआ कैसल करता रहा। उसको लोगों ने औबजर्वर के सामने पकड़ा और शिकायत को लेकिन इसके बावजूद भी वह अपनी हरकतों से बाज नही आया। हम मौके परं औबजर्वर को लेकर गये और फिर उसकी शिकायत पर उस प्रिजाईडिंग अफसर को वहां से बदला गया और दूसरा आदमी उसकी जगह पर भेजा गया। इसी तरह से किनाना गांव है। वहां पर एक आई० पी०एस० अफसर का भाई किसी आजाद उम्मीदवार की मदद कर रहा था। उन लोगों ने बूथों पर कच्छा करने की कोशिश की और जो पुलिस मैन वहां पर डियूटी पर लगे हुए थे, वे भी उनके दबाव में आकर उनकी मदद करने लगे। इतने में हम लीग भी वहां पर पहुंच गये। हमने उन लोगों को वहां से भगाया, तब जाकर के कहीं चुनाव ठीक तरीके से होने लगे। तो इसलिये मैं नहीं मानता कि गवर्नर महोदय ने चुनाव निष्पक्ष तरीके से करवाये होगे। इसके इलावा और भी कई घटनाएं हुई। इसके इलावा मैं यह कहना चाहता हूं कि पाच या चार जून की वात है कि हमारे गांव बुढ्डा खेड़ा में कुछ लोग हैजा से मर गये। बहन

करतार देवी भी वहां पर थीं। मैं भी था। लेकिन अब तो बहन जी हैल्थ विभाग की मन्त्री हैं। उस वक्त उन्होंने कहा था कि ऐसे लोगों को एक–एक लाख रुपया मुआवजा दिया जाये और मेरा कहना हुं कि मरने वालों को दो–दो लाख रुपया मुआवजा दिया जाना चाहिये। इसलिये मैं उन से प्रार्थना करूंगा कि अब तो वे मन्त्री भी इसी विभाग की बन गई हैं। उन से मैं पूछना चाहता हूं कि क्या उन्होंने इस बारे में कुछ किया है? जरा स्थिति इस सदन में स्पष्ट कर दे तो बेहतर होगा। लोगों को भी कुछ तसल्ली होगी।

अध्यक्ष महोदय, इससे आगे मैं यह कहना चाहता हू कि जो भी यहां पर बोलने के लिये खड़ा होता है, वह हरिजन और किसानों की ही बात करता है। गरीबो की बात करता है। मैं सरकार से यह पूछना चाहता हूं कि अनाज व गेहूं जोकि दूसरे प्रदेशो मे जाया करता था, जिससे गरीब आदमियो को काफी फायदा होता था। उस को अब सरकार ने किस नीयत से बन्द कर दिया है। लोग अपना अनाज खुले मन से बैचते थे ओर उनकी भाव भी उचित मिलता थे। लेकिन सरकार की ऐसी निति से तो हमे यह पता चलता है कि सरकार की नीयत साफ नही है। अगर सरकार किसानों का सही हित चाहती है तो फिर वह लगाई' हुई रोक हटा ले। सरकार अभी से उस लगाई हुई रोक को खोल कर लोगो को इस की इजाजत दे दे ताकि वे अपना अनाज दूसरे

प्रदेशों में भेज कर अपना गुजारा कर सके और किसान को अपनी जिन्स का अच्छा भाव मिल सके।

इसके बाद मैं अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से हाउस के नेता से कहना चाहूंगा कि पिछली सरकार ने साढ़े तीन सौ स्कूल अपग्रेड किए थे और उनके आर्डर भो पहुंच चुके है लेकिन अब तक उन स्कूलों में न तो क्लास लगो है, न स्टाफ हो गया है। मैं सदन के नेता को कहना चाहूंगा कि जो स्कूल अपग्रेड किए थे, उनमें स्टाफ भेजा जाए ताकि विद्यार्थियों को कोई दिक्कत न हो।

एक और बात मैं यह कहना चाहता हूं कि कांग्रेस पार्टी का जो चुनाव घोषणा पन था, उसमें 55 साल के लोगों को पैन्शन देने के लिए कहा गया था। अब सरकार भी इककी है लेकिन सरकार ने अब जो अपनी नीति बनाई है, उसमें 60 साथ की उम्र रखी है। मैं कहना चाहूंगा कि आपका जो घोषणा पत्र है उसको सही ढंग से लागू किया जाए। इसके अलावा आज बिजली पानी की दिक्कत है। अब क्योंकि फसल की बिजाई का टाईम है, इसलिए बिजली और पानी की सुविधा पूरी की जाए। यही मेरी आपसे प्रार्थना है। धन्यवाद।

श्री पीर चन्द (रतिया–अनुसूचित जाति): अध्यक्ष महोदय, आपका हार्दिक धन्यवाद कि आपने मुझे समय दिया। मैं गवर्नर साहब के ऐड्रैस पर हो रही चर्चा में शामिल होते हुए एक ही बात

कहता हूं कि हमारे लीडर चौधरी बंसी लाल जी ने जो बातें कही, अगर यह सरकार उन बातों पर अमल करे, तो अच्छा है। उन्होंनें बहुत अच्छे सुझाव दिए है। इसमें कोई शक नहीं है। उन्होंने सारा अभिभाषण पढ्ने के बाद हर पहलू को बड़ी डिटेल से बताया। उन्होने कोई क्रिटिसीजम नही किया। गैलरीज मे बैठे सभी लोगों ने उनकी बड़ी तारीफ की है। मैं भी सहमत हूं कि कोई सदस्य, चाहे वह अपोजीशन का हो, या रूलिंग पार्टी का हो, अगर वह अच्छे विचार रख तो उनको मान लेना चाहिए क्योंकि हम हरियाणा के हित के लिए ही यहां पर बिठाए गए हैं। हमारा यह कर्तव्य भी है कि हम सहो बात को मान कर हरियाणा के लोगों के हित के लिए काम करें। जैसे कि चर्चा चला कि हरियाणा के अन्दर बिजली की भारी कमी है, शमशेर सिंह जी ने विश्वास दिलाया है कि आगे के लिए बिजली की कमी को पूरा करेंगे और उसके लिए हमें उम्मीद भो है। अगर ये कहते हैं, तो शायद करेंगे। हम भी अपोजीशन के नाते कोई बुराई की बात नही करेंगे। लेकिन मैं अपने हल्के रतिया के बारे में बताता हूं। मै 12 दिन तक धन्यवाद के लिए लोगों के पास गया। एक–एक गांव के अन्दर कभी आधा घंटा, कभी एक घंटा और कभी दो धंटे से फालतू बिजली नहीं चली। ट्यूबवैल बन्द रहे। लोगों ने हमें कहा कि यह सरकार आपकी है। मैंने कहा हमारी नहीं हैम वल्कि सरकार तो सबकी है। उन्होंने मुझे यहां तक कहा कि आप लोग देवी लाल को दुबारा न बुलाने की बात करते हैं लेकिन क्यके टाईम में चार साल तक एक दिन भी बिजली बन्द नही हुई। आप लोगों के आने के याद इतनी

जल्दी हालत खराब हो गई। मैंने कहा अभे। तो हकूमत बनी है, सरकार देख रही है कि क्या बात है। ठीक है सुधार होड़ा। आगे देखेगे, क्या करते हैं। अगर शमशेर सिंह सुरजेवाला ने विश्वास दिया है, तो बहुत अच्छी बात है। इसमें कोई सन्देह की बात नहीं है। लेकिन इसमें एक बड़ी भारी बात यह है कि ट्रांसफार्मर्ज के बारे में लोग यह कहते हैं कि जो ट्रांसफार्मर जल जाता है, उसको 2–2 और 3–3 महीने तक नही बदला जाता। जमींदार उसके लिए रोते फिरते रहते हैं और उनकी फसलें सड़ जाती हैं। स्पीकर साहब, मैं आपके द्वारा मुख्य मंत्री जो से निवेदन करूंगा कि ऐसे हालात नहीं होने चाहिए कि जले हुए ट्रांसफार्मर दो–दो तीन–तीन महीने तक बदले न जाएं। मेरे हल्के में जीरो की फसल भी होती है और नरमा की फसल भी होती है। मैं मुख्य मंत्री जो से प्रार्थना करूंगा कि अगर मेरे हल्के में कोई ट्रांसफार्मर सड़ जा तो आप मेहरबानी करके दो या तीन दिन के अन्दर–अन्दर उसके बदलवा दें। वहां पर यदि किसानों की फसलें– अच्छी होंगी तो यह बात हरियाणा के हित की होगी।

इसके अलावा मैं एक–दो बातें और कहना चाहूंगा। मेरे हल्के में एक रंगोई नाला है। जब बारिश बहुत ज्यादा हो जाती है तो उस नाले के पानी से 10– 12 गांव की फसलें पूरो तरह से तबाह हो जाती हैं। उस नाले का पानी जाखल से ले कर तकरीबन 10– 12 गांवों तक की फसलों को तबाह कर देता है। आज से लगभग 10 साल पहले उस नाले की खुदाई भी की गई

थी और वह बननों भो शुरू हुआ था लेकिन उसका काम पूरा नहीं हुआ। यदि उस नाले की खुदाई करवा दी जाए तो वह 10– 12 गांव उसके पानी से बच सकते हैं वरना जब भी बारिश आएगी. उन गांवों की' फसलें तबाह होती रहेगी। उस नाले का पानी जाखल मण्डी में भी आ जाता है और उन गांवों में भी आ जाता है। स्पीकर साहब, मैं आपके द्वारा मुख्य मंत्री जो और सुरजेवाला साहब से निवेदन करूंगा कि वह कृपा करके मेरो बात को नोट कर लें। ऐसे हालात में उन गांवों के किसानों को बचाना बहुत ही जरूरी है।

इसके अलावा मेरे हल्के रतिया में होस्पीटल बराए नाम है। रतिया की लगभग 25– 30 हजार की आबादी हो चुकी है। रतिया तहसील बन गई लेकिन वहां पर होस्पीटल बराए नाम है। स्पीकर साहब, मैं आपके द्वारा मुख्य मक्का जी से निवेदन करूंगा कि वहां पर कम से कम 20 बैड का हौस्पीटल बनाया जाए। यह भी खुशी की बात है कि मुख्य मंत्री जी की ससुराल भी मेरे ही हल्के में है। रतिया से केवल 8 किलोमीटर की दूरी पर है। रतिया में हौस्पीटल बन जाने से उस गांव के लोगों को भी फायदा होगा। वहां पर हौस्पीटल बनने से एक साथ दो बातें बनेंगी, मुख्य मंत्री जी को फायदा होगा और मुझे भी फायदा होगा। स्पीकर साहब, अगर मुख्य मंत्री जी मेरे हल्के में एक हौस्पीटल और एक कालेज बनवा दें तो मैं समझूगा कि इन्होंने

मेरो मदद की। नही तो, मैं समझूंगा कि यह मेरी मदद नहीं कर रहे हैं।

स्पीकर साहब, इमके अलावा मैं एक बात यह भो कहना चाहता हूं कि स्कूलों के अन्दर टीचर्ज की बहुत हो कमी है। चुनावों के दौ रान मैं अपने हल्के के लगभग 70 गांवों में गया था। उस समय मैंने देत्रा कि हाई स्कूल कैं अन्दर तीन–चार से ज्यादा मास्टर नही हैं और 50 परसैट से ज्यादा हाई स्कूलों में ऐडमास्टर नहीं हैं। मिडल स्कूलों में दो से ज्यादा मास्टर नही हैं। प्राइमरी स्कूलों में बिल्कुल ही मास्टर नहीं हैं। मैं नहीं समझता कि मेरे हल्के के स्कूलो में हो ऐसो बात है या सारे प्रान्त के स्कूलों में ऐसो बात है। सरकार इस तरफ ध्यान दे। जहां–जहां भो स्कूलों में मास्टरों की कमी है, उसको पूरा करें। यदि आप ऐसा करते हैं, तो मैं समझूगा कि आपने हमारी बात मानी है।

एक बात मैं सड्कों के बारे में कहना चाहूंगा। सड़कों का बहुत बुरा हाल है। इसमें कोई सन्देह नहीं है। चौधरी बंसी लाल जी ने 1986 में जिन सड्कों पर रोड़ी गिरवाई थी, उन तमाम सड्कों पर घास उगी हुई है। चौधरी देवी लाल की सरकार ने अपने चार साल के दौरान रोडी के०पर तारकोल नहीं डलवाया। (विघ्न) स्पीकर साहब, मेरे कहने का मतलब यह है कि उनकी सरकार ठीक काम करती तो सड़क बन चुकी होते।। (घन्टी)स्पीकर साहब, अन्त में मैं आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान लेता हूं।

श्री राम कुमार कटवाल (राजौंद): अध्यक्ष महोदय, मैं राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर रखे गए धन्यवाद प्रस्ताव का विरोध करो के लिए खड़ा हुआ हू लेकिन विरोध करने से पहले मैं आपका धन्यवाद करना चाहूंगा क्योंकि आपने मुझे बोलने का समय दिया। इस अभिभाषण पर बोलते हुए सबसे पहले मैं सरकार से पूछना चाहता हूं कि मेरे क्षेत्र में 25 हजार मन पत्र अधिक क्यों छापे गए थे? स्पीकर साहब, वहां पर 25 हजार मत पत्र अधिक छापे गए थे, जिनको बाद में जलाया गया था। इसी के साथ साथ मैं यह भी कहना चाहूंगा कि कुरूशेत्र यूनिवर्सिटी के अन्दर कोई झगड़ा हुआ या नही इसका मुझे पता नहीं लेकिन मेरे लड़के को पुलिस वहां से पकड़ कर ले गई और उसका नाम एक एफ० आई० आर० में शामिल कर दिया। यह एफ० आई० आर० शाहबाद के नजदीक के एक थाने मे दर्ज की गई थो। इसी प्रकार से मेरी बहनों व बेटियों को भी पुलिस ने पकड़ा जिनको बाद में मेरा सुसराल वाले थाने से लाये थे। हमारे दो–दो बच्चे थे जबकि पुलिस की चार–चार गाड़ियां थी। मेरे हल्के के एक सन्डेल गांव में खारा पानी है। वहां की वाटर सप्लाई बंद पड़ी है। मैं चाहूंगा कि वहां की वाटर सप्लाई शीघ्र से शील चालू की जाये। इसी प्रकार से मेरी कांस्टिचुऐंसी के कई तालाब भी सूखे पड़े हैं। उनमें पशुओं के पीने के लिए पानी तक नही है। मेरे हल्के में एक गंगा टेहरी–पोपड़ा में एक वाटर सप्लाई की स्कीम बनी हुई है। वह भी एक महीने से बंद है, जिसकी वजह से लोगों को पाने के पानी की बडी भारे। दिक्कत है। मैं चाहूंगा कि. उसे जल्दी से जल्दी

चालू किया जाय। इसी प्रकार से मेरे हल्के के 4 गांव असंध हल्के के अन्दर पड़ते हैं। ये हैं अरडाना, झूण्ड बारी और थल। इसके साथ–साथ मैं सरकार के नोटिस में लाना चाहूंगा कि मेरे हल्के की 20 परसैन्ट बिजली काट कर जुन्डला कास्टिचुऐंसी को दी जा रही है। मेरी सरकार से प्रार्थना है कि मेरे हल्के राजौद को बराबर के हिस्से की बिजली मिलनी चाहिए ताकि किसानों को और दूसरे व्यक्तियों को किसी प्रकार की दिक्कत का सामना न करना पड़े। इसी प्रकार से मेरी प्रार्थना है कि मेरे हल्के का जो किठाना रजवाहा है, उसे सोगरी गिलान। तक बढ़ाया जाये। अगर वहां पर पानी पहुंच जाता है तो किसानों को बहुत अधिक फायदा होगा और खेती की भी अधिक पैदावार होगी, धन्यवाद।

श्री राम भजन (भिवानी): आदरणीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपका बहुत–बहुत धन्यवाद करता हूं कि राज्यपाल के अभिभाषण पर कम से कम आप नये सदस्यों को बोलने के लिए समय तो दे रहे है। कई सदस्य आपसे प्रार्थना कर रहे थे कि नये सदस्यो को हाउस में बोलने का समय मिलना चाहिए। अध्यक्ष महोदय मैं आपके माध्यम, से माननीय चीफ मिनिस्टर साहब का तया इस हाउस का ध्यान एक विशेष बात की तरफ दिलाना चाहूंगा। अभी तक जों भो सदस्य बोले हैं, उनमे से किसी ने भी मंहगाई के बारे में चर्चा नहीं की। मैं माननीय मुख्य मन्त्री जी से जानना चाहूंगा कि जनवरी, 1990 के आकड़ों के करीब मंहगाई को लाने का वायदा किया गया था परन्तु अब महंगाई उसके मुकाबले में 15–20

परसेंट बढ गई है जिनके कारण गरीब आदमी बहुत दुखी है और हर तरफ से कराहट है कि मंहगाई बढ रही है। स्पीकर साहब रुपये का अवमूल्यन होने से महगाई और भी बढेगी। मैं आपके माध्यम से सरकार से यह जानना चाहूंगा कि मंहगाई रोकने के लिए सरकार के पास क्यों कोई कंकरीट प्रपोजल है और सरकार क्या कदम उठा रही है? पब्लिक डिंस्ट्रिब्यूशन सिस्टम को सरकार केसे चाल करना चाहती है। मैं चाहूंगा कि मुख मंत्री इस बारे में जरूर कुछ प्रकाश डालें।

अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा मेरे इलाके में बहुत सी गम्भीर समस्याएं हैं। जैसे कि पानी की समस्या का सब लोगों को पता है। आदरणीय चौधरी बंसी लाल जो ने भी इस बारे में जिक्र किया है। स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मुख्य मन्त्री जी का ध्यान आकर्षित करते हुए उनसे प्रार्थना करूंगा कि वे इन की ओर जरूर ध्यान दें और गांवों में पाने कीं पानी उपलब्ध करवाने के बारे पग उठाएं। जैसे कि एक नन्द गाव है, वहां पर टयूबवैल का पानी अवेलेबल है। अगर उस को पाईप लाईन से जौड दिया जाए तो ग्रामीणों को पानी मिल सकता है। इस विषय में सरकारें जरूर गौर करे।

इसके बाद दूसरे कई और प्याव्टस हैं, जिसका मैं जिक्र तक करना चाहूंगा। रोहतक यूनिवर्सिटी के अन्दर गुण्डागर्दी हो रही है और प्रदेश के अन्दर भी गुण्डागर्दी बढ़ रही है। मुख्य मन्त्री

महोदय इस ओर ध्यान दें कि इसमें क्या और कैसे सुधार ही सकता है। इस बारे में ''पींग'' अखबार के अन्दर भी आया है।

अध्यक्ष महोदय, जैसै आदरणीय चौधरी बसा लाल जी ने भी कहा पुलिस के जो छोटे कर्मचारी हैं, उनका यूनियन जरूर होना चाहिए। आज आप देखते हैं कि चाहे बिजनैसमैन हों, चाहे इण्डस्ट्रीज हैं, वहां यूनियन्ज, होती हैं वैसे हो पुलिस की भी यूनियन बनाई जानी चाहिए। उनकी डे–टू–डे–वर्किग को देखते हुए उनकी तकलीफों को देखते हुए उनके साथ विचार–विमर्श करें और उनके जो सुझाव हैं, उनको कार्यान्वित करें। पुलिस के जो कर्मचारी हैं, उनकी छोटी–छोटी' मांगें हैं जिनकी तरफ कोई ध्यान नहीं दिया जाता है। बड़े पुलिस अधिकारी, उनको तंग करते हैं। पिछले दिनों भिवानी के अन्दर एक ऐसा काण्ड हुआ जो कि शायद आपके ध्यान में भी हो। पुलिस के कर्मचारियों को मजबूर किया गया कि शहर के अन्दर आगजनी करें। पुलिस ने वर्दी में होते हुए भी अपने हाथ सै दुकानों में आग लगाई और गोलियां चलाई। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मुख्य मंत्री महोदय का ध्यान इस ओर दिलाना चाहूंगा कि अगर पुलिस कर्मचारियों कीं यूनियन हों, तो वे अपनी डिमाण्डज रख सकेंगे और उच्च अधिकारी उनसे कोई गलत काम नही करवा सकेंगे।

स्पीकर साहब, हमारा इलाका सिंचाई के मामले में पिछड़ा हुआ है। आलावास माईनर और कुछ दूसरी माईनर्ज ऐसी हैं, जहां पानी बिल्कुल नही आता है। मैं आपके माध्यम से मुख्य

मक्का जी का ध्यान दिलाना चाहूंगा कि कैनाल वाटर सप्लाई को रैगुलर किया जाए ताकि जमींदार फसल से कुछ लाभ उठा सके। इसके अलावा भिवानी के अन्दर एक मिल्क प्लांट है। लाखों रुपये की सम्पत्ति सरकार ने वहां पर बना रखी है। हमें यह पता लगा है कि सरकार अब जल्दों हो इस मिल्क प्लांट को भिवानी से उठाने जा रही है। स्पीकर साहब, मैं नहीं समझ पा रहो हूं, कि सरकार ने लाखों, रुपये लगाकर वहां पर जो प्रापर्टी बनाई है, उसका क्या होगा। यह मिल्क प्लांट भिवानी के अन्दर सालो से चल रहा है। बहा मिल्क ईल्ड भी बहुत है और मिल्क के साधन भी वहां पर बहुत हैं और मिल्क प्लांट वहां पर ठीक चल रहा था। ऐसी कोई वजह नजर नहीं आती, जिसके कारण इसको बन्द किया जा रहा है। मैं मुख्य मन्त्री जी से यह कहना चाहूंगा कि ऐस। करना उस शहर के प्रति अन्याय होगा और इस अन्याय को वे न होने दें। यह मिल्क प्लाट शहर के अन्दर वना है और सरकार ने लाखों रुपये लगा कर इसकी प्रोपर्टी बनाई है। पता नहीं इस मिल्क प्लांट को वहां से क्यों शिफ्ट किया रुपा रहा है। या तो इस मिल्क प्लांट को यहां से शिफ्ट न किया जाए और या फिर इसको वहां से शिफ्ट करने के कारण बताए जाए और यह भी बताया जाए कि इस में वहां पर अब क्या कमी आ गई है।

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्षः राम भजन जी, आप जरा एक मिनट के लिए बैठिये। Hon'ble members, since the new members intend to

take it in the debate, the time of the House may be extended upto 7 p.m., if it is the pleasure of the House ?

Voices : Yes.

Mr. Speaker : The time of the House is extended upto 7 p.m.

राज्य–पाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री राम भजनः पीने के पानी के बारे में मैं आपके माध्यम से मुख्य मती महोदय का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं कि न केवल शहरों में ही बल्कि गांवों में भी पीने के पानी की बहुत ज्यादा कमी है। वहां पर इतनी कमी है कि लोग पीने के पानी के लिये त्राहि–त्राहि कर रहे है। पिछले दिनों में मैं एक गांव में चला गया। वहां के लोगों ने मुझे पीने के लियें पानी दिया। वह बिल्कुल खारा' पानी था। उसके बाद वह मुझे एक नल पर ले गये। वहां पर नल में पानी का निशान भी नहीं था। ऐसों लगता था कि महीनों से ही नहीं बल्कि सालों से वहां पर पानी नहीं आया होगा। उस हालत में ग्रामीण लोग दो–दो मील से पानी लाकर अपना गुजारा करते हैं। जहां तक शहरों का सवाल है, भिवानी शहर के अन्दर भी त्राहि–त्राहि मची हुई है। पीने के पानी की कमी तो है हां इसके अलावा मैं मुख्य मंत्री महोदय से कहना चाहूंगा कि वहां पर बीमारी– फैलने का बहुत अन्देशा है। भिवानी के अन्दर कई मोहल्लों में सीवरेज का पानी पीने वाले पानी के साथ मिल रहा है। वह पानी पीने के लिये नलों में आता है।

अधिकारियों से हमने इस बारे में सम्पर्क किया। डी० सी० से मिले। हैल्थ डिपार्टमैंट से मिले। इस बात का कोई तसल्ली–बख्श जवाब उनके पास नहीं था। केवल उन्होंने यही कहा कि लाईमें पुरानी हो गयी हैं लीकेज हो गयी है। इसलिये सीवरेज का पानी मिल जाता है। इसको बखूबी उन्होंने ऐडमिट किया है। मैं आपके माध्यम से मुख्य मती महोदय से कहना चाहूंगा कि यह कोई जवाब' नही है। यह तो जनता के जीवन के साथ खिलवाड़ है। सीवरेज का मिला हुआ पानी पीकर लोगों के अन्दर बीमारिया फैलने का अन्देशा है। यह लोगों की लाईफ का सवाल है। इसके लिये कैवल यह कहना काफी नहीं है। सरकार इस बात की इन्कवायरी करे कि यह कहां से मित्र रहा है। यह मिल गया है, यह तो सब ऐडमिट करते हैं लेकिन लोग उसी पानी को पीने के लिये मजबूर हैं। अब कहां तक उसके रोकने के लिये उपाय किये गये हैं, यह बताये। पहले तो वहां पर पीने के लिये पानी है ही नही, अगर पीने के लिये एक मटका कही से मिल भी जपता है, तो ऐसे पानी के पीने की बजाये न पीना ही बेहतर है। मैं यह कहना चाहूंगा कि इस पाना की समस्या को कब और किस तरह से हल कर सकते हैं, यह आप देखें। ग्रामीण क्षेत्रों के अन्दर नल के अन्दर मवेशियों को तो क्या इन्सान वे भो पीने के लिये पानी नही मिलता। मैंने कितने ही गावों को विजिट किया है। नलों के अन्दर एक–एक बूंद भी पानी की नहीं आती। कुछ गांव ऐसे है, जहां पर मटकों की लाइनें लगी रहती है लेकिन कुछ गांव ऐसे है, जहां पर नल कई–कई दिनों से सूखे पड़े 'हैं। बिजली के बारे में

सुरजेवाला जी ने बताया है कि इसका प्रबंध हो जायेगा। लेकिन कब? पिछड़े दिनों, मैं भिवानी के अन्दर था। वहां पर दोपहर के अन्दर बिजली चली जातो थीं। जब हम लोग देहात के अन्दर जाते थे तो वे कहते थे कि बिजली का समय शायद भिवानी जिले के लिये कट का छांट रखा है जो 12 बजे दोपहर से लेकर 4 बजे तक का है। जब गर्मी सबसे ज्यादा होती है, उसी वक्त वहां पर बिजली जाती है।

अध्यक्ष महोदय, जहां तक गांव के स्कूलों का सवाल है, स्कूल तो अपग्रेड कर दिये गये हैं लेकिन वहां पर स्टाफ नहीं है। कई गांवों में हम गये। दो टीचर रहते हैं। एक टीचर को सस्पैंड कर दिया। उसको आने नहीं देते। दूसरा छुट्टी चला गया। लड़के बैठे है। पता नहीं वह स्कूल है या क्या है। कई स्कूल तो अपग्रेड किये गये हैं लेकिन वहा पर कोई स्टाफ प्रोवाइड नहीं किया गया है। जब स्कूलों को अपग्रेड किया गया है, तों वहां पर उचित व्यवस्था भी को जाये ताकि विद्यार्थियों की पढ़ाई के लिये प्रबन्ध किया जा सके। अध्यक्ष महोदय, मैं आपका ध्यान इस तरफ भी दिलाना चाहूंगा कि मुख्य मंत्री महोदय इस बात के बारे में बताये कि आप भविष्य में इन स्कूलों के लिये स्टाफ मुहैय्या करवाने के लिये क्या कर रहे हो? माईनरों के लिखे, भी मैंने बताया है कि माईनर्ज के अन्दर पानी नहीं आ रहा है। फसल खराब हो दही है। मेरा कहना यह है कि इरीगेशन की सुविधा मुहैय्या करवाने के लिये वाटर का प्रबन्ध किया जाये। (घंटी)अच्छा जी, धन्यवाद।

श्री अजमत खा (हथीन): मोहतरिम स्पीकर साहब, मैं गवर्नर ऐडैरस पर बहस में हिस्सा लेने के लिये और उस के सम्बन्ध में रखे गए धन्यवाद प्रस्ताव की हिमायत करने के लिये खड़ा हुआ हूं। गवर्नर साहब ने राजीव हत्या का जिक्र करते हुए एक ऐसा काम किया है, जो अच्छा है। यह हत्या इन्सानियत की और सैकुलेरिजम की हत्या है। यह. हत्या फर्ज की नहीं, मुल्क के आदमी की नहीं बल्कि एक मुल्क को तार–तार करने की साजिश का एक हिस्सा है। यह हत्या एक इन्टरनैशनल बेसिज पर साजिश थी। हत्या का जवाब हमारे ना–फिरकापरस्त लोगों ने मुहैया किया स्पीकर साहब, ला एंड आर्डर की बात भी यहां पर काफी आयी है। उस पर भी काफी चर्चा हुई है। इस बारे में क्या कहा जाये। हमारी पिछली सरकार के लोगों का दामन कहीं से भी साफ नहीं है। हमारे दोस्तों का दामन दागदार है। कोई जगह ऐसी नहीं है, जहां पर इनका दामन साफ हो। इस बारे में क्या कहां जाये। किस–किस बात का जिक्र करूं। कोई एक बात हो तो उसका जिक्र करना अच्छा है। इन्होंने तो कुरप्शन, बेरोजगारी, अन्याय, जुल्म और अत्याचार के मामले में चंगेज खां को भी मात कर दिया। चार साल के दौरान हरियाणा की जनता के साथ खिलवाड़ किया गया। हरियाणा की जनता के साथ जो सलूक किया गया, वह सब लोगों के सामने मौजूद है। सारी दुनिया उसे जानती है। बहुत जगहों का जिक्र हुआ है। मैं एक छोटी सी मिसाल देता हूं। ये कहते हैं कि हमने क्या जुल्म किया? अभी यहां पर चौटाला गांव के बारे में ही बताया गया है कि वहां पर दो सौ घरों को

उजाडा गया। मेवात में एक जाति कत्ल हुआ। रात को कत्ल हुआ। सुबह के टाईमरू पर थानेदार को तबदील कर दिया गया। इसलिये कि हम जो चाहेंगे, वह होगा। आज तक 35 घरों के लोग उस गांव से बाहर हैं और उनके घरों कौ बुरी तरह से उजाड़ा गया है। वहां पर आप जाकर देखें। न उनके सामने दरखत हैं, न उनके सामने खिड़कियां हैं, न किवाड़ हैं और न ही छतें हैं। यह सब कुछ इनके राज में हुआ। यह सब कुछ इन्होंने बड़े मजे से देखा। इतना हो नही फरीदाबाद काम्पलैक्स में जो लोग रहते है, उनसे पूछें। उन लोगों का जमीनों को जबरदस्ती खरीदा गया। वहां पर दुकानें तामीर की गयी लोग कहते है कि आखिर यह पता लगाने के लिये कि लोगों को अपने घरों मे उजाड़ कर दुकानें किसी तामीर करवायी हैं, वह दुकानें किसकी हैं, यह सब सरकार को देखना चाहिये। मैं तो इस बारे में और ज्यादा क्या कहूं। बहुत से लोग मेरे मे पहले इस बारे में बहुत कुछ कह चुके है। स्पीकर साहब, अब मैं थोड़ा सा मेवात के बारे मे कहना चाहता हूं। 1980 से पहले मेवात के साथ अच्छा सलूक नही किया गया था। 1980 में जो सरकार आई, उसने मेवात के लोगों की कुछ भलाई करने की कोशिश की लेकिन जब 1987 में सरकार आई तो उसने काग्रेस सरकार के द्वारा किए गए काम को खत्म करने की कोशिश की और पहले जितना काम हुआ था, वह लगभग खत्म ही कर दिया। मेवात का इलाका ऐजुकेशन और रिसर्च में काफी पिछड़ा हुआ है। वहां पर एक भी ऐसा हाई स्कूल नहीं णै, जहां कर स्टाफ पूरा हो। वहां पर स्कूलों में टीचर्ज की बहुत कमीं है।

सीकर साहब, वहां पर जे० बी० टी० स्कूल खोला गय। और वह स्कूल मेवात के बच्चों 'के लिए खोला नया था, लेकिन उस स्कूल में जींद और भिवानी के लोगों को दाखिला दिया गया। मेवात के केवल दो या तीन बच्चों को ही दाखिला दिया गया। मेरी सरकार से प्रार्थना है कि वहां पर केवल मेवात के बच्चों को ही दाखिला दिया जाएं। मेवात कैं जिन' बच्चों ने जे० बी० टी० की हुई है, उनको नौकरो पर नहीं लगाया जाता। दूसरे जिलों के लोगों को टीचर्ज की नौकरी दो जाता है, लेकिन मेवात के लोगों को नौकरी नही दी जाती। ऐसा करके मेवात को पचास साल पीछे कर दिया गया है। अगर हमारे बच्चों का वहां पर पढ़ने कह ठीक इंतजाम हो, तो वे अच्छी नौकरी पर लग सकते हैं।, वे इंगलैड और अमेरिका में जाकर नौकरी कर सकते हैं लेकिन पिछली सरकार ने वहा की ऐजुकेशन का ढांचा खराब कर दिया। वहां पर पढ़ाई न होने के कारण हमारे बच्चों के नम्बर कम आ रहे हैं। मेरी सरकार से प्रार्थना है कि पौलीटैक्नीक कालिज में दाखिला देते समय रियायत दी जाए और वहां के बच्चों के लिए रिजर्वेशन की जाए जिससे कि हमारे यहां के बच्चे रोजी कमाने के काबिल हो सकें।

स्पीकर साहब, हमारे यहां बहुत से स्कूल ऐंने पैं जो नाम मात्र के लिए ही स्कूल है। उन स्कूलों की कोई बिल्डिंग नहीं णै, किसी स्कूल की छत नहीं है और किसी स्कूल की दीवार नही है। मेरे अपने गांव में जो स्कूल है, उसकी छत टूटी है लेकिन उसको देखने वाला कोई? नहीं है। स्पीकर साहब, मलाई के स्कूल

की चार साल पहले पी० डब्ल्यू० डी० वाले छत तोड़कर आए थे और उस वक्त वे कहकर आए थे' कि इसकी जल्दी ही मरम्मत कर देंगे लेकिन आज तक उसको जाकर नहीं देखा है। इसलिए मेरी सरकार से गुजारिश है कि वहां पर स्कूल की बिल्डिंग पूरी की जाए। जिन स्कूलों की छत नही है, दीवार नही है, या कमरे नहीं हैं, उनको पूरा किया जाए। मेरी यह भी प्रार्थना है कि उन स्कूलों में स्टाफ पूरा भेजा जाए जिससे कि वहां के बच्चों की पढ़ाई ठीक प्रकार से हो सके और वे तालीम से महरूम न रहें। स्पीकर साहब, मेरी अंह भी प्रार्थना है कि जे० बी० टी० स्कूल में मेवात के बच्चों को ही दाखिला दिया जाए और जे० बी० टी० स्कूल के स्टाफ को मेवात बोर्ड से तनखाह दी जाए।

स्पीकर साहब, मेरी सरकार से प्रार्थना है कि आई० टी० आई० में वे ट्रेड्ज दी जाएं जो मेवात के इलाके की जरूरत के मुताबिक हों, जैसे स्टेनोग्राफो, टाईप और इलैक्ट्रिशियन।

स्पीकर साहब, अब मैं पानी के बारे में कहना चाहता हू। मेरे अपने हल्के हथीन में पानी की काफों कमी है। मेरो. सरकार से प्रार्थना है कि पहाड़ –के साथ– साथ कुएं बनाए जाएं। वहां पर कुएं पत्थर के अन्दर खोदे जाते हैं, इसलिए लागत दो लाख रुपए आती है। उनमें ट्यूबवैल्ज लगाकर पौने के लिए पानी तथा खेती के लिए भी पानी दिया जा सकता है। ऐसा करके कई–कई किलोमोटर तक पानी दिया जा सकता है।

स्पीकर साहब, जहा तक बिजली का ताल्लुक है, एक दो दिन के लिए बिजली को कमी हुई थी लेकिन अब बिजली ठीक मिल रहो है। स्पीकर साहब, बिजली की जो लाइने है, वे बहुत पुरानी है और बाज जगह पावर हाउस से चालीस–चालीस किलोमीटर दूर हो गई है जबकि सीधी पावर हाउस से लाइन दा जाए तो छः–सात किलोमीटर का फासला बन जाता है। इसके लिए जरूरी है कि नए सिरे से रिमोडलिंग की जाए। इस मे सिर्फ लेबर लगेगी और वहा जो मैटीरियल है जैसे पौल्ज और कंडक्टज जौ पहल लगे हुए हैं, वही काम आ जाएंगे।

मै आपके माध्यम से सरकार से यह जानना चाहता हूं कि कब एस० वाई० एल० को पानी आएगा ओर कब मेवात को उसका पाना मिलगा? मैं सरकार से यह कहना चाहता हू कि कही यह न हो कि एस० वाई० एल० का पाना आकर भिवानी, जीन्द व हिसार के इलाकों को तो मिलना शुरू हो जाए लेकिन उस समर सरकार मेवात कैनाल बनानी शुरू करे। अतः सरकार से प्रार्थना है कि एस० वाई० एल० का पानी आने से पहले सरकार को चाहिये कि वह मेवात कैनाल को बराकर तैयार कर दे ताकि एस० वाई० एल० का पानी आने पर साथ ही साथ मेवात के इलके को भी पानी मिल जाए।

स्पीकर साहब, यहां पर ला एण्ड आर्डर की बातों पर भी काफी चर्चा हुई। स्पीकर साहब, पुलिस को भर्ती के मामले में हमारे मेवात के इलाके के साथ पहली सरकारों द्वारा काफी

भेद–भाव बरता जाता रहा है। इसलिये सरकार अब मेवात के इलाके से पुलिस की ज्यादा से ज्यादा भर्ती करे क्योंकि इसकी निहायत हो जरुरत है। वहं इसलिये कि आज फिरकापरस्ती मुंह खोले हमको डसने के लिये चारों ओर से तैयार खडी है।

स्पीकर साहब, हमारा मेवात का इलाका एक ऐसा मिसाली इलाका है, जिसके अन्दर भाई चारा है। जहां हिन्दु और मुमलमानों जैसा कोई चोज नहीं है। आर वहां पर कोई नाम है तो वह केवन भाई–चारे का हो नाम है। आपस में लोग प्यार मुहब्बत से रहते हैं। किसी के साथ आपस में कोई ऐसो बात नही हैं। पंचायतें भी हैं, बिरादरिया भी हैं लेकिन इस देश के कुछ लोगों को राजनीति ने, इस देश के कुछ राजनेताओं ने आज सारे हिन्दुस्तान में अपरे निजी स्वार्थों के लिये भेदभाव का वाता वरण पैदा कर रखा है जैसा कि पहली सरकारों के वक्त में रहा। मैरे पहले भी जिकर किया कि हमारे मेवात के इलाके के साथ हर तरह से पहली सरकारो द्वारा भेदभाव को नीति बरती जाती रही, इस लिये इस भेदभाव को दूर करने के लिये सब से पहले सरकार को चाहिये कि पुलिस में हमारे मेवात के इलाके के नौजवानों को भर्ती किया जाये। इसमे एक तो हमारे इलाके को बेरोजगारी दूर होगी दूसरा इस सरकार के प्रति लोगों को आस्था बढ़ेगी। पिछने 6– 7 सालों में नाम गंद को नुमाइन्दगी मेवात' के इलाके को पूलिस की भर्ती में मिली थी। केवल चन्द लोगों को हो पुलिस में निय। गया था लेकिन अब सरकार हमारी उस कमी को पूरा

करेगी, ऐसी हमें उम्मीद है। इमसे आगे एक जरूरी बात और कहना चाहता हूं कि जो अधिकारियों के तबादले हाते हैं, उस ओर भी सरकार को विशेष ध्यान देना चाहिये। होता क्या है कि एक अफसर की कही से सजा के तौर पर ट्रान्सफर हो जाती है तो उसे मेवात में भेज दिया जाता है। हमें तो वह आदमी चाहिये जो हमारे इलाके मे प्यार करता हो। जो हमारे मेवात के इलाके का नजदीकी हो, जोकि वहां पर रहता चाहता हो। ऐसा नही होना चाहिये कि जिस को सजा मिले, उसको वहां भेज दो। इससे ऐसा होगा कि जो अफसर जबरदस्ती ट्रांसफर करके मेवात के इलाके में भेजा जाएगा, वह अफसर तो अपनी ही भलाई सोचेगा और मेवात के इलाके के लिये, उस दिन के दिल में कोई भलाई नहीं होगी। मेवात के इलाके को डिवैल्पमैन्ट के लिये कोई काम नहीं करेगा। इसलिये सरकार इस ओर विशेष ध्यान देने की कृपा करे जिससे मेवात के इलाके की भलाई हो।

इसी तरह से ऐजूकेशन व पीने के पानी के लिये भी सरकार मेवात के इलाके के लिये जो कोशिश कर रही पै, उसके लिये हम सरकार के आभारी हैं लेकिन अभी इस ओर और ध्यान देने को जरूरत टब। अध्यक्ष महोदय, एक और जरुरी बात है कि आज सारे हरियाणा के अन्दर कोई ऐसा इलाका नहीं है, जहां सिविल डिसपैसरियां या हस्पताल ने हों, लेकिन हमारे हथीन जैसे बडे कस्बे में सरकार को ओर से कोई ऐसो सुविधाएं उपलब्ध नही

है। लोगों की भलाई के लिए और सहूलियतें देने के लिये सरकार को इस मोर पूरो तवज्जो देनी चाहिये।

इससे आगे मैं सरकार से यह कहूंगा कि इस सारो तहसील के अन्दर कोई सीनियर सैकेण्डरी स्कूल भी नहीं है। इसलिये हमारे उस इलाके को 10 + 2 स्कूल की सुविधाएं प्रदान की जाएं। मेवात के इलाके में आज तक किसी भो पिछली सरकार को ओर से कोई 10 + 2 सीनियर सैकेण्डरी स्कूल की सहूलियत मुहैम्या नहीं करवाई गई हैं जिस कारण से हमारा मेवात का इलाका ऐमुकेशन के हिसाब से काफी पिछड़ा हुआ है। मैं यह बात फैक्टस पर आधारित कह रहा हूं। आशा है कि सरकार इस ओर ध्यान देगी।

इसी तरह से सड़कें व पुल तो सरकार सभी जगहों पर बना ही रही है। इस सब के लिये तो सरकार का बार–बार शुक्रिया अदा करते हैं और जो दूसरे काम यह सरकार शुरु करने जा रहो है उन सब का जिक्र गवर्नर साहब ने अपने ऐडैरस में भी किया है। वह काम अवश्य ही सरकार जल्दी करेगी क्योंकि हमारी इस सरकार के इरादे नेक हैं। जिसके इरादे नेक' होते है, वे हमेशा ही नेक मुकाम पर पहुंचते है। उनके इरादे उन्हें हमेसा कामयाबी की मंजिल तक पहुंचाते हैं। अगर किसी के नेक इरादे हों, तो उसको रोकने वाला कोई नहा है ओर वह इन्सान मंजिल पा हो लेता है। यही आज हमें अपनी सरकार के नेक इरादों से उम्मीदें हैं। लेकिन इस समय हरियाणा में दो कौमें ऐसी हैं जो अब तक न शिड्यूल्ड

कास्टस में हैं और न बैकवर्ड में। एक कौम है ' 'बलहार'' और दूसरों है ''सका''। अगर इनको कोई सर्टीफिकेट बनाना हो तो बड़ी दिक्कत आती है। मेरा कहना यह है कि ''बलहार'' कौम शिड्यूल्ड कास्टस में आनी चाहिए और ''सका'' बैकवर्ड में शामिल की जाए।

एक बात रेलवे लाइन की करना चाहता हूं। वैसे यह तो बड़े–बड़े मसले हैं, हमारे तो छोटे–छोटे काम हो जाएं, वही. बहुत हैं, लेकिन अगर चौधरी साहब उधर पे रेलवे लाइन निकलवा दें तो यह मेवात की बहुत पुरानी मांग है जो पूरी होगी यह मेवात से अलवर चली जाए या सीधी निकल कर रिवाड़ी चली जाए। कई रास्ते है तो मेवात को तरक्की के लिए यह बहुत बड़ा काम होगा। चौधरी साहब, आप है। हमारे हलके के एम० पी० रह चुके हैं। आपका हो यह भी वायदा है कि जो काम वहां पर पिछले दस सालों से पड़े हैं, उन्हें बाप पूरा कर देंगे। तो मेरा कहना है कि अगर आप रेलवे लाइन निकलवा दें तो हमारी तरक्की हो जाएगी। अगर एक बहुत बड़ी इंडस्टरी भी वहां लगा दें तो हमारे लोगो को नौकरियां मिल जाएंगी। इसके साथ साथ आपसे एक निवेदन और है कि हमारे हलके में खास तौर से मेरे हलके में हम आपको जमीन देंगे। आप जो ऐग्रीकल्चर इनस्पैक्टर ले रहे हैं, ये सारे के सारे यू० पी० से आ रहे हैं या इधर से आ रहे हैं। हम आपको जमीन देंगे कम से कम एक छोटा सा सैन्टर खोल दीजिए ताकि हम भी अपने लडकों को ऐग्रीकल्चर अफसर बना सकें। यानी एक

कालेज जैसा बना दीजिए। हमारी जो ऐग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी है उसकी एक ब्रांच वहा खोल दें ताकि वहां हम लोग ऐग्रीकल्चर की ऐजुकेशन हासिल कर सकें। इन अलफाज के साथ मैं गवर्नर साहब का शुक्रिया अदा करता हू इस बात के लिए कि उन्होंने अपनी छोटी सी तकरीर में चन्द अलफाज के अन्दर ठोस बातें कही और इस सरकार से हम उम्मीद करते है कि सरकार जरुर इन बातों को कामयाब करेगी। धन्यवाद।

श्री ओम प्रकाश (बेरी): अध्यक्ष महोदय राज्यपाल के अभिभाषण पर जो धन्यवाद का प्रस्ताव आया है, उसका समर्थन करने के लिए मैं खडा हुआ हूं। सब से पहले कानून व्यवस्था के बारे में दुहाई दी गई। पिछले चार सालों में कानून का राज न होकर गुन्डागर्दी का राज था। किस तरह से काड हुए। मेहम कांड, गोहाना कांड, कोसली कांड और कोई गुड़गांव का कौलोनाइजर कांड। ये ऐसी कहानिया हैं जिनका वर्णन सुनकर मेरे ख्याल में हम भारतवासियों का सिर शर्म से झुक जाएगा। सम्पत सिंह जा कानून व्यवस्था कोई बात करते हैं और कहते है कि कानून व्यवस्था ठीक होनी चाहिए। ये कम से कम अपने गिरेबान में झांक कर तो देख लें कि इनके जमाने में क्या चोज होती थी। उस समय कोई दिलेर से– दिलेर आदमी भी रात की बात तो छोड़ दीजिए दिन छिपने के बाद भी सड्कों पर चल नही सकता था, जंगलों की बात तो छोड़ दीजिए। उन दिनों यह हालत थी। इस सरकार के बनने के बाद और राष्ट्रपति शासन लागू होने के

बाद कुछ थोड़ी सी राहत मिली है। मैं तो यह कहने के लिये तैयार हूं कि मैं तो हरियाणा की अच्छी किस्मत समझता हूं और उन वक्त की केन्द्र सरकार तथा राष्ट्रपति श्री वेकटरमण को बधाई देता हूं कि उन्होंने यहां पर गवर्नर का राज कायम कर दिया। गवर्नर राज के अन्दर हरियाणा में चुनाव हुए अगर ये चुनाव दूसरी सरकार के रहते हुए होते तो हजारों आदमियों का खून होता ओर खून की नदियां बहती। यह हालत इन लोगों ने बना दी थी। इनको यह बात कहने का कोई हक नहीं पै कि कानून–व्यवस्था खराब हो रही है। गवर्नर साहब के राज मे बाद और चौधरी भजन लाल जी की सरकार बनने के बाद हरियाणा प्रदेश में कानून व्यवस्था बहुत बेहतर हुई है। आने वाले समय में आप देखना हरियाणा प्रदेश में बेहतर कानून का राज कायम हो जाएगा। वैसे तो कानून का राज तो हरियाणा प्रदेश में कायम हो ही चुका है, इसमें कोई शक नहीं है। राज्यपाल महोदय क। जो अभिभाषण होता है, वह किसी भी प्रदेश की सरकार का आने वाले एक साल के लिए पौलिसी स्टेटमैंट होता है। हमारी सरकार ने राज्यपाल महोदय के जरिए, प्रदेश के लोगों से कुछ वायदे किए हें और कुछ बातें सुझाई हैं कि आने वाले साल में हम क्या करने जा रहे हैं। मैं एक बात पैशन के बारे में बताना चाहूंगा। पिछली सरकार ने बुजुर्गों को पैंशन दे करके एक 'करह से खरीद लिया था। मैं तो उसको रिश्वत कहूंगा क्योंकि बुजुर्गो को कभी भी समय पर पैशन नहीं मिली। जब भी कोई दिल्ली में रैली करनी हो, या किसी और जगह रैली करनी हो तो वह सरकार एकदम बुजुर्गो को दो तीन

महीने की इकट्ठी पैशन भेज देती थी। यदि कोई उप चुनाव हुआ तो इकट्ठी चार महीने की पैशन भेज देती थी। यदि पार्लियामैंट का इलैक्शन आया तो 8 महीने की इकट्ठी पैंशन भेज देती थी। उस सरकार ने प्रदेश के अन्दर ऐसे हालात बना रखे थे। हमारी सरकार ने यह वायदा किया है कि हम हर महीने की 7 तारीख को बुजुर्गो के पास पैंशन पहुंचा देंगे और हम इसको रैगुलेराईज कर देंगे। हमने यह पैशन रिश्वत के तौर पर नहीं दी बल्कि बुजुर्ग आदमियों को सम्मान के तौर पुर पैंशन देने का फैसला किया है। जहां तक 65 साल से घटा कर 60 साल की आयु के बुजुर्ग को पैशन देने की बात है, वह सही बात है और 55 साल की बात सही नही है। मैं 55 साल को बात से ऐग्री इसलिये नहीं करता क्योकि हमारे प्रदेश में विकास के काम पूरी तरह से ठप्प पडे हैं। पिछले चार साल में फाइनैसिज के साथ बहुत बड़ा मजाक किया गया था जिसके कारण प्रदेश के अन्दर विकास के काम बिल्कुल ठप्प हो गए। किस तरह से भ्रष्टाचार फैला, उसकी मिसाल पूरे देश के अन्दर कही भी नही मिलती। हम अपने प्रदेश को विकास के रास्ते पर डालना चाहते है, इसलिये हमारो सरकार ने ठीक ही कहा है कि 55 साल की बजाय' बुजुर्गो को 60 साल की आयु से पैंशन की जाएगी। अगर हम 55 साल की उमर के बुजुर्गो की पैंशन कर देते तो उसमें हरियाणा सरकार का और ज्यादा पैसा खर्च होता। यह पांच साल उमर कम न करने से जो पैसा बचेगा उसको हमारी सरकार प्रदेश के विकास के कामों में लगाएगी क्योंकि प्रदेश के अन्दर सड़कें टूटी–फूटी पड़ी है, नई सड़कें

बननी हैं, होस्पीटल बनने हैं। इस तरह के बहुत से काम हमारी सरकार ने करने हैं। मैं समझता हूं कि हमने 55 साल की बजाय 60 साल की आयु के बुजुर्गो को पैंशन देने की जो बात कही णै, वह बिल्कुल सही है। बेशक हमने अपने चुनाव घोषणा–पत्र में 55 साल की बात कही थी, लेकिन प्रदेश की खस्ता हालत देख कर और आर्थिक व्यवस्था देख कर 65 साल से घटा कर 60 साल की आयु के बुजुर्ग को पैशन देने की बात सही की गई है। इसके लिय मैं सरकार को बधाई देता हूं कि उसने यह काम सोच समझ कर बिल्कुल ठीक किया है। इसके अलावा मै एक बात' और कहना चाहूंगा। हम भी राजीव लोंगोंवाल अकोर्ड के साथ जुड़े हुए थे। हमने भी चौधरी देवी लाल के साथ मिल कर आन्दोलन किया था और हमने बड़ी ईमान–दारी के साथ चौधरी देवी लाल का साथ दिया था ताकि किसी तरह से रावी–व्यास का पानी हरियाणा प्रदेश के किसानों को मिल जाए और हरियाणा का किसान सम्मान पूर्वक अपनी जिन्दगी बसर कर सके। लेकिन मैंने बहुत पहले महसूस कर लिया था। मेरे कुछ साथियों ने बाद में महसूस किया कि वह न्याय युद्ध न हो करके कुर्सी युद्ध था। कुर्सी मिलने के बाद चौधरी देवी लाल को अपना परिवार याद आया। किसानों की. तरफ उन्होंने कोई ध्यान नहीं दिया। उनको किसान का ऐक्सप्लायटैशन भी याद नही रहा। किसान की दुहाई दे कर किसान का पिछले चार साल के अन्दर जितना ऐक्सप्लायटेशन हूआ उसकी मिसाल पूरे हिन्दुस्तान के अन्दर कही पर भी नही मिनती। अगर चौधरी देवी लाल हरियाणा प्रदेश में रावी–ब्यास का पानी लाना चाहते तो

केन्द्र में सुनकी सरकार थी.। वह खुद उस सरकार में उप–प्रधान मन्त्री 'के पद पर विराजमान थे और यहां हरियाणा प्रदेश में भा उनकी सरकार थी। पंजाब में राष्ट्रपति शासन था, इसके बावजूद उनको नहर का निर्माम करवाने में क्या अड़चन थी? अगर वह ईमानदारी से उस प्रोजैक्ट पर काम करते और नहर के निर्माण में आर्मी की सहायता लेते तो 10 महीने के अन्दर उस नहर का निर्माण हो जाता ओर हरियाणा प्रदेश में रावी–ब्यास का पानी आ जाता लेकिन उनको इस बात की कोई चिन्ता नहीं थी कि हरियाणा प्रदेश में रावी व्यास का पानी आएगा या नहीं उनको तो एक बात की चिन्ता थी कि उनके परिवार का राज बहुत अर्से तक कायम रह सके और वे पर्मानैन्टली सैटल हो सके। उनको किसानो की चिन्ता नहीं थो। यदि उनको किसानों की चिन्ता होतो तो रावी–ब्यास का पानी हरियाणा प्रदेश में आ सकता या। अब चौधरी भजन लाल जी की सरकार बनने के बाद, उन्होंने केन्द्रीय सरकार को लिखा है और प्राइममिनिस्टर से मिले भो हैं। चोधरी भजन लाल जी ने प्रधान मन्त्री से अनुरोध किया है कि रावी–न्यास का पानी हरियाणा प्रदेश को तभी मिल सकता है यदि एस० वाई० एल० नहर के निर्माण का काम केन्द्रीय सरकार अपने हाथ में ले और आर्मी के जरिए इस काम को करवाए। मैं समझता हूं कि यदि इस ढंग से हमारी सरकार के ऐफर्ट्स होते रहे तो रावी व्यास का पानी बहुत जल्दी ही हरियाणा प्रदेश को मिल सकेगा इसमें. कोई शक की बात नहीं है। बिजली के मामले में ये कहते हैं कि हमने बिजली दी। यह बात कुछ हद तक ठीक है। लेकिन उत्पादन का

जहां तक ताल्लुक है, इस बारे में पिछली सरकार ने उत्पादन पहले की अपेक्षा कुछ भी नहीं बढ़ाया। यदि इन्होंने इस दिशा में कुछ काम किया हो, तो जो मेरे भाई आज विपक्ष में बैठे हैं, बता दें। इन्होंने किसी भी थर्मल प्लांट में ज्यादा यूनिट बढ़ाने की बात नही की और न ही कोई नया थर्मल प्लांट हरियाणा में लगाने की सोची। पिछली जो कांग्रेस की सरकार थी उस के समय में इन थर्मल प्लाटस को बनाने की नींव डाली गई थी। कांग्रेस सरकार ने यमुनानगर थर्मल प्लांट, पानीपत का थर्मल प्लांट और फरीदाबाद का थर्मल प्लांट बनाया है। बाद में इन प्लांटस का उद्घाटन इन के आने के फौरन बाद हो गया। बिजली हम हो लारा हैं। मेरे कहने का मतलब यह है कि बिजली के उत्पादन का जहां तक सवाने है, उसमें कांग्रेस पार्टी को सरकार का ही सबसे बड़ा योगदान है। मैं दावे के साथ कहता हूं कि जिस ढंग से सुरजेवाला जो ने बताया कि आज बिजली की क्या पोजीशन है, उसके हिसाब से बिजली का उत्पादन पहले से भी ज्यादा है जो कभी है, उसके बारे में बताया है कि कुछ टैक्नीकल समस्या है, उसका भो इन्तजाम ठोक ढंग से सरकार करेगी। सरकार ने वायदा किया है कि किसानों को ज्यादा से ज्यादा समय के लिए बिजली मिलेगी। सरकार को इस बात का ध्यान है। पिछली सरकार ने कर्जा माफी का वायदा किया था। मैं पूछना चाहता हूं कि इनके वक्त मे कितने लोगों के कर्जे माफ हुए। इस बात से हरियाणा 'की जनता पूरा तरह से वाकिफ है। हमारो सरकार वह वायदा नही करती जो सरकार पूरा न कैर सके। हमरे इन लोगों का जो 7 वर्ष

का कर्ने पर ब्याज है, उसको माफ करने को बात कहीं है और वह सरकार ने कर्जा माफ किया है। हम केवल वोट लेने के लिये वायदे नहीं करते। हम अरने सीमित साधनों से जो सहूलियतें अपने लोगों को दे सकते है, वे देने जा रहे है। इसमें मुझे कोई शक नग्र नही आता, इस बात का मुझे इलम है कि सरकार ने जो वायदे किए हैं, उनको पूरा करेगा। आज बेरोजगारो की समस्या पूरे देश के अन्दर है। हमारा प्रदेश भी इससे अछता नही है। 1991– 92 का जो यह चालू साल चल रहा है, इसमें 40 बड़े और मध्यम दर्जे की इकाईयां लगाये जाने की संभावना है। यह बात गवर्नर साहब ने अपने इस अभिभाषण के पैरा नं० 13 में भी कही है। इन ईकाइयों से कोई 3 हजार लोगों को रोजगार देने की बात कही गई है। इसी ढंग से हमारी सरकार ने एक परिवार में से कम से कम एक आदमी को रोजगार देने की बात कही है। सरकार ने यह वायदा निभाने की बात कही है, यह एक अच्छी बात है। आज के दिन बेरोजगारी की समस्या सबसे बुरी समस्या है। इस बारे में सरकार अगर कुछ कर रही है, तो अच्छी बात है। हमारे यहां पर सड्कों की बहुत बुरी हालत. है। मैं रोहतक जिले की बात कर रहा हू कि वहा पर सारी सड़कें टूटी पड़ा. हुई हैं। आप किसी भी सड़क को देख लें, उसकी हालत ठीक नहीं है। आप झज्जर की सड़क देख लीजिए। मेरे सामने चौधरी धीरपाल सिंह जी बैठे हैं। ये काफी अर्से तक मन्त्री रहे हैं। इनके गांव तक को सड़क की इतनी बुरी हालत है, जिसका कोई हिसाब नहीं है। ये तकरीबन चार साल मन्त्री रहे लेकिन अपनी सड़क ठीक नहीं करा

सके। इसी प्रकार से झज्जर की सड़क की भी बहुत बुरी हालत है। इसी प्रकार से बेरी की सड़क की भी यही हालत है और दूसरी सड़कों की भी ऐसी ही बुरी हालत है।

श्री धीरपाल सिंहः स्पीकर साहब, मैं इन्हें बताना चाहूंगा कि झज्जर से बादली तक 30 लाख रुपये की लागत से सडक का निर्माण हो रहा है। जब चौधरी भजन लाल जी चीफ मिनिस्टर रहे और चौधरी शेर सिंह जी मंत्री रहे उस समय दो पैसे का काम भी हमारे उस हल्के में नही हो सका। मैं आपका सम्मान करता हूं। लेकिन जिस ढंग से आप बात करते हैं, वह आपको शोभा नही देता।

श्री ओम प्रकाश बेरीः मैंने आपका नाम इसलिए लिया है ताकि आप जवाब दे सकें क्योंकि आप हाउस में बैठे हैं। दूसरे किसी आदमी का नाम लेने का इसलिये कोई फायदा नहीं है क्योंकि वह अपने आप को डिफैंड नहीं कर सकता। रूल्ज का भी आपको ज्ञान होना चाहिए। हमारा सरकार ने सड्कों की मुरम्मत के लिये जो एक प्वायंट प्रोग्राम बनाया है, वह एक बेहतरीन प्रोग्राम है और इस प्रोग्राम के बनने से जहां गरीब लोगों को रोजगार मिलेगा, यहां सड्कों की मुरम्मत भी हो सकेगी और लोगों के लिए रास्ता भी खुलेगा। इसी प्रकार से शिड्यूल्ड कास्टस और बैकवर्ड क्लासिज और दूसरे लोगों की तरक्की के लिए जो राज्यपाल के अभिभाषण में बातें कही गई हैं, वे काफी उत्साहजनक हैं और उस पर हमारी सरकार अमल करेगी, इसमें

कोई शक नही है। अव यह जो मण्डल कमीशन की रिपोर्ट आई, उसके बारे में भी मैं आपको बताना चाहूंगा। मण्डल कमीशन की रिपोर्ट लागू करने का काम पिछली सरकार का था। इन्होंने अपने चुनाव घोषणा पल मैं कहा था कि हम मण्डल कमीशन की रिपोर्ट लागू करेंगे लेकिन जहां मण्डल कमीशन की रिपोर्ट का विरोध हुआ वहां डर के मारे सरकार ने अपने ही बस–डिपुओं को जला दिया और सारी बसों को ही जला दिया। इस किस्म का इनका रवैया रहा है। इन्होंने गुरनाम सिंह कमीशन बैठा कर एक तरह का धोखा किया और लोगों की वोट हासिल करने के लिए लोगों को गुमराह करने का काम किया है।

Mr. Speaker : Shri Om Parkash Beni is on his legs. He will continue his speech tomorrow.

Now the House stands adjourned till 9.30 a.m. tomorrow, the 12th July, 1991.

***19.00 Hrs.**

(The Sabha then *adjourned till 9.30 a.m. on Friday, the 12th July, 1991)